# विपद् पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजना

## सातौं संस्करण

**(२०७६, आषाढ)**

### सुर्खेत जिल्ला

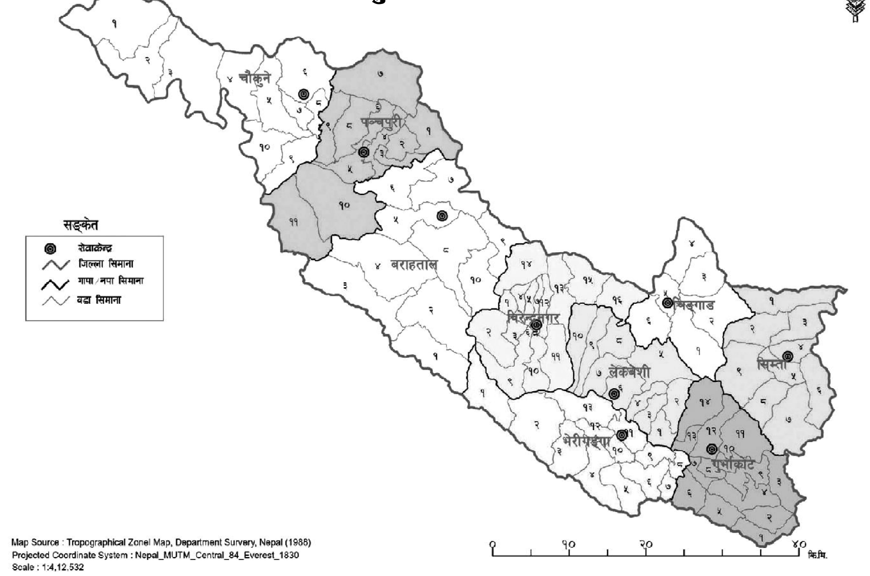


# जिल्ला विपद् व्यवस्थापन समिति

## सुर्खेत

**प्रथम पटक प्रकाशन मिति** : २०६८, फागुन

**सातौं पटक प्रकाशन मिति** : २०७६, आषाढ

**प्रकाशक** : जिल्ला विपद् व्यवस्थापन समिति, सुर्खेत

**फोन** : ०८३-५२०१२१, ०८३-५२०१२३

**फ्याक्स** : ०८३-५२०३११

**ईमेल** : surkhetdao@gmail.com

**Website** : daosurkhet.moha.gov.np

**सर्वाधिकार** : जिल्ला विपद् व्यवस्थापन समिति, सुर्खेत

**प्रकाशन सहयोग** : नेपाल रेडक्रस सोसाइटी, सुर्खेत जिल्ला शाखा (शहरी विपद् जोखिम व्यवस्थापन परियोजना), Practical Action, USAID, सुन्दर नेपाल संस्था, स्याक नेपाल, वातावरण सुधार समाज, सेभ द चिल्ड्रेन, विश्व खाद्य कार्यक्रम

**योजना अद्यावधिक समिति**

| | | | |
|---|---|---|---|
| संयोजक | : | श्री पदमलाल लामिछाने | जिल्ला प्रशासन कार्यालय, सुर्खेत |
| सदस्य | : | श्री गोविन्दप्रसाद आचार्य | नेपाल रेडक्रस सोसाइटी, सुर्खेत |
| सदस्य | : | श्री टीकाराम आचार्य | समाज जागरण केन्द्र (स्याक) नेपाल, सुर्खेत |
| सदस्य | : | श्री भुपेन्द्रप्रसाद कंडेल | सुन्दर नेपाल संस्था, सुर्खेत |
| सदस्य | : | श्री जगतकुमार केसी | वातावरण सुधार समाज, सुर्खेत |

**मुद्रण** : **भवानी छापाखाना (डिजिटल कलर प्रिन्टर्स)**
वीरेन्द्रनगर, सुर्खेत
फोन : ०८५-५२१६१५

नेपाल सरकार
**गृह मन्त्रालय**
# जिल्ला प्रशासन कार्यालय
**वीरेन्द्रनगर, सुर्खेत**

## दुई शब्द

मुलुकका विभिन्न भागमा हरेक वर्ष मौसमजन्य प्राकृतिक प्रकोपका घटनाहरुबाट धेरै धनजनको क्षति हुँदै आएको छ। सुर्खेत जिल्लाको कमजोर भूबनोट, चुरे क्षेत्रको प्रचुरता, अव्यवस्थित बसोवास, तीव्र वन फडानी, अतिवृष्टि, अनावृष्टि आदिका कारणले विपद् तथा जोखिमका घटनाहरु वृद्धि भइरहेका छन्। यस अवस्थालाई दृष्टिगत गरी विगत केही वर्षदेखि जिल्ला प्रशासन कार्यालय सुर्खेतको अगुवाईमा जिल्ला विपद् व्यवस्थापन समितिबाट विपद् पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजना तयार गरिदै आएको व्यहोरा विदितै छ। वि.सं. २०७१ सालमा आएको भीषण बाढीको प्रकोपबाट यस जिल्लाले धनजनको ठुलो मात्रामा क्षति व्यहोर्नु परेको थियो। सोही वर्षको बाढी पहिरोबाट पिडित करिव २०० परिवार हालसम्म पनि विभिन्न अस्थायी शिविरमा रहेको अवस्था छ।

जिल्लामा विपद् व्यवस्थापन कार्य व्यवस्थित रुपमा सञ्चालन गर्न सरोकारवाला निकायहरूको प्रभावकारी सहयोग र समन्वय जुटाउन औपचारिक संयन्त्र एवं निर्णय आवश्यक हुने हुँदा **विपद पूर्व तयारी तथा प्रतिकार्य योजना** तर्जुमा गरिएको छ। सम्बद्ध सबै विषयगत क्षेत्रका अगुवाहरू (Cluster Head) तथा जिल्ला विपद् व्यवस्थापन समितिका सम्पूर्ण सदस्यहरू, cluster मा आबद्ध सबै cluster सदस्यहरुसंगको निरन्तर छलफल तथा सहकार्य, विगतका भोगाई तथा सिकाई अनुभव समेतबाट यो विपद प्रतिकार्य योजना तयार पार्ने काम भएको छ। साथै, सबै विषयगत क्षेत्रका अगुवाहरूको तयारी तथा महत्वपूर्ण राय सुझाव दिई यसलाई परिष्कृत गर्ने कार्यमा योगदान पुऱ्याउनुहुने जिल्लास्थित राजनैतिक दलका प्रमुखज्यूहरु, जिल्ला विपद् व्यवस्थापन समितिका सदस्यज्यूहरु, यस योजना अद्यावधिक समितिका संयोजक लगायत सबै सदस्य समेतलाई विशेष धन्यवाद दिन चाहन्छु। साथै, परिमार्जन गर्न सहयोग, सहजीकरण, सम्पादन तथा छपाई कार्यमा विशेष सहयोग गर्ने सबैलाई धन्यवाद दिन चाहन्छु।

अन्तमा यस विपद् पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजनालाई प्रभावकारी कार्यान्वयन गर्न सम्बद्ध सबै निकायहरुबाट पूर्णरुपमा सहयोग पुग्ने अपेक्षा गरेको छु।

२०७६ आषाढ

**फणिन्द्र मणि पोखरेल**
प्रमुख जिल्ला अधिकारी
एवम्
अध्यक्ष
जिल्ला विपद् व्यावस्थापन समिति
सुर्खेत

# विषयसूची


| विषयवस्तु | पृष्ठ सङ्ख्या |
|---|---|
| **परिच्छेद-१ : पृष्ठभूमि** | **१-१९** |
| १.१ जिल्लाको सामान्य जानकारी तथा पृष्ठभूमि | १ |
| १.२ जिल्लाको भौगोलिक भू-बनावट सम्बन्धी संक्षिप्त जानकारी | २ |
| १.२.१ भू-धरातलीय स्वरूप र क्षेत्र | २ |
| १.२.२ महाभारत श्रृङ्खला | २ |
| १.२.३ मध्य मैदानी उपत्यका तथा पहाडी क्षेत्र | ३ |
| १.२.४ चुरे भावर श्रृङ्खला | ३ |
| १.२.५ भू-क्षेत्रको भिरालोपना | ३ |
| १.३ जनसंख्या | ४ |
| १.४ परिस्थिति तथा योजना तर्जुमासम्बन्धी पूर्वानुमान | ५ |
| १.५ सीमाना | ५ |
| १.६ भू-उपयोग | ५ |
| १.७ प्राकृतिक प्रकोपको अवस्था | ६ |
| १.८ विगत वर्षमा विपद्बाट भएको प्रभाव तथा पूर्वानुमान | ७ |
| १.९ जिल्लास्थित सरोकारवालाको स्रोत तथा क्षमता विश्लेषण | १२ |
| १.१० बाह्य क्षमता | १२ |
| १.११ प्रतिकार्य योजनाको अपेक्षित नतिजा | १५ |
| १.१२ प्राकृतिक प्रकोपको पूर्व तयारी योजनाको उद्देश्य | १६ |
| १.१३ विपद् तयारी योजनाको उद्देश्यहरू | १६ |
| १.१४ क्षेत्रगत अवधारणा | १६ |
| १.१५ विषयगत क्षेत्रका अगुवा संस्थाको सम्पर्क विवरण | १८ |
| **परिच्छेद-२ : समन्वय, खोज तथा उद्धार उपसमिति** | **२०-३१** |
| २.१ विषय क्षेत्रको परिचय : समन्वय, खोजी तथा उद्धार | २० |
| २.२ विपद्ले पुऱ्याउन सक्ने असरको अवस्था | २१ |
| २.३ विषयगत उद्देश्य | २१ |
| २.४ मानवीय सहयोगको मापदण्ड | २१ |
| **परिच्छेद-३ : खाद्यान्न तथा जीविकोपार्जन व्यवस्थापन उपसमिति** | **३२-३७** |
| ३.१ विषयगत क्षेत्रको परिचय : खाद्यान्न तथा जीविकोपार्जन व्यवस्थापन | ३२ |
| ३.२ उद्देश्य | ३२ |
| ३.२.१ सामान्य उद्देश्य | ३३ |
| ३.२.२ विशिष्ट उद्देश्य | ३३ |

| विषयवस्तु | पृष्ठ सङ्ख्या |
|---|---|
| ३.३ निकायगत स्रोत साधनको आँकलन | ३६ |
| ३.४ मानवीय सहयोग मापदण्ड | ३६ |
| **परिच्छेद-४ : गैर खाद्य तथा अस्थायी आश्रयस्थल व्यवस्थापन उपसमिति** | **३८-४४** |
| ४.१ अनुमानित अवस्था | ३८ |
| ४.२ विपद्बाट सम्भावित मानवीय असरहरू | ३८ |
| ४.३ उद्देश्य | ३८ |
| ४.३.१ सामान्य उद्देश्य | ३९ |
| ४.३.२ विशिष्ट उद्देश्य | ३९ |
| ४.४ न्यूनतम मापदण्ड | ३९ |
| ४.४.१ न्यूनतम कार्यहरू | ३९ |
| ४.४.२ अनुगमन तथा मूल्याङ्कका लागि सूचकहरू | ३९ |
| ४.५ लागत विवरण | ४२ |
| ४.६ मानवीय सहयोग सम्बन्धी मापदण्ड | ४४ |
| **परिच्छेद-५ : सूचना तथा राहत व्यवस्थापन उपसमिति** | **४५-५४** |
| ५.१ विषय क्षेत्रको परिचय : सूचना तथा राहत व्यवस्थापन उपसमिति | ४५ |
| ५.२ बाढी पूर्वसूचना प्रणाली | ४५ |
| ५.२.१ उद्देश्य | ४५ |
| ५.२.२ जिम्मेवारी | ४५ |
| ५.२.३ न्यूनतम मापडण्ड | ४६ |
| ५.२.४ आधारभूत कार्यहरु | ४६ |
| ५.३ सुर्खेत जिल्लामा बाढीको पूर्वानुमान | ४७ |
| ५.३.१ पूर्वतयारीका कार्यहरु | ४८ |
| ५.४ यस समितिका सूचना सम्बन्धी कार्यहरू | ५२ |
| ५.५ समन्वय | ५३ |
| ५.६ राहत व्यवस्थापन सम्बन्धी कार्य | ५३ |
| ५.७ ढुवानी | ५३ |
| ५.८ अनुगमन | ५३ |
| ५.९ राहत अर्न्तगत पहिलो चरणमा | ५४ |
| ५.१० स्रोतका आधारहरू | ५४ |
| ५.११ टीम | ५४ |
| **परिच्छेद-६ : खानेपानी तथा सरसफाइ व्यवस्थापन उपसमिति** | **५५-६०** |
| ६.१ अनुमानित अवस्था | ५५ |
| ६.२ उद्देश्यहरू | ५५ |
| ६.२.१ विषयगत उद्देश्य | ५५ |
| ६.२.२ विशिष्ट उद्देश्य | ५५ |

| विषयवस्तु | पृष्ठ सङ्ख्या |
|---|---|
| ६.३ प्रतिकार्य योजना | ५९ |
| ६.४ खानेपानी तथा सरसफाइका क्षेत्रमा मानवीय सहयोगका न्यूनतम मापदण्ड | ६० |
| **परिच्छेद-७ : स्वास्थ्य तथा पोषण उपसमिति** | **६१-७५** |
| ७.१ अनुमानित अवस्था | ६१ |
| ७.२ विषयगत उद्देश्य | ६१ |
| ७.३ विशिष्ट उद्देश्य (स्वास्थ्य) | ६२ |
| ७.४ विशिष्ट उद्देश्य (पोषण) | ६२ |
| ७.५ मुख्य विपद्को किसिम : झाडा पखाला/आउँ | ६६ |
| ७.६ मुख्य विपद्को किसिम : डेंगु र स्क्रब टाईफस | ६७ |
| ७.७ श्वास प्रश्वास रोग (ARI) र रुघा खोकी/फ्लु | ६८ |
| ७.८ स्वास्थ्य तथा पोषण | ६९ |
| ७.८.१ प्रकोप जोखिम विश्लेषण | ७२ |
| ७.९ सुर्खेत जिल्लामा रहेका एम्बुलेन्सहरुको विवरण | ७३ |
| ७.१० स्थानीय तहमा खटिएका स्वास्थ्य संयोजक तथा सह-संयोजक | ७४ |
| ७.११ मानवीय सहयोगसम्बन्धी न्यूनतम मापदण्ड | ७५ |
| **परिच्छेद-८ : शिक्षा तथा संरक्षण व्यवस्थापन उपसमिति** | **७६-९६** |
| ८.१ शिक्षा उपसमिति | ७६ |
| ८.१.१ वस्तुस्थिति | ७६ |
| ८.१.२ समष्टिगत उद्देश्य | ७६ |
| ८.१.३ विशिष्ट उद्देश्य | ७७ |
| ८.१.४ शिक्षामा मानवीय सहयोग सम्बन्धी न्यूनतम मापदण्ड | ७७ |
| ८.१.५ आधारभूत (प्राथमिक) तहका लागि | ७८ |
| ८.१.६ विपद् सम्बन्धी परिस्थिति : बाढीका सम्भावित मानवीय असर (शिक्षा) | ८१ |
| ८.१.७ द्रूत उद्धार कार्य समिति | ८७ |
| ८.२ अनुमानित अवस्था | ८८ |
| ८.२.१ संरक्षण किन | ८८ |
| ८.२.२ प्रभावित क्षेत्रमा हुन सक्ने मानवीय अवस्था | ८८ |
| ८.२.३ उद्देश्य | ८९ |
| ८.२.४ अबको रणनीति | ९० |
| ८.२.५ न्यूनतम कार्यहरु | ९३ |
| ८.२.६ संरक्षणमा मानवीय सहयोगको न्यूनतम मापदण्ड | ९४ |
| ८.२.७ न्यूनतम आवश्यक गैह्रखाद्य सामग्रीहरुको सूची | ९४ |
| **परिच्छेद-९ : भौतिक पूर्वाधार विकास तथा पुनर्निर्माण व्यवस्थापन उपसमिति** | **९७-१००** |
| ९.१ अनुमानित अवस्था | ९७ |
| ९.२ उद्देश्य | ९७ |

| विषयवस्तु | पृष्ठ सङ्ख्या |
|---|---|
| ९.३ प्रतिकार्य योजना | १०० |
| ९.४ गतिविधि र श्रोत | १०० |
| **परिच्छेद-१० : कार्यान्वयन र पुनरावलोकन रणनीति** | **१०१** |
| ११.१ विपद् प्रतिकार्य पूर्वतयारी योजना क्रियाशील हुने | १०१ |
| ११.२ विपद् प्रतिकार्य पूर्वतयारी योजनाको कार्यान्वयन | १०१ |
| ११.३ विपद् प्रतिकार्य पूर्वतयारी योजनाको नियमित समीक्षा तथा अद्यावधि | १०१ |
| ११.४ सहयोग र समन्वय | १०१ |
| **परिच्छेद-११ : प्रतिवेदन तथा अभिलेखन** | **१०२** |
| १२.१ प्रतिवेदन तथा सञ्चार | १०२ |
| १२.२ संस्थागत व्यवस्था | १०२ |
| १२.३ अभिलेखीकरण | १०२ |
| १२.४ अनुमोदन प्रक्रिया | १०२ |
| **सन्दर्भ सामग्री पुनरावलोकन** | **१०३** |
| **अनुसुचीहरू** | **१०४-१३६** |

## परिच्छेद : १

# पृष्ठभूमि

### १.१ जिल्लाको सामान्य जानकारी तथा पृष्ठभूमि

सुर्खेत जिल्ला चुरे पहाड र महाभारत शृङ्खलाको बीचमा अवस्थित कमजोर भू-धरातल भएको पहाडी जिल्ला हो । यो जिल्ला २८°२०''-२८°५८'' उत्तरी अक्षांश र ८०°५९''-८२°०२'' पूर्वी देशान्तरभित्र रहेको छ । समुन्द्र सतहबाट १९८ मीटर देखि २३६७ मीटरसम्मको उचाईमा रहेको यसको कुल क्षेत्रफल २४५१ वर्ग कि.मी. रहेको छ । भौगोलिक दृष्टिले कमजोर पत्रे चट्टानले बनेको चुरे पर्वत शृङ्खला, बेसी तथा उपत्यका र महाभारत पर्वत रहेको यो जिल्ला उत्तरबाट दक्षिणतर्फ पानीढल भई पहिरोको दृष्टिले पनि संकटासन्न अवस्थामा रहेको जिल्ला हो । यस जिल्लाको पश्चिम क्षेत्रमा ज्वालामुखीबाट बनेका पहाड तथा कन्दराहरु छन् । जहाँ अझैपनि अनेकौं धाँजा फाटेको देख्न सकिन्छ । संयूक्त राष्ट्रसंघको २००४ को प्रतिवेदन अनुसार नेपाल विश्वका १९८ मुलुक मध्ये भूकम्पीय जोखिमका दृष्टिले ११औं स्थानमा, पानीजन्य प्रकोपको जोखिमका दृष्टिले ३०औं स्थानमा, र जलवायु परिवर्तनबाट उत्पन्न जोखिमका दृष्टिले चौथो स्थानमा रहेको छ । यसकारण नेपालमा विपद् जोखिम व्यवस्थापनमा उच्च सतर्कता आवश्यक देखिन्छ । संभावित विपद्को घटनाको पूर्वानुमान गरी विपद्पूर्व नै यथोचित पूर्वतयारीका कार्यहरु गरियो भने विपद्बाट हुनसक्ने मानविय क्षति र भौतिक, सामाजिक, साँस्कृतिक, प्राकृतिक र आर्थिक क्षेत्रमा हुने क्षति उल्लेख्य रुपमा न्यून गर्न सकिन्छ ।

नेपालको औसत तापक्रम वृद्धिदर विश्वको औषत तापक्रम वृद्धिदरको तुलनामा बढी रहेको छ । तापक्रम वृद्धिको गति यही अनुपातमा रहने हो भने नेपालका करिब ३ हजार हिमनदी मध्ये तीन चौथाई हिमनदी आगामी सन् २०३० सम्ममा सुक्न सक्ने अनुमान विज्ञहरूले गरेका छन् । नेपालको धेरैजसो भू-भागहरु पत्रे चट्टान र खुकुलो भू-बनावट भएका कारण पहिरो, भूकम्प जस्ता प्रकोपका दृष्टिले जोखिमपुर्ण देखिन्छन् । सामान्यतया नेपालमा ८० देखि १०० वर्षको अन्तरालमा नेपालमा ठूलो भूकम्प जाने गरेको अध्ययनले देखाएको छ भने २०७२ साल बैशाख १२ गते विनासकारी भुकम्प गएको थियो जुन ८०/८१ वर्षको अन्तराल गएको थियो र यसका कारण नेपालका ३६ वटा जिल्ला प्रत्यक्ष प्रभावित भएका थिए । त्यसमध्ये पनि १४ वटा जिल्ला अन्यभन्दा बढी प्रभावित भएका थिए । यस भुकम्पका कारण ८८९१ जनाको मृत्यु भएको छ । २ लाख भन्दा वढी घरहरू क्षतीग्रस्त भएका थिए । यस प्रकोपबाटबाट २२ लाख व्यक्ति विस्थापित भएका छन् । २० देखि २१ हजार मानिसहरु घाइते भएका थिए । यस दुःखद घटनाबाट पाठ सिक्दै विपद्लाई टार्न नसकिए पनि आगामी दिनमा विपद्को प्रभाव न्यून गर्न आवश्यक पूर्वतयारी गर्नु नै उत्तम विकल्प हो । विभिन्न अध्ययन तथा प्रयोगबाट विपद् पूर्वतयारीका क्रियाकलापले विपद्बाट हुने मानवीय क्षति न्यून गर्न सकिने कुरा प्रमाणित भएको छ ।

भेरी र कर्णाली नदी लगायत गोचेखोला, छिन्चुखोला, झुप्राखोला, चिङ्गाडखोला, गिरीघाटखोला, सोतखोला, नेवारेखोला, इत्रामखोला, खोर्केखोला एवम् निकासखोला जस्ता नदी र खोलाहरु यसै जिल्लाको भूभाग भएर

बग्ने भएकाले यो जिल्ला बाढीको उच्च जोखिममा रहेको छ भन्दा अतियुक्ति नहोला । जिल्लाको १३ प्रतिशत भूभाग चुरे र ४३ प्रतिशत भूभाग महाभारत पहाडले आगटेको हुनाले यस जिल्लामा पहिरोको जोखिम पनि उच्च नै रहेको छ । त्यसैगरी, आगलागी, महामारी र सडक दुर्घटना जस्ता प्रकोपहरुको जोखिम पनि यस जिल्लामा विद्यमान रहेको छ । प्रस्तुत विपद् पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजना यिनै विद्यमान प्रकोपका जोखिमलाई आँकलन गरी सबै सरोकारवालाहरुको सक्रिय सहभागीतामा प्रभावकारी प्रतिकार्य गर्न तयार गरिएको छ । भूकम्पको पूर्वसुचना गर्न र पूर्वानुमान गर्न पनि नसकिने हुँदा भूकम्पिय जोखिमलाई कम गराउन आवश्यक योजना निर्माण र प्रभावकारी प्रतिकार्यलाई उच्च प्राथमिकतामा राखिएको छ ।

## १.२ जिल्लाको भौगोलिक भू-बनावट सम्बन्धी संक्षिप्त जानकारी

### १.२.१ भू-धरातलीय स्वरूप र क्षेत्र (Landscape and Area)

सुर्खेत जिल्ला भौगोलिक दृष्टिले अत्याधिक विविधता भएको जिल्लाको रूपमा लिन सकिन्छ । भौगोलिक अवस्थिति हेर्ने हो भने यो समुद्री सतहबाट १९८ मीटरदेखि २,३६७ मीटरसम्म फैलिएको छ । जिल्लाको भौगोलिक स्थिति र यसको स्वरूपलाई मुख्यतया यसको भू-आकृतिको बनोट, उचाईगत भिन्नता र भौगर्भिक संरचनाको आधारमा तीन प्रकारको प्रणालीमा विभाजन गरेर व्याख्या विश्लेषण गर्न सकिन्छ ।

### १.२.२ महाभारत शृङ्खला (Mahabharat Range)

सुर्खेत जिल्लाको उत्तर-पूर्वमा अवस्थित जर्बुटा, नेटा, अवलचिङ, पाम्का, मटेला, रजेना, गर्पन, राकम, काप्रीचौर, लेखफर्सा, गुमी, रानीबास, तथा मध्यमा पर्ने लेखगाउँ र पश्चिममा पर्ने छाप्रेमा पर्ने १,००० मीटरभन्दा माथिका उच्च पर्वतीय क्षेत्रहरू २० देखि ४० ढालीय कोणयुक्त प्राचीन चट्टानयुक्त महाभारत पर्वत श्रृङ्खलामा पर्दछ । अति उच्च ढालीय कोण (भिरोलोपन) भएका यी भू-क्षेत्रहरूमा कंकड खैरोमाटोको बाहुल्यता रहनुको साथै यो क्षेत्र भू-क्षयको दृष्टिकोणले पनि अति संवेदनशील रहेको छ । सुर्खेत जिल्लाको करिब ४३ प्रतिशत भू-भाग क्षेत्र महाभारत श्रृङ्खलाले ओगटेको छ ।

सुर्खेत जिल्लाको सबैभन्दा उच्च भू-भाग (२,३६७ मीटर) मटेलाको गुराँसे डाँडा हो । उच्च ढालीय कोण भएको पहाडी भीर, पाखा र खोंचहरूको बाहुल्यता भएको यस क्षेत्रमा निरन्तर रूपमा वर्षामा परेको पानीले उर्वर मलिलो माटोहरू बगाएर दक्षिणतर्फ रहेका समथर भू-भागहरूमा थुपार्ने हुँदा दक्षिणतर्फ रहेका फाँटिला मैदानी भागहरू बढी उर्वर रहन गएको छ । जिल्लाको उत्तरी भू-भागको भौगोलिक अवस्था एकै प्रकारको छैन । यस जिल्लाको च्यारकुले गाउँदेखि पूर्व राकम भेरी नदीसम्मको भू-भागलाई बीचमा पश्चिमबाट पूर्व बग्ने सिम्ताखोलाले दुई भागमा बाँडिदिएको छ । काप्रिचौर, डाँडाखाली, खानीखोलाको उत्तरी भागबाट बगेको पानी यसै खोलामा मिसिन्छ । उत्तरको बजेडीचौर, काफलकोट आदि क्षेत्रको पानी पनि दक्षिणतर्फ रहेको यसै खोलामा मिसिन पुग्दछ । त्यसैगरी धरमपोखरा, लेखफर्सा, नेटा, अवलचिङ, पाम्का, मटेला, गर्पन, लेखगाउँ, गढी, छाप्रे, विद्यापुर, वावियाचौर, पोखरीकाँडा देखि वेतानसम्मका दक्षिणी पानी ढलबाट बगेका नदी तथा खोलाहरू भेरी नदीमा मिसिन आइपुग्छन् । जिल्लाको उत्तरी भेगमा अवस्थित पहाडी श्रृङ्खलाहरू परिवर्तित चट्टान, बलौटे ढुङ्गा र चुन ढुङ्गाले बनेको हुँदा यस क्षेत्रमा प्राकृतिक सुरुङ्ग र गुफाहरू प्रशस्त पाइन्छन् । जाजुरा दह पनि यसै श्रृङ्खलाको दक्षिणी पानी ढलमा पर्दछ ।



### १.२.३ मध्य मैदानी उपत्यका तथा पहाडी क्षेत्र (Middle Plains Valleys and Hills)

सुर्खेत जिल्लाको मध्यभागमा समुद्र सतहबाट २५० देखि १,००० मीटरसम्मको उचाइ तथा १० देखि २० डिग्री सम्मको भू-धरातलीय मध्य-ढालीय कोणदेखि समथर मैदानी क्षेत्र रहेको छ । यस क्षेत्रमा पूर्ण विकसित पांगो माटो, बलौटे दोमट माटो, दोमट माटो र नवीनतम् चट्टानीय संरचनाको बाहुल्यता रहेको छ । नदीको निक्षेपण मैदान, नदी, गहर भू-भाग संरचनात्मक उपत्यका तथा निम्न होचो पहाडी श्रृङ्खलामा यो क्षेत्र फैलिएको छ । माथिल्लो तथा नदीद्वारा थुपारिएको उर्बरा माटो भएको यो भौगोलिक संरचना सापेक्ष रूपमा कृषियोग्य रहेको छ । जिल्लाको झण्डै ४२ प्रतिशत भू-भाग ओगटेको यस क्षेत्रमा धान, गहुँ, र तोरीको खेती प्रचुर मात्रामा हुन्छ । करिब ८०.६ कि.मि. मा फैलिएको यो भित्री मधेसको भौगोलिक संरचनालाई बीच-बीचमा सानातिना थुम्काथुम्की तथा नदीनालाहरूले खण्डीकरण गरेको छ । सबै स्थानमा एकै प्रकारको चौडाइ नभए तापनि भेरी नदीको दायाँ-वायाँ दुबैतर्फ फैलिएको समथर जग्गा समेतलाई समेट्दा यसको सरदर चौडाइ ८ किलोमिटर जति हुन आउँदछ ।

वि.सं. २०२३ सालभन्दा अगाडि यो भू-भागमा औलोको प्रकोप थियो र हिउँद महिनाहरूमा मात्र मानिसहरू बसोबास गर्ने गर्दथे । औलो उन्मूलन भएपश्चात पहाडी क्षेत्रमा बसोबास गर्ने मानिसहरू यस उपत्यकामा बसोबास गर्न थालेको तथ्याङ्ले देखाउँछ । औलो प्रकोपकै कारणले गर्दा सुर्खेतलाई त्यसबेला कालापानीको नामबाट पनि चिन्ने गरिन्थ्यो । सुर्खेत जिल्लाको पूर्वमा पर्ने कल्याण, दशरथपुर, लेखपर्सा, गुमी, घुमखहरे, सहारे, मेहेलकुना, मैनतडा, छिन्चु तथा मध्य (सुर्खेत उपत्यकामा पर्ने वीरेन्द्रनगर नगरपालिका लगायत साविकका उत्तरगंगा र लाटीकोइली गा.वि.स.को साथै पश्चिमी भागमा पर्ने कुनाथरी, वावियाचौर, विद्यापुर, कल्याण, घाटगाउँ र गुठु गा.वि.स.हरू यस भौगोलिक क्षेत्रमा पर्दछन् । भेरीनदीको दुवै किनाराको आसपासमा अवस्थित यी समथर फाँट तथा उपत्यकाहरू निकै मलिलो भएकोले यो क्षेत्र कृषि प्रयोजनको लागि ज्यादै उपयुक्त रहेको छ । तर, यो क्षेत्रमा समुचित रूपमा सिंचाइको व्यवस्था भने हुन नसकेको अवस्था छ ।

### १.२.४ चुरे भावर श्रृंखला (Churia-Bhavar Range)

सुर्खेत जिल्लाको दक्षिण भागमा समुद्र सतहबाट करिब १,००० देखि १,५०० मीटरसम्मको उचाई र ३० डिग्रीभन्दा बढी भू-धरातलीय ढालीय कोण भएको भेरी र बबई नदीको बीचमा फैलिएको कमजोर भू-संरचना भएको चुरिया (चुरे भावर) श्रृङ्खला पर्दछ । कंकड बलौटे माटोको अधिकता भएको यो भू-संरचना कृषिको लागि खासै उपयुक्त नहुने भए तापनि वन सम्पदाको लागि भने बढी उपयोगी देखिन्छ । सुर्खेत जिल्लाको दक्षिणमा अवस्थित यस चुरिया श्रृङ्खलामा बर्दिया राष्ट्रिय निकुञ्ज र साविकका लेखपराजुल, छिन्चु, तातापानी, हरिहरपुर गाविसहरु पर्दछन् । जिल्लाको कूल भौगोलिक क्षेत्रको झण्डै १३ प्रतिशत भू-भाग चुरिया श्रृङ्खलाले ओगटेको छ ।

### १.२.५ भू-क्षेत्रको भिरालोपना (Slope)

जमीनको भिरालोपना जति बढी हुन्छ सोही अनुपातमा भू-क्षयको सम्भावना बढ्नुको साथै सो जमीनको उर्वरा शक्ति कम हुने र सिंचाईको सुबिधा उपलब्ध गराउनुमा कठिनाई पर्दछ । पर्यावरणीय दृष्टिकोणले १८% सम्मको भिरालो जमीनमा (९० डिग्रीलाई शतप्रतिशत भिरालोपन मान्दा) न्यूनतम भू-क्षय हुने तथ्यलाई

दृष्टिगत गरी कतिपय मुलुकले १८% भन्दा माथिको भिरालोपन भएको जमीनको भू-उपयोगलाई नियन्त्रण गरेको तथा ५०% भन्दा माथिको भिरालो जमीनलाई पूर्णरूपले संरक्षित भूमिको रूपमा राखेको पाइन्छ । समग्रमा हेर्नुपर्दा ईसिमोडद्वारा वि.सं. २०५४ सालमा प्रकाशित नेपाल राज्यको ७५ वटै जिल्लाको विकास सम्बन्धी सूचकाङ्कको प्रतिवेदन अनुसार सुर्खेत जिल्लाको कूल क्षेत्रफल मध्ये ५०.२० प्रतिशत भू-भाग ३० डिग्रीभन्दा कम भिरालोपना भएको देखिन्छ । भू-बनोटको आधारमा सुर्खेत जिल्लालाई अध्ययन विश्लेषण गर्ने हो भने यहाँको भौगोलिक अवस्थितिलाई गहिरा नदी र खोलाले सदिऔंदेखि चिर्दै लगेको पहाडी जिल्लाको रूपमा हेर्नुपर्ने हुन्छ । सुर्खेत जिल्लाको भौगोलिक अवस्थितिलाई हेर्दा जिल्लाको दक्षिणतर्फ चुरिया भावर, बीचमा दुन उपत्यका र उत्तरतर्फ महाभारत पर्वत श्रृङ्खला पर्दछ ।

**सुर्खेत जिल्लाको भौगोलिक क्षेत्रको भिरालोपनाको अवस्था**

| भिरालोपना | वर्गीकरण | क्षेत्रफल (हेक्टरमा) |
|---|---|---|
| १ | ३ प्रतिशत भन्दा कम | १२१.५ (०.०५%) |
| २ | ३ देखि १५ प्रतिशत | १३,७७९.२ (५.५३%) |
| ३ | १५ देखि ३० प्रतिशत | १,११,१०२.४ (४४.६२%) |
| ४ | ३० देखि ६० प्रतिशत | - |
| **जम्मा** | | **२,४९,०१६ (१००%)** |

*स्रोत : जिल्ला भू-संरक्षण कार्यालय, सुर्खेत*

## १.३ जनसंख्या (Population)

वि.सं. २०३८ सालको जनगणना अनुसार सुर्खेत जिल्लाको जनसंख्या १,६६,१९६ मात्र थियो । यसपछि वि.सं. २०४८ सालमा लिइएको राष्ट्रिय जनगणना अनुसार सुर्खेत जिल्लाको कूल जनसंख्या २,२५,७६८ रहेको थियो, जसमा पुरूष १,११,८४३ (४९.५%) र महिलाहरूको जनसंख्या १,१३,९२५ (५०.५%) देखिएको थियो भने अर्को १० वर्षको अन्तरालमा अर्थात वि.सं. २०५८ सालको जनगणना अनुसार जिल्लाको कूल जनसंख्या २,८८,५२७ भएको देखिन्छ । २०६८ सालको गणनामा सुर्खेतको जनसंख्या ३,४०,३१८ (पुरुष १,६२,६७२ र महिला १,८०,६४६) रहेको देखिन्छ । जिल्लाको गाउँपालिका र नगरपालिकाको क्षेत्रफल र जनसङ्ख्या निम्नानुसार रहेको छ । हाल नेपाललाई पुनर्संरचना गरिएपश्चात निर्माण भएका स्थानीय तह र तिनले आगटेको क्षेत्रफल र जनसंख्या विवरण निम्नानुसार रहेको छ ।

| क्र.सं. | गाउँपालिका वा नगरपालिका | क्षेत्रफल (वर्गकिमी) | जम्मा जनसंख्या |
|---|---|---|---|
| १ | वीरेन्द्रनगर नगरपालिका | २५६.०६ | १००४५८ |
| २ | भेरीगंगा नगरपालिका | २५६.२० | ४१४०७ |
| ३ | गुर्भाकोट नगरपालिका | २२८.६२ | ४३७६५ |
| ४ | पञ्चपुरी नगरपालिका | ३२९.९० | ३२२३१ |
| ५ | लेखबेसी गाउँपालिका | १८०.९२ | ३०९२५ |
| ६ | चौकुने गाउँपालिका | ३८१.०१ | २५२४० |
| ६ | बराहताल गाउँपालिका | ४५५.०९ | २६८०२ |
| ८ | चिङगाड गाउँपालिका | १७०.१९ | १७२७५ |
| ९ | सिम्ता गाउँपालिका | २४१.६४ | २५८५४ |

*स्रोत : राजपत्र, २०७४ फागुन २६*

सुर्खेत जिल्लाको विगत २०६८ को जनगणना तथा त्यसपछिका वर्षको अनुमानित जनसंख्या देहाय बमोजिम रहेको छ ।

| क्र.सं. | वि.सं. | जम्मा जनसंख्या | कैफियत |
|---|---|---|---|
| १ | २०६८ | ३,४०,३१८ | जनगणना २०६८ |
| २ | २०७३ | ३,८६,९०७ | अनुमान |
| ३ | २०७४ | ३,९४,५६९ | अनुमान |
| ४ | २०७५ | ४,०२,३८३ | अनुमान |
| ५ | २०७६ | ४,१०,३५४ | अनुमान |

*स्रोत : जिल्ला तथ्याङ्क कार्यालय, सुर्खेत*

## १.४ परिस्थिति तथा योजना तर्जुमासम्बन्धी पूर्वानुमान (Forecasting Situation and Plan Formulation)

सुर्खेत जिल्लामा वि.सं. २०६३, २०६४ र २०७१ मा आएको बाढी र २०७२ सालको भूकम्पको प्रभाव तथा २०६५ देखि २०७५ सम्म जिल्लामा गरिएका विपद् जोखिम न्यूनिकरणका क्रियाकलापहरूलाई मध्यनजर गरी वि. सं. २०७६ का लागि योजना तर्जुमा गरिएको छ । वि.सं. २०७१ श्रावणमा आएको बाढी पहिरोबाट हालसम्मकै सबैभन्दा बढी जनसंख्या प्रभावित भएको र आगामी दिनमा समेत विपद्को प्रभाव न्युन गर्न यस वर्ष २०७६ (सन् २०१९) लाई निम्न बमोजिम विपद्को असरको पूर्वानुमान गरी विपद् पूर्वतयारी प्रतिकार्य योजना तयार गरिएको छ ।

## १.५ सीमाना (Borders)

कर्णाली प्रदेशको राजधानी सुर्खेत जिल्ला भएपनि विकासका दृष्टिले यो जिल्ला अन्यको तुलनामा पछाडि रहेको छ । यो जिल्ला कर्णाली क्षेत्रबाट काठमाण्डौ, नेपालगञ्ज, जाजरकोट लगायतको क्षेत्रमा जानका लागि प्रवेशद्वार हो । यसको सीमानामा निम्न जिल्लाहरु पर्दछन् ।

पूर्व : सल्यान जिल्ला
पश्चिम : अछाम, डोटी, कैलाली जिल्ला
उत्तर : दैलेख, जाजरकोट जिल्ला
दक्षिण : बर्दिया जिल्ला

**हावापानी :**

अधिकतम तापक्रम : ४० डिग्री सेन्टीग्रेड
न्युनतम तापक्रम : २५ डिग्री सेन्टीग्रेड

## १.६ भू-उपयोग

सुर्खेत जिल्लाको श्रोत नक्शा अनुसार २४९०१६ हेक्टर जमिन कृषि योग्य र आवास क्षेत्रको भूमि ६६५९६ हेक्टर अर्थात कुल जग्गाको २६.०१६ प्रतिशत रहेको छ । यसैगरि जिल्ला कृषि विकास कार्यालयको

०६४/०६५ मा प्रकाशित गरेका प्रगती पुस्तिकामा खेती योग्य जमिन भुमि ५२२०० हेक्टर मात्र रहेको छ। अर्थात जिल्लाको कुल भूभाग मध्य २०.९६ प्रतिशत रहेको मध्य पनि ३७४४४ हेक्टर सो खेती गरिएको जमिन मध्य २१०११ हेक्टर जमिनमा सिचाइ सुविधा उपलब्ध भएको छ भने वर्षभरि सिँचाइ सुविधा भएको ११९४१ हेक्टर जमिन रहेको छ।

## १.७ प्राकृतिक प्रकोपको अवस्था

सुर्खेत उपत्यका, चुरे पर्वत श्रृखला र महाभारत पर्वतले ढाकिएको छ। यहाँ बबई, भेरी र कर्णाली नदीले सुर्खेतलाई चारैतिरबाट घेरेको अवस्था छ। यी बाहेक निम्न खोलाहरु पनि रहेका छन् :

(क) **झुप्रा खोला** : रतु, गर्पन र वीरेन्द्रनगर भई भेरी नदीमा मिसिने यस खोलाको उद्गम महाभारत पर्वत श्रृखलामा पर्दछ। हिउँदमा पानी नहुने र उक्त समयमा गिटी, बालुवा अत्यधिकरुपमा निकाल्नाले यो खोलाले वीरेन्द्रनगर नगरपालिकामा वर्षायाममा बाढी विपद् निम्त्याउने गर्छ।

(ख) **सिम्ता खोला** : सुर्खेतको पूर्वउत्तरमा पर्ने सिम्ता दहबाट राकम वादेपिपलको भेरीमा मिसिने यस खोलाले आफ्नै किनारमा रहेका खेतहरु कटान र बालुवा पटान गर्ने गर्दछ।

(ग) **खहरेखोला** : गुमी र लेखफर्साबाट बग्दै भेरीमा मिसिने यो खोलामा पनि गिटी बालुवा झिक्ने काम भएदेखि यसका तटिय क्षेत्रमा बसोबास गर्ने समुदायहरु बढीको जोखिममा रहेको देखिन्छ। लेखफर्सामा रहेको राते खोलाले पनि तटिय क्षेत्रमा रहेका समुदायमा पहिरो निम्त्याएको पाइन्छ।

(घ) **चिङ्गाड खोला** : अवलचिङ्ग, नेटा, पाम्का, मटेला र साटाखानी भई भेरीमा मिसिने यो नदीबाट सिँचाई गर्न सकिने सम्भावना रहेको छ।

(ङ) **गोछे खोला** : मालारानी, सहारे, मेहेलकुना हुँदै भेरीमा मिसिने यस खोलाले सिँचाई तथा माछा पालन र पानी घट्टमा सहयोगी भएको छ।

(च) **भेरी नदी** : काञ्जिरोवा हिमाल उद्गमस्थल भएको भेरी यस जिल्लाको पूर्वमा पर्ने राकमबाट पश्चिमतर्फ घाटगाउँको वीरगौंडामा पुगेर कर्णाली नदीमा मिसिन्छ। यो नदीले बजेडीचौर, राकम, काप्रिचौर, धारापानी, घुमखहरे, दहचौर, सहारे, छिन्चु, कल्याण, साटाखानी, गुमी, लेखफर्सा, दशरथपुर, लेखपराजुल, हरिहरपुर, कुनाथरी, तरङ्गा, तातापानी र घाटगाउँलाई प्रभावित पार्दछ। यो नदीको किनारमा केही ठाउँमा बाढी प्रकोपको जोखिम छ भने केही ठाउँमा नदीमा बगेर आएको फोहोरका कारण महामारी फैलन सक्ने सम्भावना पनि रहेको छ।

(छ) **कर्णाली** : मानसरोवर उद्गमस्थल भएको कर्णाली नदी सुर्खेत जिल्लाको पोखरीकाँडा हुँदै तातापानी, घाटगाउँ भएर बग्दछ। यो प्रसिद्ध र नेपालको दोस्रो ठूलो नदी हो।

(ज) **ईत्राम खोला** : यो खहरे खोला हो र प्रायः सुख्खा नै देखिन्छ। यस खोलाको शिरमा पानीका मुहानहरु भएकाले यहाँको पानी वृहत झुप्रा खानेपानी संस्थान मार्फत खानेपानीमा प्रयोग भएको छ। यो खोला सुख्खा हने हुनाले वर्षा याममा मात्र यसले क्षती पुऱ्याउन सक्ने भएकाले सजग र सचेत रहनु पर्ने देखिन्छ। विगत यस खोलाले जनधनको क्षेती ठुलो मात्रा गरेको छ। यस खहरे खोलाबाट प्रत्येक्ष क्षती पुऱ्याउने क्षेत्रहरु हालको वीरेन्द्रनगर नगरपालिकाको वडा नं. ७, ८, १२ र ११ वडाहरु रहेका छन्।

(झ) **निकास खोला** : निकास खोलाले प्रत्यक्ष रुपमा सुर्खेत उपलत्यकामा खासै असर गर्दैन तर वर्षा याममा आउने खोलामा पानीको मात्रा बढी हुन गई पानी निकास क्षेत्रमा थुनिन्छ र साविक लाटीकोइली गाविसको वडा नं. ६, ७, ८ र उत्तरगंगा गाविसको वडा नं. ७ र ८ मा पानी जम्न गई ठुलो क्षती गर्न सक्ने सम्भावना देखिन्छ। विगत २०७१ सालको बाढीमा यस क्षेत्रमा मानविय क्षति हुनका साथै पशुपंक्षीको क्षति पनि भएको थियो।

चिङ्गाड खोला लगायत यस जिल्लामा भेरी नदीमा मिसिन आउने धेरै खोलाहरु रहेका छन्। यी खोलाहरु बाढी तथा कटानको दृष्टिले संवेदनशील छन्। महाभारत पर्वत र चुरे पर्वतको बीचको कमजोर चट्टान भएको धेरै क्षेत्र भएकोले पहिरोबाट क्षति हुन सक्ने सम्भावना भएको क्षेत्र पनि यस जिल्लामा धेरै नै छन्।

सुर्खेत जिल्लाको ४८% जनसंख्या प्रत्यक्ष रूपमा भू-क्षयबाट प्रभावित भएको पाईन्छ भने भू-क्षयको प्रमुख कारक तत्वको रूपमा अव्यवस्थित बसोबास तथा अवैज्ञानिक कृषि प्रणाली रहेको देखिन्छ। सुर्खेत जिल्लाको भू-उपयोग तथा भू-प्रणाली नक्साहरूको संयोजनबाट तयार गरिएको जिल्लाको माटोको बनावट, भिरालोपनाको प्रतिशत, वनजङ्गल तथा चरिचरण र खहरे तथा पहिरोले क्षति पुऱ्याएको क्षेत्र, नदीले छाडेको जग्गा, सीमसार, पानीले ओगटेको क्षेत्र, खेती तथा नाङ्गो वा बाँझो जग्गाको आधारमा भू-संरक्षण कार्यालयले सुब्बाकुनाको परीक्षण स्थलमा गरेको अध्ययनबाट सुर्खेत जिल्लाबाट वर्षेनी २७,०९२.९४ मे. टन माटो बगेर जिल्ला बाहिर जाने तथ्याङ्क प्राप्त भएको छ।

विपद्बाट प्रभावित समुदायलाई सहयोगको आवश्यकता पर्दछ। सहयोग कार्यलाई जतिसक्दो छिटो र छरितो गराउनु पर्दछ। जसले गर्दा थप क्षति हुनबाट बचाउन सकिन्छ। विपद् व्यवस्थापनका प्रायः दुईवटा चरण हुन्छन्। पहिलो चरण विपद् अघि गरिने व्यवस्थापन पूर्वतयारी र क्षति न्यूनीकरणका कार्यहरू पर्दछन् भने दोश्रो चरणमा विपद् पछिको उद्धार तथा राहत, पुनर्स्थापना र पुनर्निमाणका गतिविधिहरू आदि। विपद् प्रतिकार्यमा गरिने लगानीको र प्रतिफलभन्दा विपद्पूर्व न्यूनीकरण र पूर्वतयारीका गतिविधिहरु संचालन गर्न गरिएको लगानीको प्रतिफल धेरै हुने कुरा विभिन्न अध्ययनले देखाएको छ।

## १.८ विगत वर्षमा विपद्बाट भएको प्रभाव तथा पूर्वानुमान

माथि उल्लेखित विगत वर्षहरूको विपद्को प्रभाव र त्यसले गरेको असरको आधारमा यस वर्ष २०७६ (सन् २०१९) को लागि बाढी, पहिरो, आगलागी, भूकम्प, शितलहर समेतलाई ध्यानमा राखी निम्नानुसारको लक्ष निर्धारण गरिएको छ।

| वर्ष | बाढीको प्रभाव तथा पूर्वानुमान |
|---|---|
| **बाढी/पहिरो २०६८ को प्रभाव** | • २०६८ सालमा यस जिल्लामा बाढी पहिरोबाट क्षति नभएको। पहाडी गाउँपालिकाका केही गाउँमा खेतबारीका काल्ना भत्किएर सामान्य क्षति भएको। मानवीय क्षति नभएको। |

| वर्ष | बाढीको प्रभाव तथा पूर्वानुमान |
|---|---|
| बाढी/पहिरो २०७१ को प्रभाव | • प्रभावित घरपरिवार संख्या : प्रारम्भिक अवस्थामा करिव ४००० परिवारका १६००० व्यक्ति प्रभावित भएका । बाढी कम भएपछि घर क्षति भएका १२४०४ जना प्रभावित भएका<br>• क्षति : २३२९ घरधुरी (आंशिक क्षति : ८६४ र पूर्ण क्षति :१४६५)<br>• मृतकरूको संख्या : सनाखत भएका शव २४, सनाखत नभएका शव १० र वेपत्ता भएकालाई मृत सरह घोषणा गरिएका ९१ गरी जम्मा १२५<br>• विपद्को समयमा विस्थापित परिवार : २३२९ परिवार<br>• हालसम्म पनि (स्थायी रूपमा) विस्थापित परिवार : १४६५<br>• पानीका स्रोतहरू बाढीले बगाएको , मुहान छेकिएको, पाईप बगाएको, पानी प्रदुषित भएको, केहि दिन यातायात बन्द भएको, बिद्युत आपूर्ति अवरुद्ध भएको, सञ्चारसेवा अवरुद्ध भएको थियो ।<br>• व्यक्तिगत तथा सार्वजनिक सम्पत्तिमा क्षति : करिव १०,७९,७१,३८,९९१ बराबर |
| महामारी २०६८ को प्रभाव | **माहामारीको प्रभाव तथा पूर्वानुमान**<br>• ठुलो मात्रामा विपद्कै रुपमा महामारी नफैलिएको । |
| महामारी २०७१ को प्रभाव | • जाजरकोटमा स्वायन फ्लु फैलिएकोले सिमानामा रहेका घोरेटा, काफलकोट र मटेलामा फैलिन सक्ने अवस्थालाई मध्यनजर गरी स्वास्थ्य सम्बन्धी पूर्व सतर्कता अपनाईएकोले महामारी फैलिन नपाएको । जनचेतनाको कमीका कारण जंगली च्याउ खाई विरामी हुने संख्या रहेकोले जिल्ला स्वास्थ्य कार्यालयबाट उपचार गर्ने व्यवस्था मिलाईएको । जनचेतनाका लागि प्रचार प्रसार गरिएको । |
| | **आगलागीको प्रभाव तथा पूर्वानुमान** |
| आगलागी २०६८ को प्रभाव | • ग्रामीण क्षेत्रका ५३ घरमा आगलागी भै कच्ची घरहरु जलेर नष्ट भएका । मानवीय क्षति नभएको । घरमा रहेका खाद्यान्न, कपडा समेत जलेर नष्ट भएको । |
| आगलागी २०७१ को प्रभाव | • प्रभावित घरपरिवार संख्या : ३६<br>• क्षति : ३६ घरधुरी मृतकको संख्या : ०<br>• विस्थापित परिवार : ३६ |
| | **सडक दुर्घटनाको प्रभाव तथा पूर्वानुमान** |
| सडक दुर्घना २०७४/०७५ को प्रभाव | • सवारी दुर्घटना संख्या : ४१<br>• सवारी दुर्घटनाबाट मानिसको मृत्यु संख्या : ३५<br>• सवारी दुर्घटनाबाट घाईते संख्याः १०७ |
| २०७२ को प्रभाव बाढी/पहिरो | • प्रभावित घरपरिवार संख्याः ०<br>• घाइतेहरूको संख्या : ०<br>• मृतक संख्या : ०<br>• बिस्थापित परिवार :<br>• स्थायीरूपमा विस्थापित परिवार :<br>• पिउने पानीका मुहानहरु सामान्य क्षति भएका । |
| २०७२ को प्रभाव महामारी | • प्रभावित घरपरिवार संख्याः<br>• विरामी संख्या :<br>• मृतक संख्या : |
| २०७२ को प्रभाव सडक दुर्घटना | • सवारी दुर्घटना संख्या : ६४<br>• सवारी दुर्घटनाबाट मानिसको मृत्यु संख्या : १७<br>• सवारी दुर्घटनाबाट गम्भीर घाईते संख्या : ४३ |



| वर्ष | बाढीको प्रभाव तथा पूर्वानुमान |
|---|---|
| २०७२ को प्रभाव भुकम्प | मिति २०७२ वैशाख १२ र २९ गते गएको विनाशकारी महाभूकम्पबाट यस जिल्लामा कुनै जनधनको क्षति व्यहोर्नु नपरेतापनि धेरै घरहरु चर्किएर सामान्य क्षति भएको । |
| २०७२ को प्रभाव आगलागी | • प्रभावित घरपरिवार संख्याः ३२ परिवार<br>• घाइतेहरूको संख्या : १ जना<br>• मृतक संख्या : १<br>• बिस्थापित परिवार : ३२<br>• स्थायीरूपमा विस्थापित परिवार : ३२ |
| सडक दुर्घना २०७५/०७६ को प्रभाव | • सवारी दुर्घटना संख्या : ४५<br>• सवारी दुर्घटनाबाट मानिसको मृत्यु संख्या : २९<br>• सवारी दुर्घटनाबाट घाईते संख्याः १४६ |
| २०७६ मा हुन सक्ने विपद्को पुर्वानुमान बाढी पहिरो | • प्रभावित घरपरिवार संख्याः १८०० परिवार<br>• घाइतेहरूको संख्या : १८० जना (१० प्रतिशत)<br>• मृतक संख्या : ३६ जना (२ प्रतिशत)<br>• बिस्थापित परिवार : १८०० परिवार<br>• स्थायीरूपमा विस्थापित परिवार : ३६० परिवार (२० प्रतिशत) |
| २०७६ मा हुन सक्ने विपदको पुर्वानुमान महामारी | • प्रभावित हुनसक्ने घरपरिवार संख्याः २००<br>• सम्भावित विरामी संख्या : ७५० जना<br>• सम्भावित मृतक संख्या : ० |
| २०७६ मा हुन सक्ने विपदको पुर्वानुमान आगलागी | • प्रभावित हुनसक्ने घरपरिवार संख्याः १५० परिवार<br>• सम्भावित घाइतेहरूको संख्या : १५ जना<br>• सम्भावित मृतक संख्या :<br>• बिस्थापित हुनसक्ने परिवार : १५० परिवार<br>• स्थायीरूपमा विस्थापित हुनसक्ने परिवार : |
| २०७६ मा हुन सक्ने विपदको पुर्वानुमान भुकम्प | • प्रभावित हुनसक्ने घरपरिवार संख्याः १७०००<br>• सम्भावित घाइतेहरूको संख्या : ८५०० जना<br>• सम्भावित मृतक संख्या : १७०<br>• बिस्थापित हुनसक्ने परिवार : १७००० परिवार<br>• स्थायीरूपमा विस्थापित हुनसक्ने परिवार : |

### (क) बाढी/पहिरो (Flood/Landslide)

भू-क्षय र बाढी-पहिरोको दृष्टिले सुर्खेतलाई अति संवेदनशील जिल्लाको रूपमा लिन सकिन्छ । जिल्लाको करिब १३ प्रतिशत हिस्सा ओगटेको दक्षिणी भेगमा अवस्थित चुरे भावर क्षेत्र भू-क्षयको हिसाबले अति संवेदनशील क्षेत्र रहेको छ । यस क्षेत्रमा पूर्वदेखि पश्चिम भई बग्ने भेरी नदी र यसका सहायक नदी तथा खोलाहरूले वर्षेनी लाखौं मेट्रिक टन उर्बरा माटो बगाउनका साथै बाढी-पहिरोको सम्भावनालाई द्रुत गतिमा फैलाउँदै लगेको पाइन्छ ।

सुर्खेत जिल्लाको ४८% जनसंख्या प्रत्यक्षरूपमा भू-क्षयबाट प्रभावित रहेको देखिन्छ भने भू-क्षयको प्रमुख कारक तत्वको रूपमा अव्यवस्थित बसोबास तथा अवैज्ञानिक कृषि प्रणाली रहेको देखिन्छ । भू-क्षय तथा बाढी पहिरोको दृष्टिकोणले धारापानी, मालारानी, दहचौर, सहारे, लेखफर्सा, दशरथपुर, कुनाथरी, घाटगाउँ, तरङ्ग,

वीरेन्द्रनगर न.पा., भेरीगंगा नपा, हरिहरपुर, लेखपराजुल, वावीयाचौर लगायतका क्षेत्रहरू रहेका छन् । जिल्लाको माटोको बनावट, भिरालोपनाको प्रतिशत, वनजङ्गल तथा चरिचरण र खहरे तथा पहिरोले क्षति पुऱ्याएको क्षेत्र, नदीले छाडेको जग्गा, खेती तथा नाङ्गो वा बाँझो जग्गाको आधारमा वर्षेनी माटो बगेर जिल्ला बाहिर जाने गरेको छ ।

### (ख) महामारी (Epidemic)

सुर्खेत जिल्ला भेरी कर्णाली नदीले घेरिएको छ। खासगरी भेरी नदी वस्तीहरुको बीचबाट बगेर जाने हुँदा अधिकांश नदी तटिय क्षेत्रका वासिन्दाहरूले भेरी नदीकै पानी दैनिक उपभोगमा ल्याउने गर्दछन्। सुर्खेत र जाजरकोट जिल्ला लगायतका पहाडी जिल्लासँग सिमाना जोडिएकोले त्यस्ता जिल्लामा विगतमा महामारी फैलिएका उदाहरण भएकोले यस जिल्लामा पनि महामारी फैलन सक्ने एवम् वर्षायाममा जंगली च्याउ खाने प्रचलन भएकोले सोबाट महामारी जन्य रोगबाट विपद्को अवस्था आउन सक्ने देखिन्छ। साथै बर्डफ्लु र स्वायन फ्लु जस्ता रोगहरु भित्रिन सक्ने समेत सम्भावना रहन्छ ।

### (ग) आगलागी (Wild Fire)

विशेष गरेर फागुनदेखि जेठ महिनाको सुख्खा याममा हरेक वर्ष यस जिल्लामा सामान्य रुपमा आगलागी हुने गरेको छ। यस जिल्लाका जंगल क्षेत्रमा आगलागी हुने र सो आगलागी घरहरुमा पनि फैलन सक्ने अवस्था देखिन्छ। कच्ची घर खरले छाउने प्रचलन भएको एवं आगोको प्रयोग होशियारी पूर्वक नगर्दा घरमा आगलागी भई घर क्षति हुने सम्भावना देखिन्छ। बाक्लो वस्ती र धेरै घर एकै पटक आगलागी हुने प्राय देखिँदैन ।

### (घ) सडक दुर्घटना (Road Accident)

सडक दुर्घटनाको दृष्टिले सुर्खेत बढी सम्वेदनशील रहेको छ। सुर्खेत जुम्ला सडक (कर्णाली लोकमार्ग), छिन्चु-जाजरकोट र दैलेख जाने सडक पनि दुर्घटनाको दृष्टिले जोखिमयुक्त रहेका छन् ।

| क्र. सं. | सडकको नाम | सुरु विन्दु | अन्तिम विन्दु | दुरी, कि.मि. | वी.न.पा. बाट अन्तिम विन्दुको दुरी | सडकको अवस्था | वर्षातमा चल्ने, नचल्ने | कैफियत |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १ | धुलियाविट-भेडाबारी | वीरेन्द्रनगर | धुलियाबिट | ४ | ४ | कालोपत्रे | चल्ने | |
| | | धुलियाबिट | चिङ्गाडखोला | ९ | १३ | ग्राभेल | चल्ने | |
| | | चिङ्गाडखोला | दशरथपुर | १२ | २५ | ग्राभेल | चल्ने | |
| | | दशरथपुर | शिवनगर, गुमी | ९ | ३४ | ग्राभेल | चल्ने | |
| | | शिवनगर | भेडाबारी | ७ | ४१ | माटे | चल्ने | |
| | | कृष्णनगर, गुमी | पातिहाल्ना | १९ | ५० | माटे | नचल्ने | |
| २ | रत्न राजमार्ग | वीरेन्द्रनगर | छिन्चु | २८ | २८ | कालोपत्रे | चल्ने | |
| | | छिञ्चु | हर्रे | १० | ३८ | कालोपत्रे | चल्ने | |
| | | वीरेन्द्रनगर | बाङ्गेसिमल | ४ | ४ | कालोपत्रे | चल्ने | |
| ३ | छिन्चु-जाजरकोट | वीरेन्द्रनगर | छिन्चु | २८ | २८ | कालोपत्रे | चल्ने | |
| | | छिन्चु | रामघाट | ४ | ३२ | कालोपत्रे, ग्राभेल | चल्ने | |



| क्र. सं. | सडकको नाम | सुरु विन्दु | अन्तिम विन्दु | दुरी, कि.मि. | वी.न.पा. बाट अन्तिम विन्दुको दुरी | सडकको अवस्था | वर्षातमा चल्ने, नचल्ने | कैफियत |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | छिन्चु | काल्चे | २५ | ५३ | कालोपत्रे बोटचौरसम्म, माटे | नचल्ने | |
| | | रामघाट | जहरे | ७ | ३९ | ग्राभेल, कालोपत्रे | चल्ने | |
| | | जहरे | मेहेलकुना | ५ | ४४ | कालोपत्रे | चल्ने | |
| | | मेहेलकुना | बोटेचौर | ४ | ४८ | कालोपत्रे | चल्ने | |
| | | बोटेचौर | काल्चे | १३ | ५१ | माटे | चल्ने | |
| | | बाटेचौर | रैकर | १० | ५८ | कालोपत्रे | चल्ने | सल्यान |
| | | रैकर | सल्लीबजार | १४ | ७२ | कालोपत्रे | चल्ने | भेरीपुल निर्माणाधीन |
| | | सल्लीबजार | औलभ्क्यामा | १७ | ८९ | कालोपत्रे | चल्ने | |
| ४ | सुर्खेत-जुम्ला | वीरेन्द्रनगर | बाङ्गेसिमल | ४ | ४ | कालोपत्रे | चल्ने | |
| | | बाङ्गेसिमल | बड्डीचौर | २६ | ३० | कालोपत्रे | चल्ने | |
| | | बड्डीचौर | सेतोभीर | १९ | ४९ | कालोपत्रे | चल्ने | |
| ४.१ | बड्डीचौर-गुठु | बड्डीचौर | बावियाचौर | २० | ५० | ग्राभेल | चल्ने | |
| | | बावियाचौर | विद्यापुर | ५ | ५५ | ग्राभेल | चल्ने | |
| | | विद्यापुर | गुठु | ५ | ६० | ग्राभेल | चल्ने | |
| ४.२ | गुठु-लगाम | गुठु | बिजौरा | १३ | ९५ | माटे | चल्ने | |
| ४.३ | बावियाचौर-तिखाकुना | बावियाचौर | तिखाकुना | ४ | ५४ | माटे | चल्ने | |
| | सुर्खेत-रानीमत्ता-दैलेख | वीरेन्द्रनगर | रातानाङ्गला | २० | २० | कालो पत्रे | चल्ने | |
| | | रातानाङ्गला | रानीमत्ता | २ | २२ | कालो पत्रे | चल्ने | |
| ५.१ | सुर्खेत-रातानाङ्गला-मटेला | रातानाङ्गला | धरमपोखरा | २८ | ४६ | ग्राभेल | चल्ने | |
| | | धरमपोखरा | मटेला ठाटी | १० | ५६ | माटे | चल्ने | |
| ५.२ | सुर्खेत-रातानाङ्गला-अवलचिङ्ग | धरमपोखरा | अवलचिङ्ग | ५ | ५१ | माटे | चल्ने | |

विद्यमान सडकहरुको अवस्था राम्रो नहुनु, यातायात व्यवसायी, चालक तथा सहचालकको त्रुटी, ट्राफिक नियमको पालना नगर्ने, मापसे तथा लागु औषध सेवन गरी सवारी साधन चलाउने, विना लाइसेन्स चलाउने, तीव्र गतिमा सवारी साधन चलाउने, यात्रुमा सचेतनाको कमी आदि कारणले सवारी दुर्घटनाहरु हुने गरेको पाइन्छ। खासगरी ठूला तथा मझौला सवारी साधनहरुका कारणले २ पाग्रे सवारी साधनहरु बढी जोखिममा रहेको पाइन्छ ।

### (ङ) भूकम्प (Earthquake)

विगतका वर्षहरूको विपद् प्रतिकार्य योजनामा भूकम्पीय विपद्लाई योजनाबद्ध रुपमा समावेश गर्न सकिएको थिएन। २०७२ बैशाख १२ गते गोरखा जिल्लाको बारपाकलाई केन्द्रबिन्दू बनाएर आएको महाभूकम्पको प्रभाव

सुर्खेत जिल्लामा पनि सामान्य देखिएको छ। नेपालको पश्चिम क्षेत्रमा लामो समयदेखि केन्द्रबिन्दू बनाई क्षति हुने गरी भूकम्प नगएकाले भूकम्पिय जोखिमको संभावना उच्च रहेको छ । सुर्खेत जिल्लाको ग्रामीण इलाकाहरूमा कच्ची घरहरु रहेका एवं सहरी क्षेत्रमा भवन आचार सहिंताको मापदण्ड नपुऱ्याएर घरहरु निर्माण गरेको हुँदा ७ रेक्टर स्केल वा सो भन्दा बढी रेक्टर स्केलको भुकम्प गएमा व्यापक रुपमा जनधनको क्षति हुन सक्ने अवस्था देखिन्छ। वीरेन्द्रनगरमा भवन निर्माण आचार संहिता बमोजिम निर्माण गरिएका घर कम भएकोले सदरमुकाम भूकम्पीय सुरक्षाको दृष्टिकोणले उच्च जोखिममा रहेकोछ । भूकम्पीय सुरक्षाको सन्देशलाई समुदायसम्म पुऱ्याउन र सुरक्षित रहने तरिकावारे प्रचार प्रसार गर्न आवश्यक देखिन्छ ।

- यस जिल्लामा २०७२ को भुकम्पबाट घरहरु सामान्य चर्किएका ।
- विद्यालय भवनहरु, सरकारी भवनहरु चर्कीएर सामान्य क्षति भएका ।
- भुकम्पबाट अन्य जनधन क्षति नभएको ।

## १.९ जिल्लास्थित सरोकारवालाको स्रोत तथा क्षमता विश्लेषण (Assessment of Resource and Capacities of District Level Stakeholders)

विपद्का घटना हुन सक्ने जोखिमलाई न्यूनिकरण लगायत पूर्वतयारी गर्न, विपद्बाट हुन सक्ने क्षतिलाई कम गर्न वा सामना गर्न क्षमता अभिवृद्धि गरी जिल्लाभित्र उपलब्ध स्रोत तथा साधनको उचित विश्लेषणको साथै बन्दोबस्त गर्नु आवश्यक हुन्छ। त्यसैगरी स्थानीय स्रोतको अधिकतम उपयोग गरी विपद् व्यवस्थापनलाई विकास प्रक्रियामा समायोजन गरेर जोखिम कम गर्नु जरुरी छ भने आपत्कालीन समयमा स्रोतको सही उपयोग गरी प्रभावित समुदायलाई सुरक्षा प्रदान गर्नु पर्ने हुन्छ ।

जिल्लामा उपलब्ध स्रोत र क्षमताबाट ससाना विपद्को सामना गर्न र जोखिमलाई न्यूनीकरण गर्न सकिन्छ तर ठुला विपद्मा जिल्लाको स्रोतसाधन अपुग हुन जान्छ । त्यस अवस्थामा राष्ट्रिय तथा अन्तर्राष्ट्रिय सहयोगको आवश्यकता पर्दछ। तसर्थ जोखिम न्यूनीकरण र घटना पूर्व र पश्चात उपलब्ध गराईने सहयोगका लागि जिल्लाको आन्तरिक क्षमता नै महत्वपूर्ण रहने हुँदा यसको अवस्थाको विश्लेषण गर्नु जरुरी छ। हाल संघीय संरचना अनुसार सुर्खेत जिल्ला प्रदेशको राजधानी भएका कारणले अन्य प्रादेशिक कार्यालय तथा संरचना थप भएको, स्थानीय तहमा समेत विपद् व्यवस्थापनका लागि छुट्टै संरचना रहेको छ । तथापि कतिपय विषयगत क्षेत्रको नेतृत्व गर्ने निकायहरु जिल्लामा नरहेको अवस्था छ । यस जिल्लामा विपद् व्यवस्थापनका लागि विभिन्न निकायहरुमा रहेका स्रोतसाधनहरुको विवरण सम्बन्धित विषयगत उपसमिति अन्तर्गत व्याख्या गरिएको छ ।

## १.१० बाह्य क्षमता (Capacity)

विपद् व्यवस्थापनका लागि केन्दिीय विपद् व्यवस्थापन समितिको प्रत्यक्ष निर्देशनमा रही जिल्ला विपद् व्यवस्थापन समितिले काम गर्नु पर्दछ। विपद् व्यवस्थापनका लागि सहयोग गर्न चाहने दातृ निकाय, संघ संस्था आदिले जिल्ला विपद् व्यवस्थापन समितिसँग समन्वय गरी विपद् व्यवस्थापन गर्नु पर्ने हुन्छ। जिल्लामा ठुलो विपद् भएको अवस्थामा अन्य वाह्य स्रोतको प्रयोग गर्न जिल्ला विपद् व्यवस्थापन समितिले समन्वय गर्नु पर्ने हुन्छ। यस जिल्लामा स्थानीय संघसंस्थाहरू मार्फत सहयोग उपलब्ध गराई विपद् व्यवस्थापनमा काम गर्ने विभिन्न राष्ट्रिय अन्तरर्राष्ट्रिय संघसंस्थाहरु रहेका छन्। हाल संघीय संरचना अनुसार सुर्खेत जिल्ला प्रदेशको राजधानी भएका कारणले विभिन्न राष्ट्रिय अन्तरराष्ट्रिय संघसंस्थाहरुका कार्यालय तथा संरचना थप भएका छन्।



**पालिका संकटासन्नता विश्लेषण**

| क्र.सं. | हाल | पहिरो | आगलागी | महामारी | सडक दुर्घटना | बाढी |
|---|---|---|---|---|---|---|
| १ | चौकूने | ३२.४ | २३.६ | २८ | १६.४ | ३१.४ |
| २ | पञ्चपूरी | २९.२ | २४.४ | २८ | १७.४ | २९.६ |
| ३ | बराहताल गाउँपालिका | ३७.४ | २४.८ | २६.६ | १९.८ | ३३ |
| ४ | वीरेन्द्रनगर | ३२.७५ | २२.२५ | २५.५ | १९.५ | २३.२५ |
| ५ | भेरीगंगा नगरपालिका | ३४.५ | २४ | ३० | २३ | २९.५ |
| ६ | गुर्भाकोट | ३४ | २१.७५ | २६.२५ | २०.५ | २५.५ |
| ७ | लेकबेसी | ३४.२ | २२ | २५.२ | १८.२ | २६.२ |
| ८ | चिंगाड | ३६.२ | २२.२ | २७ | १६.२ | २०.८ |
| ९ | सिम्ता | ३३.७५ | २१.८७५ | २७.६२५ | १६.६२५ | २०.५ |
| | जम्मा | ३०४.४ | २०६.९ | २४४.२ | १६७.६ | २३९.८ |
| | औषत | ३३.८ | २२.९ | २७.१ | १८.६ | २६.६ |

उपरोक्त तालिकामा उल्लेखित अंकमा उच्च- ३५ माथि, मध्यम- २५ देखि ३४ सम्म, न्यून- ० देखि २४ सम्मलाई मानिएको छ ।

**आपत्कालीन आश्रयस्थल विवरण**

| साविकको गाविस/नपा | विद्यालय |
|---|---|
| भेरीगंगा नपा | शिखर उ.मा.वि. रामघाट |
| रानीवास | जनता मा.वि.पुड. रानीवास |
| राकम | वागेश्वरी उ.मा.वि. राकम |
| रजेना | इन्द्रेणी प्र.मा.वि.गोगने रजेना |
| साटाखानी | खांडदेवी मा.वि. चौरासे |
| साल्कोट | सूर्य प्रकाश उ.मा.वि. पलैटे |
| सहारे | *सरस्वती मा.वि. सिमघाट सहारे* |
| सहारे | जनसेवा उ.मा.वि.सहारे |
| शुभाघाट गंगामाला | भेरी प्र.मा.वि.घुमखहरे |
| घोरेटा | *सुर्यज्योति मा.वि सुन्तोला घोरेटा* |
| घोरेटा | *भगवति मा.वि. गान्द्रा घोरेटा* |
| घाटगाउ | सरस्वती उमा.वि. घाटगांउ |
| छाप्रे | *प्र.मा.वि बुढाखाली छाप्रे* |
| डाडाखाली | ने.रा..मा..वि. खेल्नेचौर डांडाखाली |
| बेतान | ने.रा.प्र.मा.वि. बेतान |
| बाबीयाचौर | विद्याज्योतिउमाविवाबियाचौर |
| बजेडीचौर | ने.रा.मा.वि. वजेडाआली वजेडीचौर |
| शुभाघाट गंगामाला | *ने.रा.मा.वि.ज्यामिरेचौर दहचौर* |

| साविकको गाविस/नपा | विद्यालय |
|---|---|
| दशरथपुर | जीबनज्योति उमावि दशरथपुर |
| आग्रीगाउ | ने.रा.मा.वि. लापु |
| अवलचिङ | भैरव उमा.वि. अवलचिङ. |
| शुभाघाट गंगामाला | सुर्यज्योति उमाविमेहेलकुना |
| शुभाघाट गंगामाला | ने.रा.उ.मा.वि. वडाखोली |
| भेरीगंगा | *ने.रा.मा.वि.सानोजात्री* |
| भेरीगंगा | जनज्योति उमावि. भिडनी |
| भेरीगंगा | ने.रा. मा.वि.लोदे |
| मटेला | मालिका मा.वि. मटेला |
| मालारानी | जनज्ञानभण्डार मा.वि.कोटखोला मालारानी |
| नेटा | ने.रा.मा वि.नेटा |
| वीरेन्द्रनगर | ने.रा.उमा.वि.करेखोला जर्बुटा |
| वीरेन्द्रनगर | ने.रा..मा.वि.गाग्रेताल |
| वीरेन्द्रनगर | प्र.मा.वि.धुलियाबिट जर्बुटा |
| वजेडीचौर | भानु उ.मा.वि. बजेडीचौर |
| मालारानी | जनज्ञानभण्डार मा.वि.कोटखोला मालारानी |
| नेटा | ने.रा.मा वि.नेटा |
| वीरेन्द्रनगर | ने.रा.उमा.वि.करेखोला जर्बुटा |
| वीरेन्द्रनगर | ने.रा..मा.वि.गाग्रेताल |
| वीरेन्द्रनगर | प्र.मा.वि.धुलियाबिट जर्बुटा |
| वजेडीचौर | भानु उ.मा.वि. बजेडीचौर |
| वीरेन्द्रनगर | जन उच्च मा.वि.वीरेन्द्रनगर |
| वीरेन्द्रनगर | अमरज्योति उच्च मा.वि.नेवारे |
| वीरेन्द्रनगर | त्रिपुरेश्वर उमा.वि. ढोडेखाली |
| वीरेन्द्रनगर | कृष्णसंस्कृत तथा सा.उमावि इत्राम |
| वीरेन्द्रनगर | *ने.रा.प.मा.वि. बीरेन्द्रनगर* |
| वीरेन्द्रनगर | भैरव उ.मा.वि.भैरवस्थान |
| पोखरीकांडा | सूर्यज्योति मा.वि. पोखरीकाडा |
| पोखरीकांडा | ने.रा मा. वि. नयाबन |
| पाम्का | सरश्वति प्र.मा.वि.पाम्का |
| भेरीगंगा | शारदा उ.मा.वि. छिन्चु |
| भेरीगंगा | *प्रभात मा.वि पिपलडाडा थानीचौर* |
| बिजौरा | जगन्नाथ उ.मा.वि. विजौरा |
| बिजौरा | जनजागृत उ.मा.वि.तोस्रा |
| विद्यापुर | जनता उ.मा.वि.विद्यापुर |
| विद्यापुर | *प्र.मा.वि.सुन्दरपुर* |



| साविकको गाविस/नपा | विद्यालय |
|---|---|
| लेखपराजुल | जनज्योति मा.वि. कालपानी लेखपराजुल |
| लेखपराजुल | *सरस्वती मा.वि. डुङ्गीखोला लेखपराजुल* |
| लेखपराजुल | ने.रा.मा.वि.भर्याड. |
| लेखपराजुल | *ने.रा.मा. वि. कालपानी मोहटी* |
| लेखफर्सा | आर्दश उ.मा.वि. लेखर्फसा |
| लेखगाउ | सरश्वति उमा.वि.सिरुपाटा |
| वीरेन्द्रनगर | जनसेवा उ.मा.वि घुस्रा |
| वीरेन्द्रनगर | *कोपिला मा.वि. पर्सेनी* |
| वीरेन्द्रनगर | शिव उमा.वि.लाटीकोइली |
| लगाम | *ने.रा.उमा.वि. लगाम* |
| वीरेन्द्रनगर | आनन्द मा.वि.कृष्णगन्ज |
| वीरेन्द्रनगर | प्रभात मा.वि.कोलडाडा |
| काप्रीचौर | जनकल्याण मा.वि. काप्रीचौर |
| काफलकोट | जीवनज्योती माविकाफलकोट |
| कुनाथरी | सरस्वति मा.वि. चेपाड. |
| कुनाथरी | जनजागृत.मावि दमार कुनाथरी |
| कुनाथरी | जनज्योतिउमावि बड्डीचौर |
| कल्याण | सरश्वति मा.वि कल्याण |
| तरङगा | भेरी मा.वि तरड.गा |
| तातापानी | जनसृजना मा.वि.तातापानी |
| गुटु | जीबनज्योति उमा.वि.गुटू |
| गढी | शिद्ध मा.वि.मेहेलपानी गढी |
| शुभाघाट गंगामाला | आनन्द उ.मा.वि.गुमी |
| गर्पन | आर्दश उ.मा.वि.मेहेली |
| खानीखोला | हिमालय उ.मा.वि. चोल्पा |
| धारापानी | *कालिका मा.वि.नादे* |
| हरहिरपुर | भेरी मा.वि.रानीघाट कमलापुर |

## १.११ प्रतिकार्य योजनाको अपेक्षित नतिजा

विपद् पूर्वतयारी योजनाबाट अपेक्षा गरिएका नतिजाहरु :

- सचेतना फैलाउने
- विपद् जोखिम न्युनीकरण गर्ने
- विपद्का समयमा क्षति न्युनीकरण गर्ने
- भविष्यमा विपद् भोग्नु नपरोस र भएमा सुरक्षित रहने तरिका थाहा पाउने
- विपद्का समयमा उद्धार, राहत तथा व्यवस्थापन प्रभावकारी रुपमा गर्ने

## १.१२ प्राकृतिक प्रकोपको पूर्व तयारी योजनाको उद्देश्य (Objective of Disaster Preparedness and Response Plan)

सरोकारवालाहरुलाई सक्रिय पारी भैरहेको स्रोत व्यवस्थापन तथा स्रोतको खोजी गरी मानवोचित सुरक्षा प्रदान गर्न यो योजना बनाइएको हो ।

## १.१३ विपद् तयारी योजनाको उद्देश्यहरू

यो विपद् तयारी योजनाको उद्देश्यहरु निम्न बमोजिम छन् :

- जिल्ला स्थित सरोकारवालाहरुलाई जिल्लामा हुने विपद् तथा त्यसको क्षतिको बारेमा सचेत बनाउने
- जिल्लामा विपद्बाट हुने क्षतिलाई कम गर्न कार्यान्वयन हुन सक्ने योजना बनाउने
- जिल्लामा भएका विभिन्न विपद् जोखिम व्यवस्थापनका क्षेत्रमा क्रियाशिलहरूको भूमिका तथा उत्तरदायित्वको बोध गराउने
- जिल्लामा विपद् जोखिम न्यूनिकरण गर्न एक समन्वयात्मक संयन्त्रको निर्माण गर्ने

## १.१४ क्षेत्रगत अवधारणा (Cluster Concept)

जिल्लाको सम्पूर्ण विपद् व्यवस्थापन गर्न प्रमुख जिल्ला अधिकारीको अध्यक्षतामा जिल्ला विपद् व्यवस्थापन समिति गठन गरिएको छ । यसका साथैस्थानीय विपद् व्यवस्थापन समितिहरु पनि पालिका स्तरमा गठन भएका छन्। जिल्लाको समस्त नेतृत्व लिन कुनै क्षेत्रमा परेको समस्या समाधानमा समन्वय गर्न प्राविधिक दक्षता र अधिकारप्राप्त व्यक्ति, कार्यालय, निकाय वा संस्था नै क्षेत्रगत वा विषयगत समूहका नेतृत्वदायी संस्था हुन्। यस जिल्लामा देहायका उपसमिति गठन गरिएका छन्। जसको नेतृत्व लिने प्राविधिक दक्षता र अधिकार प्राप्त व्यक्ति, कार्यालय, निकाय वा संस्था हाल जिल्लामा नरहेको अवस्थामा स्थानीय स्तरका इकाइ/प्रमुख व्यक्ति, संस्था वा निकायले नेतृत्वदायी भूमिका निर्वाह गर्नेछन् ।

| क्र. सं. | विषयगत क्षेत्र (Clusters) | नेतृत्व प्रदान गर्ने निकाय (Cluster Leads) | सहयोगी संघ संस्था (Cluster Members) |
|---|---|---|---|
| १. | समन्वय, खोज तथा उद्धार उपसमिति | जिल्ला प्रशासन कार्यालय | जिल्ला प्रशासन कार्यालय, नेपाली सेना, नेपाल प्रहरी, सशस्त्र प्रहरी वल, राष्ट्रिय अनुसन्धान, नेपाल रेडक्रस सोसाइटी |
| २. | खाद्य एवं जिविकोपार्जन उपसमिति | कृषि विकास निर्देशनालय कर्णाली प्रदेश, सुर्खेत | जिल्ला भेटेरेनरी तथा पशु सेवा विज्ञ केन्द्र, नेपाल रेडक्रस सोसाईटी (NRCS), नेपाल खाद्य संस्थान, कृषि क्षेत्रमा काम गर्ने विभिन्न गैरसरकारी.संस्थाहरु (वातावरण सुधार समाज, समाज जागरण केन्द्र, सिप्रेड, सुन्दर नेपाल, सिमान्तकृत महिलाहरुको लागि महिला संस्था वाम, अन्तरनिर्भर समाज), नाप तौल तथा गुणस्तर कार्यालय, खाद्य तथा गुणस्तर डिभिजन कार्यालय |



| क्र. सं. | विषयगत क्षेत्र (Clusters) | नेतृत्व प्रदान गर्ने निकाय (Cluster Leads) | सहयोगी संघ संस्था (Cluster Members) |
|---|---|---|---|
| ३. | गैर खाद्य एवं आश्रय स्थल उपसमिति | नेपाल रेडक्रस सोसाइटी | जिल्ला समन्वय समिति, उद्योग वाणिज्य संघ, विश्व खाद्य कार्यक्रम (WFP), गै.स.स. महासंघ, नेपाल रेडक्रस सोसाईटी, सहकारी संघ, शिक्षा विकास तथा समन्वय इकाई, नगरपालिकाहरु, गाउँपालिका, जिल्ला प्रहरी कार्यालय, सेभ द चिल्ड्रन, स्याक नेपाल, किर्डाक, अ/गैससहरु यातायात व्यवसायी संघहरु |
| ४. | सूचना तथा राहत व्यवस्थापन उपसमितिः | जिल्ला प्रशासन कार्यालय | जिल्ला प्रशासन कार्यालय, जिल्ला प्रहरी कार्यालय, राजनीतिक दलहरु, विषयगत उपसमितिहरु, नेपाल रेडक्रस सोसाईटी आदि |
| ५. | खानेपानी तथा सरसफाई व्यवस्थापन उपसमिति | खानेपानी तथा सरसफाई डिभिजन कार्यालय | जिल्ला समन्वय समिति, पूर्वाधार कार्यालय, भूसंरक्षण कार्यालय, युनिसेफ, नेपाल रेडक्रस सोसाईटी (NRCS), स्याक नेपाल, एन.जि.ओ. फेडरेशन, वातारण सुधार समाज, नगरपालिकाहरु, गाउँपालिका, सेभ द चिल्ड्रन, किर्डाक, अ/गैससहरु |
| ६. | स्वास्थ्य तथा पोषण उपसमितिः | स्वास्थ्य कार्यालय | नेपाल रेडक्रस सोसाईटी (NRCS), युनिसेफ, स्वास्थ्यमा कार्यरत गैसस, स्याक नेपाल, सेभ द चिल्ड्रन, सुहारा कार्यक्रम, एसएसविएच कार्यक्रम, आइएनएफ, नेपाल परिवार नियोजन संघ, किसान कार्यक्रम, अ/गैससहरु |
| ७. | शिक्षा तथा संरक्षण उपसमिति | शिक्षा विकास तथा समन्वय इकाई | नेपाल रेडक्रस सोसाईटी (NRCS), युनिसेफ, पत्रकार महासंघ, विद्यालयहरु, बाल विकास समाज, शैक्षिक पेशागत संघ संगठन, गै.स.स. महासंघ, एफ.एम.हरु, स्याक नेपाल, वाम, प्रशान्ति वृध्दाश्रम, एकल महिला समूह, सुन्दर नेपाल संस्था, सेभ द चिल्ड्रन, नवज्योति केन्द्र, आवाज, ग्लोवल एक्सन नेपाल, अन्तर निर्भर समाज, वातावरण सुधार समाज, प्याक्सन र एनप्याक्सन, एनसिइ नेपाल, कोपिला भ्याली समाज, एसओएस सामाजिक सेवा केन्द्र, आइएनएफ, अपागं सशक्तिकरण केन्द्र, स्टेशनरी तथा पुस्तक व्यवसायी संघ, नेपाल राष्ट्रिय दलित समाज कल्याण संघ, दलित सेवा संघ, साझा मन्च, पालिकाहरु, श्रम तथा रोजगार कार्यालय |
| ८. | भौतिक पुर्वाधार विकास तथा पुनः निर्माण व्यवस्थापन उपसमिति | शहरी विकास तथा भवन निर्माण विभाग, संघीय आयोजना कार्यान्वयन ईकाई | पालिकाहरु, डिभिजन वन कार्यालयहरु, राजनीतिक दलहरु, नेपाल रेडक्रस सोसाइटी |

## १५. विषयगत क्षेत्रका अगुवा संस्थाको सम्पर्क विवरण

| क्र. सं. | विषयगत क्षेत्र | क्षेत्रगत अगुवा निकाय | मुख्य जिम्मेवार व्यक्ति | पद | कार्यालय फोन | मोबाइल नं. | सर्म्पक व्यक्ति | मोबाइल नं. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १ | समन्वय, खोज तथा उद्धार | जिल्ला प्रशासन कार्यालय | फणिन्द्रमणि पोखरेल | प्रमुख जिल्ला अधिकारी | ०८३५२०१२३ | ९८५८००७७७७ | बसन्त रजौरे | ९८५८००५५५५ |
| २ | खाद्य एवं जिविको पार्जन उपसमिति | कृषि विकास निर्देशनालय कर्णाली प्रदेश, सुर्खेत | भक्तिप्रसाद शर्मा | कार्यालय प्रमुख | ०८३५२०१८१ | ९८५८०७१३०५ | | |
| ३ | गैर खाद्य एवं आश्रयस्थल उपसमिति | नेपाल रेडक्रस सोसाइटी | रामलाल आचार्य | सभापति | ०८३५२०३१० | ९८५८०५२३१० | गोविन्द प्रसाद आचार्य | ९८४८०२४३२६ |
| ४ | सूचना तथा राहत व्यवस्थापन | जिल्ला प्रशासन कार्यालय | कृष्णबहादुर खड्का | सप्रजिअ | ०८३५२०१२१ | ९८५११४८१२३ | पदमलाल लामिछाने | ९८४८०२७४०३ |
| ५ | खानेपानी तथा सरसफाई उपसमिति | खानेपानी तथा सरसफाई डिभिजन कार्यालय | वासुदेव पौडेल | डिभिजन प्रमुख | ०८३५२०२६० | ९८५८०५२२३३ | वासुदेव पौडेल | ९८५८०५२२३३ |
| ६ | स्वास्थ्य तथा पोषण उपसमितिः | जिल्ला स्वास्थ्य कार्यालय | धिरजंग शाह | प्रमुख | ०८३५२०३५६ | ९८४८०६१४९३ | दुर्गा श्रेष्ठ | ९८५८०४८३८५ |
| ७ | शिक्षा तथा संरक्षण उपसमिति | शिक्षा विकास समन्वय इकाइ | भोजप्रसाद लम्साल | ईकाइ प्रमुख | ०८३५२२४०८ | ९८५८०५३४०८ | भूपेन्द्र भण्डारी | ९८४८१३७४०४ |
| ९ | पुनः निर्माण तथा पुनर्स्थापना उपसमिति | शहरी विकास तथा भवन निर्माण विभाग, संघीय आयोजना कार्यान्वयन ईकाई | जगदिश लामिछाने | आयोजना प्रमुख | ०८३५२०३८२ | ९८५८०५९२२२ | अनुपम भट्टराई | |

क्षेत्रगत अगुवाहरूले प्रभावितहरूलाई पुऱ्याएको सेवाको विवरण जिल्ला विपद् व्यवस्थापन समितिलाई उपलब्ध गराउने । प्राप्त सूचनालाई जिल्ला विपद् व्यवस्थापन समितिले तोकेको व्यक्तिले सुचना अधिकारीका रुपमा आम संचारमा प्रवाह गर्नेछ ।

उपरोक्त विषयगत उपसमितिहरुले विपद्को मात्रा अनुसार प्रतिकार्यका लागि आवश्यक पर्ने बजेट व्यवस्था गर्न आ-आफ्नो क्षेत्रबाट स्वःस्फूर्त (Proactive) रुपमा सक्रिय भई कार्य गर्ने अपेक्षा गरिएको छ। उपरोक्त विषयगत क्षेत्रसँग सम्बन्धित कार्यालयहरूको बार्षिक कार्यक्रम तथा बजेटमा विपद् व्यवस्थापनका लागि विनियोजित वजेट र विपद्का क्रममा वजेट व्यवस्था गरी विपद् व्यवस्थापन गर्नु सम्बन्धित उपसमितिको दायित्व हुनेछ ।



### जिल्लाको सूचना संयन्त्र

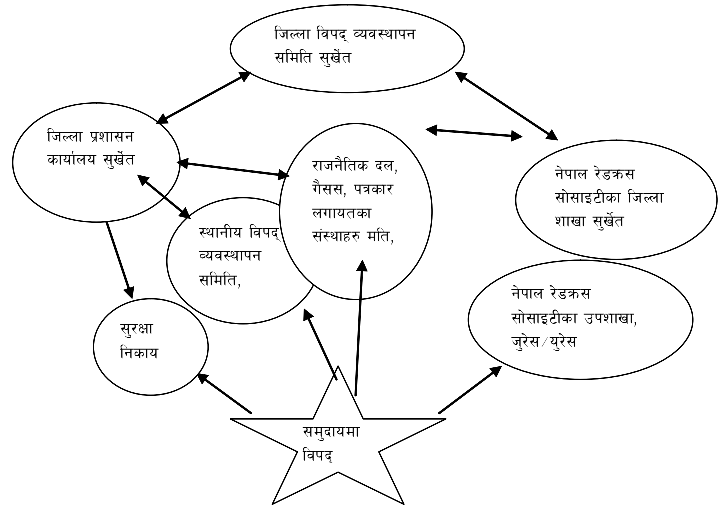


### सुर्खेत जिल्लाको पूर्वसुचना प्रणालीको सञ्चार प्रवाह र निर्णय प्रणालीको रुपरेखा

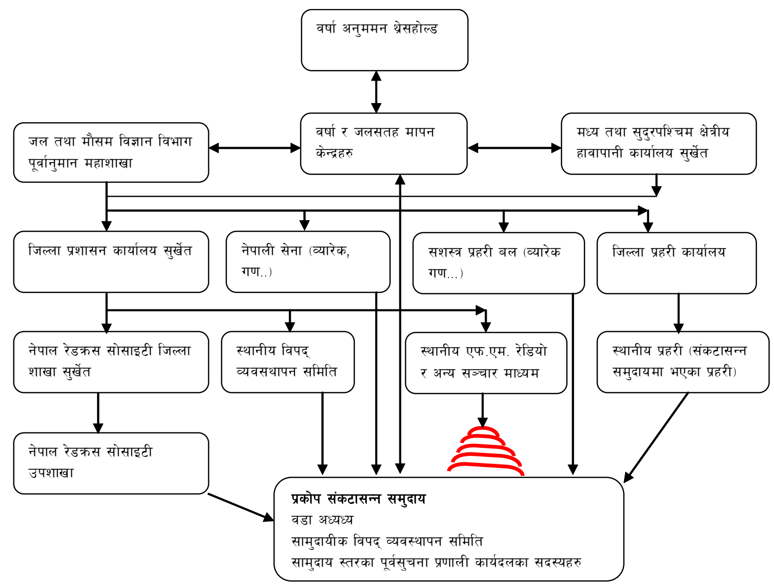


**नोट :** सञ्चार संयन्त्रका सबै निकायहरुका जिम्मेवार व्यक्तिको नाम र सम्पर्क नम्बर उल्लेख गर्नु पर्नेछ ।

# परिच्छेद : २

# समन्वय, खोज तथा उद्धार उपसमिति

**विषयक्षेत्र** : समन्वय, खोज तथा उद्धार
**मुख्य विपद्को किसिम** : पहिरो, बाढी, आगलागी र भूकम्प
**क्षेत्रगत अगुवा** : जिल्ला प्रशासन कार्यालय, सुर्खेत

## २.१ विषय क्षेत्रको परिचय : समन्वय, खोजी तथा उद्धार

**समन्वय :**

विपद्को कुनै पनि घटना घट्नासाथ त्यसलाई तत्काल व्यवस्थापन गरी सामान्य अवस्थामा ल्याउनु पर्ने हुन्छ। त्यसको लागि सम्बद्ध संस्था, व्यक्ति, निकायहरूसंग समन्वय गर्नु पर्ने हुन्छ। खास गरी जिल्ला विपद् व्यवस्थापन समितिको अध्यक्षको हैसियतले प्रमुख जिल्ला अधिकारीले जिल्ला विपद् व्यवस्थापन समिति लगायत अन्य सरोकारवाला संस्था,व्यक्ति र निकायहरूसंग समन्वय गरी विपद्को घटना भएको मिति, स्थान र घटनाको अवस्था सम्बन्धमा जानकारी गराई विपद् व्यवस्थापन सम्बन्धमा आवश्यक निर्णयहरू लिनु पर्ने हुन्छ।

**खोजी :**

कुनै पनि प्राकृतिक वा कृत्रिम विपद्को अवस्थामा उद्धारकर्मीले गर्ने पहिलो कार्य खोजी (Search) हो। बाढी, भूकम्प जस्ता प्राकृतिक विपद्ले मानव जीवनलाई सामान्य अवस्थाबाट असामान्य अवस्थामा पुऱ्याई दिन्छ। यस्तो असामान्य अवस्थामा घटनास्थलमा उद्धारकर्मीद्वारा उद्धार सामाग्री सहित मानव, पशु, धन बचाउको लागि गर्ने कार्य खोजी हो।

**उद्धार :**

प्राकृतिक विपद्ले तहसनहस बनाएका मानव सिर्जित भौतिक संरचना तथा खोलानालाले बगाएर संकटासन्न अवस्थामा रहेका व्यक्ति, धन सम्पत्ति, पशु चौपायालाई सुरक्षित स्थानमा स्थानान्तरण गर्नु नै उद्धार हो। यस्तो कार्य गर्दा सधै वृद्धवृद्धा, गर्भवती महिला, बालबालिका, घाईते बिरामीलाई प्राथमिकता दिई उद्धार गरिन्छ। उद्धार कार्यको साथसाथै प्राथमिक उपचार, उनीहरुको सुरक्षा र खाने व्यवस्था पनि संगसंगै गरिन्छ। यो कार्य पीडितहरूको पुनर्स्थापना नभएसम्म चलिरहन्छ।

**अनुमानित अवस्था :**

विपदलाई पुर्वानुमान गर्न सकिदैंन। तथापी विपद जोखिमका आधारमा त्यसबाट प्रभावित हुन सक्ने अधिक्तम संख्या अनुमान गर्न सकिन्छ। सुर्खेत जिल्लालाई विविध पक्षहरु विष्लेषण गर्दा देहाय अनुसारको संख्यामा विपदबाट अधिकतम रुपमा प्रभावित हुन सक्ने अनुमान गरिएको छ।



- भूकम्पबाट १७००० परिवारका ८५,००० जना, आगलागीबाट १५० परिवारका ७५०० जना, बाढी पहिरोबाट १८०० परिवारका ९००० जना र महामारीबाट २०० परिवारका १००० जना प्रभावित हुने मध्य २५ प्रतिशत बालबालिका, ६५ प्रतिशत महिला, १० प्रतिशत जेष्ठ नागरिक, ५ प्रतिशत सुत्केरी तथा गर्भवती महिला, ५ प्रतिशत स्तनपान गराउने महिला हुन सक्ने अनुमान गरिएको छ।

## २.२ विपद्ले पुऱ्याउन सक्ने असरको अवस्था

- सार्वजनिक पूर्वाधारहरू (सडक, पुल, झोलुङ्गेपुल, खानेपानी, विद्युत, आपूर्ति, सञ्चार, खानेपानी) नष्ट,
- आवास तथा व्यक्तिगत सम्पत्ति अस्थायी रूपमा क्षति, बाल-बालिका, महिला, बृद्ध-बृद्धा तथा फरक क्षमता (अपाङ्ग) भएका मानिसहरू मुख्य रूपमा प्रभावित हुने,
- विद्यालयमा कक्षा कोठा, प्रहरी चौकी र स्वास्थ्य केन्द्र जस्ता उपलब्ध सार्वजनिक निकायले सेवा प्रवाह गर्ने क्रममा चाप बढ्ने,
- सामुदायिक संस्थागत ठाउँहरूमा अस्थायी आवासमा बसेको समयमा स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याहरु बढ्ने
- आवास सहयोग आवश्यक हुने विस्थापित परिवारको सङ्ख्या बढ्नसक्ने छ।

## २.३ विषयगत उद्देश्य

- विपद्को कारणले जीवन जोखिममा परेका व्यक्तिहरूको क्रमश प्राथामिकतानुसार उद्धार गर्ने।
- संकटासन्न रहेका पीडितहरूको उद्धारको क्रममा प्रभावकारी समन्वय र संयोजनको कार्यमा सक्रिय रहने।
- विपद्को बेला हराईरहेका नागरिकहरूको विवरण तयारी गर्दै खोजी कार्य गर्ने।
- जीवन रक्षा, हराएका मानिस, पशुधनको खोजी तथा मृत अवस्थामा रहेकाको उचित रेकर्ड सहित व्यवस्थापन गर्ने।
- विस्थापित व्यक्तिहरूको अस्थायी स्थानान्तरण तथा सुरक्षा प्रदान गर्ने।
- घाईते बिरामीहरूको प्राथमिक उपचार प्राथमिकताका आधारमा गर्ने।
- विपद्मा परेकालाई समयमै आधारभूत आवश्यकताका राहत सामग्री वितरण गर्ने।
- सम्पूर्ण सम्बन्धित निकायले उद्धार सामाग्री मर्मत गरी तयारी अवस्थामा राख्ने।
- नेपाल रेडक्रस सोसाइटीसँग समन्वय गरेर वार्षिक रुपमा कृत्रिम घटना अभ्यास गर्ने।

## २.४ मानवीय सहयोगको मापदण्ड

- विपद्को लगत्तै उपकरणसहित खोजी तथा उद्धार (Search & Rescue) टोली खटाउने।
- समन्वय बैठक र प्रतिवेदनका बारेमा जानकारी गराउने।
- सुविधाबाट एकदमै वञ्चित समूह/संकटासन्न अवस्थामा रहेका व्यक्तिलगायत सबैलाई गरिएको

उद्धार र वितरण गरिएका सहयोग सम्बन्धी गतिविधिको अनुगमन ।

- अवस्था हेरी (आवश्यकतामा आधारित रहेर) मिरा (Multi-cluster Initial Rapid Assessment (MIRA) टीम खटाउने ।
- पहिलो हप्तामा परिस्थितिका बारेमा दिनदिनै प्रतिवेदन पेश गर्ने र त्यसपछि हरेक दुई हप्तापछि ।
- शिविर समन्वय तथा शिविर व्यवस्थापन (Camp Coordination & Camp Management) को अनुगमन गर्ने तथा प्रतिवेदन गर्ने (फाराम सहितको) संयन्त्र ।
- पहिलो हप्तामा हरेक दिन र प्रकोप भएको २४ घण्टाभित्र समाचार संचार माध्यममा पठाउने ।
- नियन्त्रण तथा मानवीय सहयोगसम्बन्धी मापदण्ड कायम गर्ने साँस्कृतिक, सामाजिक तथा आर्थिक रूपमा स्वीकार गर्न सकिने सामग्री-दाता/सहयोग उपलब्ध गराउने (निकायबाट प्रत्यक्ष वितरण होइन) ।
- प्रदेश विपद् व्यवस्थापन समिति समक्ष प्रतिवेदन र अनुरोध गर्ने (अनुगमन तथा मूल्याङ्कन र प्रतिवेदन) ।
- अस्थायी आश्रयस्थलमा रहको पिडित व्यक्तिहरुको सुरक्षा व्यवस्था मिलाउदा लैङ्गिक मैत्री सुरक्षा व्यवस्था मिलाउनु पर्दछ ।

**विषयगत क्षेत्रका सदस्य संस्थाहरूको सम्पर्क विवरण**

| सि.नं. | संस्थाको नाम | सम्पर्क बिवरण | |
|---|---|---|---|
| | | सम्पर्क व्यक्ति | फोन |
| १ | जिल्ला प्रशासन कार्यालय | फणिन्द्र मणि पोखरेल | ९८५८००७७७७ |
| २ | श्री नयाँ सबुज गण | भुलेन्द्र विक्रम बस्नेत | ९८५५०७२१७४ |
| ३ | जिल्ला प्रहरी कार्यालय | बसन्त रजौरे | ९८५८००५५५५ |
| ४ | स.प्र.बल रक्तकाली गण वीरेन्द्रनगर | राम कुमार राई | ९८५१२७२०५० |
| ५ | स.प्र.बल जिल्ला सुरक्षा वेस | निर्मल खड्का | ९८४१६३६०६२ |
| ६ | स.प्र.बल सुरक्षा वेस खोल्टेपानी, कल्याण | तेज बहादुर बोहरा | ९८५१२५८४१५ |
| ७ | स.प्र.बल सुरक्षा वेस गुमी | तिलक राम पन्थी | ९८४४८२६११२ |
| ९ | राष्ट्रिय अनुसन्धान जिल्ला कार्यालय | शेरजंग बहादुर चन्द | ९८५१०३२९०५ |
| ११ | नेपाल रेडक्रस सोसाइटी | रामलाल आचार्य | ९८५८०५२३१० |



**विपद् प्रतिकार्य योजना**

| विपद् पश्चातको अवधि | विपद्को अवस्थामा गरिने आपत्कालीन कार्य (विपद्को प्रकृतिमा आधारित) | आपत्कालीन अवस्थामा गरिने पूर्वतयारी कार्य | पूर्वतयारी कार्य संवोधन गर्न नपुग श्रोत पहिचान | मुख्य जिम्मेवार निकाय | पूर्वतयारी कार्यका लागि अनुमानित लागत |
|---|---|---|---|---|---|
| पहिलो दिन | खोज तथा उद्धार टोलीको परिचालन र खोज तथा उद्धार कार्यको थालनी । | खोज तथा उद्धारका लागि खटिने टोलीलाई आवश्यक वन्दोवस्तीको सामग्रीहरूको तयारी | खोज तथा उद्धार टोली तयारी अवस्थामा छ तर आवश्यक उद्धार सामग्रीहरू पर्याप्त मात्रामा नभएको । | नेपाल प्रहरी<br>नेपाली सेना<br>सशस्त्र प्रहरी | |
| | सूचना संकलन तथा अवस्थाको प्रतिवेदन । | खोज तथा उद्धारका लागि खटिने टोलीलाई Dos and Don't को बारेमा अभिमुखिकरण | अभिमुखिकरण गरी सकिएको | नेपाल प्रहरी<br>नेपाली सेना<br>सशस्त्र प्रहरी | |
| | शान्ती सुरक्षालाई कायम राख्नको लागि आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था मिलाउने | संचारको उपयुक्त संयन्त्रको स्थापना । | विपदको वेलामा गरिने संरचना र संयन्त्रको व्यवस्था स्पष्ट रहेको । | जिल्ला प्रशासन कार्यालय | |
| | प्रभावितहरूलाई सुरक्षित स्थानमा स्थानान्तरण गर्ने । | खोज तथा उद्धारका लागि आवश्यक ओजारहरूको व्यवस्था | केही अपर्याप्त रहेको । | जिल्ला प्रशासन कार्यालय | |
| | राहत सहयोग सामग्रीहरू वितरणका लागि आवश्यक पर्ने व्यवस्थाको तयारी । | क्षेत्रगत नेतृत्व गर्ने निकायहरूसंग समन्वय बैठक गर्ने । | | जिल्ला प्रशासन कार्यालय | |
| | क्षेत्रगत सदस्यहरूसंग बैठक तथा अन्य मानवीय संघ संस्थाहरूसंग समन्वय । | आवधिक बैठक गर्ने | | जिल्ला प्रशासन कार्यालय | |
| | Establishment of EOC | आवधिक बैठक गर्ने | | जिल्ला प्रशासन कार्यालय | |
| | सुरक्षा निकायहरू बीच आपसी समन्वय गर्ने । | विपद व्यवस्थापन कार्यसंग सम्बन्धी अभ्यास (Command Post/ Live Exercise/ Recee) हरू गराई फौजलाई तयारी राख्ने ।<br>प्रभावित इलाकाको उपयुक्त स्थानमा हेलिप्याड साथै LZ/DZ तयार गर्ने ।<br>प्रभावित स्थानसम्म जाने मुख्य तथा वैकल्पिक मार्गहरू पहिचान गर्ने । | | | *Search and Resuce equipment: Search and Rescue team mobilization:* |
| | आकस्मिक कक्ष, उपचार केन्द्र, सूचना सम्प्रेसन कक्ष तथा राहत सामग्री वितरण कक्षहरूको स्थापना गर्ने | हरेक कक्षको लागि टोलीको निर्माण गर्ने । | टोलीको निर्माण गर्नु पर्ने । | नेपाल प्रहरी<br>नेपाली सेना<br>सशस्त्र प्रहरी बल | |

| विपद् पश्चातको अवधि | विपद्को अवस्थामा गरिने आपत्कालीन कार्य (विपद्को प्रकृतिमा आधारित) | आपत्कालीन अवस्थामा गरिने पूर्वतयारी कार्य | पूर्वतयारी कार्य संबोधन गर्न नपुग श्रोत पहिचान | मुख्य जिम्मेवार निकाय | पूर्वतयारी कार्यका लागि अनुमानित लागत |
|---|---|---|---|---|---|
| दोस्रो दिन | अस्थायी शिविरका लागि व्यवस्थापन गर्ने । | तालिम तथा खोज तथा उद्धार स्रोतको नक्साकन । | नक्साकंन गरिसकिएको । | नेपाल प्रहरी<br>नेपाली सेना<br>सशस्त्र प्रहरी बल | |
| | प्रभावितहरू विस्थापित भएका स्थानमा | उद्धार सामग्रीहरूको संकलन । | आआफ्नो संस्थामा भएको सामग्रीहरू तयारी अवस्थामा रहेको एकिन गर्ने । | | |
| | परिस्थितिको पुनरावलोकन गरी आवश्यक स्रोत साधनको लागि क्षेत्र तथा केन्द्रसंग आवश्यक सामग्रीहरूको माग तथा परिचालन । (हेलिकप्टर) | Identification of the Location for establishment of forward Base. | Location for Identification गरि सकिएको । | नेपाल प्रहरी<br>नेपाली सेना<br>सशस्त्र प्रहरी बल | |
| | Establishment of Command Base/ Forward Base /Disaster Site Control Team | Identification of the Location | Location for Identification गरि सकिएको । | नेपाल प्रहरी<br>नेपाली सेना<br>सशस्त्र प्रहरी बल | |
| | खोज तथा उद्धारकार्यमा भएका प्रगति तथा अवस्थाको सरोकारवालहरूलाई जानकारी । | | | जिल्ला प्रशासन कार्यालय | |
| पहिलो हप्ता | सम्भावित महामारी फैलिन नदिन आवश्यक पहल गर्ने । | | पहिचान गरिसकिएको छ । | जिल्ला प्रशासन कार्यालय | |
| दोस्रो हप्ता | हराई वेपत्ता भएका मानिसको खोजी तथा पहिचान कार्यलाई निरन्तरता दिने | सरोकार वालाहरू वीच समन्वय | निरन्तर समन्वय गरिनु पर्ने । | नेपाली सेना<br>नेपाल प्रहरी<br>सशस्त्र प्रहरी बल<br>नेपाल रेडक्रस<br>जिल्ला जन स्वास्थ्य कार्यालय | |
| सो भन्दा बढी | विपद्को अवस्थाको विश्लेषण र समग्र शान्ति सुरक्षाका लागि कार्य योजना तयार । | नियमित बैठक र अवस्था अद्यावधिक गर्ने । | | जिल्ला प्रशासन कार्यालय | |
| जम्मा | | | | | |



## कार्यान्वयन योजना सहितको प्राथमिकता प्राप्त पूर्वतयारी कार्य

| सि. नं. | प्राथमिकता प्राप्त पूर्वतयारी कार्यको सूची | मुख्य जिम्मेवार निकाय | कार्यान्वयन गर्ने तरिका (बैठक, कार्यशाला, तालिम आदि) | समय सिमा (कार्य तालिका) |
|---|---|---|---|---|
| १ | क्षेत्रगत नेतृत्व गर्ने निकायहरूसंग समन्वय बैठक गर्ने । | जिल्ला प्रशासन कार्यालय | बैठक, | विपद्पूर्व आवधिक रूपमा तथा विपद् पश्चात तत्कालै |
| २ | विपद व्यवस्थापन कार्यसंग सम्बन्धी अभ्यास (Command Post/ Live Exercise/Recee) गराई फौजलाई तयारी राख्ने । | नेपाली सेना, नेपाल प्रहरी, सशस्त्र प्रहरी बल | तालिम तथा कृत्रिम घटना अभ्यास | आषाढको दोस्रो हप्ता |
| ३ | प्रभावित इलाकाको उपयुक्त स्थानमा हेलिप्याड साथै LZ/DZ तयार गर्ने । | नेपाली सेना, नेपाल प्रहरी, सशस्त्र प्रहरी बल | बैठक, निर्माण | विपद्पूर्व |
| ४ | प्रभावित स्थान सम्म जाने मुख्य तथा वैकल्पिक मार्गहरू पहिचान गर्ने । | गरिसकिएको | | |
| ५ | आकस्मीक कक्ष, उपचार केन्द्र, सूचना सम्प्रेशण कक्ष तथा राहत सामग्री वितरण हरेक कक्षका लागि टोलीको निर्माण गर्ने । | नेपाली सेना, नेपाल प्रहरी, शसस्त्रप्रहरी बल | समन्वय बैठक, टोलीको निर्माण | अषाढको अन्त्य सम्ममा |
| ६ | तालिम तथा खोज तथा उद्धार स्रोतको नक्साकन | जिल्ला प्रशासन कार्यालय, नेपाली सेना, नेपाल प्रहरी, सशस्त्र प्रहरी बल | तालिम, बैठक | बाढीको अगावै सम्म तयारी अवस्थामा रहने |
| ७ | उद्धार सामग्रीहरूको संकलन । | जिल्ला प्रशासन कार्यालय, नेपाली सेना, नेपाल प्रहरी, सशस्त्र प्रहरी बल | समन्वय | आषाढको अन्त्य सम्ममा |
| ८ | उद्धार बेश स्थापनाका लागि उचित स्थानको छनौट | नेपाली सेना, नेपाल प्रहरी, सशस्त्र प्रहरी बल | गरिसकिएको | |

## पहिरो, बाढी तथा भूकम्प पीडित उद्धारमा परिचालन हुने जनशक्तिको बिवरण

| सि. नं. | संस्था | तालिम प्राप्त जनशक्ति | परिचालित हुन सक्ने जनशक्ति | सम्पर्क फोन नम्बर |
|---|---|---|---|---|
| १ | नेपाली सेना | ७३० | २५० | ०८३५२३०८७ |
| २ | नेपाल प्रहरी | २५ | १७४ | १०० |
| ३ | सशस्त्र प्रहरी | ७२३ | २४४ | ०८३५२१४१४, टोल फ्री १११४ |
| ४ | नेपाल रेडक्रस सोसाइटी | १०० | १०० | ०८३ ५२०५३१० |

## बाढी प्रभावित ईलाकाहरूमा पर्ने सुरक्षा निकायका यूनिटहरू

### (क) नेपाली सेना

| सि.नं. | युनिटको नाम | दर्जा | यूनिट इन्चार्जको नाम | सम्पर्क नं. |
|---|---|---|---|---|
| १ | नयाँ सबुज गण, कपासे सुर्खेत | प्र.से. | भुलेन्द्र विक्रम बस्नेत | ९८५५०७२१७४<br>९८४१७१४८३९ |
| २ | सुरक्षा वेस छिन्चु, सुर्खेत | सेनानी | नरेश खड्का | ९८४१०६२८८० |

- जिल्ला प्रशासन कार्यालय, सुर्खेतमा ५०० थान त्रिपाल मौज्दात रहेको छ ।

### नेपाली सेनामा रहेका उद्धारका सामग्री निम्नानुसार रहेको

| सि.नं. | भएको उद्धार सामग्री विवरण | परिणाम | कैफियत |
|---|---|---|---|
| १ | विपद् उद्धारमा प्रयोग हुने पंजा | ४ जोर | |
| २ | पिक | ५ थान | |
| ३ | डोरी | १०० मिटर | |
| ४ | सावेल | ५ थान | |
| ५ | गल | २ थान | |
| ६ | अग्नि नियन्त्रक ठूलो/सानो | ४ थान | |
| ७ | फरुवा | २ थान | |
| ८ | Carabineers steel HMS Scaw | १ थान | |
| ९ | Life jacket | २८ थान | |
| १० | प्लाष्टिक हेल्मेट | २५ थान | |
| ११ | स्ट्रेचर | ५ थान | |
| १२ | नाईलन डोरी | २२ मिटर | |
| १३ | पाल (सानो) | ८ थान | |
| १४ | प्राथमिक उपचारको बक्स | ९ थान | |
| १५ | घन | २ वटा | |
| १६ | गम बुट | ४ जोर | |
| १७ | हेलिमेट लाइन | २ थान | |
| १८ | स्वाट्टर | ७ थान | |
| १९ | बाकस | १ थान | |
| २० | क्रोवार | १ थान | |
| २१ | वाल कटर मेशिन | १ थान | |
| २२ | हाते साइरन | १ थान | |
| २३ | ज्याक | २ थान | |
| २४ | जम्प सुट | २ थान | |
| २५ | वाटर बोटल | ४ थान | |
| २६ | टर्च लाइट | ४ थान | |
| २७ | ब्याक प्याक पम्प | २ थान | |
| २८ | रोप | १ थान | |
| २९ | आ.मु. भऱ्याङ २० फिट | २ थान | |
| ३० | Earthquake Alarm | १ थान | |

## हेलिकप्टर ल्याण्ड गर्न सकिने स्थानहरु

Unit: Narsinghdal Bn

| S. N. | Helipad | Latitude | longitude | Altitude (M) | Type | Size | VDC/Municipality | Bde |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | Nagarpalika | 28$^0$33'34.3" | 81$^0$37'38.1" | 723 | Temporary | 175x175 Sq Feet | Briendranagar | 4 |
| 2 | Shiva Chowk | 28$^0$38'34" | 81$^0$39'38" | 723 | Temporary | 175x175 Sq Feet | Briendranagar Shiva chowk | 4 |
| 3 | Kapase | 28$^0$36'78" | 81$^0$37'82" | 848 | Parmanent | 100x100 Sq Feet | Briendranagar Kapase | 4 |
| 4 | Nimare | 28$^0$36'27.97" | 81$^0$38'18.95" | 801 | Parmanent | - | Briendranagar Nimare | 4 |
| 5 | Airport area | 28$^0$35'28.89" | 81$^0$38'15.05" | 680 | Parmanent | Runwaya | Briendranagar Airpot | 4 |
| 6 | Airport area | 28$^0$35'03.67" | 81$^0$38'14.54" | 680 | Parmanent | 175x175 Sq Feet | Briendranagar Rajdal Bn | 4 |
| 7 | Airport area | 28$^0$34'57.85" | 81$^0$38'15.26" | 680 | Parmanent | 100x100 Sq Feet | Briendranagar Kalidal Bn | 4 |
| 8 | Bangesimal | 28$^0$36'46" | 81$^0$34'24.62" | 742 | Parmanent | 90x90 Sq Feet | Briendranagar APF | 4 |
| 9 | Dharapani | 28$^0$35'04" | 81$^0$10'13" | 1194 | Temporary | 50x50 Sq Feet | Dharapani | 4 |
| 10 | Tatapani | 28$^0$40'08" | 81$^0$34'24" | 527 | Temporary | 105x105 Sq feet | Tatapani | 4 |
| 11 | Dasharathpur | 28$^0$29'12.24" | 81$^0$45'15.68" | 503 | Parmanent | 175x175 Sq Feet | Dasharathpur | 4 |
| 12 | Sano Surkhet | 28$^0$33'27.94" | 81$^0$39'18.95" | 674 | Temporary | 35x35 Sq feet | Sano Surkhet | 4 |
| 13 | Phalate | 28$^0$35'54.83" | 81$^0$34'42.68" | 685 | Temporary | 60x60 Sq feet | Phalate | 4 |
| 14 | Chinchu | 28$^0$27'27.58" | 81$^0$43'14.78" | 578 | Parmanent | 35x35 Sq feet | Bheri Ganga Chinchu | 4 |
| 15 | Lekhpharsa | 28$^0$28'40.45" | 81$^0$38'15.26" | 589 | Parmanent | 100x100 Sq Feet | Lekhpharsa | 4 |
| 16 | Bijaura | 28$^0$49'08" | 81$^0$35'15.44" | 1360 | Temporary | 50x50 Sq Feet | Bijaura | 4 |
| 17 | Biddhapur | 28$^0$48'37" | 81$^0$22'25" | 400 | Temporary | 48x48 Sq feet | Biddhapur | 4 |
| 18 | Babiyachaura | 28$^0$47'44" | 81$^0$22'46" | 340 | Temporary | - | Babiyachaura | 4 |

### (ख) नेपाल प्रहरी

**१. युनिट प्रमुखहरुको विवरण :**

| सि.नं. | कार्यरत ईकाईको नाम | पद/दर्जा | नामथर | सम्पर्क नंम्वर |
|---|---|---|---|---|
| १ | जि.प्र.का. सुर्खेत | प्र.उ. | बसन्त रजौरे | ९८५८००५५५५ |
| २ | ई.प्र.का. बाबियाचौर सुर्खेत | प्र.नि. | ज्ञान बहादुर खत्री | ९८५९०५११०० |
| ३ | ई.प्र.का छिन्चु सर्खेत | प्र.नि. | निरज चौलागाइ | ९८५१२८५८३७ |
| ४ | ई.प्र.का बादेपीपल सुर्खेत | प्र.नि. | श्याम जंग शाह | ९८५८०८७१०० |
| ५ | ई.प्र.का. अवल्चीङ्ग सुर्खेत | प्र.ना.नि. | देवीलाल घर्ती मगर | ९८५८०३६६६२ |
| ६ | ई.प्र.का. गुट्ठु सुर्खेत | प्र.ना.नि. | शिवलाल पौडेल | ९८४८०७४९८९ |
| ७ | न.प्र.का. सुर्खेत | प्र.ना.नि. | ढुण्डीराज अधिकारी | ८९८५८०९०२०५ |
| ८ | प्र.चौ. मटेला सुर्खेत | प्र.स.नि. | नर बहादुर थापा | ९८५८०५३१९९ |
| ९ | प्र.चौ. बाङ्गेसीमल सुर्खेत | प्र.स.नि. | रोशन भण्डारी | ९८५८०५२४८८ |
| १० | प्र.चौ. सुब्बाकुना सुर्खेत | प्र.स.नि. | जुन बहादुर शाही | ९८४४८५२८१२ |
| ११ | प्र.चौ. बिजौरा सुर्खेत | प्र.स.नि. | अम्मर बहादुर थापा | ९८४८०८८१८० |
| १२ | प्र.चौ बिद्यापुर सुर्खेत | प्र.स.नि. | मोहन बहादुर रावल | ९८४८३०९५३० |
| १३ | प्र.चौ.डाडाँछाप्रे सुर्खेत | प्र.ह. | धन बहादुर कुवर | ९७४९६१७९५३ |
| १४ | प्र.चौ.रानीघाट सुर्खेत | प्र.स.नि. | याम बहादुर बुढाक्षेत्री | |

| सि.नं. | कार्यरत ईकाईको नाम | पद/दर्जा | नामथर | सम्पर्क नंम्वर |
|---|---|---|---|---|
| १५ | प्र.चौ.सालकोट सुर्खेत | प्र.स.नि. | बल बहदुर नेपाली | ९८४७८३६९४२ |
| १६ | प्र.चौ. बड्डीचौर सुर्खेत | प्र.स.नि. | कृष्ण प्रसाद कडेल | ९८४८०५०२२६ |
| १७ | प्र.चौ.रामघाट सुर्खेत | प्र.स.नि. | पुर्ण बहादुर राना | ९८५८०५३१५६ |
| १८ | प्र.चौ.मालारानी सुर्खेत | प्र.स.नि. | प्रताप सिंह पाली | ९७४८०३१५१७ |
| १९ | प्र.चौ. गुमी (घुमखहरे) सुर्खेत | प्र.स.नि. | गोगन सिंह | |
| २० | प्र.चौ. मेहेलकुना सुर्खेत | प्र.ना.नि. | सर्वजित बलेली मगर | ९८४४८१६८९१ |
| २१ | प्र.चौ. आली सुर्खेत | प्र.ह. | बिजयराज शर्मा | ९८४८०८५४८७ |
| २२ | प्र.चौ. आग्रीगाउ सुर्खेत | प्र.स.नि. | गोविन्द विक | ९८६८९३३७०० |
| २३ | अ.प्र.पोष्ट तातापानी सुर्खेत | प्र.स.नि. | जय बहादुर भण्डारी | ९८६८४६३२३१ |
| २४ | अ.प्र.पोष्ट लगाम | प्र.स.नि. | नरेन्द्र कुमार सिंह ठकुरी | ९७४८६२६४१८ |
| २५ | अस्थायी प्रहरी पोष्ट बोटेचौर सुर्खेत | प्र.स.नि | नरेन्द्रराज गौतम | ९८५८०९०००२ |
| २६ | अ.प्र.पोष्ट धारापानी टिमुरे सुर्खेत | प्र.ह. | ओमजंग शही | ९७४८१५५८३७ |
| २७ | अ.प्र.बिट गोठिकाँडा सुर्खेत | प्र.स.नि. | धिरज महरा क्षेत्री | ९८६८३२४४३७ |
| २८ | अ.प्र.बिट तरंगा सुर्खेत | प्र.स.नि. | सिताराम थारु | ९७४८१६२९०४ |
| २९ | अ.प्र.विट नेटा सुर्खेत | प्र.स.नि. | शेर बहादुर शाही | ९७४७११०३३७ |
| ३० | अ.प्र.विट जहरे सुर्खेत | प्र.ह. | गोविन्द खड्का | |
| ३१ | अ.प्र.विट भेरी बबई डाईभर्सन | प्र.ह. | तेज बहादुर चौधरी | ९८५७८९०५४२ |
| ३२ | बि.सु.गार्ड सुर्खेत | प्र.ना.नि. | चन्द्रलाल गिरी | ९८४७८९९९९२ |
| ३३ | का.सु.गार्ड सुर्खेत | प्र.ना.नि. | जागुराम चौधरी | ९८४७९२०८४० |
| ३४ | पु.बे.अ. न्यायाधीश सुरक्षागार्ड सुर्खेत | प्र.ना.नि | नेत्र बहादुर श्रेष्ठ | ९८५१२१५०२२ |
| ३५ | प्र.जि.अ.नि.गार्ड सुर्खेत | प्र.ह. | वृखबहादुर मल्ल | ९८६६८५३१११४ |
| ३६ | क्षेत्रीय अस्पताल कालागाँउ सुर्खेत | प्र.ज. | मोहन सुनार | |
| ३७ | जिल्ला अदालत सुर्खेत | प्र.ह. | कृष्ण बहादुर चन्द | ९८५८०८८३३३ |
| ३८ | इ.प्र.का. लेकवेशी सुर्खेत | प्र.नि. | जितेन्द्र कुमार सिंह | ९८५१२९२१०९ |
| ३९ | अ.प्र.विट घाटगाउँ सुर्खेत | प्र.स.नि. | महेश महरा | ९८४९३३०७३० |

**जिल्ला प्रहरी कार्यालय र अन्तर्गतका कार्यालयमा रहेका उद्धारका सामग्री**

| सि.नं. | भएको उद्धार सामग्री विवरण | परिणाम | कैफियत |
|---|---|---|---|
| १ | सावेल | ८ थान | |
| २ | अग्नि नियन्त्रक ठूलो/सानो | ७ थान | |
| ३ | Life jacket | ५५ थान | |
| ४ | प्लाष्टिक हेल्मेट | ८ थान | |
| ५ | स्ट्रेचर | ११ थान | |
| ६ | सानो मेघाफोन | ६ थान | |
| ७ | नाईलन डोरी | १०० मिटर | |
| ८ | पाल (सानो) | ८ थान | |
| ९ | प्राथमिक उपचारको बक्स | ७ थान | |
| १० | बन्चरो | १ वटा | |
| ११ | बेल्चा | ३ वटा | |
| १२ | आरा | १ वटा | |
| १३ | रबर ट्युव | ४ वटा | |
| १४ | गैटी | ८ वटा | |
| १५ | बाल्टिन | २ वटा | |
| १६ | गम बुट | २ जोर | |

## (ग) सशस्त्र प्रहरी बल

| सि. नं. | युनिटको नाम | दर्जा | यूनिट ईन्जर्चको नाम | सम्पर्क नं. | एरिया |
|---|---|---|---|---|---|
| १ | सशस्त्र प्रहरी बल नेपाल रक्तकाली गण सुर्खेत | स.प्र.उ. | राम कुमार राई | ९८५१२७२०५० | सुर्खेत जिल्ला |
| २ | सशस्त्र प्रहरी बल नेपाल जिल्ला सुरक्षा बेस, सुर्खेत | स.प्र.ना.उ | निर्मल खड्का | ९८४१६३६०६२ | |
| ३ | सशस्त्र प्रहरी बल नेपाल सुरक्षा वेस गुमी, सुर्खेत | स.प्र.नि. | तिलक राम पन्थी | ९८४४८२६११२ | |
| ४ | सशस्त्र प्रहरी बल नेपाल सुरक्षा वेस खोल्टेपानी, सुर्खेत | स.प्र.नि. | तेज बहादुर बोहरा | ९८५१२५८४१५ | |

**सशस्त्र प्रहरी बल रक्तकाली गण र अन्तर्गतका युनिटमा रहेका उद्धारका सामग्रीहरु**

| सि.नं. | भएको उद्धार सामग्री विवरण | परिणाम | कैफियत |
|---|---|---|---|
| १ | वाटर प्रुफ ज्याकेट | २८ थान | |
| २ | विपद् उद्धारमा प्रयोग हुने पञ्जा | ९३ जोर | |
| ३ | पिक | ४ थान | |
| ४ | डोरी | २० मिटर | |
| ५ | कपडाको पञ्जा | ७७० जोर | |
| ६ | विपद् उद्धारमा प्रयोग हुने मास्क | ९७० थान | |
| ७ | सावेल | ४ थान | |
| ८ | गल | २ थान | |
| ९ | अग्नि नियन्त्रक ठूलो/सानो | ९ थान | |
| १० | फरुवा | २ थान | |
| ११ | रक हेल्मेट | ९ थान | |
| १२ | Carabineers steel HMS Scaw | १० थान | |

| सि.नं. | भएको उद्धार सामग्री विवरण | परिणाम | कैफियत |
|---|---|---|---|
| १३ | Stcl and twist | ५ थान | |
| १४ | Tulular sling 16 mm× 120 mm | ५ थान | |
| १५ | Jay ii | ५ थान | |
| १६ | Tubular sling 16mm×90 mm | ५ थान | |
| १७ | Agent | ५ थान | |
| १८ | Jammer elevator links | ५ थान | |
| १९ | Bud | ५ थान | |
| २० | Work glove close | ५ जोर | |
| २१ | Big river oxy bag | ५ थान | |
| २२ | Life jacket | २ थान | |
| २३ | Fire suce | १० थान | |
| २४ | प्लाष्टिक हेल्मेट | २४ थान | |
| २५ | स्ट्रेचर | २ थान | |
| २६ | सानो मेघाफोन | २ थान | |
| २७ | नाईलन डोरी | ४० मिटर | |
| २८ | ठुलो आरा | १ थान | |
| २९ | पाल (सानो) | ४ थान | |
| ३० | प्राथमिक उपचारको बक्स | २ थान | |
| ३१ | ठुलो पाल (Big tent) | १५ थान | |
| ३२ | सानो पाल (Small tent) | १० थान | |
| ३३ | डोम टेन्ट | ९८ थान | |
| ३४ | जेनेरेटर | २ वटा | |
| ३५ | तारपोलीन पाल | ५० थान | |

**नेपाल रेडक्रस सोसाईटीमा रहेका विपद् उद्धार सामग्रीको विवरण**

| S.N. | Materials | Quantity | Remarks |
|---|---|---|---|
| 1 | Tin Box | 1 | |
| 2 | Rain Coat | 6 | |
| 3 | Rain Boot | 6 | |
| 4 | Helmate Yellow | 6 | |
| 5 | Gloves Leather | 6 | |
| 6 | Goggles Black | 6 | |
| 7 | Hand Mike | 1 | |
| 8 | Whistle | 6 | |
| 9 | Hasia | 1 | |
| 10 | Jarkin | 2 | |
| 11 | Rope | 1 | |
| 12 | Crow Bar | 2 | |



**माथि उल्लेखित सामग्रीहरु रहेका स्थानहरु :**

(१) ने.रे.सो उपशाखा, विद्यापुर
(२) ने.रे.सो उपशाखा, कुनाथरी
(३) ने.रे.सो उपशाखा, गढि
(४) ने.रे.सो उपशाखा, साटाखानी
(५) ने.रे.सो उपशाखा, लेखफर्सा
(६) ने.रे.सो उपशाखा, छिन्चु
(७) ने.रे.सो उपशाखा, घुमखहरे
(८) ने.रे.सो उपशाखा, राकम
(९) ने.रे.सो जिल्ला शाखा, सुर्खेत

- वीरेन्द्रनगर नगरपालिका १६ वटै वडा कार्यालयहरुमा १(१ सेट खोज तथा उद्धार र प्राथमिक उपचारका सामग्रीहरु मौज्दात रहेका छन् ।
- साविक साटाखानी गाविस (लेकवेशी ८, ९, १० वडा) मा ७ सेट र साविक लेखफर्सा (लेकवेशी १ र २ वडा) मा ५ सेट र अन्य उपशाखाहरुमा १-१ सेट खोज तथा उद्धार सामग्रीहरु मौज्दात रहेको ।

**(घ) राष्ट्रिय अनुसन्धान जिल्ला कार्यालय, सुर्खेत**

- सुचना संकलन गरी जिल्ला प्रशासन कार्यालयमा उपलब्ध गराई विपद व्यवस्थापन गर्ने कार्यमा सहयोग गर्ने
- कार्यालयमा रहेका जनशक्तिलाई परिचालन गरी शिघ्र सुचना संकलन गर्ने कार्यमा सहयोग गर्ने
- जिल्लामा ठुलो भुकम्प गएको अवस्थामा उपरोक्त जनशक्ति र उद्धार सामग्री अपुग हुने देखिन्छ। उद्धारका लागि नपुग जनशक्ति थप हुनु पर्ने एवं दमकल, क्रेन यस जिल्लामा नभएकोले केन्दबाट उपलब्ध हुन आवश्यक देखिएको छ ।

# परिच्छेद : ३

# खाद्यान्न तथा जीविकोपार्जन व्यवस्थापन उपसमिति

**विषयक्षेत्रको नाम** : खाद्यान्न तथा जीविकोपार्जन व्यवस्थापन
**मुख्य विपद्को किसिम** : बाढी, पहिरो, आगलागी, असिना, हुरीबतास, खडेरी, भूकम्प
**क्षेत्रगत अगुवा** : कृषि विकास निर्देशनालय, कर्णाली प्रदेश सुर्खेत

## ३.१ विषय क्षेत्रको परिचय : खाद्यान्न तथा जीविकोपार्जन व्यवस्थापन

सुर्खेत जिल्लामा विगत केही बर्षका घटनाक्रमहरुको आधारमा वीरेन्द्रनगर, गुर्भाकोट, भेरीगंगा, बराहताल, पञ्चपुरी, चौकुनेमा बाढी तथा पहिरोबाट बढी प्रभावित भएका र उक्त न.पा. र गा.पा.हरूको प्रभावित क्षेत्रबाट ठुलो संख्यामा जनसंख्या विस्थापित हुनु परेको थियो। प्रकोपबाट प्रभावित आ.व. ०६४/०६५ मा ११७ परिवार, आ.व. ०६६/०६७ मा ११९ परिवार र आ.व. ०७१/०७२ मा शुरुको अवस्थामा १६००० व्यक्ति बिस्थापित भएका, आ.व. ०७२/७३ मा २५० परिवार र ०७३/०७४ मा आगलागीमा परेका परिवारहरुका लागि खाद्यान्न सहित आश्रयको व्यवस्था गर्नु परेको थियो। विपद्बाट हुन सक्ने प्रभावितको संख्या देहाय अनुसार अनुमान गरिएकोले वढीमा सो संख्यालाई खाद्यान्न व्यवस्थापन गर्नु पर्ने हुन्छ।

- भूकम्पबाट १७००० परिवारका ८५,००० जना, आगलागीबाट १५० परिवारका ७५०० जना, वाढी पहिरोबाट १८०० परिवारका ९००० जना र महामारीबाट २०० परिवारका १००० जना प्रभावित हुने मध्य २५ प्रतिशत वालवालिका, ६५ प्रतिशत महिला, १० प्रतिशत जेष्ठ नागरिक, ५ प्रतिशत सुत्केरी तथा गर्भवती महिला, ५ प्रतिशत स्तनपान गराउने महिला हुन सक्ने अनुमान गरिएको छ।
- गत बर्षको सुख्खाका कारण धेरै घरधुरी प्रभावित भएका थिए। मुख्यतया धान बालीमा सुख्खाले धेरै असर गरेको थियो भने हिउँदे बर्षा कम भएका कारण गँहु, चना, मसुरो जस्ता बालीहरुमा धेरै क्षति भएको थियो। यस वर्ष मौसम अनुकूलताको कारणले खाद्य संकट कम हुने अनुमान गर्न सकिन्छ।
- वि.सं. २०७२ साल बैशाखमा असिना परेका कारण काफलकोट, आग्रीगाँउ, गर्पन, रतु, बजेडीचौर लगायतका जिल्लाका पूर्वि क्षेत्रमा गहुँ बालीमा धेरै क्षति भएको थियो। जसबाट १६० हे. क्षेत्रफलको गहुँ बाली नष्ट भएको थियो।

## ३.२ उद्देश्य

माथि उल्लेखित संभावित विपद्को असरको पूर्वानुमान गरिएको तथ्यांकलाई ध्यानमा राखी उक्त अवस्थामा राहत प्रतिकार्यका लागि निम्नानुसारका उद्देश्यहरू निर्धारण गरिएको छ।



### ३.२.१ सामान्य उद्देश्य

प्रभावित व्यक्तिहरूका लागि समयमा नै खाद्यान्नको उपलब्धता तथा खाद्यान्नमा सहज पहुँच सुनिश्चित गरी जीवन बचाउने एवं जनजीवनलाई सामान्य बनाउने।

### ३.२.२ विशिष्ट उद्देश्य

- जीवन रक्षासम्बन्धी रणनीतिहरू (Survival Strategies) का लागि आधारभूत आवश्यकता पूर्ति गर्नका निमित्त खाद्य सम्बन्धी पर्याप्त स्रोतहरू उपलब्ध गराउने, जसको फलस्वरूप मानव मर्यादा, पारिवारिक अस्तित्व, जीविकोपार्जनको सुरक्षा तथा वातावरणमा दीर्घकालीन नकारात्मक असर पर्न नपाओस् भनी पुर्व सजगता अपनाउने।
- प्रभावित पारिवारसँग उपलब्ध स्रोतहहरूलाई पुनर्लाभ (Recovery) तथा दीर्घकालीन आय आर्जनका गतिविधिहरूमा लगानी गर्न सक्षम पार्न समुदायलाई उनीहरूको आयको सुरक्षित स्थानान्तरण अथवा प्रतिस्थापन गर्ने अवसर प्रदान गर्ने।

**विषयगत क्षेत्रका सदस्य संस्थाहरूको सम्पर्क विवरण**

| सि. नं. | निकाय | कार्यरत गा.वि.स, क्षेत्र | सम्पर्क ब्यक्तिको नाम | सम्पर्क (विवरण, फ्याक्स, फोन, इमेल) | मोबाइल नं. |
|---|---|---|---|---|---|
| १ | कृषि विकास निर्देशनालय, सुर्खेत | जिल्लाभर | भक्तिराम शर्मा | ०८३-५२०३०५, ०८३-५२०१८१ | ९८५८०७१३०५ |
| २ | जिल्ला समन्वय समिति | जिल्लाभर | दुर्गाप्रसाद चालिसे | ०८३ -५२१३६८ | ९८५८०५९२२२ |
| ३ | भेटेनरी अस्पताल तथा पशु विज्ञ केन्द्र | जिल्लाभर | कपिल उपाध्याय | ०८३ ५२३६४७ | ९८४५०७२१९२, ९८६८०७४३५१ |
| ४ | नेपाल खाद्य संस्थान | जिल्लाभर | भिमबहादुर थापा | ०८३ -५२०२०७ | ९८५११३६७८५ |
| ५ | उद्योग वाणिज्य संघ | जिल्लाभर | धन बहादुर रावत | ०८३ -५२५५१६ | ९८५८०५०२४४ |
| ६ | जिल्ला भू-संरक्षण कार्यालय | जिल्लाभर | शिवराम अधिकारी | ०८३ -५२०२२० | ९८५८०२५७२५ |
| ७ | नेपाल रेडक्रस सोसाइटी | जिल्लाभर | रामलाल आचार्य | ०८३ ५२०३१० | ९८५८०५२३१० |
| ८ | किसान परियोजना २ | चिङगाड, बराहताल, वीरेन्द्रनगर, गुर्भाकोट, भेरीगंगा, पञ्चपुरी | लक्ष्मी तिवारी | ०८३-५२५७१० | ९८५११२१८५१ |
| ९ | सुन्दर नेपाल संस्था | जिल्लाभर | भूपेन्द्रप्रसाद कँडेल | ०८३-५२०९२६ | ९८४८०४१५३० |
| १० | समाज जागरण केन्द्र | जिल्लाभर | टीकाराम आचार्य | ०८३-५२१२८२ | ९८५८०५१५४६ |
| ११ | विश्व खाद्य कार्यक्रम | जिल्लाभर | पूर्ण नेपाली | | ९८५७०६१३१३ |
| १२ | वातावरण सुधार समाज | जिल्लाभर | जगत के.सी. | ०८३ -५२१३५९ | ९८४८०४५०० |
| १३ | अन्तर निर्भर समाज | वीनपा | विवेक शाही | | ९८५८०५२२७.... |
| १४ | वाम संस्था | जिल्लाभर | मधुरानी ढकाल | ०८३ -५२२४३७ | ९८४८०७८६४६ |
| १५ | आवाज संस्था | वीनपा | पवित्रा शाही | ०८३ -५२२३८३ | ९८५८०५०८०७ |
| १६ | किर्डाक नेपाल | जिल्लाभर | मेघराज न्यौपाने | ०८३ -५२००५४ | ९८४८४४१८५५ |
| १७ | सुआहारा कार्यक्रम | जिल्लाभर | श्रीकृष्ण पौडेल | ८३-५२५६८४ | ९८४३६९९०५३ |
| १८ | नवज्योती केन्द्र | जिल्लामा | थानेश्वर गौतम | ०८३ -५२१६५८ | ९८५८०५१६७१ |
| १९ | सिमिट इन्टरनेश्नल | जिल्लाका ३ नपामा (वीरेन्द्रनगर, भेरीगंगा, गुर्भाकोट) | सूर्य ढुंगाना | | ९८५११८४७१९ |
| २० | आइएनएफ | जिल्लाभर | नारायणबहादुर खड्का | | ९८४८०२८२५५ |

## जिल्ला कृषि विकास कार्यालय अन्तर्गतका कृषि सेवा केन्द्रहरू

| क्र.सं. | सेवा केन्द्रको नाम | कार्य क्षेत्र | सम्पर्क ब्यक्ति | सम्पर्क न. |
|---|---|---|---|---|
| १ | चौकुने गा.पा.कृषि बिकास शाखा | गाउँपालिका क्षेत्रभरि | हेमन्त भण्डारी | ९८४८२५८७२८ |
| २ | पञ्चपुरी नगरपालिका कृषि बिकास शाखा | नगरपालिका क्षेत्रभरि | दिपेन्द्र पाण्डे | ९८४८०३६०३६ |
| ३ | बराहताल गाउँपालिका कृषि बिकास शाखा | गाउँपालिका क्षेत्रभरि | दिपेन्द्र न्यौपाने | ९८४८११६३६७ |
| ४ | वीरेन्द्रनगर नगरपालिका कृषि बिकास शाखा | नगरपालिकाको कार्यक्षेत्र भरि | प्रेमदेव गिरी | ९८४४८६२४०६ |
| ५ | भेरीगंगा नगरपालिका कृषि बिकास शाखा | नगरपालिकाको कार्यक्षेत्र भरि | दुर्गबहादुर चौधरी | ९८४८२२४५२८ |
| ६ | लेखबेसी नगरपालिका कृषि विकास पशुपन्छी बिकास शाखा | नगरपालिकाको कार्यक्षेत्र भरि | लोकबहादुर राना | ९८४३२३८४६१ |
| ७ | गुर्भाकोट नगरपालिका कृषि विकास पशुपन्छी बिकास शाखा | नगरपालिकाको कार्यक्षेत्र भरि | हिराकुमारी घर्ति | ९८४८२७९३२४ |
| ८ | चिङ्गगाड गा.पा. कृषि विकास शाखा | गाउँपालिका क्षेत्रभरि | तिलबहादुर राना | ९८५८०६९७६६ |
| ९ | सिम्ता गा.पा. कृषि विकास शाखा | गाउँपालिका क्षेत्रभरि | खेमराज शर्मा | ९८४८०७४९५८ |

## भेटेरीनरी अस्पताल तथा पशु सेवा विज्ञ केन्द्र सुर्खेत/नगरपालिका तथा गाउँपालिका, सुर्खेत

| क्र.सं. | सेवा केन्द्रको नाम | कार्य क्षेत्र | सम्पर्क ब्यक्ति | सम्पर्क न. |
|---|---|---|---|---|
| १ | चौकुनेगा.पा.पशुपन्छी विकास शाखा | गाउँपालिका क्षेत्रभरि | भोजप्रसाद चपाई | ९८४८०२७३५६ |
| २ | पन्चपुरी नगरपालिका पशुपन्छी विकास शाखा | नगर पालिका क्षेत्र भरी | हसना सारु | ९८४८११४८०० |
| ३ | बराहताल गाउँपालिका पशुपन्छी विकास शाखा | गाउँपालिका क्षेत्रभरि | धर्मराज थापा | ९८४८२१४०५५ |
| ४ | वीरेन्द्रनगर नगरपालिका पशुपन्छी विकास शाखा | नगरपालिकाको कार्यक्षेत्रभरि | नारायणप्रसाद न्योपाने | ९८४८०३८९३० |
| ५ | भेरीगंगा नगरपालिका पशुपन्छी विकास शाखा | नगरपालिकाको कार्यक्षेत्रभरि | ओमप्रकाश वली | ९८१५५५०२२५ |
| ६ | लेकबेसी नगरपालिका पशुपन्छी विकास पशुपन्छी विकास शाखा | नगरपालिकाको कार्यक्षेत्रभरि | उमादत्त चपाई | ९८४८०३९०४९ |
| ७ | गुर्भाकोट नगरपालिका पशुपन्छी विकास पशुपन्छी विकास शाखा | नगरपालिकाको कार्यक्षेत्रभरि | होमराज खड्का | ९८४८०९७७४२ |
| ८ | चिङ्गगाड गा.पा. पशुपन्छी विकास शाखा | गाउँपालिका क्षेत्रभरि | हरिकला चौधरी | ९८४८०३८९५४ |
| ९ | सिम्ता गा.पा. पशुपन्छी विकास शाखा | गाउँपालिका क्षेत्रभरि | डिलबहादुर पुन | ९८६८०११८२८ |



## विपद् प्रतिकार्य योजना

| विपद्को घटना पश्चातको अवधि | विपद्को अवस्थामा गरिने आपत्कालीन कार्य (विपद्को प्रकृतिमा आधारित) | आपत्कालीन अवस्था संबोधन गर्न गरीने पूर्वतयारी कार्य | पूर्वतयारी कार्य संबोधन गर्न खाडल (Gap) को पहिचान | मुख्य जिम्मेवार निकाय | प्रत्येक पूर्वतयारी कार्यका लागि अनुमानित लागत |
|---|---|---|---|---|---|
| पहिलो दिन | सूचना संकलन, प्रभावित क्षेत्रहरुको पहिचान | नोक्सान हुनबाट बच्नका लागि जनचेतना जगाउने, खाद्य तथा जीविकोपार्जन उपसमितिको संयोजकत्वमा स्थानीयस्तरमा उद्धार टीम निर्माण गर्ने । | तथ्यांक प्राप्त नहुनु, सहयोगी संस्थाहरुको पहिचान हुन नसक्नु, सामाग्री खरिदका लागि पहुँच र परिमाणको अभाव हुन सक्ने, टीम निर्माण गर्न र टीमलाई अनुशिक्षण | स्थानीय विपद् व्यवस्थापन समिति | |
| दोस्रो दिन | थप सूचना तथा तथ्यांक संकलन, राहत वितरण | टीमलाई परिचालन गर्ने, उपसमितिबीच कामको बाँडफाँड गर्ने । | स्रोत साधन अपुग हुनसक्ने, सडक अवरुद्ध भएमा समयमा पु-याउन कठिन । | जिल्ला कृषि विकास कार्यालय | |
| पहिलो हप्ता | निवेदन संकलन तथा क्षतिको अनुमान र र अपिल गर्ने । सहयोगी संस्थाको पहिचान । | फाराम तयार गर्ने । वितरणको व्यवस्थापन गर्ने । | स्रोत साधनको कमी | जिल्ला दैवीप्रकोप उद्धार समिति, खाद्य तथा जिविकोपार्जन व्यवस्थापन उपसमिति | |
| पहिलो महिना | निवेदन संकलन, राहत वितरण, स्रोत खोजी र सम्बन्धित निकायमा पठाउने, दैवीप्रकोप उद्धार समितिमा पठाउने । | श्रोत साधन जुटाउने एकद्धार पद्धतिद्वारा वितरण गर्ने । जिविकोपार्जनका बारेमा छलफल गर्ने । | समन्वयको अभाव, यातायातको कमी, नियमित अनुशिक्षण नहुनु । | ,, | |
| दोस्रो महिना | उपलब्ध समग्री वितरण तथा नियमित प्राविधिक सेवा टेवा, जिविकोपार्जनका लागि पहिचान र कार्यान्वयन | सामाग्री संकलन, जनशक्ति पहिचान र परिचालन, श्रोत पहिचान र स्थान पहिचान र अनुगमनको व्यवस्था | समन्वयको अभाव, विपद् सूचना व्यवस्थापनमा कमजोरी हुनसक्ने, जनशक्तिको अभाव, सडक अवरुद्ध आदि। | ,, | |
| तेस्रो महिना | उपलब्ध समाग्री, वितरण तथा नियमित प्राविधिक सेवा टेवा, जिविकोपार्जनका लागि पहिचान र कार्यान्वयन, अनुगमन र समन्वय | जिविकोपार्जनका लागि प्राविधिक सुझाव, अनुशिक्षण र सामाग्री वितरण, अनुगमनको व्यवस्था | परनिर्भरता बढ्न सक्ने, जीविकोपार्जनको स्रोत सामग्रीको अभाव, पुनर्लाभको कार्यक्रममा कमजोरी हुनसक्ने | ,, | |
| सो भन्दा बढी | उपलब्ध समाग्रि, वितरण तथा नियमित प्राविधिक सेवा टेवा, जिविकोपार्जनका लागि पहिचान स्रोतको माग, कार्यान्वयन, अनुगमन र समन्वय | जिविकोपार्जनका लागि प्राविधिक सुझाव, अनुशिक्षण र सामाग्री वितरण, पुनस्थापना र पुनलाभको निरन्तरता, अनुगमन र मूल्यांकन | जनशक्तिको अभाव, परनिर्भरता बढ्न सक्ने, गरीबी बढ्ने, अपेक्षित मनोकाङक्षा पूरा हुन नसक्ने, नयाँ असन्तुष्टिको सम्भावना | ,, | |

## ३.३ निकायगत स्रोत साधनको आँकलन

खाद्य सुरक्षा क्षेत्र सदस्य निकायहरू कुनै बाट पनि स्रोतको उपलव्धता नभएको तर विपद् पश्चात प्रभावित समुदाय र संख्याको आधारमा तत्कालिन अवस्थामा अपिल गरी श्रोतको व्यवस्था गर्नसक्ने प्रतिबद्धता विषयगत क्षेत्र सदस्यहरूबाट प्राप्त भएको छ ।

**कार्यान्वयन योजना सहितको प्राथमिकता प्राप्त पूर्वतयारी कार्य**

(विपद्को प्रकृतिमा आधारित प्रतिकार्य योजना तथा पूर्वतयारी योजना)

| सि.नं. | प्राथमिकता प्राप्त पूर्वतयारी कार्यको सूची | मुख्य जिम्मेवार निकाय | कार्यान्वयन गर्ने तरिका (बैठक, कार्यशाला, तालिम आदि) | समय सीमा (कार्य तालिका) |
|---|---|---|---|---|
| १. | लेखाजोखा फाराम छपाई तथा विपद् सर्वेक्षण समूहको सूची अद्यावधि राख्ने । | कृषि विकास निर्देशनालय, सुर्खेत | सर्वेक्षण समूह सदस्यको नामावली छनौट | आवश्यकता अनुसार |
| २. | उपयुक्त यातायात तथा संचारका साधनहरुको व्यवस्था | जिल्ला प्रशासन कार्यालय | समन्वय तथा छलफल | |
| ३. | अनुमानित संख्यामा तयारी खाद्यवस्तुहरु उपलब्ध गराउने । | उद्योग वाणिज्य संघ | बैठक | |
| ४. | सर्वेक्षण टोलीलाई अभिमुखीकरण तथा फाराम छपाई एवं बन्दोवस्तीका सामग्री तयारी गर्ने | कृषि विकास निर्देशनालय, सुर्खेत | अभिमुखिकरण | |
| ५. | सूचना संप्रेषणको लागि मुख्य जिम्मेवार व्यक्ति निर्धारण गर्ने | कृषि विकास निर्देशनालय | आन्तरिक समन्वय | |
| ६. | अनुगमन टोलीको गठन तथा परिचालन गर्ने | कृषि विकास निर्देशनालय | बैठक तथा छलफल | |
| ७. | प्रतिवेदनका लागि मुख्य व्यक्तिको चयन । | कृषि विकास निर्देशनालय | आन्तरिक समन्वय | |
| ८. | विपद् प्रतिकार्य संचालन गर्दा प्राप्त अनुभव एवं राम्रा पक्ष तथा सुधार गर्नुपर्ने सवालहरू सूचिकृत गरी कार्यशालाको आयोजना । | कृषि विकास निर्देशनालय | पत्राचार तथा टेलिफोन र गोष्ठीको आयोजना | |
| ९. | विपद् प्रतिकार्यको विस्तृत अभिलेखन तथा सूचना संकलनका लागि मुख्य व्यक्ति तथा निकायको चयन । | कृषि विकास निर्देशनालय | प्रतिवेदन लेखन | |

## ३.४ मानवीय सहयोग मापदण्ड

- विस्थापित तथा पिडितहरूको पहुँचमा दैनिक रुपमा आवशयक पर्ने न्यूनतम २,१०० क्यालोरी प्राप्त हुने गरी खाद्यान्न,आपुर्ति गराउने
- प्रभावित मानिसहरूका लागि खाद्य पदार्थमा परिपूरक (supplementry) खाद्य वस्तुहरू उपलब्ध गराउने ।
- साना बालवालिका, एच.आई.भी. संक्रमित, कुपोषित, अपाङ्ग, जेष्ठ नागरिक, गर्भवती र सुत्केरी महिलाहरुका लागि विशेष रूपले उनीहरूको आवश्यकतालाई पूरा गर्न रासनको व्यवस्था गर्ने ।

**खाद्यान्न परिमाण निम्न बमोजिम हुनेछ :**

(१) चामलः प्रतिदिन प्रतिव्यक्ति ४१० ग्राम,
(२) दालः प्रतिदिन प्रतिव्यक्ति ६० ग्राम,
(३) वनस्पति तेलः प्रतिदिन प्रतिव्यक्ति २५ मि.लि. र
(४) नुनः प्रतिदिन प्रतिव्यक्ति ३ ग्राम ।

- स्थानीय परिस्थिति एवं स्वास्थ्य तथा पोषण युनिटको सिफारिस बमोजिम खाद्यान्नको परिमाण निर्धारण गर्न सकिनेछ । शुरुमा स्थानिय रुपमा प्राप्त भएको तथ्याङ्को आधारमा वितरण गरिने र पछि अन्तिम लेखाजोखाबाट प्राप्त तथ्याङ्को आधारमा वितरण गरिनुपर्दछ ।

**अन्य विपद् आइपरेमा समेत प्रतिकार्यका लागि देहायका कार्यक्रमहरु संचालन गर्ने प्रस्ताव गरियो ।**

- पशु बस्तुको उपचार राहतको ब्यबस्था गर्ने ।
- जैविक छेकबाँधको ब्यबस्था गर्ने ।
- पहिरो नियन्त्रणका कार्यक्रमहरु संचालन गर्ने ।
- नेपाल खाद्य संस्थानले जिल्लामा दैविक प्रकोपबाट समस्या समाधान गर्न खाद्यन्नको मौज्दात बृद्धि गर्ने र समितिको सिफारिस अनुसार खाद्यन्न उपलब्ध गराउने ।
- जिल्ला समन्वय समितिले आवश्यक समन्वय गर्नेछ
- जिल्ला कृषि बिकास कार्यालयले खाद्यन्न, तरकारीको बीउ वितरण, फलफूलको बेर्ना वितरण, साना सिचाइ निर्माण र मर्मत सहयाग गर्ने ।
- विपद्का समयमा आवश्यक पर्ने खाद्यान्न स्थानीय बजार तथा खाद्य संस्थानबाट प्राप्त गर्न सकिनेछ ।
- भेटेरीनरी अस्पताल तथा पशु सेवा बिज्ञ केन्द्रले पशुपन्छीको रोग नियन्त्रणका लागी प्राथामिक उपचार, रोग बिरुद्धको खोप कार्य संचालन पशु स्वास्थ्य शिबिर संचालन गर्न सकिनेछ ।
- पशुबस्तुका लागी डाले घासको बिरुवा तथा बीउ बितरण गर्न सकिने ।
- पशुपन्छीहरुको महामरी रोग नियज्त्रण तथा व्यवस्थापन गर्न सकिने ।

# परिच्छेद : ४

# गैर खाद्य तथा अस्थायी आश्रयस्थल व्यवस्थापन उपसमिति

**विषयगत क्षेत्र** : गैर खाद्य तथा अस्थायी आश्रय व्यवस्थापन उपसमिति
**मुख्य विपद्को किसिम** : पहिरो, महामारी, बाढी, आगलागी र भूकम्प ।
**क्षेत्रगत अगुवा** : शहरी विकास तथा भवन निर्माण विभाग संघीय आयोजना कार्यान्वयन इकाई सुर्खेत/नेपाल रेडक्रस सोसाइटी, सुर्खेत जिल्ला शाखा ।

## ४.१ अनुमानित अवस्था

सुर्खेत जिल्ला पहाडी जिल्ला भएकाले सुर्खेत जिल्लामा अधिकांशतः प्राय फुटकर रुपमा घर परिवार आगलागीबाट प्रभावित हुने गरेकोमा विगत केही बर्ष अगाडिबाट बाढी पहिरो र महामारीका घटनाहरु पनि हुन थालेका छन् । विगतमा घटित विपद्हरुबाट प्रभावित भएका परिवारहरूको तथ्यांकलाई विश्लेषण गर्दा विपदबाट बढीमा देहाय अनुसार प्रभावित हुन सक्ने अनुमान गरिएकाले सो संख्यालाई उचित तरिकाको अस्थायी आश्रयस्थल, लत्ताकपडा, भाँडा वर्तन आदिको व्यवस्था गर्नु पर्ने हुन सक्छ। विशेष गरी वालवालिका, जेष्ठ नागरिक, गर्भवती सुत्केरी, विरामीका लागि मानवोचित व्यवस्था गर्नु पर्ने हुन्छ ।

भूकम्पबाट १७००० परिवारका ८५,००० जना, आगलागीबाट १५० परिवारका ७५०० जना, बाढी पहिरोबाट १८०० परिवारका ९००० जना र महामारीबाट २०० परिवारका १००० जना प्रभावित हुने मध्य २५ प्रतिशत वालवालिका, ६५ प्रतिशत महिला, १० प्रतिशत जेष्ठ नागरिक, ५ प्रतिशत सुत्केरी तथा गर्भवती महिला, ५ प्रतिशत स्तनपान गराउने महिला हुन सक्ने अनुमान गरिएको छ ।

## ४.२ विपदबाट सम्भावित मानवीय असरहरू

- सार्वजनिक पूर्वाधारको क्षति (सडक, पुल, झोलुङ्गे पुल, विद्युत् आपूर्ति, सञ्चार)
- आवासको अस्थायी क्षति तथा मुख्य रूपमा बालबालिका, महिला, वृद्धवृद्धा र फरक क्षमता (अपाङ्ग) भएकाहरूको विस्थापन तथा व्यक्तिगत सरसामानहरूमा क्षति ।
- विद्यालय, प्रहरी चौकी तथा स्वास्थ्य केन्द्रहरू, सार्वजनिक भवन, सामुदायिक आश्रय स्थल जस्ता सार्वजनिक संरचनाहरूमा विस्थापित मानिसहरूको बसोवासको लागि दबाव पर्ने ।
- सार्वजनिक स्थानहरूमा अस्थायी आवासको रुपमा उपयोग गरिदा सामुदायिक स्वास्थ्यसम्बन्धी व्यवहारमा चुनौतीहरू हुने देखिन्छ ।

## ४.३ उद्धेश्य

अस्थायी आवास तथा गैरखाद्य सामग्री व्यवस्थापन क्षेत्रले संचालन गर्ने विपद् राहत प्रतिकार्य योजनाको उद्देश्यहरू निम्नानुसार निर्धारण गरिएको छ ।



### ४.३.१ सामान्य उद्देश्य

विपद् प्रभावित व्यक्ति/परिवारहरूका लागि समयमा नै राहत प्रतिकार्य समूहको पहुँच सुनिश्चित गरी गैरखाद्य सामग्रीको उपलब्धता तथा स्थानीय स्तरमा उपलब्ध सुरक्षित स्थलहरूमा अस्थायी आवासको व्यवस्था गरी विपद्को अवस्थाबाट जनजीवन सामान्य बनाउने ।

### ४.३.२ विशिष्ट उद्देश्य

- विपद्बाट पूर्ण रुपमा प्रभावित हुनसक्ने पूर्वानुमान गरिएका परिवारलाई तत्काल अस्थायी आवासको व्यवस्था गर्ने र आवश्यकता एवं श्रोतको उपलब्धताको आधारमा गैरखाद्य सामग्री उपलब्ध गराउने । अस्थायी रुपमा सुरक्षित र आरामदायी वासस्थानको लागि उपयुक्त स्थलको पहिचान गरी आवश्यकताका आधारमा विपद्मा परेका व्यक्ति तथा परिवारहरूको पहुँच सुनिश्चित गर्ने । यथासम्भव यस प्रक्रियामा बढीभन्दा बढी समुदाय स्वयंको आत्मनिर्भरता तथा स्वयम व्यवस्थापन (Self-management) लाई समावेश गरिनेछ ।

## ४.४ न्यूनतम मापदण्ड

- सुरक्षा, स्वास्थ्य, यातायात र खानेपानीको सुविधा भएको, एवं वसोवासको दृष्टिकोणबाट उपयुक्त स्थानमा अस्थायी आश्रयस्थलको व्यवस्था गर्नु पर्नेछ ।

### ४.४.१ न्यूनतम कार्यहरू

- ठूलो स्तरका प्रकोपमा प्रकोपस्थलमा नै आश्रय उपलब्ध गराउन नसकिने भएमा सरकारको स्वामित्वमा रहेका विद्यालय, क्याम्पस, खेलकूद मैदान, गोदामघर, धर्मशाला, मठमन्दिर आदिको अल्पकालीन रुपमा व्यवस्था गर्ने । यदि यस्ता सार्वजनिक स्थलहरु उपलब्ध हुन नसक्ने अवस्थामा सरकारी वा सार्वजनिक जग्गामा आधारभूत सेवा जस्तै पानी, ढलनिकास, चर्पी, बाटो, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा जस्ता पूर्वाधारहरुलाई ध्यान दिएर शिविर स्थापना गरी प्रभावितहरुको सुरक्षा, स्वास्थ्य, डरमुक्त अवस्था र भलाई सुनिशिचित गर्ने ।
- प्रकोपका बखत प्रयोग गर्न सकिने सार्वजनिक भवन तथा स्थलहरुको पहिचान, तिनको क्षमता तथा प्रयोग लयाउनकालागि सम्पादन गर्नुपर्ने प्रक्रियाहरुको पहिचान गर्ने ।विशेष परिस्थितिमा आवश्यक परेमा सार्वजनिक स्थलका जिम्मेवार निकायहरुसंग लिखित सहमति तथा सम्झौता गर्ने । अस्थायी वासस्थानकालागि आवश्यक कम्तिमा १०० थान तारपोलिन, बांस पाइने ठाउँ र डोरीको व्यवस्था गर्ने ।तारपोलिनको प्रयोगबाट उत्पन्न हुने समस्याहरु कम गर्न छानोमा स्थानीय खर आदि प्रयोग गराउने ।

### ४.४.२ अनुगमन तथा मूल्याङ्नका लागि सूचकहरू

- प्रत्येक परिवारलाई एक तारपोलिन (काठ उपलब्ध हुन नसक्ने समुदायका लागि तारपोलिन उभ्याउनका लागि २ वटा बाँस) उपलब्ध गराइएको ।
- प्रकोप पीडितहरुको पारिवारिक तथा व्यक्तिगत गोपनीयता कायम गरी उनीहरुको सुरक्षा, स्वास्थ्य र भलाईलाई सुनिश्चित गरिएको ।

- भवन वा स्थानको उपभोग र प्रयोग गर्नु वा ओगट्नु अघि सम्बन्धित व्यक्ति वा निकायसंग सम्झौता गरिएको ।
- आश्रयका लागि उपलब्ध गराइएको स्थान सम्भावित थप खतराबाट सुरक्षित गरिएको ।
- आश्रय स्थलहरु यातायात सुविधा भएको स्थान नजिक स्थापना गरिएको ।
- आश्रय स्थलहरु वरिपरि पानी तथा सरसफाई सम्बन्धि सेवाहरु, स्वास्थ्य, विद्यालय जस्ता सामाजिक सुविधाहरु उपलब्ध गराइएको ।

### विषयगत क्षेत्रका सदस्य संस्थाहरुको सम्पर्क विवरण

| सि.नं. | संस्थाको नाम | सम्पर्क व्यक्तिको नाम | सम्पर्क फोन | मोवाइल नं. | इमेल |
|---|---|---|---|---|---|
| १ | नेपाल रेडक्रस सोसाइटी | गोविन्दप्रसाद आचार्य | ०८३-५२१६७० | ९८५८०५२३२६ | achgov23@yahoo.com |
| २ | वी.न.न.पा. | प्रकाश पौडेल | ०८३-५२१२९३ | ९८५८०५१७९८ | prakashskt@gmail.com |
| ३ | समाज जागरण केन्द्र | टीकाराम आचार्य | | ९८५८०५१५४६ | info@sacnepal.org.np |
| ४ | सुर्खेत उ.वा.सं. | राजु पाण्डे<br>गणेशकुमार कार्की | ०८३-५२०३०० | ९८५८०५३३७२<br>९८५८०२४८५८ | surkhetcci@gmail.com |
| ५ | मप यातायात व्यवसायी संघ | विजय के.सी. | ०८३-५२१३२२ | ९८५८०५२९९९ | bussamiti2014@gmail.com |
| ६ | जिल्ला समन्वय समिति | दुर्गाप्रसाद चालिसे | ०८३-५२०२९० | ९८५८०५०३२१ | |
| ७ | वातावरण सुधार समाज | चन्द्रलाल आचार्य | ०८३ ५२१३५९ | ९८४८०३१६७ | edssociety1gmail.com |
| ८ | सुन्दर नेपाल संस्था | भूपेन्द्रप्रसाद कँडेल | ०८३-५२०९२६ | ९८४८०४१५३० | info@sundarnepal.org.np |
| ९ | आई.एन.एफ. | नारायणबहादुर खड्का | ०८३-५२०१०५ | ९८४८०२८२५५ | admin.finance@surkhet.inf.org |

### विपद् प्रतिकार्य योजना

| विपद्को घटना पश्चातको अवधि | विपद्को अवस्थामा गरिने आपत्कालीन कार्य (विपद्को प्रकृतिमा आधारित) | आपतकालीन अवस्था संवोधन गर्न गरीने पूर्वतयारी कार्य | पूर्वतयारी कार्य सम्बोधन गर्न खाडल (Gap) को पहिचान | मुख्य जिम्मेवार निकाय | प्रत्यक पूर्वतयारी कार्यका लागि अनुमानित लागत |
|---|---|---|---|---|---|
| पहिलो दिन | विपद् प्रभावको सूचना स्थानीय सूचनादाताहरुबाट संकलन | विपद् जोखिम स्थानमा सूचना संयन्त्र स्थापना | दक्ष जनशक्ति, श्रोत साधनको अभाव | जिविव्यस | |
| | जिल्ला विपद् व्यवस्थापन समितिको बैठक बस्ने | समितका सदस्य र सरोकारवाला निकायको सम्पर्क व्यक्ति चयन तथा अद्यावधि | | जिविव्यस | |
| | विपद् प्रतिकार्य समूह/सदस्यहरुलाई परिचालन गर्ने | लेखाजोखा समूह, DDRT, First Aid, CADRE लगायत प्रशिक्षण प्राप्त स्वयंसेवकहरुको विवरण अद्यावधिक गर्ने | प्रतिकार्य समूहका सदस्यहरूका विवरण अद्यावधि नहुनु | जिविव्यस, नेपाल रेडक्रस सोसाइटी | |
| दोश्रो दिन | अस्थायी आवास तथा गैह्रखाद्य उपसमितिको बैठक बस्ने | सदस्य र सरोकारवाला निकायहरुको विवरण अद्यावधिक गर्ने । | | नेपाल रेडक्रस सोसाइटी | |
| | द्रुत लेखाजोखा सम्बन्धी अभिमुखीकरण, सूचना संकलन टोली परिचालन | लेखाजोखा फारम छपाई र लेखाजोखा समूह निर्माण | यातायात, बन्दोबस्तीका साधनहरू | स्थानीय तह, नेपाल प्रहरी र नेपाल रेडक्रस सोसाइटी | |
| | लेखाजोखाको प्राप्त विवरणको विश्लेषण र सहायता परिचालन | सूचना विश्लेषणका लागि क्षेत्रगत समितिको बैठक | | जिल्ला प्रशासन, स्थानीय तह र नेपाल रेडक्रस सोसाइटी | |
| | विपद्बाट भएको क्षेतिको आधारमा अस्थायी आवासकालागि पाल र गैह्रखाद्य सामग्री वितरण | प्रभावित परिवारहरुको लागि सामग्री संकलन गर्ने | आवश्यक पर्ने पाल, चटाई ( गुन्द्री) र भाडावर्तन स्टक नभएको । | जिल्ला प्रशासन, स्थानीय तह र नेपाल रेडक्रस सोसाइटी | |
| पहिलो हप्ता | विस्तृत सर्वेक्षण, पूर्ण प्रभावित परिवारलाई गैह्रखाद्य सामाग्री वितरण, | गैह्रखाद्य सामग्री संकलन, वितरण टोली (DDRT) लाई अभिमुखीकरण | गैह्रखाद्य ८०० सेट मात्र उपलव्ध छ बांकी १८३५० सेट नपुग तथा ढुवानीका लागि यातायातको व्यवस्था नभएको, | जिविव्यस, नेपाल रेडक्रस सोसाइटी | |
| पहिलो महिना | गैह्रखाद्य सामग्री वितरण निरन्तरता | वितरण टोली (DDRT) लाई अभिमुखीकरण | | जिविव्यस, स्थानीय तह र नेपाल रेडक्रस सोसाइटी | |
| | गैह्रखाद्य सामग्री वितरण र सोको प्रयोगको सुनिश्चिततताको लागि अनुगमन | अनुगमन समूह निर्माण र अनुगमनको सूचि निर्माण | | जिल्ला प्रशासन कार्यालय, स्थानीय तह, सहयोगी निकायहरु नेपाल रेडक्रस सोसाइटी र | |
| दोश्रो महिना | विषयगत समिति र सरोकारवाला निकायहरुको पाठ सिकाई कार्यशाला | विपद् प्रतिकार्य सन्चालन गर्दाका अनुभव र राम्रा तथा सुधार गर्नुपर्ने पक्षहरुको सूचि गराई कार्यशालाको आयोजना | | नेपाल रेडक्रस सोसाइटी र जिल्ला प्रशासन कार्यालय | |
| तेश्रो महिना | विपद् प्रतिकार्यको प्रतिवेदन सरोकारवाला निकायहरुमा पठाउने । | विपद् प्रतिकार्य सम्बन्धी विस्तृत अभिलेख संकलन गरी भाषा तथा तथ्यांकगत विवरण अद्यावधिक गर्ने | | नेपाल रेडक्रस सोसाइटी र जिल्ला प्रशासन कार्यालय | |

## ४.५ लागत विवरण

### (क) बाढी, पहिरो र आगलागी

| कार्य/सामग्री विवरण | परिमाण सेट | दर | जम्मा |
|---|---|---|---|
| बैठक तथा कार्यशाला सन्चालन | | | ६०००० |
| सर्वेक्षण जनशक्ति खर्च | ८६ जना | १२०० | १०३२०० |
| सर्वेक्षण यातायात खर्च | | १००००० | १००००० |
| लेखाजोखा फाराम छपाई | २५०० सेट | १० | २५००० |
| गैह्रखाद्य सामग्री सेट | २१५० सेट | ६५०० | १३९७५००० |
| सामग्री ढुवानी | २१५० परिवारको | ४०० | ८६०००० |
| वितरण गर्दा जनशक्ति खर्च | ८६ जना | १२०० | १०३२०० |
| अनुगमन | | | ७५००० |
| | जम्मा | | १५३१६४०० |

### (ख) भूकम्प

| कार्य/सामग्री विवरण | एकाई | परिमाण | दर | जम्मा |
|---|---|---|---|---|
| बैठक तथा कार्यशाला सन्चालन | पटक | ५० | १२५००० | ६२५०००० |
| सर्वेक्षण जनशक्ति खर्च | जना | २५२० | १००० | २५२०००० |
| सर्वेक्षण यातायात खर्च | जना | २५२० | २५० | ६३०००० |
| सर्वेक्षण फाराम छपाई | थान | १७००० | १० | १७०००० |
| गैह्रखाद्य सामग्री सेट | सेट | १७००० | ६५०० | ११०५००००० |
| सामग्री ढुवानी | सेट | १७००० | ४०० | ६८००००० |
| वितरण गर्दा जनशक्ति खर्च | जना | २५२० | १००० | २५२०००० |
| अनुगमन | पटक | | १८०००० | १८०००० |
| | जम्मा | | | १२९५७०००० |

**उपलब्ध निकायगत सामग्री विवरण**

| क्र. सं. | निकाय | सामग्री | | नगद रू. | कैफियत |
|---|---|---|---|---|---|
| | | गैह्रखाद्य सेट | तारपोलिन थान | | |
| १ | नेपाल रेडक्रस सोसाइटी, सुर्खेत | २०० | ० | १५०००० | |
| २ | वीरेन्द्रनगर नगरपालिका | | | १००००० | |
| ३ | समाज जागरण केन्द्र | ५०० | ० | १००००० | माग भएको ४ वा ५ दिन भित्र उपलब्ध गराइने । |
| ४ | सुन्दर नेपाल संस्था | १०० | | | |
| ५ | मप यातायात व्यवसायी संघ | | | | समितिको निर्णयानुसार |
| | उद्योग वाणिज्य संघ | | | | विपद् व्यवस्थापन कोषबाट आवश्यकता अनुसार कार्यसमितिको निर्णयानुसार |
| | आइएनएफ, सुर्खेत | | | | आइएनएफको निर्णयानुसार |
| | वातावरण सुधार समाज | | | ५०,००० | संस्थाको निर्णयानुसार |
| ६ | जम्मा उपलव्ध | ८०० | | | |
| ७ | लक्ष्य | १९१५० | | | |
| ८ | नपुग | १८३५० | | | |

अस्थायी आवास तथा गैह्रखाद्य समितिका सदस्य संस्थाहरुको कार्यप्रणाली र कार्यशैली एकै खाले नभएकाले सबै निकायबाट श्रोतको उपलव्धता हाल हुन नसके पनि विपद्को अवस्थामा प्रभावित क्षेत्र र समुदायको आवश्यकतानुसार नपुग भएको १८३५० सेट गैर खाद्य सामग्री व्यवस्थापन गर्न सक्ने देखिन्छ ।

**पूर्वतयारी कार्यको सूची**

| क्र. सं. | कार्यहरु | मूख्य जिम्मेवार निकाय | कार्यान्वयन गर्ने तरिका (बैठक, कार्यशाला, तालिम आदि) | समय सीमा |
|---|---|---|---|---|
| १. | गैह्रखाद्य सामग्री व्यवस्थापन | स्थानीय तह, नेपाल रेडक्रस सोसाइटी | सरोकारवालाहरु संग समन्वय | विपद् पश्चात तत्काल |
| २. | लेखाजोखा फाराम छपाई तथा विपद् प्रतिकार्य टोली निर्माण गर्ने । | जिविव्यस, नेपाल रेडक्रस सोसाइटी | बैठक | असारको दोश्रो हप्ता |
| ३. | उपयुक्त यातायात तथा संचारका साधन एवं बन्दोवस्तीका सामग्रीहरूको व्यवस्था | सहयोगी निकाय, प्रहरी, सेना, स्थानीय तह, जिल्ला प्रशासन कार्यालय, नेपाल रेडक्रस सोसाइटी | समन्वय, बैठक | विपद् पश्चात तत्काल |
| ४. | सर्वेक्षण टोलीलाई अभिमुखीकरण तथा फाराम छपाई र बन्दोवस्तीका सामग्री व्यवस्था गर्ने । | जिल्ला प्रशासन कार्यालय, स्थानीय तह, नेपाल रेडक्रस सोसाइटी | समन्वय, अभिमुखीकरण | विपद् पश्चात तत्काल |
| ५. | वितरण टोली (DDRT) लाई अभिमुखीकरण | नेपाल रेडक्रस सोसाइटी | अभिमुखीकरण | विपद् पश्चात तत्काल |
| ६. | अनुगमन टोलीको व्यवस्था एवं अनुगमन सूची निर्माण | जिल्ला प्रशासन कार्यालय, स्थानीय तह, नेपाल रेडक्रस सोसाइटी | बैठक | विपद् पश्चात तत्काल |
| ७. | विपद् प्रतिकार्य संचालन गर्दा प्राप्त अनुभव एवं राम्रा पक्ष तथा सुधार गर्नुपर्ने सवालहरूको सूची र कार्यशाला आयोजना गर्ने । | जिल्ला प्रशासन कार्यालय, स्थानीय तह, नेपाल रेडक्रस सोसाइटी | कार्यशाला | विपद् प्रतिकार्य भइसकेपछि |
| ८. | विपद् प्रतिकार्यको विस्तृत अभिलेख संकलन गरी भाषागत एवं तथ्यांक अद्यावधि गर्ने । | जिल्ला प्रशासन कार्यालय, स्थानीय तह, नेपाल रेडक्रस सोसाइटी | बैठक तथा प्रतिवेदन लेखन | विपद् प्रतिकार्य भइसकेपछि |

## ४.६ मानवीय सहयोग सम्बन्धी मापदण्ड

- औसतमा एक परिवारका सदस्यहरुको लागि १२×१८ फिट साइजको त्रिपाल ।
- प्रति परिवार ६ जनालाई एक जोडा पुग्ने कपडा ।
- हरेक परिवारलाई भाडां सेट । (डाडु, डेक्ची ३, थाल ३, गिलास २, पन्यु)
- विद्यालय तथा सार्वजनिक स्थलहरुसंग अग्रिम रुपमा नै समझदारी पत्रमा दस्तखत भएको हुनपर्ने ।
- शिविरका लागि योजना तर्जुमा गर्दा नै सांस्कृतिक तथा सामाजिक मूल्यहरु एवं परिस्थितिलाई ध्यानमा राखिनु पर्ने ।
- शिविर स्थापना गर्नकालागि विगतमा प्रयोग भएका ठाउंहरुको विवरण ।
- स्थानीय सरकार तथा सरोकारवाला निकायहरुको समन्वयमा शिविरको स्थापना ।

**न्यूनतम आवश्यक गैह्रखाद्य सामग्रीहरुको सूची**

| सि.नं. | सामग्रीको नाम | इकाइ | परिमाण |
|---|---|---|---|
| १ | कम्बल | थान | २ |
| २ | त्रिपाल | थान | १ |
| ३ | भाँडाकुडा | सेट | १ |
| ४ | जिन कपडा | मिटर | ५ |
| ५ | छिट कपडा | मिटर | ७ |
| ६ | पाप्लिन | मिटर | ६ |
| ७ | प्रिण्ट भएको जनाना धोती | थान | १ |
| ८ | प्लास्टिक बाल्टिन विर्को सहित | थान | १ |
| ९ | नाइलन डोरी | मिटर | १० |
| १० | प्याक गर्ने ब्याग | थान | १ |



# परिच्छेद : ५

# सूचना तथा राहत व्यवस्थापन उपसमिति

**विषयक्षेत्र** Mसूचना तथा राहत व्यवस्थापन
**मुख्य विपद्को किसिम** : पहिरो, बाढी, आगलागी र भूकम्प
**क्षेत्रगत अगुवा** : जिल्ला प्रशासन कार्यालय, सुर्खेत

## ५.१ विषय क्षेत्रको परिचय : सूचना तथा राहत व्यवस्थापन उपसमिति

सुचना संकलन र समन्वय गरि विषयगत उपसमितिमा प्रवाह गर्ने र सक्रिय पार्ने तथा प्राप्त सुचनाको मुल्यांकन गरि जिल्ला विपद व्यवस्थापन समितिको बैठक आवश्यकता अनुसार बोलाई समन्वय, राहत व्यवस्थापन, अपुग राहतको मूल्यांकन र श्रोतहरुको खोजी गर्नुपर्दछ ।

विपदका समयमा सुचनाले विपदलाई व्ययवस्थापन गर्न महत्त्वपूर्ण भूमिका निर्वाह गर्दछ । विपदबाट भएको क्षतिको सूचना सत्य तथ्य सुचना संकलन गर्न महत्वपुर्ण र अनिवार्य कार्य हुन्छ । यो उपसमिति सहायक प्रमुख जिल्ला अधिकारीको अध्यक्षतामा जिल्ला विपद् व्यवस्थापन समिति अन्तर्गतका क्लष्टर वा अन्य उपसमितिका संयोजकहरु र राजनीतिक दलका प्रमुखहरु समेत सदस्य रहनेछन् ।

## ५.२ बाढी पूर्वसूचना प्रणाली

### ५.२.१ उद्देश्य

राज्यकोमौसम पूर्वानुमान र पूर्वसूचना संप्रेषणगर्ने निकायको वर्तमान क्षमता विश्लेषण गरी जलउत्पन्न प्रकोपका कारण उत्पन्न विपद् जोखिम न्यूनिकरण गर्न पूर्वसुचना प्रणालीको स्थापना र व्यवस्थापनको लागि उपलब्ध स्रोत र साधनको अधिकतम परिचालन गर्ने र बाढी पहिरोको उच्च जोखिममा रहेका समुदायमा हुने सम्भावित जनधनको क्षतीको न्यूनिकरण गर्न जिल्लाको क्षमता अभिवृद्धि गर्ने ।

### ५.२.२ जिम्मेवारी

मानिसहरुलाई विपद्को सम्भावित जोखिमबाट बचाउनु राज्य र यस क्षेत्रमा क्रियाशिल सबै निकायहरुको प्रमुख जिम्मेवारी हो । समयमानै विपद् जोखिमको पहिचान गरी जोखिम न्यूनिकरणका बारेमा ध्यान दिन सकेको खण्डमा विपद्का समयमा स्रोतसाधनको अधिकतम परिचालन हुन सक्छ र कथमकदाचित स्रोतसाधन कमी वा अभाव भएतापनि मानिसहरुलाई सम्भावित जोखिमबाट बचाउन सकिन्छ । पूर्वसुचना प्रणाली यही स्रोतसाधनहरु समाहित क्षमताको संगालो हो । जसले सम्भावित विपद्को अग्रिम जानकारी दिने सुचनाहरु उपलब्ध गराउँछ । जुन सूचनाहरुको अधिकतम प्रयोग गरीसंकटासन्न समुदायहरुलाई विपद्को प्रतिकार्य गर्न र विपद् जोखिम न्यूनिकरण गर्न मद्दत गर्दछ ।

### ५.२.३ न्यूनतम मापडण्ड

स्थापित पूर्व सूचना प्रणालीले सम्भावित विपद्को वैज्ञानिक विधि र प्रक्रियाका आधारमा पुर्वअनुमानको सन्देश संकटासन्न समुदाय र सरोकारवालाहरुसम्म पुऱ्याउने र सबै निकायलाई जिम्मेवारीपूर्वक परिचालन हुन सहयोग गर्दछ। खासगरी सम्भावित विपद् जोखिमको खबर संकटासन्न समुदायसम्म पुऱ्याउन रसम्बन्धित निकायहरुलाई परिचालन गरी विपद् प्रभावित मानिसहरुलाई सुरक्षाको न्यूनतम् उपायहरु अबलम्बन गर्न पूर्वसुचना प्रणाली सहयोगी हुन्छ। जसले संकटासन्न व्यक्ति, समुदाय र निकायलाई प्रभावकारी प्रतिकार्यका लागि परिचालित हुन क्षमता बढाउँछ।

### ५.२.४ आधारभूत कार्यहरु

- पूर्वसुचना सम्बन्धी सम्पूर्ण कार्य जिल्ला विपद् व्यवस्थापन समिति/जिल्ला आपतकालीन कार्यसञ्चालन केन्द्रले गर्नेछ।
- पूर्व सूचना प्रणालीका ४ वटा तत्वहरुलाई मध्य नजर गर्दै संकटासन्न समुदायको जीउधनको सुरक्षाको लागि क्षमता अभिवृद्धि गराउन र आपतकालिन पूर्वतयारी कार्यमा जुट्न, नेपाल सरकार जल तथा मौसम विज्ञान विभाग बाढी पूर्वानुमान महाशाखा अन्तर्गत सञ्चालित ………………… जलमापन केन्द्र र सोही विभागको मध्य तथा सुदूरपश्चिम क्षेत्रीय हावापानी कार्यालय सुर्खेत र कर्णाली नदी व्यसिन कार्यालयद्वारा सञ्चालन गरिएका हावापानी एवम् वर्षा र जलसतह मापनकेन्द्रको सुचना, डिस्प्ले बोर्डमा देखाउने, मोवाईलबाट SMS गर्ने र विभागका सूचना कर्मचारीबाट टेलिफोन सम्पर्कको आधारमा प्राप्त भएको सुचनालाई १० मिनेट भित्र जिल्ला प्रशासन कार्यालय, सबै सुरक्षा निकाय, नेपाल रेडक्रस सोसाईटी, जिल्ला समन्वय समिति एवम् स्थानीय तहमा जानकारी गराउने र समुदायको सुरक्षाका लागि परिचालन गर्ने।
- आपत्कालिन समयमा सार्वजनिक तथा व्यापारिक सञ्चार साधनको अभाव रहेको अवस्थामा स्याटेलाईट फोन तथा संस्थाको तटस्थतामा असर नपर्ने गरी नेपाल प्रहरी, नेपाली सेना र सशस्त्र प्रहरी बलको सञ्चार नेटवर्क समेत प्रयोगमा ल्याउने।
- पूर्वसूचना प्राप्त भएको समयले १ घण्टाभित्र प्रमुख जिल्ला अधिकारीसँग छलफल गर्ने र प्राप्त भएको सूचनाको गाम्भिर्यतालाई मध्यनजर गरी स्थानीय FM रेडियो तथा अन्य उपलब्ध सञ्चार माध्यमहरु मार्फत सार्वजनिक हितका लागि प्रसारण गर्ने।
- आपतकालीन अवस्थाको खबर आदान-प्रदानको लागि जिल्ला विपद् व्यवस्थापन समितीद्वारा स्विकृत बाढी पूर्वसुचना सञ्चार संयन्त्रको प्रयोग गर्ने। जसले गर्दा सुचना संकटासन्न समुदाय र सरोकारवालाहरुलाई समयमै प्राप्त हुन्छ र स्रोत परिचालन गर्न सहज र प्रभावकारी हुन्छ।
- जिल्ला समन्वय समितिमार्फत नगरपालिका र गाउँपालिकालाई जोखिमको नक्साङ्कन गर्न लगाई सो को अभिलेख जिल्ला समन्वयसमिति र जिल्ला विपद् व्यवस्थापन समिति/आपतकालिन कार्यसञ्चालन केन्द्रमा राख्ने। साथै प्रकोप संकटासन्न्त समुदायलाई जोखिम सम्बन्धी अभिमुखिकरण गर्ने र आपतकालिन पूर्वतयारीको लागि उत्प्रेणा जगाउने ।
- स्थापना भएको पूर्वसुचना प्रणाली अन्तर्गत जोखिमको अनुगमनको लागि स्थापना गरिएका बाढीको सतहमापन केन्द्र, हावापानी केन्द्र र वर्षामापन केन्द्रको सुरक्षा,व्यवस्थापन र दिगोपनाका लागि जल तथा मौसम विज्ञान विभाग र स्थानीय तहसँग आवश्यक समन्वय गरी स्रोत परिचालन र व्यवस्थापन गर्ने।
- जिल्ला विपद् व्यवस्थापन समिति र सूचना व्यवस्थापन समितिको अगुवाईमा हरेक वर्ष मनसुन शुरु हुनुभन्दा अगाडि सबै विषयगत क्षेत्र (Cluster) का सदस्य, सरोकारवाला निकाय आदिको समउपस्थिती र नदी जलाधार क्षेत्रका संकटासन्न समुदायको सहभागीतामा जिल्ला स्तरमा बाढी प्रकोपको कृत्रिम घटना नमुना अभ्यास नियमित रुपमा गर्ने।
- सबै विषयगत क्षेत्रले आफ्नो विकास योजना बनाउँदा विपद् जोखिमलाई मुलप्रवाहीकरण गर्ने गरी योजना तर्जुमा गर्ने गराउने।

## ५.३ सुर्खेत जिल्लामा बाढीको पूर्वानुमान

सुर्खेत उपत्यकाको बाढीको इतिहास त्यति लामो नभएतापनि पछिल्लो समयमा मनसुनी खोलाहरुमा अचानक आउने बाढीका कारण जनधनको क्षति भइरहेको छ। वि.सं. २०७१ सालमा यस जिल्लामा आएको बाढीलाई ४३ वर्षपछिको ठूलो बाढीका रुपमा लिइएको छ। भेरी नदी र कर्णाली नदी यस जिल्ला भएर बग्नेमूख्य नदी हुन भने मनसुनमा मात्र सक्रिय हुने साना खोलानालाहरु जस्तैः झुप्राखोला, चिङ्गाडखोला, गोचेखोला, छिन्चुखोला, गिरीघाटखोला, सोतखोला, नेवारेखोला, इत्रामखोला, खोर्केखोला, निकासखोला आदि पनि रहेका छन्।यि दुई नदी एवम्खोलाहरुमा आउने बाढीका कारण सुर्खेत उपत्यका र भेरी नदीको तल्लो तटिय क्षेत्रमा बसोबास गर्ने समुदायहरु बाढीबाट प्रभावित भइरहेको पाइन्छ।

तत्कालिक वर्षाको अनुगमनमा आधारित पूर्वसुचना प्रणाली हाल सुर्खेतमा सञ्चालन गरिएको छ। तरपनि यस क्षेत्रमा वर्षाको तत्कालिक अनुगमन प्रणालीले बाढीको संकटासन्नतामा रहेका असुरक्षित समुदायलाई प्रतिकार्यका लागि प्रयाप्त समय उपलब्ध भइरहेको छैन। यसर्थ पूर्वसुचनाको लागि अग्रीम समय बढाउनका लागि हालको प्रयासले विद्यमान पूर्वसुचना प्रणालीमा वर्षा पूर्वानुमान सम्मिलित गर्ने ध्यान केन्द्रित गरिएको छ। सुर्खेत जिल्लाका लागि उपलब्ध पूर्वानुमान प्रणाली (विश्वव्यापी र स्थनीय मोडेल) जुन तल विस्तृत रुपमा उल्लेख गरिएको छ।

१. **दक्षिण एशियाली जलवायु पूर्वाभाष मन्च** : यो मञ्चले आगामी मनसुन औसत भन्दा धेरै, या कम या औसत रुपमा हुने सम्भावनाको इङ्गित गर्दछ। जसलाई सामान्य योजना सहितको पूर्वतयारी गर्नका लागि प्रयोग गर्न सकिन्छ।

२. **विश्व बाढी सचेतना प्रणाली** : यो प्रणालीले १० दिनको सञ्चित वर्षाको एक समिक्षा प्रदान गर्नुका साथै समग्र क्षेत्रमा १५० देखि ३०० मिलिमिटर वा सो भन्दा धेरै वर्षाको सम्भाव्यता समिक्षा गर्दछ।

३. **क्षेत्रीय एकिकृत बहु-प्रकोप पूर्वसुचना प्रणाली गणितिय भविष्यवाणी** : मौसम अनुसन्धान र पूर्वानुमान मोडेलको उपयोग गर्दै क्षेत्रीय एकिकृत बहु-प्रकोप पूर्वसुचना प्रणालीले ३ दिनका लागि २४ घण्टे वर्षाको पूर्वानुमान तयार गर्दछ।

४. **जल तथा मौसम विज्ञान विभाग गणितिय मौसम भविष्यवाणी** : क्षेत्रीय एकिकृत बहु-प्रकोप पूर्वसुचना प्रणालीले जस्तै जल तथा मौसम विज्ञान विभागले मौसम अनुसन्धान र पूर्वानुमान मोडेल उपयोग गर्दछ। विभागले ३ दिनका लागि प्रतिघण्टाको वर्षा भविष्यवाणी देखाउने उच्च गुणस्तरको वर्षा मानचित्र तयार गर्दछ।

जल तथा मौसम विज्ञान विभागले आफ्नो रनफल वाच वेवइन्टरफेस मार्फत समैजीघाट जलमापन केन्द्र स्थित भेरी नदीको सतहको तत्कालिक वर्षाको तथ्याङ्क उपलब्ध गरिहेको छ। जसको आधारमा अहिलेसम्म बाढीको पूर्वसुचना जारी भइरहेका छन्। बाढीको प्रतिकार्यका लागि उपलब्ध बाढी पूर्वानुमान तथा तत्कालको अनुमान प्रणालीको एक समिक्षा निम्नानुसार गरिएको छ।

**सुर्खेत जिल्लाको वर्तमान वर्षाको थ्रेस्होल्ड**

| | **भेरी नदीको सतह (मिटर)** | **समग्र वर्षा (मिलिमिटर) विरेन्द्रनगर, मेहलकुना, राकम, बड्डीचौर एग्रोमेट .......... आदि स्थानमा** | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | **समैजीघाट जलमापन केन्द्र** | **१ घण्टा** | **३ घण्टा** | **६ घण्टा** | **१२ घण्टा** | **२४ घण्टा** |
| सतर्कता स्तर | ७.१ | ६० | ८० | १०० | १२० | १४० |
| खतरा स्तर | ८ | - | - | - | - | - |

**सुर्खेत जिल्लामा विपद् पूर्वतयारी र प्रतिकार्यका लागि विषयगत उपसमितिका प्रमुख र सहायता संस्थाहरुको सूची**

| **विषयगत क्षेत्रहरु** | **अगुवा संस्था** | **सदस्यहरु** | |
|---|---|---|---|
| **१. सूचना व्यवस्थापन** | जिल्ला प्रशासन कार्यालय, सुर्खेत | ✍ जिल्ला प्रशासन कार्यालय<br>✍ नेपाली सेना<br>✍ नेपाल प्रहरी<br>✍ सशस्त्र प्रहरी वल<br>✍ नेपाल रेडक्रस सोसाइटी<br>✍ स्थानीय तह सबै<br>✍ प्राक्टिकल एक्शन<br>✍ जिल्ला समन्वय समिति | ✍ नेपाल टेलिकम<br>✍ सूचना FM पत्रपत्रिका<br>✍ राजनैतिक दल प्रतिनिधि<br>✍ नेपाल पत्रकार महासंघ<br>✍ सबै पालिका प्रमुख<br>✍ छापा तथा अनलाईन मिडिया सम्बन्धी संस्था<br>✍ भूकम्प मापन केन्द्र |

### ५.३.१ पूर्वतयारीका कार्यहरु

सूचना व्यवस्थापन क्षेत्रले आपत्कालीन समयमा गर्ने उल्लेखित कार्यका लागि निम्नअनुसार पूर्वतयारी गनु पर्नेछ :

| **क्र. सं.** | **पूर्वतयारीका गतिविधि** | **जिम्मेवार निकाय** | **सहयोगी निकाय** | **कै.** |
|---|---|---|---|---|
| १. | ✍ सङ्कटासन्न स्थानीय तहलेप्रकोप संकटासन्नताको नक्शाकंन र जोखिम पार्श्वचित्र निर्माण गर्ने<br>✍ संकटासन्न स्थानीय तहले मनसुनको अवधीमा बाढीको पूर्वसुचनाको खबर आदान प्रदान गर्न सञ्चार सुविधाको व्यवस्था मिलाउने | सुचना व्यवस्थापन क्षेत्र | ✍ स्थानीय तह, सञ्चार सेवा प्रदायक निकाय जिल्ला समन्वय समिति जिल्ला विपद् व्यवस्थापन समिति, गैसस र दातृ निकाय | |
| २. | ✍ जोखिमयूक्त स्थानीय तहहरूमा पूर्व सुचनाका लागि माइक, साइरनको व्यवस्था गर्ने<br>✍ जलसतह र वर्षामापन कर्ताहरुलाई मनसुन अवधीभरी सञ्चार खर्च र सुरक्षाका सामग्रीहरु जस्तै गमबुट, छाता, हेलमेट, टर्चलाईट आदि<br>✍ जिल्लामा पुर्वसूचनाप्रणालीलाई नियमित प्रभावकारी रुपमा सञ्चालन गर्न कोषको स्थापना गर्ने | सुचना व्यवस्थापन क्षेत्र | जिल्ला विपद् व्यवस्थापन समिति, जिल्ला समन्वय संमन्वय, गैसस र दातृ निकाय | |
| ३. | जनचेतना अभिवृद्धिका गतिविधि सञ्चालन गर्ने<br>• विपद् जोखिम न्यूनिकरण सम्बन्धी जनचेतना अभिवृद्धि गर्न पम्प्लेट, पोस्टर, पर्चा तयार गरी सङ्कटासन्न समुदायमा वितरण गर्ने<br>• FM रेडियो तथा पत्रपत्रिकामार्फत विपद् सम्बन्धी ज्ञान तथा जानकारी प्रचारप्रसार गर्ने, गराउने | सुचना व्यवस्थापन क्षेत्र | जिल्ला संमन्वय समिति, गैसस र दातृनिकाय एवम सञ्चार माध्यम | |
| ४. | ✍ मसलन्द सामान तयारी अवस्थामा राख्ने<br>✍ सबै सरोकारवालाहरुको नाम ठेगाना र सम्पर्क नम्बर सहितको टेलीफोन डाइरेक्टरी तयार गरि सम्भावित प्रकोप हुन सक्ने सबै समुदाय र सरोकारवालाहरुलाई वितरण गर्ने | सुचना व्यवस्थापन क्षेत्र | जिल्ला समन्वय समिति, जिल्ला विपद् व्यवस्थापन समिति, गैसस र दातृ निकाय | |
| ५. | बाढीको जोखिमर यसबाट बच्ने उपायका बारेमा जनचेतनाको लागि जनहितमा जारी सन्देशहरु प्रसारण गर्ने | सुचना व्यवस्थापन क्षेत्र | जिल्लामा भएका सबै सञ्चार माध्यम | |
| ६. | पुर्वसूचना प्रणालीको कार्यविधि तयार गरि कार्यान्वयन गर्ने | जिल्ला विपद् व्यवस्थापन समिति | जिल्ला समन्वय समिति, गैसस र दातृ निकाय | |

## सुर्खेत जिल्लाको बाढी पूर्वसुचना प्रणाली संयन्त्र

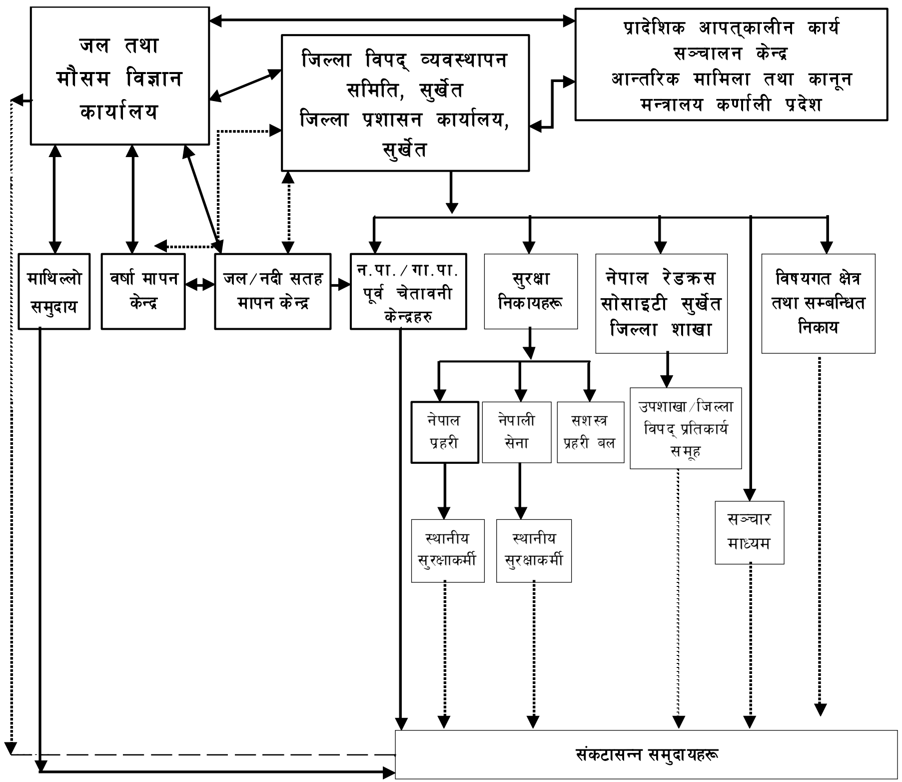


*स्रोत : अनुकूलन परियोजना, २०७३*

## सुर्खेत जिल्लाका नगरपालिका र गाउँपालिकाका प्रमुख, उपप्रमुख तथा प्रमुख प्रशासकीय अधिकृतहरूको नाम तथा सम्पर्क नम्बर

| सि.नं. | नगरपालिका/गाउँपालिकाको नाम | नाम | पद | मोवाइल नं. |
|---|---|---|---|---|
| १ | वीरेन्द्रनगर नगरपालिका | देवकुमार सुवेदी | प्रमुख | ९८५८०५१००० |
| | | मोहनमाया ढकाल | उपप्रमुख | ९८५८०५५८७० |
| | | टिकाराम ढकाल | प्र.प्र.अधिकृत | ९८५८०६३१११ |
| २ | भेरीगंगा नगरपालिका | भुपेन्द्र चन्द | प्रमुख | ९८५८०६४११० |
| | | रेनु आचार्य | उपप्रमुख | ९८४८०३७२५१ |
| | | कमल पौडेल | प्र.प्र.अधिकृत | ९८५८०६४१११ |
| ३ | गुर्भाकोट नगरपालिका | हस्त पुन | प्रमुख | ९८४८१४०६६७ |
| | | मैना वि.क. | उपप्रमुख | ९८४८०३९१३९ |
| | | कर्णबहादुर कवर | प्र.प्र.अधिकृत | ९८५८०६५१११ |
| ४ | लेकवेशी नगरपालिका | गगनसिं सुनार | प्रमुख | ९८४८०५०२२८ |
| | | शान्ति छन्तेल | उपप्रमुख | ९८४८०७४७१० |
| | | कृष्णप्रसाद खरेल | प्र.प्र.अधिकृत | ९८५८०७४६६६ |
| ५ | पञ्चपुरी नगरपालिका | उपेन्द्रकुमार थापा | प्रमुख | ९७४८०१४६४३ |
| | | मुक्तिदेवी रेग्मी | उपप्रमुख | ९८६०६१०४३८ |
| | | पितृभक्त गिरी | प्र.प्र.अधिकृत | ९८५८०६५४४४ |
| ६ | चिङगाड गाउँपालिका | देवबहादुर चन्द | प्रमुख | ९८४८०७९३१६ |
| | | मनमाया आचार्य | उपप्रमुख | ९८५१२१६५०२ |
| | | टेक बहादुर खत्री | प्र.प्र.अधिकृत | ९८४८०६९६६५ |
| ७ | वराहाताल गाउँपालिका | तेजबहादुर बस्नेत | प्रमुख | ९८४८०४७२४९ |
| | | शोभा शर्मा | उपप्रमुख | ९८४८१९४०३७ |
| | | यादव प्रसाद सापकोटा | प्र.प्र.अधिकृत | ९८५८०६७४४४ |
| ८ | चौकुने गाउँपालिका | धिरबहादुर शाही | प्रमुख | ९८५११३७८०९ |
| | | निर्मला राना | उपप्रमुख | ९७४८०२७४६४ |
| | | हित प्रसाद पौडेल | प्र.प्र.अधिकृत | ९८५८०४७३३३ |
| ९ | सिम्ता गाउँपालिका | कविन्द्रकुमार के.सी. | प्रमुख | ९८४८०४८००१ |
| | | चन्द्रा शाही | उपप्रमुख | ९८४८०७८७६८ |
| | | जनक हमाल | प्र.प्र.अधिकृत | ९८५८०७७५०० |

### सुचना तथा राहत व्यवस्थापन उपसमितिका पदाधिकारीहरु

| क्र.सं. | नाम थर | पद | निकाय | कार्यालयको टेलिफोन | मोवाइल |
|---|---|---|---|---|---|
| १ | कृष्णबहादुर खड्का | सप्रजिअ | जिल्ला प्रशासन कार्यालय | ०८३-५२३१२१ | ९८५११४८१२३ |
| २ | बसन्त रजौरे | प्र. उ. | जिल्ला प्रहरी कार्यालय | ०८३-५२०१९९, १०० | ९८५८००५५५५ |
| ३ | दुर्गा प्रसाद चालिसे | जि.स.अ. | जिल्ला समन्वय समितिको कार्यालय | ०८३ ५२०२९० | ९८५८०५९२२२ |
| ४ | दीपक बस्नेत | सिस्मोलोजिष्ट | भूकम्प मापन केन्द्र, सुर्खेत* | ०८३-५२०५३४ | ९८५११२९७७६ |
| ५ | धुव्रकुमार शाही | अध्यक्ष | नेकपा | ०८३-५२०५४८ | ९८५८०५०४५० |
| ६ | कमलराज रेग्मी | सभापति | नेपाली कांग्रेस | ०८३-५२०४९८ | ९८५८०५०१५१ |
| ७ | कृष्णबहादुर जिसी | सचिव | नेकपा | ०८३-५२०५४८ | ९८५८०५१७९२ |
| ८ | मानबहादुर खड्का | अध्यक्ष | राष्ट्रिय प्रजातन्त्र पार्टी नेपाल | | ९८४८०४१३४७ |
| ९ | चक्रपाणी शर्मा | अध्यक्ष | नेकपा–माओवादी | | ९८५१०१२१६७ |
| १० | कविराम पुरी | अध्यक्ष | राष्ट्रिय प्रजातन्त्र पार्टी | | ९८५८०५०८७५ |
| ११ | | प्रतिनिधि | नेपाल मजदुर किसान पार्टी | | ९७४८०५३३३० |
| १२ | गोविन्द सुवेदी | अध्यक्ष | राष्ट्रिय जनमोर्चा | | ९८४८०२५६५५ |
| १३ | यसबहादुर दर्लामी | अध्यक्ष | रा.ज.मु.पा. | | ९८४८०२९५५१ |

| क्र.सं. | नाम थर | पद | निकाय | कार्यालयको टेलिफोन | मोवाइल |
|---|---|---|---|---|---|
| १४ | अमरवहादुर परियार | अध्यक्ष | समाजवादी जनता पार्टी | | ९८४८२०९४५७ |
| १५ | ने.क.पा.(माले समाजवादी) | अध्यक्ष | देवीलाल पौडेल | | ९७४८०१६१५१ |
| १६ | अखण्ड नेपाल पार्टी | अध्यक्ष | प्रेमवहादुर खड्का | | ९७४८०२०९०५ |
| १७ | मधेशी जनअधिकार फोरम (लोकतान्त्रिक) | अध्यक्ष | दिपबहादुर नेपाली | | ९८६८१०२७६९ |
| १८ | मधेसी जन अधिकार फोरम | अध्यक्ष | बलवीर नेपाली | | ९८४८०३९९९५ |
| १९ | संघीय समाजवादी पार्टी | अध्यक्ष | धनबहादुर राना मगर | | ९८४८२२४००४ |
| २० | दलित जनजाती पार्टी | अध्यक्ष | रगवीर मिजार | | ९८४८०९७७२९ |
| २१ | खस समावेशी राष्ट्रिय पार्टी | अध्यक्ष | डीलकुमारी खड्का | | ९८४८२९०३०६ ९७४८०७७१३६ |
| २२ | नेपाल रेडक्रस सोसाइटी | वरिष्ठ अधिकृत | गोविन्दप्रसाद आचार्य | ०८३-५२१६७० | ९८५८०५२३२६ |
| २३ | गणेशकञ्चन भारती | अध्यक्ष | नेपाल पत्रकार महासंघ अध्यक्ष | | ९८५८०४६०४६ |
| २४ | निराजन सापकोटा | प्रमुख | क्षेत्रीय हावापानी कार्यालय सुर्खेत | | ९८५८०५२२३४ |
| २५ | दिपक बस्नेत | प्रमुख | भुकम्पमापन केन्द्र सुर्खेत | ०८३-५२०५३४ | ९८५११२९७७६ |

* Website.www.sismonepal.gov.np, Notice Board: 1618-083520535

## ५.४ यस समितिका सूचना सम्बन्धी कार्यहरू

- विपदको क्षतिको सूचना संकलन गर्ने
- सूचना विश्लेषण गर्ने
- जिल्ला विपद् व्यवस्थापन समितिलाई सूचना उपलब्ध गराउने ।
- सबै निकायले आ आफ्नो निकाय मार्फत सूचना संकलन गरी पेश गर्ने ।
- सूचना एकद्धार प्रणालीबाट प्रवाह गर्ने ।
- साना विपदका लागि स्थानी निकाय र प्रहरी मार्फतआएका सूचनालाई आधार मानी जिल्ला प्रशासन कार्यालयबाट कार्यान्वयन गर्ने ।
- शुरुको अवस्थामा Rapid Assessment Information System पद्धति अपनाई फोन वा प्रहरीबाट समन्वय गरी सूचना संकलन गरि तत्काल राहत दिइनेछ ।

यस उपसमितिले ठुलो विपद वा धेरै घटनाभएको विपदको सुचना संकलन गर्न देहायको स्थानीय विपद व्यवस्थापन समिति मार्फत आएको सुचनालाई आधार बनाउन सक्नेछ ।

| | |
|---|---|
| गाउँपालिका तथा नगरपालिका | - संयोजक |
| रेडक्रस प्रतिनिधि | - सदस्य |
| स्थानीय प्रहरी प्रमुख | - सदस्य |

- सूचना संकलन गर्न उपसमितिले गृह मन्त्रालयले तोकेको कुनै निश्चित ढांचाको फाराम प्रयोग गर्न सक्नेछ ।
- जनहितमा कल्याणकारी सूचना सञ्चार माध्यमबाट प्रसारण गर्न सक्नेछ ।
- सूचना रहने केन्द्र जिल्ला प्रशासन कार्यालय हुनेछ र सूचना अधिकारीबाट सूचना भण्डारण र प्रवाह गरिनेछ ।
- विपद्को व्यवस्थापन गर्न सरकारी तथा गैह्रसरकारी संस्थाबाट सहयोग लिन सकिनेछ ।

## ५.५ समन्वय

- विपदका समयमा यस उपसमितिले आपसी समन्वय गरि उद्धार तथा राहतका लागि सत्य तथ्य एवं न्यायिक व्यवस्था मिलाउनु पर्नेछ ।
- DDMC संग समन्वय गर्नु पर्नेछ ।
- अन्य क्लष्टरसंग समन्वय गर्ने ।
- अन्य सस्था, मिडिया,पीडित लगायत सरोकारवालासंग समन्वय गर्ने ।
- समन्वय गर्न उपसमितिले आवश्यक रणनिति बनाउन सक्नेछ ।

## ५.६ राहत व्यवस्थापन सम्बन्धी कार्य

प्राप्त सूचनाका आधारमा स्वीकृत मापदण्ड बमोजिम राहत वितरण गर्न श्रोत साधन जुटाउने कार्यमा यस उपसमितिको मुख्य भुमिका हुनेछ । उपसमितिले अन्य उसमितिसंग समन्वय गरी राहत वितरण कार्यलाई एकद्धार प्रणाली वनाउन सहयोग गर्नेछ । यस उपसमितिमा सवै उपसमितिका संयोजकहरु सदस्य रहनेछन् र अध्यक्षता सहायक प्रमुख जिल्ला अधिकारीले गर्नेछन् ।

राहत वितरण कार्यमा विभेदरहित र समानता पद्धति अपनाउनु पर्छ । वृद्ध,महिला, अपांग, सुत्केरी, गर्भवती र बालबालिकालाई राहत कार्यमा थप सहयोग गर्ने गरी समन्वय गरिनेछ ।

पाएको राहत सामाग्रीलाई स्वास्थ्य तथा पोषण उपसमिति, संरक्षण तथा खाद्य तथा जीवीकोपार्जन उपसमितिले तोकेको मात्रामा प्याकिङ्ग मात्रा निर्धारण गर्न एउटा टीम बनाउने ।

## ५.७ ढुवानी

- विपदको गम्भिरतालाई हेरी प्राप्त श्रोतलाई सम्बन्धित पिडित समक्ष पठाउन देहायका श्रोत परिचालन गरिनेछ ।
- दातास्वयंले ढुवानी गरेको भए गन्तव्यमा पुऱ्याउन सहयोग गर्ने र राहत वितरण गर्नु पर्ने स्थान टाढा भएमा दाताले नै ढुवानी वेहोर्न सक्ने भए अनुरोध गर्ने ।
- ठूलो विपदको समयमा राहत ढुवानी गर्न सरकारी तथा गैह्रसरकारी संस्थामा सवारी साधन भएमा उपलब्ध गराई दिन अनुरोध गर्ने ।
- तर त्यस्तो सवारी उपलब्ध नभएमा सवारी साधन भाडामा लिएर भए पनि राहत उपलब्ध गराउने ।

## ५.८ अनुगमन

- राहत वितरणको प्रभावकारीताको अनुगमन गर्न देहायको व्यवस्था गरिने छ ।
- प्रमुख जिल्ला अधिकारी वा निजले तोकेको पदाधिकारीको नेतृतवमा जिल्ला विपद व्यवस्थापन

समितिका पदाधिकारीहरु ।

- क्लष्टर प्रमुखहरुले पनि DDMC संग समन्वय गरि कलष्टरबाट गरेको सहयोग सम्वन्धि अनुगमन गर्न सक्नेछ ।
- दातृ संस्थाहरुले गरेको सहयोगका कार्यक्षेत्रमा अनुगमन गर्न सकिनेछ ।

## ५.९ राहत अर्न्तगत पहिलो चरणमा

- तत्काल त्रिपाल, खानेपानी, औषधी खानेकुरा स्फियर स्टेण्डर अनुसार बढीमा ३ दिनभित्रमा सेवा उपलब्ध गराउने । साथै सुत्केरी, विरामी, महिला, वृद्ध, गर्भवतीलाई पोषिलो खानेकुराव्यवस्था गर्ने ।
- एक हप्ताभित्रमा आश्रयस्थल व्यवस्थापन गर्ने । यस भित्र न्युनतम निम्न कुराहरु हुनुपर्छः
- राहत वितरण गर्दा एकरुपता हुने गरी सम्भव भए सम्म प्याकेट र प्याकेजमा कपडा, पाल, भांडा, तेल, दाल, चामल, नुन आदि सामाग्रीहरु लगायतका सामग्रीहरु उपलब्ध गराउने ।
- खाद्यान्न वितरण गर्दा सम्भव भए सम्म प्याकेटहरु वनाई प्याकेज वा सेटमा वितरण गर्ने ।
- गैह्रखाद्य सामग्री वितरण गर्दा प्रति परिवार एक सेटका दरले वितरण गर्ने ।
- दास्रो चरणः न्यानो कपडा, ओड्ने ओछ्याउने झुल, दाल, चामल आदी उपलब्ध गराउने ।
- तेस्रो चरणः सेल्टर निर्माण, खाद्यन्न कम्तीमा १ महिना दिने र शौचालय तथा खानेपानीको संरचना निर्माण गर्ने ।

## ५.१० स्रोतका आधारहरू

- सहयोग प्राप्तः रेडक्रस, उद्योग वाणिज्य संघ, साल्ट ट्रेडिङ्ग, खाद्य संस्थान, संघसंस्थाहरु, सरकारी निकाय आदीबाटप्राप्त जिन्सीहरुलाई वर्गीकरण गरि सम्बन्धित उप समितिको अगुवाइमा यथासम्भव एउटै स्थानमा भण्डारण गर्ने ।
- वितरणः कलष्टर हेडको समन्वयमा वितरण गर्ने । क्षेत्रगत निम्न टीम रहने गरि वितरण गर्ने ।
- नेपाल सरकारको लोगो सहितको जिल्ला विपद व्यवस्थापन समितिको व्यानर र रेडक्रस तथा अन्य सहयोगी संस्थाहरुको समेत सहयोग भएकोमा सम्बन्धित संस्थाको लोगो राखी राहत वितरण गर्ने ।

## ५.११ टीम

- सुरक्षा निकाय (नेपाल प्रहरी, सशस्त्र प्रहरी र नेपाली सेना)
- स्थानीय तह प्रतिनिधि
- रेडक्रस
- सहयोगी संस्थाहरु
- संघीय, प्रदेश तथा स्थानीय सरकारका कर्मचारीहरु आवश्यकता अनुसार संख्यामा खटाउने ।
- अभिलेख : राहत प्राप्त र खर्चको अभिलेख राखेर सहयोगी संस्थाले रोजेको स्थान भन्दा आवश्यकता अनुसार सम्बन्धित क्लष्टरले तोकेको स्थानमा एकद्वार प्रणालीबाट राहत वितरण गर्ने ।



# परिच्छेद : ६

# खानेपानी तथा सरसफाइ व्यवस्थापन उपसमिति

**विषयगत क्षेत्रको नाम** : खानेपानी तथा सरसफाइ व्यवस्थापन
**मुख्य विपद्को किसिम** : बाढी, पहिरो, महामारी, आगलागी, भूकम्प
**क्षेत्रगत अगुवा** : खानेपानी तथा सरसफाइ डिभिजन कार्यालय, सुर्खेत ।

## ६.१ अनुमानित अवस्था

विपदको अनुमान गर्न सकिदैन । जिल्लाको भौगोलिक बनावट, बस्तीको अवस्था, जनचेतना आदिका आधारमा विपद भएको अवस्थामा बढीमा देहाय अनुसार प्रभावित हुने अनुमान गरिएको छ ।

भूकम्पबाट १७००० परिवारका ८५,००० जना, आगलागीबाट १५० परिवारका ७५०० जना, वाढी पहिरोबाट १८०० परिवारका ९००० जना र महामारीबाट २०० परिवारका १००० जना प्रभावित हुने मध्य २५ प्रतिशत वालवालिका, ६५ प्रतिशत महिला, १० प्रतिशत जेष्ठ नागरिक, ५ प्रतिशत सुत्केरी तथा गर्भवती महिला, ५ प्रतिशत स्तनपान गराउने महिला हुन सक्ने अनुमान गरिएको छ ।

बाढी तथा पहिरोको कारणबाट अग्लो, भिरालो, होचो स्थानमा रहेका क्षेत्रहरूमा सुरक्षित खानेपानीको मुहान अवरुद्ध हुने गरी धारा, कुवा तथा इनारहरू दूषित हुनेछन् र सम्भवतः बगाउने, भत्किने र डुब्ने स्थिति हुन सक्ने छ। वातावरण दुषित हुने गरी शौचालयहरू पनि बगाउने, भत्किने, डुब्ने, भरिने हुन सक्दछन। सुरक्षित पानीको अभाव तथा चर्पी तथा ढलबाट दूषित वातावरणले गर्दा झाडा पखाला, हैजा फैलने जोखिम बढ्नेछ। स्वच्छ खानेपानी तथा सरसफाइका सुविधाहरूमा पहुँच आवश्यक हुने विस्थापित परिवारहरू समेत गरी अन्य परिवारमा समेत त्यसको प्रभाव फैलिएर कुल अनुमानित जनसङ्ख्या ३५,००० हुन सक्ने अनुमान गरिएको छ ।

## ६.२ उद्देश्यहरू

### ६.२.१ विषयगत उद्देश्य

बाढी, पहिरो तथा डुवानको कारण समुदायमा प्रदुषित खानेपानी तथा अव्यवस्थित सरसफाइका कारण प्रभावित मानिसहरूमा संक्रामक रोगहरू फैलन नदिन सुरक्षित पिउने पानी र स्वास्थ्य सरसफाइको उचित व्यवस्था गर्ने ।

### ६.२.२ विशिष्ट उद्देश्य

- विस्थापित समुदायका लागि, खास गरी शिविरमा बस्ने मानिसहरूका लागि सुरक्षित खानेपानी, स्वास्थ्य शिक्षा तथा अस्थायी रूपमा सरसफाइ एवं नुहाउने सुविधाहरूमा पहुँच उपलब्ध छ भन्ने कुरा सुनिश्चित गर्ने ।
- विस्थापित मानिसहरूलाई आधारभूत स्वास्थ्य सम्बन्धी सामग्री उपलब्ध गराइएको छ र खानेपानी, सरसफाइ तथा स्वास्थ्यसँग सम्बन्धित व्यावहारिक प्रचलनहरूका बारेमा उचित रूपमा जानकारी उपलब्ध गराइएको छ भन्ने कुरा सुनिश्चित गर्ने ।

- सम्पूर्ण उपकरण तथा सुविधा उपलब्ध गराइएका छन् र विस्थापित मानिसहरू बस्ने शिविरहरूमा सफासुग्घर (Cleanliness) कायम गर्न तिनको सशक्तीकरण गरिएको छ भन्ने कुरा सुनिश्चित गर्ने ।

## विषयगत क्षेत्रका सदस्य कार्यालय/संस्थाहरूको सम्पर्क विवरण

| क्र. सं. | निकाय | सम्पर्क व्यक्ति | मोबाइल नं. | कार्यालयको फोन |
|---|---|---|---|---|
| १ | खानेपानी तथा सरसफाइ डिभिजन कार्यालय, सुर्खेत | बासुदेब पौंडेल | ९८५६०५०९९५ | ०८३-५२०३६० |
| २ | जिल्ला प्रशासन कार्यालय | पदमलाल लामिछाने | ९८४८०२७४०३ | ०८३-५२११२३ |
| ३ | जिल्ला समन्वय समिति | दुर्गा प्रसाद चालिसे | ९८५८०५९२२२ | ०८३-५२१३६८ |
| ४ | स्वास्थ्य कार्यालय, सुर्खेत | बसन्तमान श्रेष्ठ | ९८५८०५१६७२ | ०८३-५२०३५६ |
| ५ | शिक्षा विकास तथा समन्वय इकाइ | भोजप्रसाद लम्साल | ९८५८०५३४०८ | ०८३-५२२४०८ |
| ६ | जिल्ला प्रहरी कार्यालय, सुर्खेत | वसन्त रजौरे | ९८५८०५०५५५५ | ०८३-५२०१९९, १०० |
| ७ | पूर्वाधार विकास कार्यालय | कमल अधिकारी | ९८५८०७०१५० | |
| ८ | बीरेन्द्रनगर न.पा. कार्यालय, सुर्खेत | टीकाराम ढकाल | ९८५८०६३१११ | ०८३-५२०१४४ |
| ९ | भेरीगगां न.पा. का., सुर्खेत | कमल पौंडेल | ९८५८०६४१११ | ०८३-५४०१५४ |
| १० | गुर्भाकोट नगरपालिकाको कार्यालय | कर्ण कुवर | ९८५८०६५१११ | |
| ११ | पञ्चपुरी नगरपालिकाको कार्यालय | पितृभक्त गिरी | ९८५८०५८१८२<br>९८४८०५१३०३ | ०८३-४१६०६७ |
| १२ | बराहताल गाउँपालिकाको कार्यालय | यादव सापकोटा | ९८५८०६७४४४ | |
| १३ | चौकुने गाउँपालिकाको कार्यालय | हितप्रसाद पौंडेल | ९८५११९०५१० | |
| १४ | लेकबेसी नगरपालिकाको कार्यालय | कृष्ण प्रसाद खरेल | ९८५८०४४५६८ | |
| १५ | चिङगाड गाउँपालकाको कार्यालय | टेक बहादुर खत्री | ९८४८०६९६६५ | |
| १६ | सिम्ता गाउँपालिकाको कार्यालय | जनक हमाल | ९८५८०७७५०० | |
| १८ | नेपाल रेडक्रस सोसाइटी, सुर्खेत | प्रदिप्त पौडेल | ९८५८०५०६९१ | ०८३-५२०३१० |
| १९ | वातावरण र जनस्वास्थ्य संस्था (एन्फो), सुर्खेत | रोशन चौलागाइ | ९८५१२२७६०२ | ०८३-५२३३३४ |
| २० | वातावरण सुधार समाज ,सुर्खेत | जगत के.सी. | ९८४८०४०५०० | ०८३-५२१३५९ |
| २१ | सुन्दर नेपाल , सुर्खेत | भुपेन्द्र कंडेल | ९८४८०४१५३० | ०८३-५२०९२६ |
| २२ | समाज जागरण केन्द्र ( स्याक ), सुर्खेत | टिकाराम आचार्य | ९८५८०५१५४६ | ०८३-५२१२८२ |
| २३ | खा.पा.तथा स.स.उपभोक्ता महासंघ, सुर्खेत | मान बहादुर खत्री | ९८५८०५१७६९ | |
| २४ | सुर्खेत उपत्यका खानेपानी संस्था सुर्खेत | कुलमणि देवकोटा | ९८५८०५१४२८ | ०८३-५२०४२८ |
| २५ | नेपाल पत्रकार महासंघ (वास पत्रकार समूह) | गोविन्द खत्री | ९८५८०५२३३९ | |
| २६ | एस.एन.भी. नेपाल, सुर्खेत | लेक विक्रम शाह | ९८४९०५३७९० | |
| २८ | वार्म पि हेल्भेटास नेपाल, सुर्खेत | निलकण्ठ पाण्डेय | ९८५७०३८७२७ | |
| २९ | आइ.एन. एफ., सुर्खेत | तारा ब. कार्की | ९८४८०३९६८८ | |
| ३० | वाम, सुर्खेत | मधुरानी ढकाल | ९८४८१६३७०० | |
| ३१ | किर्डाक नेपाल,सुर्खेत | नविन शाही | ९८५८०५१४७९ | |
| ३२ | नेपाल स्काउट, सुर्खेत | लालपुरा शाही | ९८४८०६८४३४ | |
| ३३ | सुआहारा | राजु चौधरी | ९८५१२०७६९० | |
| ३४ | युनिसेफ | विश्वराज भट्ट | ९८५८०८५५१२ | |
| ३५ | सेभ द चिल्ड्रेन | धना भुसाल | ९८५७०६२८७७ | |
| ३६ | एसएसबिएच | होमनाथ सुबेदी | ९८५१०९२४१४ | |
| ३७ | जिआइजेड | | | |



## विपद् प्रतिकार्य योजना

| विपद् पश्चातको अवधि | विपद्को अवस्थामा गरिने आपत्कालीन कार्य (विपद्को प्रकृतिमाआधारित) | आपत्कालीन अवस्थामा गरिने पूर्वतयारी कार्य | पूर्वतयारी कार्य सम्वोधन गर्न नपुग श्रोत पहिचान | मुख्य जिम्मेवार निकाय | पूर्वतयारी कार्यका लागि अनुमानित लागत |
|---|---|---|---|---|---|
| पहिलो दिन | क्षेत्रगत सदस्यहरूको बैठक राख्ने र अवस्थाको बारेमा छलफल र गरिनु पर्ने प्रतिकार्यको तयारी । तयार पारेको लेखाजोखा सम्बन्धी औजार (assessment tool) को प्रयोग गरी द्रुत लेखाजोखा सञ्चालनगर्नका लागि क्षेत्रगत सदस्यहरू परिचालन । | समन्वय बैठक प्रारम्भिक द्रुत लेखाजोखा औजारका प्रतिहरू उपलब्ध गराउने (फाराम तथा निर्देशिका मुद्रण गर्ने) प्रारम्भिक द्रुत लेखाजोखाका बारेमा अभिमुखीकरण सञ्चालनगर्ने | फारम तयारी अवस्थामा छ तर मुद्रण गरिएको छैन । | खानेपानी तथा सरसफाइ डिभिजन कार्यालय, सुर्खेत | ५०,०००।- |
| दोस्रो दिन | Rapid Assessment Tools बाट प्राप्त भएका जानकारीको विश्लेषणतथा क्षेत्रगत समूह (Cluster Group) ले अनुमोदन गर्ने गरी प्रारम्भिक सहयोगको योजना सहित परिस्थितिको प्रतिवेदन तयार पार्ने प्रतिवेदन संवन्धित निकायहरूमा पठाउने । उपलब्ध स्रोतको आधारमा प्रथम चरणको प्रतिकार्यको थालनी गर्ने । सरसफाइका लागि हाइजिन किट वितरण । Point of Use (PoU) सामानको प्रयोगका लागि orientation कार्यक्रम प्रभावित स्थलमै गर्ने । खाद्यान्न सहित पानी शुद्धीकरणका लागि पीयूष प्लस पठाउने । | एफएम तथा पत्रपत्रिकाबाट जानकारी मूलक सन्देशहरूको प्रसारण गर्ने | स्रोतको पहिचान भएको छैन । | खानेपानी तथा सरसफाइ डिभिजन कार्यालय, सुर्खेत र निकायगत सरोकारवालाहरू | १,००,०००।- |
| पहिलो हप्ता | क्षेत्रगत सदस्यहरूसंग प्रतिकार्यको समिक्षा गर्ने । मानवीय सहयोगको अनुगमन गर्न र सुधारका लागि पृष्ठपोषण (feedback) उपलब्ध गराउनका निमित्त टोली खटाउने । सरसफाई किट वितरण गर्ने | अनुगमन गर्न र सुधारका लागि पृष्ठपोषण (feedback) उपलब्ध गराउनका निमित्त टोली गठन । | | खानेपानी तथा सरसफाइ डिभिजन कार्यालय, सुर्खेत र निकायगत सरोकारवालाहरू | ५०,०००।- |

| विपद् पश्चातको अवधि | विपद्को अवस्थामा गरिने आपत्कालीन कार्य (विपद्को प्रकृतिमाआधारित) | आपत्कालीन अवस्थामा गरिने पूर्वतयारी कार्य | पूर्वतयारी कार्य सम्वोधन गर्न नपुग श्रोत पहिचान | मुख्य जिम्मेवार निकाय | पूर्वतयारी कार्यका लागि अनुमानित लागत |
|---|---|---|---|---|---|
| पहिलो महिना | खाना पकाउन तथा सुस्वास्थ्य कायम गर्नका लागि उपयुक्त गुणस्तर तथा परिमाणमा प्रयाप्त पानीमा प्रभावित परिवारको पहुँच गराउनका लागि ट्यांकरबाट समेत पानीको वितरण (यातायात पुग्ने क्षेत्रमा) । Point of Use (PoU) का सामाग्रीहरु वितरण । आवश्यक ठाउँमा धारा जडान । खाडल पहिचान । अस्थायी चर्पी निर्माण जनचेतना अभिवृद्धिका कार्यक्रम सञ्चालन पोष्टर पम्फलेटद्वारा जनचेतना अभिवृद्धि, साथै सरसफाई किट वितरण | सरोकारवालाहरू वीच समन्वय र सम्पर्क गर्ने | | खानेपानी तथा सरसफाइ डिभिजन कार्यालय, सुर्खेत र निकायगत सरोकारवालाहरु | ८,००,०००।- |
| दोस्रो महिना | Point of Use (PoU) सामाग्री प्रयोग गरेको ठाउँमा ठीक प्रयोग भए नभएको अनुगमन । पहिलो महिना गर्न नसकिएको ठाउँमा पानीको व्यवस्था गर्ने | क्षमता अभिवृद्धि | | खानेपानी तथा सरसफाइ डिभिजन कार्यालय, सुर्खेत र निकायगत सरोकारवालाहरु | ६,००,०००।- |
| तेस्रो महिना | बालबालिकाहरूको विरामी विशेष गरी झाडापखालाको रोकथाम गर्नका लागि खानेपानी तथा सरसफाइ सँग सम्बन्धित विषयमा जनचेतना फैलाउने कार्य निरन्तर गर्ने । मानवीय सहयोगको अनुगमन गर्न र सुधारकालागि पृष्ठपोषण (feedback) उपलब्ध गराउनका निमित्त टोली खटाउने । समग्र प्रतिकार्यको विश्लेषण गरी प्रतिवेदन तयार गर्ने र सम्वन्धित सवै सरोकारवालाहरूलाई पठाउने । | समग्र प्रतिकार्यको विश्लेषण गरी प्रतिवेदन तयार गर्नका लागि मुख्य व्यक्ति तथा निकायको चयन । | | खानेपानी तथा सरसफाइ डिभिजन कार्यालय, सुर्खेत | २,००,०००।- |
| | | | | **जम्मा रकम रु.** | १८,००,०००।- |



## ६.३ प्रतिकार्य योजना

नोट : पूर्व तयारीको लागि आवश्यक रकम रू. १८,००,०००।-

**निकायगत स्रोत साधनको आँकलन**

| निकाय | सामग्रीको नाम (राहत सामग्रीको भण्डारण) | परिमाण | | कै. |
|---|---|---|---|---|
| | | आवश्यक | गत वर्षको प्रतिबद्धता | |
| खानेपानी तथा सरसफाइ डिभिजन कार्यालय, सुर्खेत | निर्मलीकरण सामग्री<br>एक्वाट्याव<br>ब्लीचिङ्ग पाउडर | ४,००० बोतल<br>१०,००० ट्यावलेट<br>२०० के.जी. | | |
| खानेपानी तथा सरसफाइ डिभिजन कार्यालय | ५०० देखि १००० लिटर सम्मका २० वटा टंकी | ५० वटा | | |
| खानेपानी तथा सरसफाइ डिभिजन कार्यालय | १६ देखि ३२ एमएमका एच डिपिई पाइप १००० मिटर | ५००० मिटर | | |
| खानेपानी तथा सरसफाइ डिभिजन कार्यालय | पाइप फिटिङ्ग सामान आवश्यक्तानुसार | आवश्यक्तानुसार | | |
| युनिसेफ, अक्सफाम, स्याक नेपाल, वातावरण सुधार समाज, सुन्दर नेपाल संस्था, एन्फो, किर्डाक नेपाल, एस एन भि, जिआई जेड, सेभ द चिल्ड्रेन, एसएसबिएच | हाइजिन किट, २५०० थान, अस्थायी शौचालय | आवश्यकता अनुसार | | |

**कार्यान्वयन योजना सहितको प्राथमिकता प्राप्त पूर्वतयारी कार्य**

| सि. नं. | प्राथमिकता प्राप्त पूर्वतयारी कार्यको सूची | मुख्य जिम्मेवार निकाय | कार्यान्वयन गर्ने तरिका (वैठक, कार्यशाला, तालिम आदि) | समय सीमा (कार्य तालिका) |
|---|---|---|---|---|
| १ | मौजुदा सामग्रीहरूको अभिलेखिकरण र सुनिश्चतगर्ने । | खानेपानी तथा सरसफाइ डिभिजन कार्यालय, सुर्खेत | बैठक तथा समन्वय | बाढी पहिरो पूर्व तथा सोको प्रभाव रहेसम्म |
| २ | स्वास्थ्य तथा सरसफाइसग सम्बन्धित कार्यक्रम सञ्चालन तथा नियन्त्रण, निर्मलीकरण, सरसफाइ र क्षमता अभिवृद्धि कार्य । | खानेपानी तथा सरसफाइ डिभिजन कार्यालय, सुर्खेत/निकायगत सरोकारवालाहरु | अभिमुखीकरण र प्रशिक्षण | वर्षातको समय रहुन्जेल |
| ३ | यातायात सुविधा भएको क्षेत्र भित्र पानी ओर्सान ट्यांकरको व्यवस्थागर्ने । | खानेपानी तथा सरसफाइ डिभिजन कार्यालय, सुर्खेत | बैठक तथा तालिम तथा जनचेतना अभिबृद्धि | बाढी पहिरोको प्रभाव रहेसम्म |
| ४ | स्वयंसेवकहरूलाई क्षमता अभिवृद्धि गर्ने । | खानेपानी तथा सरसफाइ डिभिजन कार्यालय, सुर्खेत | बैठक तथा तालिम तथा जनचेतना अभिबृद्धि | बाढी /पहिरो पूर्व |

| सि. नं. | प्राथमिकता प्राप्त पूर्वतयारी कार्यको सूची | मुख्य जिम्मेवार निकाय | कार्यान्वयन गर्ने तरिका (वैठक, कार्यशाला, तालिम आदि) | समय सीमा (कार्य तालिका) |
|---|---|---|---|---|
| ५ | प्रारम्भिक द्रुत लेखाजोखा औजारका प्रतिहरू उपलब्ध गराउने (फाराम तथा निर्देशिका मुद्रण गर्ने) प्रारम्भिक द्रुत लेखाजोखाका बारेमा अभिमुखीकरण सञ्चालन गर्ने | खानेपानी तथा सरसफाइ डिभिजन कार्यालय, सुर्खेत | फारम मुद्रण | असारको अन्तिम सम्म |
| ६ | एफएम बाट जानकारी मूलक सन्देसहरूको प्रसारण गर्ने | खानेपानी तथा सरसफाइ डिभिजन कार्यालय, सुर्खेत | एफएमद्वारा प्रसारण | कम्तिमा बर्षातको ३ महिना सम्म |
| ७ | प्रतिकार्य सामाग्री भण्डारणका लागि गोदाम घरको उचित व्यवस्थापन | खानेपानी तथा सरसफाइ डिभिजन कार्यालय, सुर्खेत | गोदाम घरको उचित व्यवस्थापन भएको | असारभित्र |
| ८ | समग्र प्रतिकार्यको विश्लेषण गरी प्रतिवेदन तयार गर्न को लागि मुख्य व्यक्ति तथा निकायको चयन | खानेपानी तथा सरसफाइ डिभिजन कार्यालय, सुर्खेत | बैठक | श्रावणको पहिलो हप्ता |

## ६.४ खानेपानी तथा सरसफाइका क्षेत्रमा मानवीय सहयोगका न्यूनतम मापदण्ड

- विपद्पछि पहिलो हप्तासम्म पाइपद्वारा अथवा जिल्ला सदरमुकामको खानेपानी योजनासँग समन्वय कायम गरी खानेपानी भण्डारण गरिने । ट्याङ्कीद्वारा वितरण गर्नु परेमा प्रतिदिन प्रतिव्यक्ति न्यूनतम ५ लिटर पानी उपलब्ध गराउने र पहिलो ४ हप्ताभित्र प्रतिव्यक्ति प्रतिदिन उपलब्ध गराइने पानीको परिमाणलाई १५ लिटर पु¥याउने ।
- शिविरमा बस्ने विस्थापित मानिसहरू तथा घर तथा व्यक्तिगत सम्पत्ति नष्ट भएका व्यक्तिहरूका लागि पानी संकलन गर्नका लागि बाल्टीन र पानी शुद्ध गर्नका लागि ३० दिनसम्म खानेपानी शुद्धीकरणका सामग्री उपलब्ध गराउने ।
- शिविरमा बसोबास गर्ने विस्थापित मानिसहरूका लागि उपयुक्त सरसफाइ एवं महिलाहरूका लागि नुहाउने सुविधाका निमित्त अस्थायी स्नान घर र चर्पी (हरेक २० व्यक्तिका लागि एक चर्पी र पहिलो हप्ताभित्र हरेक १० व्यक्तिका लागि एक चर्पीका दरले सो लाई बढाउने गरी) को निर्माण गर्ने ।
- शिविरमा बसोबास गर्ने प्रभावित मानिसहरूलाई जिल्ला स्वास्थ्य, खानेपानी कार्यालय, साझेदार गैर-सरकारी संस्था, महिला स्वास्थ्य स्वयंसेविका एवं रेडक्रसका स्वयंसेवकहरूसँग मिली हाइजिन किट वितरण गर्ने र स्वास्थ्य प्रवर्धन सम्बन्धी गतिविधिहरू (पानी शुद्ध पार्ने उचित तरिका र साबुन पानीद्वारा हातधुने) सञ्चालन गर्ने ।
- एकरूपताका लागि जिल्ला आकस्मिक योजनालाई राष्ट्रिय आकस्मिक योजनासँग मेल खाने गरी तयार पार्ने ।



परिच्छेद : ७

# स्वास्थ्य तथा पोषण उपसमिति

**विषयगत क्षेत्रको नाम** : स्वास्थ्य र पोषण
**मुख्य विपद्को किसिम** : बाढी, डुवान तथा महामारीजन्य रोग नियन्त्रण, भूकम्प, सडक दुर्घटना आदि
**क्षेत्रगत अगुवा** : स्वास्थ्य कार्यालय, सुर्खेत

## ७.१ अनुमानित अवस्था

- विपदको अनुमान गर्न नसकिए तापनि यस जिल्लाको अवस्थालाई विष्लेषण गर्दा वढीमा देहायको संख्यामा विपदबाट प्रभावित हुन सक्ने अनुमान गरिएको छ ।
- भूकम्पबाट १७००० परिवारका ८५,००० जना, आगलागीबाट १५० परिवारका ७५०० जना, वाढी पहिरोबाट १८०० परिवारका ९००० जना र महामारीबाट २०० परिवारका १००० जना प्रभावित हुने मध्य २५ प्रतिशत वालवालिका, ६५ प्रतिशत महिला, १० प्रतिशत जेष्ठ नागरिक, ५ प्रतिशत सुत्केरी तथा गर्भवती महिला, ५ प्रतिशत स्तनपान गराउने महिला हुन सक्ने अनुमान गरिएको छ ।
- बाढि तथा भूकम्पमा परी घाइते हुने, डुबेर मृत्यु हुने , दुर्घटनाबाट अपाङ्ग हुने ।
- श्रोत प्रदुषणका कारण झाडा-पखाला, हैजा, आउँ, टाईफाईड, ज्वरो, आँखा तथा छाला सम्बन्धी रोगहरु फैलनसक्ने तथा बाढी डुवानका कारण सर्प , विच्छीको टोकाईमा समस्या ।
- बाढीको कारणले क्लिनिक तथा स्वास्थ्य चौकिहरु डुबानमा पर्न सक्ने ।
- मानसिक आघात तथा मनोवैज्ञानिक समस्याहरु देखा पर्ने ।
- सुत्केरी तथा प्रसूती सम्बन्धी समस्यामा वृद्धि हुने ।
- खाद्य सामग्रीको अभावको कारणले गर्दा केटाकेटीहरुमा पोषणको अभाव ।
- पशु-पंक्षिहरु मर्नसक्ने भएकोले महामारी फैलन सक्ने ।
- औषधि र पोषणयुक्त सामग्रीको ढुवानी गर्न यातायातको समस्या हुने ।

## ७.२ विषयगत उद्देश्य

- जस्तोसुकै आपत्कालीन अवस्था परे तापनि मानव जीवन सुरक्षा तथा कल्याण (Human Survival and Well-Being), खास गरी एकदमै जोखिममा रहेका समूहको स्वास्थ्य एवं पोषणसम्बन्धी आवश्यकताहरू पूरा भएका छन् भनी सुनिश्चित गर्ने ।
- आधारभूत स्वास्थ्य सेवाहरूमा तत्काल पहुँच बृद्धिका लागि स्वास्थ्य शिविरको सञ्चालन गर्न र आवश्यकता अनुसार अन्य निकायमा पठाउने संयन्त्रको विकास गर्ने ।

- भाडापखाला, हैजा, औलो तथा अन्य पानीजन्य एवं कीटजन्य रोगहरूको पर्याप्त रोकथाम तथा उपचारको क्षमता बढाउनु ।
- बालबालिका, गर्भवती, सुत्केरी तथा अशक्त महिलाहरूको पोषणयूक्त अवस्थाको सुनिश्चित गर्ने ।
- मरेका जनावरहरुबाट फैलने दुर्गन्ध तथा रोगहरुको रोकथाम गर्ने ।

## ७.३ विशिष्ट उद्देश्य (स्वास्थ्य)

- भाडापखाला, हैजा, औलो, डेंगु , कालाजार तथा अन्य पानीजन्य एवं कीटजन्य रोगहरूको पर्याप्त रोकथाम तथा उपचार क्षमता सुनिश्चित गर्नका निमित्त  स्वास्थ्य कार्यालयलाई सहयोग गर्ने ।
- अरू द्रुत लेखाजोखा (rapid assessment) सँग एकीकृत गरि स्वास्थ्य तथा पोषण (अवस्था तथा सेवाहरू) को द्रुत सर्वेक्षण क्षमतालाई सुदृढ पार्ने ।
- रोग फैलन गएका खण्डमा सहयोग तथा लेखाजोखाका लागि क्षमता अभिवृद्धि गर्ने ।
- आधारभूत स्वास्थ्य सेवाहरूमा निरन्तर पहुँच सुनिश्चित गर्न र स्वास्थ्य शिविरको संचालन गर्न र अर्को निकायमा पठाउने संयन्त्र (referral mechanism) को विकास गर्न स्वास्थ्य कार्यालयलाई सहयोग पुऱ्याउने ।
- पर्याप्त आपतकालीन आपूर्ति र मानव स्रोतलगायतका विषयमा शीघ्र क्षमता अभिवृद्धिका लागि जिल्ला स्वास्थ्य कार्यालयलाई सहयोग गर्ने ।

## ७.४ विशिष्ट उद्देश्य (पोषण)

- विस्थापित मानिसहरूका लागि पूरक खाना खुवाउने कार्यक्रम (Supplementary Feeding Programme- SFP) मा पहुँचको माध्यमबाट गर्भवती तथा स्तनपान गराउने महिला एवं पाँच वर्षमुनिका केटाकेटीहरूमा गम्भीर तथा मध्यम कुपोषणको अवस्थालाई रोकथाम गर्न जिल्ला स्वास्थ्य कार्यालयलाई सहयोग गर्ने ।
- गम्भीर कुपोषण (Severe Acute Malnutrition- SAM) को स्वास्थ्य उपचार तथा सेवामा निरन्तर पहुँच सुनिश्चित गर्न स्वास्थ्य कार्यालयलाई सहयोग गर्ने ।
- निरन्तर स्तनपान सुनिश्चित गर्न र अवाञ्छितरुपमा स्तनपानका विकल्पहरूको (डब्बाको दुध) वितरणमा रोक लगाउन स्वास्थ्य कार्यालयलाई मद्दत गर्ने ।
- भिटामिन ए को वितरण/जुकाको औषधि तथा प्रभावित बालबालीकाहरुका लागी खोप सेवा सुनिश्चित गर्न जिल्ला स्वास्थ्य कार्यालयलाई सहयोग गर्ने ।



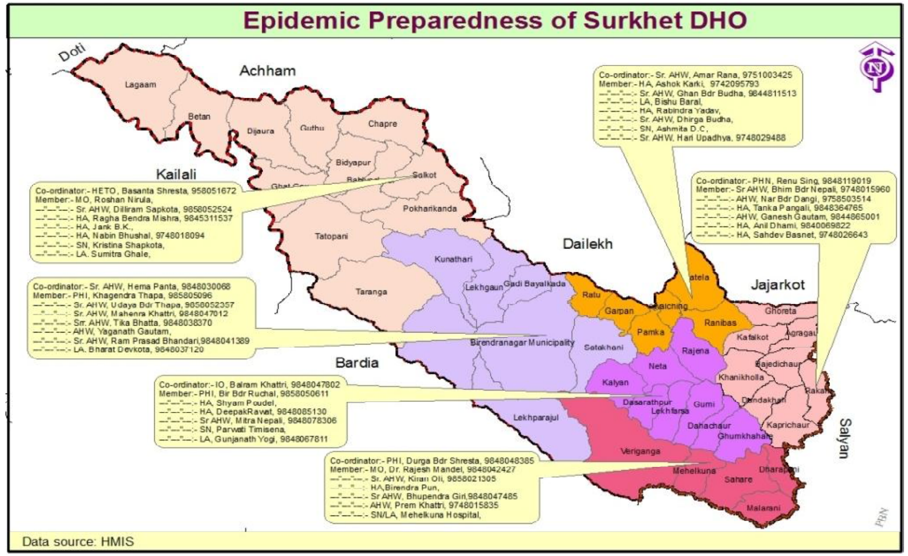


**विपद् अवस्थामा आधारित आपतकालीन प्रतिकार्य योजना**

(सञ्चालनका लागि आवश्यक सहयोग (के सामग्री, ढुवानी, कर्मचारी, वित्तीय)

| विपद्को घटना पश्चातको अवधि | विपद्को अवस्थामा गरीने आपतकालीन कार्य (विपद्को प्रकृतिमा आधारित) | आपतकालीन अवस्था संवोधन गर्न गरीने पूर्वतयारी कार्य | पूर्वतयारी कार्य संवोधन गर्न खाडलको पहिचान | मुख्य जिम्मेवार निकाय | अनुमानित लागत |
|---|---|---|---|---|---|
| पहिलो दिन | ▪ सुचना संकलन, प्रभावित क्षेत्रको पहिचान र उद्धार गर्ने ।<br>▪ जिल्लामा गठित DRRT को बैठक बस्ने ।<br>▪ समुदायस्तरमा गठित CRRT परिचालन गर्ने ।<br>▪ आवश्यकताको पहिचान गर्ने ।<br>▪ तत्काल प्राथमिक उपचारको व्यवस्था गर्ने ।<br>▪ DDRC घटना सम्बन्धि सूचना निरन्तर पठाउने ।<br>▪ पशुजन्य क्षतिको तथ्यांक संकलन | ▪ DRRT र CRRT को सम्पर्क विवरण तयार गर्ने र संचार सन्जालकौ व्यवस्था गर्नै ।<br>▪ प्राथमिक उपचार टोली तयारी र अनुशिक्षण गरि अवस्थामा राख्ने<br>▪ आपत्कालिन अवस्थामा प्रयोग हुने औषधी तयारी अवस्थामा राख्ने<br>▪ फिल्ड स्तरका कर्मचारी तथा दर्तावाला प.स्वा.का./ग्रा.प.स्वाका हरुलाई विपद्पुर्व तयारी अवस्थामा राख्ने । | ▪ विपद्को अवस्थामा मानब सेवाका लागि प्राविधिक टोलि गठन | स्वास्थ्य कार्यालय, नेपाल टेलिकम, तथा सम्बन्धित गै.स.स. | १००,००० |

| विपद्को घटना पश्चातको अवधि | विपद्को अवस्थामा गरीने आपतकालीन कार्य (विपद्को प्रकृतिमा आधारित) | आपतकालीन अवस्था संबोधन गर्न गरीने पूर्वतयारी कार्य | पूर्वतयारी कार्य संवोधन गर्न खाडलको पहिचान | मुख्य जिम्मेवार निकाय | अनुमानित लागत |
|---|---|---|---|---|---|
| दोस्रो दिन | ▪ सुचना संकलन ,उद्धार र राहत तथा आकस्मिक उपचार<br>▪ आवश्यकता अनुसार उपचार शिविरसंचालन गर्ने<br>▪ समस्याको आधारमा औषधि/औजार व्यवस्थापन गरि उपचार कार्यलाई निरन्तरता दिने ।<br>▪ स्वास्थ्य समस्यालाई जटिल हुन नदिन स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने । | ▪ शिविरको लागि आवश्यक सामग्रीहरुको व्यवस्थापन गर्ने ।<br>▪ स्वास्थ्य सचेतना कार्यक्रमका लागि स्वास्थ्यकर्मिहरुलाई तालिम दिने । गम्भिर विरामीलाई सुविधा प्राप्त सेवाप्रदायक निकायमा रेफर गर्ने ।<br>▪ औषधिको भण्डारण गर्ने । | जनशक्ति परिचालन गर्न साधन श्रोतको खाँचो संचार एवं यातायातका साधनको परिचालनमा समस्या | स्वास्थ्य कार्यालय, तथा सम्बन्धित गै.स.स. | १००,००० |
| पहिलो हप्ता | ▪ थप सुचना संकलन ,उद्धार र राहत तथा आकस्मिक उपचार, रोग नियन्त्रण र रोकथाम कार्यहरु (जस्तै खोप)<br>▪ सम्भाव्य रोगको स्थिति अध्ययन गरि प्रतिवेदन जिल्ला तथा केन्द्रलाई पठाउने ।<br>▪ आवश्यक करार कर्मचारी भर्ना तथा दक्ष स्वास्थ्य कर्मीहरुका लागि गैरुरकारी संघसंस्थासंग समन्वय गर्ने ।<br>▪ क्षमता अभिवृद्धि, जनचेतनामुलक कार्यक्रम संचालन गर्ने । | ▪ सेवाका लागि प्राविधिक टोली गठन<br>▪ अध्ययन टोली गठन गर्ने ।<br>▪ जिल्लामा कार्यरत संघसंस्थाहरुसंग समन्वय गर्ने ।<br>▪ प्रगतीको लेखाजोखा गरि प्रतिवेदन गर्ने तरिका छनौट । | | स्वास्थ्य कार्यालय, तथा सम्बन्धित गै.स.स. | २००,००० |
| पहिलो महिना | ▪ शिशु तथा बाल्यकालिन पोषणको प्रर्द्धन, संरक्षण र सहयोग<br>▪ मानबजन्य रोग सम्बन्धि नमुना संकलन र सम्प्रेषण<br>▪ मानबको पुर्व अवस्था नहुदा सम्म प्याकेज कार्यक्रम निरन्तर फलोअप<br>▪ अनुगमन तथा निरिक्षण कार्यलाई निरन्तरता दिने ।<br>▪ जनचेतनामुलक कार्यक्रम संचालन गर्ने । | ▪ सेवाका लागि प्राविधिक टोली गठन र परिचालन,<br>▪ अपुग औषधीका लागि विभिन्न संघसंस्थाहरुसंग समन्वय गरि संकलन गर्ने ।<br>▪ औषधीको सहयोग<br>▪ औषधी तथा आबश्यक जनशक्ति निरन्तरता<br>▪ जनचेतना फैलाउने<br>▪ औषधी, गाडि सेवा<br>▪ आवश्यक NCH Humanitarian logistics तथा प्राविधिक सहयोग र जनचेतना फैलाउने | | स्वास्थ्य कार्यालय, तथा सम्बन्धित गै.स.स.( INF SAC / बाताबरण HC3/ नवज्योति Save the Children (R2R) | ५००,००० |
| दोसो महिना | ▪ नियमित उपचार सेवा निरन्तर<br>▪ मध्यम शिघ्र कुपोषणको व्यवस्थापनको लागि थप आहार कार्यक्रम<br>▪ कडा शिघ्र कुपोषणको व्यवस्थापन कार्यक्रम<br>▪ सुक्ष्मपोषण तत्व कार्यक्रम अर्न्तगत बाल भिटा (MNP) र भिटामिन ए वितरण<br>▪ गर्भवति र सुत्केरी महिलाहरुका लागि आइरन फोलिक एसिड चक्कि वितरण तथा मातृ पोषण परामर्श तथा परिवार नियोजनका साधनहरुको निरन्तरता | ▪ सेवाका लागि प्राविधिक टोली गठन र परिचालन,<br>▪ स्थानीयस्तरको उद्धार टीमसंग बैठक तथा समन्वय<br>▪ प्रकोपको अवस्थाको जानकारी लिने र तयारी गर्ने । | | | १०००००० |
| तेस्रो महिना | ▪ अनुगमन, समन्वय अभिलेखिकारण र सुचना प्रवाह | ▪ सेवाका लागि प्राविधिक टोली गठन र परिचालन,<br>▪ स्थानीयस्तरको उद्धार टीमसंग बैठक तथा समन्वय<br>▪ प्रकोपको अवस्थाको जानकारी लिने र तयारी गर्ने । | | | |
| सो भन्दा बढी | ▪ अनुगमन, समन्वय अभिलेखिकारण र सुचना प्रवाह तथा सेवाहरुको निरन्तरता | ▪ सेवाका लागि प्राविधिक टोली गठन र परिचालन,<br>▪ स्थानीयस्तरको उद्धार टीमसंग बैठक तथा समन्वय<br>▪ प्रकोपको अवस्थाको जानकारी समबन्धित निकायमा जानकारी ।<br>▪ प्रकोप व्यवस्थापन पूर्व तयारीमा चुस्तता | | प्रतिकार्य योजनाको विश्लेषण र परिमार्जन | ५००००।- |

## कार्यान्वयन योजना सहितको प्राथमिकता प्राप्त पूर्वतयारी कार्य

| क्र. सं. | प्राथमिकता प्राप्त पूर्वतयारी कार्यको सूची | मुख्य जिम्मेवार निकाय | कार्यान्वयन गर्ने तरिका (वैठक, कार्यशाला, तालिम आदि) | समय सिमा (कार्य तालिका) |
|---|---|---|---|---|
| १. | स्वास्थ्य सम्बन्धि चेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन | स्वास्थ्य कार्यालय | पत्रपत्रिकाका र एफ.एम., बैठक | मनसून पूर्व |
| २. | औषधिहरुको आवश्यकता पहिचान गर्ने र वफर स्टक को चेक जाच गर्ने । | CRRT संयोजक | बैठक<br>बफरस्टकको परिपुर्ति | मनसून पूर्व |
| ३. | CRRT टिमले तयार गरेको प्रतिवेदन DRRT पठाउने । | CRRT संयोजक | पत्राचार<br>बैठक बोलाउने | नियमित |
| ४ | मानव उपचारका लागि आवश्यकता अनुसारको सामाग्री व्यवस्थापन | स्वास्थ्य कार्यालय | बैठक, पत्राचार जनशक्ति परिचालन सामाग्रीहरुको लेखाजोखा रिक्तताको समाधान | नियमित |

## ७.५ मुख्य विपद्को किसिम : झाडा पखाला/आउँ

**अनुमानित अवस्था :** साविकका १५ गाविसमा झाडा पखाला फैलिई ६००० जनामा जलवियोजन हुनसक्ने ।

**विषयगत उद्देश्य :** झाडा पखालावाट हुने कडा किसिमको जल वियोजन तथा यसवाट हुने मृत्यु कम गर्नु ।

| विपद्को घटना पश्चातको अवधि | विपद्को अवस्थामा गरीने आपतकालीन कार्य (विपद्को प्रकृतिमा आधारित) | आपतकालीन अवस्था संबोधन गर्न गरीने पूर्वतयारी कार्य | पूर्वतयारी कार्य संबोधन गर्न खाडलको पहिचान | मुख्य जिम्मेवार निकाय | प्रत्येक पूर्वतयारी कार्यका लागि अनुमानित लागत |
|---|---|---|---|---|---|
| **पहिलो दिन** | सुचना संकलन तथा प्रभावित क्षेत्रहरुको पहिचान गर्ने, झाडा पखाला फैलिएको वारे सुनिश्चित गर्ने, भ्रमण गर्ने | पालिकास्तरीय रेपिड रेस्पोन्स टीम तयारी, तालिम तथा, श्रोत साधन जुटाउने र परिचालन गर्ने | जनशक्ति, औषधिको उपलब्धता, औषधि ढुवानी | स्वास्थ्य कार्यालय, संवन्धित गाविसका स्वास्थ्य संस्थाहरु | औषधि वापत १५०,०००। |
| **दोस्रो दिन** | थप सुचना संकलन, टीम परिचालन र उपचारमा सहयोग, गम्भिर भए नजिकको स्वास्थ्य संस्थामा पठाउने । | स्वास्थ्य तथा पोषण उपसमितिको संयोजकत्वमा स्थानीयस्तरको उद्धार निकायमा टीम तयार गर्ने । प्रकोप गम्भिरता अध्ययन गर्ने अनुसार औषधिको आपूर्ति तथा संकलनका लागि संवन्धित निकाय ( जिल्ला, क्षेत्र, केन्द्रमा) प्रकोपको सूचना प्रवाह, वफर स्टक केन्द्रवाट प्रभावित क्षेत्रहरुमा औषधि आपूर्ति | जनशक्ति, औषधिको उपलब्धता, औषधि ढुवानी , नियमित सम्पर्क तथा समन्वय | प्राविधिक टोलि RRT स्वास्थ्य कार्यालय, स्थानीयस्तरको उद्धार निकायमा टीम | कर्मचारी परिचालन १००,०००। |
| **पहिलो हप्ता** | उपचारमा निरन्तरता (नियन्त्रण नभए सम्म), प्रेषण, रोकथाम संवन्धि चेतनामूलक कार्यक्रम । सर्भिलेन्स, समन्वय, अभिलेखिकरण | प्रकोप गम्भिरता अनुसार औषधिको आपूर्ति संवन्धित निकाय (जिल्ला, क्षेत्र, केन्द्रमा) प्रकोपको सूचना प्रवाह सहयोगी संस्थाहरुको पहिचान | जनशक्ति औषधिको उपलब्धता औषधि ढुवानी | प्राविधिक टोलि RRT स्वास्थ्य कार्यालय | कर्मचारी परिचालन तथा औषधि ५०,०००। |
| **पहिलो महिना** | झाडापखालाको कारण र रोकथामका उपायवारे अध्ययन गर्ने, गम्भिर प्रकृतीका विरामीलाई अन्यत्र सिफारिस गर्ने । सरसफाई बारेमा अनुशिक्षण तथा जनचेतनामुलक कार्यक्रम संचालन गर्ने । अनुगमन गर्ने प्रतिवेदन सम्प्रेषण गर्ने । | स्वास्थ्य सेवा विभागसंग समन्वय गर्ने, अन्य सेवा प्रदायक निकायसंग समन्वय गर्ने । बैठक गर्ने । पानीका कारण लाग्ने भए ORS तथा अन्य पानी सफा गर्ने उपाय तथा सामाग्री वितरण गर्ने | श्रोत साधन नजुटन सक्छ । | जिदैप्रउस, जिल्ला स्वास्थ्य कार्यालय, स्थानीयस्तरको उद्धार निकायमा टीम । | |
| **दोस्रो महिना** | समीक्षा प्रतिवेदन तयारी, जनचेतनामुलक कार्यक्रम संचालन गर्ने । अनुगमन गर्ने | पुन वल्भिने संभावनालाई दृष्टिगत गरी टोली र औषधि सर्तकतापूर्वक राख्ने, पानीका कारण लाग्ने भए ORS तथा अन्य पानी सफा गर्ने उपाय तथा सामाग्री वितरण गर्न | सरसफाईको कमीले रोग बल्जिन सक्छ । सवारी साधन यथावत सूचारु नहुन सक्ने | | ५०,००० |
| **तेस्रो महिना** | जन चेतनामूलक कार्यक्रम, अनुगमन गर्ने | समन्वय तथा बैठक | सरसफाई कमीले रोग बल्जिन सक्छ । | | ३५,००० |
| **सो भन्दा वढी** | जन चेतनामूलक कार्यक्रम, अनुगमन गर्ने, विवरण सम्प्रेषण गर्ने । | | कार्य योजना निरन्तरतामा कमी | | ३५,००० |



## ७.६ मुख्य विपद्को किसिम : डेंगु र स्क्रब टाईफस

केही वर्ष यता चितवन रुपन्देही, पर्सा लगाएतका जिल्लाहरुमा डेंगु ज्वरो र स्क्रब टाईफस रोगकामहामारी भएको र वांके जिल्लाको नेपालगंज समेत उच्च जोखिममा रहेको छ । यो जिल्ला वांके संग विभिन्न सरुवा रोग संवन्धि सर्ने माध्यमहरु महत्वपूर्ण संवन्ध रहेको र वीरेन्द्रनगर नगर पालिका, भेरीगंगां नगरपालीका र गुर्भाकोट नगरपालीकालाईपनि उच्च जोखिममा राखिन्छ । यसको लागि प्रवर्द्धनात्मक, प्रतिकारात्मक र उपचारात्मक तयारी तथा कार्यान्वायन गर्नु पर्ने हुन्छ ।

| विपद्को घटना पश्चातको अवधि | विपद्को अवस्थामा गरीने आपतकालीन कार्य (विपद्को प्रकृतिमा आधारित) | आपतकालीन अवस्था संवोधन गर्न गरीने पूर्वतयारी कार्य | पूर्वतयारी कार्य संवोधन गर्न खाडलको पहिचान | मुख्य जिम्मेवार निकाय | प्रत्येक पूर्वतयारी कार्यका लागि अनुमानित लागत |
|---|---|---|---|---|---|
| **पहिलो दिन** | सुचना तथा प्रभावित क्षेत्रको पहिचान, डेंगु प्रकोपको सुनिश्चित गर्ने | रेपिड रेस्पोन्स टीम परिचालन, स्थानीयस्तरमा उद्धार टीम निर्माण गर्ने टीमलाई अनुशिक्षण गर्ने । आवश्यक कागजातहरु तयार गर्ने । स्थानीयस्तरको स्वास्थ्य संस्थामा औषधी आपुर्ती गर्न पहल गर्ने । | औषधिको उपलव्धता रोग पहिचानमा कठिनाई | प्रदेश अस्पताल, स्वास्थ्य कार्यालय, स्थानीयस्तरमा उद्धार टीम निर्माण गर्ने साथै परिचालन गर्ने | औषधि वापत २००००० |
| **दोस्रो दिन** | उपचारमा निरन्तरता (नियन्त्रण नभए सम्म), सम्बन्धित नजिकको स्वास्थ्य संस्थामा तथा अस्पतालमा प्रेषण गर्ने, टीम परिचालन गर्ने । रोकथाम संवन्धि चेतनामूलक कार्यक्रम | प्रकोप गम्भिरता अनुसार औषधिको आपूर्तिका लागि संवन्धित निकाय समन्वय गर्ने (क्षेत्र, केन्द्रमा )प्रकोपको सूचना प्रवाह | पहिचानमा कठीन, जनशक्तिका अभाव | प्रदेश अस्पताल/ स्वास्थ्य कार्यालय, स्थानीयस्तरमा उद्धार टीम निर्माण गर्ने र परिचालन गर्ने | कर्मचारी परिचालन २०००० |
| **पहिलो हप्ता** | उपचारमा निरन्तरता (नियन्त्रण नभए सम्म) रोकथाम संवन्धि चेतनामूलक कार्यक्रम र सर्भिलेन्स | औषधिको आपूर्ति संवन्धित निकाय( जिल्ला,क्षेत्र, केन्द्रमा) प्रकोपको सूचना प्रवाह, रोगको गम्भिरताको पहिचान गर्ने, गम्भिर विरामीलाई अन्यत्र सिफारिस गर्नलाई समन्वय गर्ने । | पहिचानमा कठीन, जनशक्तिका अभाव | प्रदेश अस्पताल/ स्वास्थ्य कार्यालय, स्थानीयस्तरमा उद्धार टीम निर्माण गर्ने र परिचालन गर्ने | कर्मचारी परिचालन तथा औषधि ५००००। |
| **पहिलो महिना** | रोकथाम संवन्धि चेतनामूलक कार्यक्रम संचालन गर्ने,समीक्षा प्रतिवेदन तयारी सर्भिलेन्स, र अनुगमन | पुन वल्भिने संभावनालाई दृष्टिगत गरी टोली र औषधि सर्तकतापूर्वक राख्ने, जनक्षेतीको विवरण संकलन गर्ने । | पहिचानमा कठीन, जनशक्तिका अभाव | | ५०,००० |
| **दोस्रो महिना** | रोकथाम संवन्धि चेतनामूलक कार्यक्रम संचालन गर्ने,समीक्षा प्रतिवेदन तयारी सर्भिलेन्स, र अनुगमन | सम्बन्धित स्थानीयस्तरका सेवाप्रदायक निकायमा औषधीको आपुर्तीमा पहल गर्ने । उपचारमा नियमित | जनशक्तिका अभाव | | २५,००० |

| विपद्को घटना पश्चातको अवधि | विपद्को अवस्थामा गरीने आपतकालीन कार्य (विपद्को प्रकृतिमा आधारित) | आपतकालीन अवस्था संबोधन गर्न गरीने पूर्वतयारी कार्य | पूर्वतयारी कार्य संबोधन गर्न खाडलको पहिचान | मुख्य जिम्मेवार निकाय | प्रत्येक पूर्वतयारी कार्यका लागि अनुमानित लागत |
|---|---|---|---|---|---|
| तेस्रो महिना | रोकथाम संवन्धि चेतनामूलक कार्यक्रम संचालन गर्ने,समीक्षा प्रतिवेदन तयारी सर्भिलेन्स, र अनुगमन | उपचारमा नियमित | जनशक्तिका अभाव | | २५,००० |
| सो भन्दा वढी | रोकथाम संवन्धि चेतनामूलक कार्यक्रम संचालन गर्ने,समीक्षा प्रतिवेदन तयारी सर्भिलेन्स, र अनुगमन | सम्बन्धित स्थानीयस्तरका सेवाप्रदायक निकायमा औषधीको आपुर्तीमा पहल गर्ने । उपचारमा नियमित, | | | |

## ७.७ मुख्य विपद्को किसिम : श्वास प्रश्वास रोग (ARI) र रुघा खोकी फ्लु

यो विपत अन्तर्गत ईन्फ्लुन्जा, भाईरल फिवर, एभिएन ईन्फ्लुन्जा, स्वाईन फ्लु, रुघाखोकी आदि पर्दछन् । यो रोग अति शिघ्र धेरै क्षेत्र र धेरै मानिसमा फैलिने भएकोले तर खास उपचार नभएको, खाने पिउने तथा घरेलु उपचारमा विशेष ध्यान दिदा अन्य व्यक्तिमा सर्ने लगायत मृत्यु समेतवाट बचाउन सकिने भएकोले स्वास्थ्य सचेतना कार्यक्रम महत्त्वपूर्ण हुन्छ ।

| विपद्को घटना पश्चातको अवधि | विपद्को अवस्थामा गरीने आपतकालीन कार्य (विपद्को प्रकृतिमा आधारित) | आपतकालीन अवस्था संबोधन गर्न गरीने पूर्वतयारी कार्य | पूर्वतयारी कार्य संबोधन गर्न खाडलको पहिचान | मुख्य जिम्मेवार निकाय | प्रत्येक पूर्वतयारी कार्यका लागि अनुमानित लागत |
|---|---|---|---|---|---|
| पहिलो दिन | सुचना तथा संकलन विवरण प्रकोप फैलिएकोवारे सुनिश्चित गर्ने | पालिका स्तरीय रेपिड रेस्पोन्स टीम तयारी तथा अनुशिक्षण र परिचालन जटिलता व्यवस्थापनको औषधि | जनशक्ति रोग निदान गर्न कठिनाई जटिलता व्यवस्थापनको लागि औषधि अभाव स्वास्थ्य शिक्षा सामाग्री | स्वास्थ्य कार्यालय र संवन्धित गाविसका स्वास्थ्य संस्थाहरु | औषधि वापत र स्वास्थ्य शिक्षा सामाग्री ५०,०००। |
| दोस्रो दिन | थप सुचना संकलन र उपचारमा निरन्तरता/ परामर्श सेवा (नियन्त्रण नभए सम्म), रोकथाम संवन्धि चेतनामूलक कार्यक्रम स्वास्थ्य टोली खटाउन | प्रकोप गम्भिरता अनुसार औषधिको आपूर्तिका लागि दातृ निकायमा समन्वय गर्ने, संवन्धित निकाय (जिल्ला, क्षेत्र, केन्द्रमा) प्रकोपको सूचना प्रवाह | औषधी ढुवानीमा अभाव, जनशक्तिको अभाव | प्राविधिक टोलि RRT स्वास्थ्य कार्यालय | कर्मचारी परिचालन ५०,००० |
| पहिलो हप्ता | उपचारमा निरन्तरता (नियन्त्रण नभए सम्म) रोकथाम संवन्धि चेतनामूलक कार्यक्रम, सर्भिलेन्स | प्रकोप गम्भिरता अनुसार औषधिको आपूर्ति संवन्धित निकाय (क्षेत्र, केन्द्रमा) प्रकोपको सूचना प्रवाह | रोगको सही पहिचानमा कठिन, औषधी ढुवानीमा अभाव, जनशक्तिको अभाव | प्राविधिक टोलि RRT स्वास्थ्य कार्यालय | कर्मचारी परिचालन तथा औषधि ५०,०००। |



| विपद्को घटना पश्चातको अवधि | विपद्को अवस्थामा गरीने आपतकालीन कार्य (विपद्को प्रकृतिमा आधारित) | आपतकालीन अवस्था संबोधन गर्न गरीने पूर्वतयारी कार्य | पूर्वतयारी कार्य संबोधन गर्न खाडलको पहिचान | मुख्य जिम्मेवार निकाय | प्रत्येक पूर्वतयारी कार्यका लागि अनुमानित लागत |
|---|---|---|---|---|---|
| पहिलो महिना | उपचारमा निरन्तरता (नियन्त्रण नभए सम्म) रोकथाम संवन्धि चेतनामूलक कार्यक्रम सर्भिलेन्स, अनुगमन तथा समन्वय | पुन वल्भिने संभावनालाई दृष्टिगत गरी टोली र औषधि सर्तकतापूर्वक राख्ने अपुग औषधीको लागि समन्वय गर्ने, कठिन विरामीलाई अनयत्र सिफारिस गर्ने । | विरामीका कारणले उपाचारमा ढीला हुने | | ५०,००० |
| दोस्रो महिना | जन चेतनामूलक कार्यक्रम, समन्वय, अनुगमन प्राप्त विवरणलाई सम्बन्धित निकायमा प्रवाह गर्ने | पुन वल्भिने संभावनालाई दृष्टिगत गरी टोली र औषधि सर्तकतापूर्वक राख्ने,। | रोगको सही पहिचानमा कठिन, औषधी ढुवानीमा अभाव, जनशक्तिको अभाव | | २५,००० |
| तेस्रो महिना | जन चेतनामूलक कार्यक्रम, समन्वय, अनुगमन प्राप्त विवरणलाई सम्बन्धित निकायमा प्रवाह गर्ने | पुन वल्भिने संभावनालाई दृष्टिगत गरी टोली र औषधि सर्तकतापूर्वक राख्ने,। | औषधी ढुवानीमा अभाव र कमी, जनशक्तिको अभाव | | २५,००० |
| सो भन्दा वढी | जन चेतनामूलक कार्यक्रम, समन्वय, अनुगमन प्राप्त विवरणलाई सम्बन्धित निकायमा प्रवाह गर्ने | पुन वल्भिने संभावनालाई दृष्टिगत गरी टोली र औषधि सर्तकतापूर्वक राख्ने,। | | | |

## ७.८ स्वास्थ्य तथा पोषण

**मुख्य विपद्को किसिम** : बाढी र भूकम्प

**विपद्को अनुमानित अवस्था** :

- बाढि तथा भूकम्पमा परी घाइते हुने, डुबेर मृत्यु हुने ।
- श्रोत प्रदुषणका कारण झाडा-पखाला, हैजा, आउँ, टाईफाईड, ज्वरो, आँखा तथा छाला सम्बन्धी रोगहरु फैलन सक्ने ।
- बाढीको कारणले क्लिनिक तथा स्वास्थ्य चौकिहरु डुबानमा पर्न सक्ने ।
- मानसिक आघात तथा मनोवैज्ञानिक समस्याहरु देखा पर्ने ।
- सुत्केरी तथा प्रसूती सम्बन्धी समस्यामा वृद्धि हुने ।
- खाद्य सामग्रीको अभावको कारणले गर्दा केटाकेटीहरुमा पोषणको अभाव ।
- पशु-पंक्षिहरु मर्नसक्ने भएकोले महामारी फैलन सक्ने ।
- औषधि र पोषणयुक्त सामग्रीको ढुवानी गर्न यातायातको समस्या हुने ।

**विषयगत उद्देश्य :**

- आधारभूत स्वास्थ्य सेवाहरूमा तत्काल पहुँच बृद्धिका लागि स्वास्थ्य शिविरको सञ्चालन गर्न र आवश्यकता अनुसार अन्य निकायमा पठाउने संयन्त्रको विकास गर्ने ।
- झाडापखाला, हैजा, औलो तथा अन्य पानीजन्य एवं कीटजन्य रोगहरूको पर्याप्त रोकथाम तथा उपचारको क्षमता बढाउनु ।
- बालबालिका, गर्भवती, सुत्केरी तथा अशक्त महिलाहरूको पोषणयूक्त अवस्थाको सुनिश्चित गर्ने ।
- मरेका जनावरहरुबाट फैलने दुर्गन्ध तथा रोगहरुको रोकथाम गर्ने ।

**विपद् अवस्थामा आधारित आपतकालीन प्रतिकार्य योजना**

संचालनका लागि आवश्यक सहयोग (के सामाग्री, ढुवानी, कर्मचारी, वित्तिय)

| विपद्को घटना पश्चातको अवधि | विपद्को अवस्थामा गरीने आपतकालीन कार्य (विपद्को प्रकृतिमा आधारित) | आपतकालीन अवस्था संवोधन गर्न गरीने पूर्वतयारी कार्य | पूर्वतयारी कार्य संवोधन गर्न खाडलको पहिचान | मुख्य जिम्मेवार निकाय | अनुमानित लागत |
|---|---|---|---|---|---|
| पहिलो दिन | ▪ सुचना संकलन, प्रभावित क्षेत्रको पहिचान र उद्धार गर्ने ।<br>▪ जिल्लामा गठित DRRT को बैठक बस्ने ।<br>▪ समुदायस्तरमा गठित CRRT परिचालन गर्ने ।<br>▪ आवश्यकताको पहिचान गर्ने ।<br>▪ तत्काल प्राथमिक उपचारको व्यवस्था गर्ने ।<br>▪ DDRC घटना सम्बन्धि सूचना निरन्तर पठाउने ।<br>▪ पशुजन्य क्षतिको तथ्यांक संकलन | ▪ DRRT र CRRT को सम्पर्क विवरण तयार गर्ने र संचार सन्जालकौ व्यवस्था गर्नै ।<br>▪ प्राथमिक उपचार टोली तयारी र अनुशिक्षण गरि अवस्थामा राख्ने<br>▪ आपत्कालिन अवस्थामा प्रयोग हुने औषधी तयारी अवस्थामा राख्ने<br>▪ फिल्ड स्तरका कर्मचारी तथा दर्तावाला प.स्वा.का./ग्रा.प.स्वाका हरुलाई विपद्पुर्व तयारी अवस्थामा राख्ने । | ▪ विपद्को अवस्थामा मानब सेवाका लागि प्राविधिक टोलि गठन | स्वास्थ्य कार्यालय, नेपाल टेलिकम, तथा सम्बन्धित गै.स.स. | १००,००० |
| दोस्रो दिन | ▪ सुचना संकलन, उद्धार र राहत तथा आकस्मिक उपचार<br>▪ आवश्यकता अनुसार उपचार शिविरसंचालन गर्ने<br>▪ समस्याको आधारमा औषधि/औजार व्यवस्थापन गरि उपचार कार्यलाई निरन्तरता दिने ।<br>▪ स्वास्थ्य समस्यालाई जटिल हुन नदिन स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने । | ▪ शिविरको लागि आवश्यक सामग्रीहरुको व्यवस्थापन गर्ने ।<br>▪ स्वास्थ्य सचेतना कार्यक्रमका लागि स्वास्थ्यकर्मिहरुलाई तालिम दिने । गम्भिर बिरामीलाई सुविधा प्राप्त सेवाप्रदायक निकायमा रेफर गर्ने ।<br>▪ औषधिको भण्डारण गर्ने । | | स्वास्थ्य कार्यालय, तथा सम्बन्धित गै.स.स. | १००,००० |

| विपद्को घटना पश्चातको अवधि | विपद्को अवस्थामा गरीने आपतकालीन कार्य (विपद्को प्रकृतिमा आधारित) | आपतकालीन अवस्था संवोधन गर्न गरीने पूर्वतयारी कार्य | पूर्वतयारी कार्य संवोधन गर्न खाडलको पहिचान | मुख्य जिम्मेवार निकाय | अनुमानित लागत |
|---|---|---|---|---|---|
| पहिलो हप्ता | ▪ थप सुचना संकलन, उद्धार र राहत तथा आकस्मिक उपचार, रोग नियन्त्रण र रोकथाम कार्यहरु (जस्तै खोप)<br>▪ सम्भाव्य रोगको स्थिति अध्ययन गरि प्रतिवेदन जिल्ला तथा केन्द्रलाई पठाउने ।<br>▪ आवश्यक करार कर्मचारी भर्ना तथा दक्ष स्वास्थ्य कर्मीहरुका लागि गैरुरकारी संघसंस्थासंग समन्वय गर्ने ।<br>▪ क्षमता अभिवृद्धि, जनचेतनामुलक कार्यक्रम संचालन गर्ने । | ▪ सेवाका लागि प्राविधिक टोली गठन<br>▪ अध्ययन टोली गठन गर्ने ।<br>▪ जिल्लामा कार्यरत संघसंस्थाहरुसंग समन्वय गर्ने । | | स्वास्थ्य कार्यालय, तथा सम्बन्धित गै.स.स. | २००,००० |
| पहिलो महिना | ▪ शिशु तथा बाल्यकालिन पोषणको प्रर्द्धन, संरक्षण र सहयोग<br>▪ मानबजन्य रोग सम्बन्धि नमुना संकलन र सम्प्रेषण<br>▪ मानबको पुर्व अवस्था नहुदा सम्म प्याकेज कार्यक्रम निरन्तर फलोअप<br>▪ अनुगमन तथा निरिक्षण कार्यलाई निरन्तरता दिने ।<br>▪ जनचेतनामुलक कार्यक्रम संचालन गर्ने । | ▪ सेवाका लागि प्राविधिक टोली गठन र परिचालन,<br>▪ अपुग औषधीका लागि विभिन्न संघसंस्थाहरुसंग समन्वय गरि संकलन गर्ने । | | स्वास्थ्य कार्यालय, तथा सम्बन्धित गै.स.स. | ५००,००० |
| दोस्रो महिना | ▪ नियमित उपचार,<br>▪ मध्यम शिघ्र कुपोषणको व्यवस्थापनको लागि थप आहार कार्यक्रम<br>▪ कडा शिघ्र कुपोषणको व्यवस्थापन कार्यक्रम<br>▪ सुक्ष्मपोषण तत्व कार्यक्रम अर्न्तगत बाल भिटा (MNP) र भिटामिन ए वितरण<br>▪ गर्भवति र सुत्केरी महिलाहरुका लागि आइरन फोलिक एसिड चक्कि वितरण तथा मातृ पोषण परामर्श | ▪ सेवाका लागि प्राविधिक टोली गठन र परिचालन,<br>▪ स्थानीयस्तरको उद्धार टीमसंग बैठक तथा समन्वय<br>▪ प्रकोपको अवस्थाको जानकारी लिने र तयारी गर्ने । | | | १०००००० |

| विपद्को घटना पश्चातको अवधि | विपद्को अवस्थामा गरीने आपतकालीन कार्य (विपद्को प्रकृतिमा आधारित) | आपतकालीन अवस्था संबोधन गर्न गरीने पूर्वतयारी कार्य | पूर्वतयारी कार्य संबोधन गर्न खाडलको पहिचान | मुख्य जिम्मेवार निकाय | अनुमानित लागत |
|---|---|---|---|---|---|
| तेस्रो महिना | ▪ अनुगमन, समन्वय अभिलेखिकारण र सुचना प्रवाह | ▪ सेवाका लागि प्राविधिक टोली गठन र परिचालन,<br>▪ स्थानीयस्तरको उद्धार टीमसंग बैठक तथा समन्वय<br>▪ प्रकोपको अवस्थाको जानकारी लिने र तयारी गर्ने । | | | |
| सो भन्दा बढी | ▪ अनुगमन, समन्वय अभिलेखिकारण र सुचना प्रवाह | ▪ सेवाका लागि प्राविधिक टोली गठन र परिचालन,<br>▪ स्थानीयस्तरको उद्धार टीमसंग बैठक तथा समन्वय<br>▪ प्रकोपको अवस्थाको जानकारी समबन्धित निकायमा जानकारी । | | | |

**कार्यान्वयन योजना सहितको प्राथमिकता प्राप्त पूर्वतयारी कार्य**

| क्र. सं. | प्राथमिकता प्राप्त पूर्वतयारी कार्यको सूची | मुख्य जिम्मेवार निकाय | कार्यान्वयन गर्ने तरिका (बैठक, कार्यशाला, तालिम आदि) | समय सिमा (कार्य तालिका) |
|---|---|---|---|---|
| १. | स्वास्थ्य सम्बन्धि चेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन | स्वास्थ्य कार्यालय | पत्रपत्रिकाका र एफ.एम. | मनसून पूर्व |
| २. | औषधिहरुको आवश्यकता पहिचान गर्ने र बफर स्टकको चेक जाच गर्ने । | CRRT संयोजक | बैठक | मनसून पूर्व |
| ३. | CRRT टिमले तयार गरेको प्रतिवेदन DRRT पठाउने । | CRRT संयोजक | पत्राचार | नियमित |
| ४ | मानब उपचारका लागि आवश्यकता अनुसारको सामाग्री व्यवस्थापन | स्वास्थ्य कार्यालय | बैठक, पत्राचार | नियमित |

**पूर्वतयारी कार्य योजनालाई सम्वोधन गर्न विद्यमान समस्या :**

- चिकित्सक लगायत स्वास्थ्य कर्मीको अभाव हुने ।
- यातायातको साधनको अभाव ।
- विपद्मा पशु सेवाका लागि आवश्यक दक्ष जनशक्ति प्रयाप्त नहुनु, आवश्यक सामाग्रीको प्रयाप्तता नहुनु ।

### ७.८.१ प्रकोप जोखिम विश्लेषण

**नोटः** साविकका दहचौर, रतु, लेखफर्सा, जर्वुटा, दशरथपुर, सालकोट, बाबियाचौर, गुमी, नेटा, विद्यापुर, गुटु, लेखगाँउ, गर्पन, अवलचिङ्ग, उत्तरगंगा, घाटगाँउ, कुनाथरी, सहारे, गढी, काप्रिचौर, कल्याण, साटाखानी, मेहेलकुना, रामघाट, खानीखोला र मालारानीहरु खुला दिसामुक्त घोषणा गरिएको हुदा झाडा पखालाको न्यून जोखिम क्षेत्र तोकिएको



## ७.९ सुर्खेत जिल्लामा रहेका एम्बुलेन्सहरुको विवरण

| सि. नं. | कार्यालय वा संस्थाको नाम | एम्बुलेन्स संख्या | एम्बुलेन्स नं. | चालकको नाम | चालकको सम्पर्क नं. | कार्यालय वा संस्था प्रमुखको नाम | कार्यालय वा संस्था प्रमुखको नाम सम्पर्क नं. | एम्बुलेन्स रहने स्थान |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १ | प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र अवलचिङ्ग सुर्खेत | १ चालु अवस्था | | कमल वली | ९८४८३९९१३० | डा. विजय खनाल | ९८५५०७२९३३ | कार्यालयमा |
| २ | बौद्ध ग्रामिण सहकारी संस्था लि. लाटीकोईली सुर्खेत | १ चालु अवस्था | भे.१ च१६३१ | जग बहादुर लामा | ९८०२५२३४९७ | विशाल के.सी. | ९८०१३५१२२३ | भेरीगंगा मैनतडा-९ |
| ३ | यातायात मजदुर जागरण सहकारी संस्था सुर्खेत | १ चालु अवस्था | भे१च२४०८ | दिलबहादुर नेपाली डम्बरबहादुर गुरुङ्ग | ९८१४५३२१११ | कृष्ण गिरी | ९८४८०७५०५० | कुमाई चौक वी.न.न.पा. |
| ४ | नेपाल स्वास्थ्य कर्मी संघ सुर्खेत | १ विग्रेकोअवस्था | विग्रेको | | | उदय बहादुर थापा | ९८५८०५२३५७ | |
| ५ | माया नर्सिङ्ग होम प्रा.लि. सुर्खेत | १ चालु अवस्था | भे.१च १४५० | प्रमोद नेपाली पदम नेपाली | ९८०२५०८९२० | विष्णु खड्का | ९८५८०२१६३३ ०८३ ५२१४३० | अस्पताल बाहिर |
| ६ | भू.पु.सैनिक कल्याणकारी समिति सुर्खेत | २ चालु अवस्था | भे.१च ७९८ भे.१च | तिल बहादुर बुढा कृष्ण बहादुर सारु | ९८२२४११५८६ | पदमबहादुर रखाल | ९८२२४०२०६६ | कार्यालयमा |
| ७ | नेपाल रेडक्रस सोसाइटी सुर्खेत | १ चालु अवस्था | भे.१ च ६०५ | तसबहादुर मन्दिर | ९८४८०४८२८५ | रामप्रसाद आचार्य | ९८५८०५२३१० | कार्यालयमा |
| ८ | देउती अस्पताल प्रा.लि. सुर्खेत | १ चालु अवस्था | भे.१च.१८८० | मोहन विष्ट | ९७४८०७७२६६ | खगेन्द्रबहादुर थापा | ९८५८०५००९६ | अस्पतालमा |
| ९ | प्रदेश अस्पताल सुर्खेत | २ चालु अवस्था | बा२भ ३०९३ | प्रेम सिंसुखनार सहवीर न्योपाने | ९८४८०६३४६२ ९८४८१३९५२७ | डा.डम्बर खड्का | ९७४८०२५२७८ ९८५१०६२७८५ | अस्पतालमा |
| १० | प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सालकोट सुर्खेत | १ चालु अवस्था | भे.१च१४१२ | लक्ष्मीप्रसाद कडेल | ९८५८०५३६०५ | डा. सन्दीप महत | ९८५१२४३८०३ | कार्यालयमा |
| ११ | शिवधाम धार्मिक संस्था बावियाचौर सुर्खेत | १ विग्रेकोअवस्था | भे.१.च १५९९ | दिपेन्द्र शाही | ९८६८०६२९४० | नवल सिंह देउवा | ९८४८००५२४३ | संस्थामा |
| १२ | स्वास्थ्य चौकी छिन्चु सुर्खेत | १ विग्रेको अवस्था | | | | | | |
| १३ | शसस्त्र प्रहरी रक्तकाली गण सुर्खेत | १ जानकारी हुन नसकेको | | | | | ०८३-४१२०१४ | |
| १४ | नेपाली सेना म.प.पृतना सुर्खेत | १ सम्पर्क हुन नसकेको | | | | | ५२१९२८ | |
| १५ | नेपाल अर्वुद रोग निवारण संस्था सुर्खेत | १ चालु अवस्था | भे.१च६७६ | तिलबहादुर बुढा | ९८४८२४५४१४ | तेज कुमारी चपाई | ०८३-५२५३९६ ९८५८०६३०६३ | कार्यालयमा |
| १६ | स्वास्थ्य चौकी गुठु सुर्खेत | १ चालु अवस्था | भे.१च२६२४ | नन्दराम कडेल | ९८४८२३९०१२ ९७५८००२८४५ | नविन भुसाल | ९८५८०६०२६० | स्वास्थ्य चौकीमा |
| १७ | द रेयूकाई सुर्खेत | १ विग्रेकोअवस्था | | | | | ०८३-५२४८४३ | |
| १८ | साईनिङ्ग अस्पताल INF सुर्खेत | १ चालुअवस्था | भे.१.च.२६६९ | टिकाराम कामी | ९८४८०३७२१० | मंगल चौधरी | ०८३-५२०१०५ | कार्यालयमा |
| १९ | मेहेलकुना अस्पताल सुर्खेत | १ विग्रेकोअवस्था | | | | डा.मनिष मिश्र | ९८५८०८०५०२ | |

औषधीको मौज्दात

| सामग्रीको नाम<br>(राहत सामग्रीको भण्डारण) | परिमाण | कैफियत<br>(स्थान, नमूना, उपलब्धता आदि) |
|---|---|---|
| ORS | 10000 Ps | |
| Saline R.L. | 7500 | |
| I.V Set | 250 | |
| I.V. Canula | 250 | |
| Tab. Cipro | 5000 | |
| Tab. Metro 200mg | 15000 | |
| Tab. Metro 400 mg | 15000 | |
| Inj. Metro | 250 | |
| Inj. Cipro | 250 | |
| Tab. Citamol | 5000 | |
| Inj. Perinorm | 200 | |
| Cotton | 50 Rolls | |
| Syringes | 500 | |
| Adhesive Tape | 50 Ps | |
| Cap Doxy 100mg | 2000 | |

## ७.१० स्थानीय तहमा खटिएका स्वास्थ्य संयोजक तथा सह-संयोजक

**(१) गुर्भाकोट नगरपालिका**

सि.अ.हे.व किरण ओली ९८५८०५१३०५
सि.अ.हे.व. अनन्त खत्री ९८४८०३०६९४

**(२) चौकुने गाउँपालिका**

सि.अ.हे.व. ईन्द्र जैसुरी ९८५८०६४१५५
सि.अ.हे.व. डिल्लीराम घिमिरे ९८४८१६२०५२

**(३) चिंगाड गाउँपालिका**

हे.अ. चर्तुभुज गौतम ९८४८०४७४५०
सि.अ.हे.व. दिर्घबहादुर बुढा ९८४८१६७२६२

**(४) पञ्चपुरी नगरपालिका**

सि.अ.हे.व गंगादेव पुरी ९८४८२८०३३८
सि.अ.हे.व. हस्तराज गिरी ९८६८९८३१९९

**(५) वीरेन्द्रनगर नगरपालिका**

सि.अ.हे.व. उदयबहादुर थापा ९८५८०५२३५७
सि.अ.न.मि. सीता शर्मा ९८६८२२९५६५

**(६) वराहताल गाउँपालिका**

सि.अ.हे.व. महेन्द्रबहादुर खत्री ९८४५४५४४
सि.अ.हे.व. राजु वस्नेत ९८४८०६८८१८

**(७) भेरीगंगा नगरपालिका**

सि.अ.हे.व. भुपेन्द्र देव गिरी ९८४८०९७५६५
सि.अ.हे.व. मानसिं नेपाली ९७५८००२०४२

**(८) लेकबेशी नगरपालिका**

सि.अ.हे.व. मित्र नेपाली ९८४८०७८३०६
सि.अ.हे.व. राजेशकुमार बुढा ९८५८०५१७८८

**(९) सिम्ता गाउँपालिका**

सि.अ.हे.व. भीमबहादुर नेपाली ९७४८०१५९६०
अ.हे.व. गणेशबहादुर वली ९८४८०७५९००

## ७.११ मानवीय सहयोगसम्बन्धी न्यूनतम मापदण्ड

- प्रारम्भिक लेखाजोखा सञ्चालन गरिएकै समयमा स्वास्थ्यसम्बन्धी निगरानी (Health Surveillance) शुरु हुन्छ
- समुदायको तहमा रोग तथा चोट-पटकको उपचार विद्यमान प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रको प्रणालीको माध्यमबाट, स्वास्थ्य संस्थाहरूमा केही उपचार एवं थोरै संख्यामा गम्भीर बिमारीहरूलाई सिफारिस गरी अन्य केन्द्रहरू (Referral Centres) मा पठाई आपत्कालीन स्वास्थ्य सेवा कार्यक्रमको कार्यान्वयन गरिनेछ
- सिफारिस गरी पठाइने अन्य केन्द्रहरू (referral centres) मा केन्द्रहरूमा पुग्नका निमित्त बिरामीहरूका लागि उपयुक्त यातायातको प्रवन्ध गरिनेछ ।

# परिच्छेद : ८

# शिक्षा तथा संरक्षण व्यवस्थापन उपसमिति

## ८.१ शिक्षा उपसमिति

**विषयगत क्षेत्रको नाम** : आपत्कालिन शिक्षा उपसमिति
**मुख्य विपद्को किसिम** : बाढी, पहिरो, भूकम्प र महामारी
**क्षेत्रगत अगुवा** : शिक्षा विकास तथा समन्वय इकाइ, सुर्खेत

### ८.१.१ वस्तुस्थिति

सुर्खेत जिल्लाको वर्तमान अवस्थालाई विश्लेषणात्मक चित्रण गर्दा वि.स. २०६८ को तथ्यांक अनुसार कुल जनसंख्या करिब ३,४०,३१८ रहेको छ। कुल साक्षरता दर करिब ९६.२६% प्रतिशत देखिएको छ। शिक्षण संघ-संस्थाहरूमा वाल विकास केन्द्र ४८६, आधारभूत तह ४०८ सामुदायिक, ८९ संस्थागत गरी ४९७, मावि तह ९४ सामुदायिक, ४२ संस्थागत गरी १३६ गरी ५०२ सामुदायिक र १३१ संस्थागत गरी जम्मा ६३३ रहेका छन्। सुस्त श्रवण श्रोत कक्षा ५ वटा, सुस्त श्रवण विद्यालय १ वटा, दृष्टिविहीन स्रोत कक्षा १, सुस्त मनस्थिति स्रोत कक्षा ४, क्याम्पस ११, विश्वविद्यालय १ रहेका छन्। वर्षायाममा बाढी तथा डुबानबाट नगरपालिका लगायत अधिकांश गा.वि.स.हरु प्रभावित भई वर्षेनी विभिन्न विपद्बाट मानवीय तथा भौतिक क्षती हुने गर्दछ। १ वर्ष पहिले बाढी तथा विपद्बाट नगरपालिका लगायत अधिकांश गा.वि.स.हरु प्रभावित भएका थिए। सो समयमा त्यहाँका बहुसंख्यक जनसंख्यालाई गरिबी, अशिक्षा, भौगोलिक विकटता र जनचेतनाको कमीको कारण शिक्षा सेवा प्रदान गर्न ज्यादै कठिनाई भएको थियो।

विपद् व्यवस्थापनका लागि पूर्वतयारी आवश्यक पर्ने कुरामा विगत वर्षमा भएका विपद्बाट राम्रो पाठ सिकाई भएको छ। २०७१।४।२८ र २९ गते परेको भीषण वर्षाका कारणले आएको बाढी तथा डुबानले शिक्षा क्षेत्र केही दिन बन्द नै भएको थियो। अस्थायी आश्रयस्थल विद्यालयहरु नै हुनु पर्ने बाध्यता रहेकोले विद्यालयमा आपतकालीन शिक्षाका लागि पुर्व तयारी हुनु आवश्यक देखिन्छ।

भूकम्पबाट १७००० परिवारका ८५,००० जना, आगलागीबाट १५० परिवारका ७५०० जना, बाढी पहिरोबाट १८०० परिवारका ९००० जना र महामारीबाट २०० परिवारका १००० जना प्रभावित हुने मध्य २५ प्रतिशत वालवालिका, ६५ प्रतिशत महिला, १० प्रतिशत जेष्ठ नागरिक, ५ प्रतिशत सुत्केरी तथा गर्भवती महिला, ५ प्रतिशत स्तनपान गराउने महिला हुन सक्ने अनुमान गरिएको छ।

### ८.१.२ समष्टिगत उद्देश्य

- विपदको जोखिममा परेका विद्यालयहरु र विद्यार्थीहरुलाई संरक्षण प्रदान गरी सामान्य अवस्था एवं स्थायित्वमा फर्काउने कार्यको सहजीकरण गर्नका निमित्त विद्यालय जाने उमेरका तथा प्रभावित सम्पूर्ण विद्यार्थीहरूको गुणस्तरीय शिक्षामा निरन्तर तथा तत्काल पहुँच सुनिश्चित गर्ने।
- सुरक्षित सिक्ने वातावरण उपलब्ध गराएर विपद्बाट परेको मनोवैज्ञानिक असरको सामना गर्ने कार्यमा विद्यार्थीहरू र शिक्षकहरूलाई मद्दत गर्न योगदान पुऱ्याउने।

### ८.१.३ विशिष्ट उद्देश्य

- विपद्बाट प्रभावित विद्यालय जाने उमेरका बालबालिकाहरू तथा शिक्षकहरूलाई गुणस्तरीय शिक्षाको निरन्तरता सुनिश्चित गर्नका लागि र उनीहरूलाई सुरक्षित रूपमा सिकाउने एवं सिक्ने वातावरण सिर्जना गर्न सरोकारवालाहरूलाई सहयोग उपलब्ध गराउने।
- प्रभावकारी आपत्कालीन पूर्वतयारी तथा सहयोगलाई सहजीकरण गर्नका लागि क्षेत्रगत समूहका सदस्यहरू (Cluster Members) का बीचमा प्रभावकारी समन्वय, अनुगमन तथा सूचनाको आदान- प्रदान सुनिश्चित गर्ने
- आपत्कालीन परिस्थितिमा तत्कालै सहयोग उपलव्ध गराउन सरोकारवालाहरूको क्षमता बढाउने
- द्रुत तथा चालू (Rapid and on-going) शिक्षाका लागि लेखाजोखा सञ्चालन गर्ने।
- आपत्कालीन परिस्थितिमा रहेका बालबालिकाहरूको शिक्षाका लागि युनिसेफका प्रमुख प्रतिवद्धताहरू (UNICEF's Core Commitments to Children in Emergencies for Education) का न्यूनतम मापदण्डबाट निर्देशित भएर उपयुक्त सहयोग कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने।
- आपत्कालीन परिस्थितिमा सहयोग उपलब्ध गराउनका लागि रणनीतिक साझेदारी तथा अन्य साझेदार/क्षेत्रहरू (Clusters) सँग समन्वय गर्ने ।

### ८.१.४ शिक्षामा मानवीय सहयोग सम्बन्धी न्यूनतम मापदण्ड

- विपद् परेको पहिलो हप्ताभित्र शिक्षा सम्बन्धी सुविधा र शिक्षामा संलग्न व्यक्तिहरूका बारेमा द्रुत लेखाजोखा (Rapid Assessment) सञ्चालन गर्ने,
- शिक्षा विकास तथा समन्वय इकाइ र स्थानीय क्षेत्रगत सदस्यहरू (Cluster Members) सँगको समन्वयमा तथा प्रभावित समुदायहरूसँगको परामर्शमा प्रभावित/आन्तरिक रूपमा विस्थापित बाल-बालिकाहरूको शिक्षालाई जारी राख्नका लागि विद्यालय वा सिकाई केन्द्र पहिचान गर्ने।
- यथाशक्य चाँडो अर्थात् सिद्धान्ततः पहिलो दुई हप्ताभित्र, न्यूनतम मापदण्डबमोजिम ६ देखि ८ हप्ताभित्र न्यूनतम पूर्वाधार सहित विद्यालय जाने बाल-बालिकाहरूका निमित्त अस्थायी रूपमा सिक्ने ठाउँ तथा स-साना बाल-बालिकाहरूका लागि सुरक्षित ठाउँ खडा गर्ने।
- विद्यालयहरू पुनः खुला गराएर र शिक्षण-सिकाइका सामग्री उपलब्ध गराएर र अर्ध-संरचनागत (semistructured) मनोरञ्जनका सामग्रीको व्यवस्था मिलाएर पढाइ जारी राख्ने र शिक्षक तथा विद्यर्थीहरूको पुनःएकीकरण प्रारम्भ गर्ने।
- विद्यालय बाहिर रहेका बाल-बालिकाहरू अस्थायी रूपमा खडा गरिएका सिक्ने ठाउँमा भर्ना गरिएका छन् अथवा तिनको शिक्षाका लागि वैकल्पिक व्यवस्था गरिएको छ भन्ने कुरा सुनिश्चित गर्ने।

- पीडित बाल-बालिकाहरूलाई नियमित शिक्षा प्रणालीमा क्रमशःसमाहित पार्दै लैजाने ।
- प्रभावित वालवालिकाहरूलाई वितरण गरिने शैक्षिक सहयोग सामग्रीमा न्यूनतम निम्न सामग्रीहरू समावेस गरिएको हुनेछ ।

**८.१.५ आधारभूत (प्राथमिक) तहका लागि**

| | | |
|---|---|---|
| क. | स्कुल झोला | १ थान |
| ख. | स्कुल पोशाक | २ सेट |
| ग. | कापी | १ दर्जन (रु.५० प्रति गोटा) |
| घ. | ज्योमेट्री बक्स | १ थान |
| ङ. | पेन्सील बट्टा | १ (इरेजर र कटर सहित) |
| च. | पाठ्यपुस्तक | १ सेट |
| छ. | पोशाक सिलाई | ५०० |

**नोटः** उल्लेखित सामग्रीको एकमुष्ट रकम रू. ३०००।- (सिलाई) लाग्ने छ। पाठ्यपुस्तक बाहेक अन्य सामग्री प्रत्येक ६ महिनामा परिवर्तन गर्नुपर्ने ।

**Dignity kits (सरसफाई सामग्री)**

| | | |
|---|---|---|
| १. | ब्रस | १ |
| २. | मञ्जन | १ |
| ३. | साबुन | १ |
| ४. | काइयो | १ |
| ५. | तौलिया | १ |
| ६. | छात्रालाई स्यानिटरी प्याड<br>कम्तीमा १ महिनामा बदल्नुपर्ने | १ |

**निम्न माध्यमिक तहका लागि**

| | | |
|---|---|---|
| क. | स्कुल झोला | १ थान |
| ख. | स्कुल पोशाक | २ सेट |
| ग. | कापी | १ दर्जन (रू. ५० प्रति गोटा) |
| घ. | ज्योमेट्री बक्स | १ थान |
| ङ. | पेन्सील बट्टा | १ (इरेजर र कटर सहित) |
| च. | पाठ्यपुस्तक | १ सेट |
| छ. | पोशाक सिलाई | ५०० |

**नोटः** उल्लेखित सामग्रीको एकमुष्ट रकम रू. ३५००।- (सिलाई) लाग्ने छ ।



**माध्यमिक उच्च माध्यमिक तहका लागि**

| | | |
|---|---|---|
| क. | स्कुल पोशाक | २ सेट |
| ख. | कापी | १ दर्जन (रू. ५० प्रति गोटा) |
| ग. | ज्योमेट्री बक्स | १ थान |
| घ. | डटपेन | १ दर्जन |
| ङ. | पाठ्यपुस्तक | १ सेट |
| च. | पोशाक सिलाई | ८००/- |

**नोट :** उल्लेखित सामग्रीको एकमुष्ठ रकम रू. ४०००।- (सिलाई) लाग्ने छ ।

- निम्नमाध्मिक माध्यामिक र उच्च माध्यामिकको लागि छुट्टा छुट्टै विद्यार्थी सामाग्री निर्माण र वितरण गरिने र छात्र, छात्रा मैत्री र अपाङग मैत्री व्यवस्थापन गरी वितरण गरिने छ ।
- प्रभावित विद्यालयमा आवश्यकता अनुसार मनोसामाजिक बिमर्श कर्ताको व्यबस्थापन र परिचालन गरिनेछ ।
- प्रभाबित विद्यालयका लागि आवश्यक्ता अनुसार नेपाल सरकारको मापदण्ड अनुसार टि.एल.सी को स्थापना संचालन गरिनेछ
- आवश्यकता अनुसार नेपाल सरकारको मापदण्ड अनुसार बालमैत्री सुरक्षित स्थल को स्थापना र संचालन गरिनेछ ।
- जिल्लामा प्रभावित हुने विद्यार्थी संख्या जम्मा ४००० प्रत्यक्ष रुपमा र अप्रत्यक्ष रुपमा ५४५०० प्रभावित हुने ।

**शिक्षा तथा संरक्षण उपसमितिका सदस्यहरूको सम्पर्क विवरण**

| क्र.सं. | जिल्लाका क्षेत्रगत साझेदारहरुको नाम | उपलब्ध स्रोत | सम्पर्क व्यक्ति | टेलीफोन नम्बर/इमेल ठेगाना |
|---|---|---|---|---|
| १ | शिक्षा विकास तथा समन्वय इकाइ, सुर्खेत | आवश्यक पर्ने सम्पूर्ण कार्य | भोजप्रसाद लम्साल | ९८५८०५३४०८ |
| २ | जिल्ला प्रशासन कार्यालय | समन्वय र निर्देशन | पदमलाल लामिछाने | ९८४८०२७४०३ |
| ३ | स्वास्थ्य कार्यालय सुर्खेत | समन्वय र उपचार | धीरजंग शाह | ९८४८०६१४९३ |
| ४ | जिल्ला प्रहरी कार्यालय सुर्खेत | सूचना, खोज तथा उद्धार | बसन्त रजौरे | ९८५८००५५५५ |
| ५ | यूनिसेफ | समन्वय, शैक्षिक सामग्री र जनशक्ति परिचालन | | |
| ६ | सेभ द चिल्ड्रेन | समन्वय, नवजात शिशु तथा बाल स्वस्थ्य र प्राविधिक सहयोग | प्रज्वल खतिवडा | ९८५२०२५९४२ |
| ७ | स्याक नेपाल | समन्वय, शैक्षिक सामग्री र जनशक्ति परिचालन | तेज सोनाम | ९८४८२६८८८४ |
| ८ | नवज्योति केन्द्र | समन्वय, शैक्षिक सामग्री र जनशक्ति परिचालन | सिस्टर रोसिता | ०८३५२१६५८ |

| क्र.सं. | जिल्लाका क्षेत्रगत साझेदारहरुको नाम | उपलब्ध स्रोत | सम्पर्क व्यक्ति | टेलीफोन नम्बर/इमेल ठेगाना |
|---|---|---|---|---|
| ९ | मानव अधिकारका लागि एकल महिलासमूह | समन्वय, शैक्षिक सामग्री र जनशक्ति परिचालन | शितल सिंह राठौर | ०८३६९१४४५ ९८४८०३९६९६ |
| १० | आवाज | शैक्षिक सामग्री र जनशक्ति परिचालन | पवित्रा शाही | ९८५८०५०८०७ |
| ११ | ग्लोबल एक्सन नेपाल | समन्वय, शैक्षिक सामग्री र जनशक्ति परिचालन | खगेश्वरी बोहरा | ९८६४४८८५९६ |
| १२ | अन्तरनिर्भर समाज | शैक्षिक सामग्री र जनशक्ति | विवेक शाही | ९८५८०५२२२७ |
| १३ | सुन्दर नेपाल | शैक्षिक सामग्री र जनशक्ति | भूपेन्द्र कँडेल | ९८४८०४१५३० |
| १४ | वाम सुर्खेत | शैक्षिक सामग्री | मधुरानी ढकाल | ९८४८१६३७०० |
| १५ | नेपाल रेडक्रस सोसाइटी सुर्खेत | द्रूत राहत र सूचना आदान प्रदान | रामलाल आचार्य | ९८५८०५२३१० |
| १६ | वातावरण सुधार समाज | शैक्षिक सामग्री | जगत के.सी. | ९८४८०४०५०० |
| १७ | नेपाल शिक्षक महासंघ | सूचना संकलन समन्वय र अनुगमन | कृष्णबहादुर थापा | ९८५८०५२१०९ |
| १८ | प्याक्सन | शैक्षिक सामग्री, पाठ्यपुस्तक | बेदप्रकाश ढकाल | ९८५८०५२७४४ |
| १९ | एन प्याक्सन | शैक्षिक सामग्री, पाठ्यपुस्तक | दिपेन्द्रराज खनाल | ९८५८०५७१०१ |
| २० | शिक्षाका लागि राष्ट्रिय अभियान नेपाल | सूचना संकलन समन्वय अनुगमन, शैक्षिक सामग्री | टिकाराम आचार्य | ९८५८०५१५४६ |
| २१ | कोपिला भ्याली समाज | शैक्षिक सामग्री | टोप बहादुर मल्ल/ म्यागी डोयन | |
| २२ | एस.ओ.एस. सामाजिक सेवा केन्द्र | शैक्षिक सामग्री, सि.एफ.एस. एस. | मुकुन्द गिरी | ९८५८०५२२८८ |
| २३ | आइ.एन.एफ. | शैक्षिक सामग्री | मंगल थारु | ९८४८०२६९४७ |
| २४ | अपाङ्ग सशक्तिकरण केन्द्र | शैक्षिक सामग्री | विष्णु प्रसाद भट्टराई | ९८५८०५२६४२ |
| २५ | गैर सरकारी संस्था महासंघ | सूचना संकलन समन्वय अनुगमन शैक्षिक सामग्री | घनश्याम केसी | ९८५८०५३०३२ |
| २६ | नेपाल पत्रकार महासंघ, सुर्खेत | सूचना संकलन समन्वय अनुगमन शैक्षिक सामग्री | गणेश कञ्चन भारती | ९८५८०४६०४६ |
| २७ | नेपाल स्टेशनरी तथा पुस्तक व्यवसायी संघ | शैक्षिक सामग्री | सागर भुसाल | ९८५८०५०१२२ |
| २८ | कोडेड नेपाल | सूचना संकलन समन्वय अनुगमन शैक्षिक सामग्री | नारायण बि.क. | ९७४८०००१३१ |
| २९ | सुर्खेत अपांग समाज | सूचना संकलन समन्वय अनुगमन शैक्षिक सामग्री | विष्णुप्रसाद भट्टराई | ९८५८०५२६४२ |
| ३० | चौकुने गाउं पालिका | सूचना संकलन समन्वय अनुगमन शैक्षिक सामग्री | हितप्रसाद पौडेल | ९८५११९०५१० |
| ३१ | पञ्चपुरी नगरपालिका | सूचना संकलन समन्वय अनुगमन शैक्षिक सामग्री | द्रोणराज पाठक | ९८५८०५२११५ |



| क्र.सं. | जिल्लाका क्षेत्रगत साझेदारहरुको नाम | उपलब्ध स्रोत | सम्पर्क व्यक्ति | टेलीफोन नम्बर/इमेल ठेगाना |
|---|---|---|---|---|
| ३२ | वराहताल गापा | सूचना संकलन समन्वय अनुगमन शैक्षिक सामग्री | डम्बरकुमारी रोकाय | ९८६८१०२२३९ |
| ३३ | वीरेन्द्रनगर नगरपालिका | सूचना संकलन समन्वय अनुगमन शैक्षिक सामग्री | ललितबिक्रम सिंह | ९८४९८७६६९१ |
| ३४ | लेकवेशी नपा | सूचना संकलन समन्वय अनुगमन शैक्षिक सामग्री | पहलमान अधिकारी | ९८४८१९३९११ |
| ३५ | भेरीगंगाा नपा | सूचना संकलन समन्वय अनुगमन शैक्षिक सामग्री | धिरेन्द्रप्रसाद शर्मा | ९८४८२९९२१७ |
| ३६ | गुर्भाकोट नपा | सूचना संकलन समन्वय अनुगमन शैक्षिक सामग्री | कर्ण कुंवर | ९८५७८२२०१२ |
| ३७ | सिम्ता गापा | सूचना संकलन समन्वय अनुगमन शैक्षिक सामग्री | ज्योति गैरे | ९८४८०४०१९१ |
| ३८ | चिंगाड | सूचना संकलन समन्वय अनुगमन शैक्षिक सामग्री | टेकबहादुर खत्री | ९८४८०६९६६५ |
| ३९ | प्रशान्ती बृद्धाश्रम सुर्खेत | सूचना संकलन समन्वय अनुगमन शैक्षिक सामग्री | बालकृष्ण श्रेष्ठ | ९८४८०६७८८८ |

**बाढीको उच्च जोखिममा रहेका विद्यालयर बालविकास केन्द्रको विवरण**

| क्र.सं. | विवरण | विद्यालय संख्या | जोखिमयुक्त संख्या |
|---|---|---|---|
| १ | जोखिममा रहेका विद्यालय | ६३३ | ३२५ |
| २ | बालविकास केन्द्र | ४८६ | २९६ |

### ८.१.६ विपद् सम्बन्धी परिस्थिति : बाढीका सम्भावित मानवीय असर (शिक्षा)

- विद्यालय भवनहरू र शिक्षण/सिकाइका सामग्रीहरू नष्ट
- शिक्षक/विद्यार्थीहरू हताहत /जनको क्षति
- विद्यालयहरुसम्म पहुँच नहुनु
- विद्यालयमा क्षति हुनाले शिक्षामा अवरोध
- आन्तरिक रूपमा विस्थापितहरूका लागि प्रभावित नभएका विद्यालयहरू आवासको रूपमा परिणत हुन्छन् ।
- आतिथ्य प्रदान गर्ने विद्यालय (Host schools) को पढाइमा अवरोध विद्यार्थी तथा शिक्षकहरूमा विपद्को मनोवैज्ञानिक असरले गुणस्तरीय सिकाइ एवं सिक्ने प्रक्रिया माथि प्रभाव पार्नु ।

### ८.१.६.१ पूर्व तयारी (Preparedness)

| क्र.सं. | क्रियाकलाप | भौतिक लक्ष्य | प्रकिया | जिम्मेवारी | सूचक |
|---|---|---|---|---|---|
| १ | प्रवोधिकरण | १ पटक | शिक्षा विकास तथा समन्वय इकाइ कार्यालयको स्टाफ बैठकमा प्रवोकिरण गराउने | सम्पर्क व्यक्ति | सबै स्टाफको क्षमता विकास हुने |
| २ | Contingency Plan, form priting, अद्यावधिक गर्ने, | १ पटक | शिक्षा क्लस्टरको बैठकबाट अद्यावधिक गर्ने | सम्पर्क व्यक्ति | सबै स्टाफको क्षमता विकास हुने |
| ३ | अनुगमन | १ पटक | तथ्यांक फारम वितरण गरी र क्षमता विकास गराउने | सम्पर्क व्यक्ति | अद्यावधिक हुने तथ्यांक संकलन हुने |
| ४ | सहयोगी कार्यकर्ता आधारभूत, पुनर्ताजकी तालिम र अन्य बैठक | १ पटक | जिल्ला र अन्य तालिममा जानकारी गराउने | सम्पर्कव्यक्ति, स्रोतव्यक्ति, वि.नि., प्र.अ. | सबै सरोकारवालाको क्षमता विकास हुने |
| ५ | शिक्षा क्लस्टर समन्वय बैठक | १ पटक | शिक्षा विकास तथा समन्वय इकाइले व्यवस्थापन गर्ने | सम्पर्क व्यक्ति | बैठक बसी आवश्यक निर्णय हुने |
| ६ | संचार संजाल विकास गर्ने | १ पटक | संजाल गठन र सम्पर्क स्थापना | सम्पर्क व्यक्ति र जि.शि.अ. | संचार वृक्ष चार्ट तयार हुने |
| ७ | School/ECD kit box व्यवस्थापन | १ पटक | शिक्षा क्लस्टरको बैठकबाट स्रोत व्यवस्थापन गर्ने | शिक्षा समूह | सामग्री वितरण भएको हुने |

### ८.१.६.२ प्रतिकार्य (Response)

| क्र.सं. | क्रियाकलाप | भौतिक लक्ष्य | प्रकिया | जिम्मेवार निकाय | उपलब्धि सूचक |
|---|---|---|---|---|---|
| १ | द्रूत लेखोजोखा गर्ने | १ पटक | ७ दिन भित्र तथ्यांक संकलन गरिने | शिक्षा समूह | तथ्यांक विश्लेषण हूने |
| २ | School/ECD kit box वितरण | १ पटक | शिक्षा क्लस्टरको बैठकबाट वितरण गरिने | शिक्षा समूह | सामग्री वितरण भएको हूने |
| ३ | TLC स्थापना | ५ केन्द्र | आवश्यकता अनुसार केन्द्र स्थापना गरिने | I/NGOs/ DDRC | केन्द्र स्थापना हूने |

### ८.१.६.३ पुनर्लाभ (Recovery)

| क्र.सं. | क्रियाकलाप | प्रक्रिया | जिम्मेवार निकाय | उपलब्धी सूचक |
|---|---|---|---|---|
| १ | बजेट तथा योजना निर्माण | केन्द्र र सहयोगी कायकर्ता नियमितरूपमा कामकाजमा उपस्थित हुने | केन्द्र व्यवस्थापन समिति, शिक्षा विकास तथा समन्वय इकाइ | योजना निर्माण गरी आवश्यक बजेटको व्यवस्थापन हुने |
| २ | स.का., बालबालिका, अभिभावकको क्षमता विकास गर्ने | तालिम गोष्ठीको आयोजना गर्ने | केन्द्र व्यवस्थापन समिति, शिक्षा विकास तथा समन्वय इकाइ | सरोकारवालाहरुको क्षमता विकास हुने |
| ३ | भौतिक पूर्वाधार निर्माण गर्ने | स्थानीय निकाय र समुदायको सहयोगमा सहयोग जुटाउने | केन्द्र व्यवस्थापन समिति, शिक्षा विकास तथा समन्वय इकाइ | भोतिक पूर्वाधारहरूको निर्माण र मर्मत हुने |
| ४ | खेल सामाग्रीको विकास र वितरण | सहयोगी कार्यकर्ता र अभिभावक मिलेर आवश्यक स्थानीय सामग्रीको निर्माण र व्यवस्थापन गर्ने | केन्द्र व्यवस्थापन समिति, शिक्षा विकास तथा समन्वय इकाइ | स्थानीय सामग्रीबाट शैक्षिक सामग्री निर्माण भएको हुने |
| ५ | नियमित अनुगमन र सहयोग | सरोकारवालाहरूको संलग्नतामा संयूक्त अनुगमन गरिने | केन्द्र व्यवस्थापन समिति, शिक्षा विकास तथा समन्वय इकाइ | सरोकारवालाहरूको संलग्नताबाट स्थलगत निरीक्षण तथा अनुगमन हुने |

### ८.१.६.४ अल्पीकरण (Mitigation)

| क्र.सं. | क्रियाकलाप | प्रक्रिया | जिम्मेवार निकाय | उपलब्धी सूचक |
|---|---|---|---|---|
| १ | मापदण्ड वमोजिम केन्द्र स्थापना गर्ने | भवन निर्माण गर्दा मापदण्ड वमोजिम कार्यान्वयन गर्ने | शिक्षा विकास तथा समन्वय इकाइ, केन्द्र व्यवस्थापन समिति | मापदण्ड वमोजिम भवन निर्माण हूने |
| २ | मापदण्ड वमोजिम केन्द्र स्थापना गर्ने | भवन निर्माण गर्दा मापदण्ड वमोजिम कार्यान्वयन गर्ने | शिक्षा विकास तथा समन्वय इकाइ, केन्द्र व्यवस्थापन समिति | तथ्यांक विश्लेषण भै पूरान केन्द्र सूरक्षित स्थानमा स्थानान्तरण हूने |
| ३ | अवस्था विश्लेषण गर्ने | पुराना केन्द्रहरूको अवस्था विश्लेषण गर्ने | शिक्षा विकास तथा समन्वय इकाइ, केन्द्र व्यवस्थापन समिति | पूर्वाधारको सुदृढीकरण भएको हुने |
| ४ | पूर्वाधार सुदृढीकरण | सम्पूर्ण सरोकारवालाहरुलाई सक्रिय गराई निरन्तर पूर्वाधार सुदृढीकरण कार्यक्रम संचालन गर्ने | शिक्षा विकास तथा समन्वय इकाइ, केन्द्र व्यवस्थापन समिति | |

## ८.१.६.५ विपद् प्रतिकार्य योजना

| विपद् पश्चातको अवधि | विपद्को अवस्थामा गरिने आपत्कालीन कार्य (विपद्को प्रकृतिमा आधारित) | आपत्कालीन अवस्था सम्वोधन गरीने पूर्वतयारी कार्यहरु | पूर्वतयारी कार्य संम्वोधन गर्न नपुग श्रोतेको पहिचान | मुख्य जिम्मेवार निकाय | पूर्वतयारी कार्यका लागि अनुमानित लागत |
|---|---|---|---|---|---|
| पहिलो दिन | जानकारीको सङ्कलन तथा परिस्थितिलाई अद्यावधिक गर्नका लागि मुख्य बाढी शुरू भएपछि सम्बन्धित क्षेत्र (Cluster) का सबै सदस्यहरूसँग समन्वय बैठक | (क) बाढी शुरू भएपछि एक हप्ता भित्र पहिलो मिटिङ (जिल्ला विपद् उद्धार समिति तथा रेडक्रसबाट प्रारम्भिक क्षतिको विवरण प्राप्त भए पछि)<br>(ख) दोस्रो हप्तापछि हप्तामा दुईपटक<br>(ग) तेस्रो हप्ता पछि हप्तामा एकपटक | | शिक्षा विकास तथा समन्वय इकाइ | यस योजनामा व्यवस्था गरिएका सबै गतिविधहरू सम्पन्न गर्नको लागि जम्मा रकम रु. ४७,५३०००। आवश्यक पर्नेमा २,५०,०००। बराबरको श्रोत उपलब्धता रहेको र बाँकी रकम रु.४५०३०००। अपुग रहेको छ। |
| दोस्रो दिन | अन्य क्षेत्र (Cluster) का टोलीहरूसँग मिली (Rapid Assessment) सञ्चालन गर्ने | (क) प्रारम्भिक द्रुत लेखाजोखा औजार का प्रतिहरू उपलब्ध गराउने (फारम तथा निर्देशिका मुद्रण गर्ने<br>(ख) प्रारम्भिक लेखाजोखा सञ्चालन गर्न प्रभावित क्षेत्रका स्कुलका शिक्षकहरुलाई परिचालन गर्ने ।<br>(ग) जिल्ला शिक्षा कार्यालयले तयार पारेको लेखाजोखासम्बन्धी औजार (assessment tool) को प्रयोग गरी द्रुत लेखाजोखा सञ्चालन गर्ने ।<br>(घ) प्रभावित क्षेत्रको अध्ययन टोलीमा संलग्न हुनको लागि क्षेत्रका सदस्यहरुको छनौट गर्ने । | | शिक्षा विकास तथा समन्वय इकाइ | |
| पहिलो हप्ता | प्रारम्भिक लेखाजोखाको प्रतिवेदन तयार पार्नका निमित्त आधार रेखा (Base Line) का तथ्याङ्कको समीक्षा गर्ने : | (क) प्रभावित विद्यालय तथा विद्यार्थीको अनुमान गर्नका लागि प्रभावित विद्यालयसँग सम्बन्धित उपलब्ध तथ्याङ्क/जानकारीको समीक्षा गर्ने<br>(ख) प्रभावित क्षेत्रमा विद्यमान सेवा उपलब्ध गराउने संस्थाहरूको समीक्षा गर्ने । प्रारम्भिक सर्वेक्षणबाट प्राप्त सूचनाहरूको विश्लेषण र क्षेत्रका सदस्यहरूबाट अनुमोदन गर्ने गरी प्रारम्भिक सहयोगको योजनासहित परिस्थितिको प्रतिवेदन तयार पार्ने ।<br>(ग) प्रारम्भिक सर्वेक्षणका आधारमा प्रतिवेदन तथा कार्य योजना तयार पार्ने<br>(घ) सर्वेक्षणको प्रतिवेदन क्षेत्रका सदस्यहरू, जिल्ला विपद् उद्धार समिति तथा अन्य सरोकारवालाहरूलाई जानकारीका लागि उपलब्ध गराउने | | शिक्षा विकास तथा समन्वय इकाइ | |



| विपद् पश्चातको अवधि | विपद्को अवस्थामा गरिने आपत्कालीन कार्य (विपद्को प्रकृतिमा आधारित) | आपत्कालीन अवस्था सम्वोधन गरीने पूर्वतयारी कार्यहरु | पूर्वतयारी कार्य संम्वोधन गर्न नपुग श्रोतेको पहिचान | मुख्य जिम्मेवार निकाय | पूर्वतयारी कार्यका लागि अनुमानित लागत |
|---|---|---|---|---|---|
| पहिलो महिना | स्रोतहरूको परिचालन गर्नका लागि | जिल्ला विपद् उद्धार समितिको वैठक बसेको बेलामा क्षेत्रगत आकस्मिक योजना (Cluster CP) को समीक्षा गर्ने ।शैक्षिक सहयोगका लागि प्रयोगमा ल्याउन सकिने भनी तयारी अवस्थामाराखिएका सम्झौता (standbyagreements) हरुलाई सक्रिय पार्ने । | हप्तामा एक पटक | शिक्षा विकास तथा समन्वय इकाइ | |
| दोस्रो महिना | क्षेत्रगत (Cluster) समन्वय बैठक<br>क. जिल्ला विपद् उद्धार समितिको वैठकमा सहभागी हुने ।<br>ख. स्रोतको पहिचान र परिचालनको लागि क्षेत्रगत वैठक | | | शिक्षा विकास तथा समन्वय इकाइ | |
| तेस्रो महिना | प्रारम्भिक जानकारीहरूका आधारमा सहयोग सम्वन्धि क्रियाकलाप निर्धारण र सहयोग वितरण । | (क) रेडक्रसबाट प्राप्त तथ्यांक र विद्यालयबाट प्राप्त तथ्यांकको verification गर्ने ।<br>(ख) तत्काल उपलब्ध गराइने शैक्षिक सहयोगहरूको प्राथमिकताको क्रम निर्धारण गर्ने ।<br>(ग) सहयोग सामग्री वितरणको लागि कार्डको मुद्रण र वितरण ।<br>(घ) सहयोग सामग्री वितरणका लागि क्षेत्रगत सदस्यहरूमा जिम्मेवारी निर्धारण गरी टोली खटाउने । | | शिक्षा विकास तथा समन्वय इकाइ | |
| सो भन्दा वढि | सहयोगको अनुगमन गर्न र सुधारका लागि पृष्ठपोषण (feedback) उपलब्ध गराउनका निमित्त टोलीका सदस्यहरूको छनौट । | | | शिक्षा विकास तथा समन्वय इकाइ | |

### ८.१.६.६ पूर्वतयारी योजना कार्यान्वयन योजना सहितको प्राथमिकता प्राप्त पूर्वतयारी कार्य

(विपद्को प्रकृतिमा आधारित प्रतिकार्य योजना तथा सामान्य पूर्वतयारी योजना)

| क्र.सं. | प्राथमिकता प्राप्त पूर्वतयारी कार्यको सूचि | मुख्य जिम्मेवार निकाय | कार्यान्वयन गर्ने तरिका (बैठक कार्यशाला, तालिम आदि) | कार्य तालिका |
|---|---|---|---|---|
| १ | **व्यवस्थापन तथा समन्वयसम्बन्धी व्यवस्था :**<br>जिल्लाका क्षेत्रगत (Cluster) साभ्फेदारहरूका बीचमा सम्फौता गर्ने तथा तल लेखिए बमोजिमको सहयोग<br>योजनामा मन्जुर गरिए बमोजिम समन्वय कायम गर्ने संयन्त्रका बारेमा सहमति कायम गर्ने :<br>क. समन्वय बैठक (आपत्कालिन परिस्थिति भन्दा पहिले, त्यस्तो परिस्थितिको अवधिमा र त्यसपछि बैठक कति पटक गर्ने कसले बोलाउने भन्ने बारेमा मन्जुर गर्ने<br>ख. पूर्वतयारी तथा सहयोग सम्बन्धि गतिविधिका लागि सम्पर्क व्यक्तिको नाम तथा सम्पर्क ठेगाना सहित विभिन्न निकायहरूको भूमिका तथा जिम्मेवारी परिभाषित गर्ने । | शिक्षा विकास तथा समन्वय इकाइ | | |
| २ | **सिकिएका पाठ :**<br>यस वर्षको आकस्मिक योजनामा समावेश गर्नका लागि गत वर्षको बाढीसम्बन्धी अनुभवबाट हरेक क्षेत्र<br>(Cluster) भित्र सिकिएका प्रमुख पाठहरू<br>क. सत्य तथ्य सूचनाको लागि अनुगमन संयन्त्रको व्यवस्था गरिनु पर्ने ।<br>ख. वितरण गरीने सहयोग सामग्रीमा एकरुपता हुनु पर्ने ।<br>ग. रेडक्रसबाट प्राप्त तथ्यांक र विद्यालयबाट प्राप्त तथ्यांकको verification गरी सहयोग सामग्री वितरण गरीनु पर्ने ।<br>घ. प्रभावित विद्यार्थीहरूलाई शैक्षिक सामग्री वितरण गर्दा कार्ड प्रणालीको व्यवस्था गर्ने र विदाको दिनमा वितरण गरिनु पर्ने जसले गर्दा वाढीबाट प्रभावित नभएका विद्यार्थीहरूलाई मनोवैज्ञानिक असर नपरोस् । | शिक्षा विकास तथा समन्वय इकाइ | | |
| ३ | **प्रारम्भिक लेखा जोखाको तयारी :**<br>क. प्रारम्भिक लेखाजोखाका लागि शिक्षकहरूको नामावली तयार पार्ने<br>ख. जानकारी सङ्कलन सम्वन्धी औजारर (information collection tools) प्रयोग गर्ने बारेमा प्रशिक्षण उपलब्ध गराउने<br>ग. सर्वेक्षण फारमका प्रतिहरू उपलब्ध छन् भन्ने कुरा सुनिश्चित गर्ने (फाराम तथा निर्देशिकाको मुद्रण)<br>घ. संकलन गरिएको सूचना विश्लेषणका लागि सम्पर्क व्यक्ति तोक्ने । | शिक्षा विकास तथा समन्वय इकाइ | | |
| ४ | **आधार रेखा (baseline) जानकारी/अन्य स्रोतबाट तथ्याङ्क संकलन**<br>क. आधाररेखा (baseline) सम्बन्धी जानकारी । तथ्याङ्क संकलन गर्ने र त्यसलाई अद्यावधिक पार्ने ।<br>ख. जिल्लाका विभिन्न निकाय/सरोकारवालाहरूसँग उपलब्ध स्रोतको नक्साङ्कन | शिक्षा विकास तथा समन्वय इकाइ | | |
| ५ | **क्षमता विकास :** | | | |
| ६ | क. स्रोत व्यक्तिहरूलाई सर्वेक्षण फारम र तथ्यांक संकलन सम्वन्धि अभिमुखिकरण ।<br>ख. स्रोत व्यक्तिहरू मार्फत विद्यालयका प्रधान अध्यापकहरूलाई सर्वेक्षण फारम र तथ्यांक संकलन सम्वन्धि अभिमुखिकरण । | शिक्षा विकास तथा समन्वय इकाइ | | |



| क्र.सं. | प्राथमिकता प्राप्त पूर्वतयारी कार्यको सूचि | मुख्य जिम्मेवार निकाय | कार्यान्वयन गर्ने तरिका (बैठक कार्यशाला, तालिम आदि) | कार्य तालिका |
|---|---|---|---|---|
| ७ | क. विभिन्न सङ्गठनहरूसँग उपलब्ध मौज्दातको अभिलेखिकरण ।<br>ख. अपुग सामग्री (gaps) को पहिचान ।<br>ग. बाढीबाट हुनसक्ने शैक्षिक क्षति न्यूनीकरणको लागि पूर्वतयारी र क्षतिको विवरण संकलन गर्ने सम्पर्क निकाय तथा व्यक्तिको जानकारी सम्बन्धि सूचनाको प्रशारण स्थानिय रेडियोबाट गर्ने । | शिक्षा विकास तथा समन्वय इकाइ | | |
| ८ | पूर्वतयारी योजनाको समिक्षा गर्नका लागि समन्वय बैठक पूर्वतयारी गतिविधिहरूको अनुगमन गर्नका लागि कार्य योजना | शिक्षा विकास तथा समन्वय इकाइ | | |

## ८.१.७ द्रुत उद्धार कार्य समिति (Rapid Task Force)

प्रत्येक गाबिस तथा नपाको वडा स्तर मा सम्बन्धित क्षेत्रको बिनिको संयोजकत्वमा सम्बन्धित क्षेत्रको श्रोत व्यक्ति,२ जना गाबिस भित्रको लिडर बिदयालयको प्र.अ रेडक्रस को प्रतिनिधि र सम्बन्धित क्षेत्रमा कार्यरत संस्थाको प्रतिनिधिसमेतको द्रुत कार्यदल रहने छ र आवश्यकता अनुसार बैठक बसि बिपत ब्यावस्थापन गर्ने छ ।

**शिक्षा विकास तथा समन्वय इकाई Education Cluster बजेट तथा कार्यक्रम २०७६**

| क्र.सं. | कार्यक्रमको नाम | इकाइ | दर | जम्मा रकम | स्रोत | स्रोत नपुग |
|---|---|---|---|---|---|---|
| १ | विद्यालय मर्मत | ५० | २००००० | १००००००० | शिक्षा विकास तथा समन्वय इकाइ | |
| २ | बा.वि.के.विद्यालय शैक्षिक सामग्री | १०० | २५००० | २५००००० | युनिसेफ, सेभ द चिल्ड्रेन लगायतका संस्था | |
| ३ | विद्यार्थीलाई शैक्षिक सामग्री | ४००० | ३००० | १२०००००० | युनिसेफ, सेभ द चिल्ड्रेन लगायतका संस्था | |
| ४ | अस्थायी सिकाई केन्द्र स्थापना | १० | ३००००० | ३०००००० | युनिसेफ, सेभ द चिल्ड्रेन लगायतका संस्था | |
| ५ | बैठक भत्ता, चिया खाजा र स्टेशनरी | ५ | २०००० | १००००० | युनिसेफ, सेभ द चिल्ड्रेन लगायतका संस्था | |
| ६ | अभिमुखीकरण | १ | ५०००० | ५०००० | शिक्षा विकास तथा समन्वय इकाइ, स्याक नेपाल लगायतका सहयोगी संस्था | |
| ७ | फारम छपाई | १००० | २० | २०००० | शिक्षा विकास तथा समन्वय इकाइ, स्याक नेपाल लगायतका सहयोगी संस्था | |
| ८ | सञ्चार सम्पर्क | | | १५००० | शिक्षा विकास तथा समन्वय इकाइ, स्याक नेपाल लगायतका सहयोगी संस्था | |
| | जम्मा | | | २७६८५००० | | |

## ख. संरक्षण क्षेत्र

## ८.२ अनुमानित अवस्था

यस जिल्लामा विपदबाट वढीमा देहायको संख्यामा मानिसहरु प्रभावित हुन सक्ने अनुमान गरिएको छ ।

- भूकम्पबाट १७००० परिवारका ८५,००० जना, आगलागीबाट १५० परिवारका ७५०० जना, वाढी पहिरोबाट १८०० परिवारका ९००० जना र महामारीबाट २०० परिवारका १००० जना प्रभावित हुने मध्य २५ प्रतिशत वालवालिका, ६५ प्रतिशत महिला, १० प्रतिशत जेष्ठ नागरिक, ५ प्रतिशत सुत्केरी तथा गर्भवती महिला, ५ प्रतिशत स्तनपान गराउने महिला हुन सक्ने अनुमान गरिएको छ ।
- विगतमा घटित विपद्हरुबाट प्रभावित भएका परिवारहरूको तथ्यांकलाई विश्लेषण गरी थप संरक्षण गर्नु पर्ने व्यक्तिहरुलाई अस्थायी आवास तथा गैरखाद्य सामग्री सहयोग गर्नुपर्ने पूर्वानुमान गरिएको छ ।
- विशेष गरी यस उपसमितिले महिला, सुत्केरी, गर्भवती, वालवालिका, जेष्ठ नागरिक, अपांगलाई मानवोचित आश्रय, आवास, खाद्यान्न, सुरक्षा आदि कुरालाई जोड दिई संरक्षण गर्ने नीति लिईएको छ ।
- प्रभावितहरुसम्म राहात सामाग्री पु-याउने क्रममा मापदण्डमा उल्लेखित सेटका सामग्री भएको किट उपलब्ध र ढुवानी गराउने कार्यमा यस उपसमितिले ध्यान दिनु पर्नेछ ।

### ८.२.१ संरक्षण किन

विपदमा परेका महिला, बालबालबालिका, जेष्ठ नागरिक र अपाङ्गता भएका व्यक्तिहरुलाई लैङ्गिक हिंसा, दूर्व्यवहार र अवहेलना तथा मानव अधिकारको हनन हुनबाट बचाउनका लागि संरक्षण आवश्यक रहेको हुन्छ ।

- विशेष वर्गको आवश्यकता तथा समस्यालाई सम्बोधन गर्न ।
- विपद वा आपतकालमा महिला तथा वालवालिकामा शारिरीक चोटपटक तथा अपाङ्गता जस्ता समस्या देखिन सक्तछ ।
- महिला, बालबालिका, अपाङ्ग तथा ज्येष्ठ नागरिकहरु जो शारिरीक रुपमा कमजोर छन् उनीहरु विपदको समयमा वढी प्रभावित हुन्छन् ।

### ८.२.२ प्रभावित क्षेत्रमा हुन सक्ने मानवीय अवस्था

- धनजनको क्षति, अनाथहरूको सङ्ख्यामा वृद्धि
- मानिस तथा पाल्तू जनावरहरूको आन्तरिक विस्थापन
- घाइते व्यक्तिहरुको संख्यामा बृद्धी हुन सक्ने
- विद्यालय बन्द, शैक्षिक अवसरहरूमा अवरोध
- स्वास्थ्य, खानेपानी तथा सरसफाईको अभाव



- पिछडिएका तथा एकल बाल-बालिका र महिलाहरुको संख्यामा बृद्धि
- सम्भावित मानसिक आघात (Trauma) तथा मनोवैज्ञानिक विपत्ति
- लिङ्गमा आधारित हिंसा (Gender–Based Violence- GBV) को बढ्दो जोखिम
- सामना गर्ने संयन्त्र (Coping Mechanism) मा अवरोध
- खाद्यान्न तथा पोषणमा अभाव
- शान्ति सुरक्षामा असर तथा सामान्य असुरक्षाको वातावरण
- केही समुदाय अथवा समूहहरूका लागि मानवीय सहयोगमा पहुँच नहुनु अथवा पहुँच अपर्याप्त हुनु
- शिक्षा, मनोरञ्जन, धर्म संस्कृति र स्वच्छ सामाजिक वातावरणको अभाव ।
- आवासको क्षति तथा मुख्य रूपमा बालबालिका, महिला, ज्येष्ठ नागरिक र फरक क्षमता (अपाङ्गता) भएकाहरूको विस्थापन
- प्रभावित क्षेत्रहरुमा महिला, बालबालिका तथा किशोरीहरुलाई हिंसा तथा दुर्व्यहार हुन जाने ।

### ८.२.३ उद्देश्य

- विपद् प्रभावितका लागि समयमा नै राहत प्रतिकार्य समूहको पहूँच सुनिश्चित गरी सुरक्षित स्थलहरूमा अस्थायी आवासको व्यवस्था गरी जनजीवन सामान्य बनाउन पहल गर्ने ।

#### ८.२.३.१ विशिष्ट उद्देश्य

- जोखिममा रहेका समुहहरुको संरक्षण सुनिश्चितताका लागि आपत्कालीन सहयोगको न्यायोचित वितरणमा सहयोग उपलब्ध गराउने ।
- आपतकालिन अवस्था को कारण उत्पन्न परिस्थिती (हिंसा, उत्पीडन, शोषण, दुर्व्यबहार तथा बिभेद/जोखिमहरु) लाई सम्बोधन गरी विपद्बाट प्रभाबितहरुको संरक्षण गर्ने र त्यस्ता दुर्व्यहारबाट प्रभाबित हरुका लागि सेवाका प्रक्रिया लाई प्रभाबकारी रुपमा संचालन गर्ने गराउने ।
- पूर्वतयारी, तथा प्रतिकार्यका लागि समन्वय संजाल तयार गरी क्षमता अभिबृद्धि गर्ने ।
- विपद पिडित लक्षित वर्गलाई आपत्कालिन सहयोगको न्यायोचित बितरण गर्ने ।
- सेवाप्रवाहलाई लैंगिक तथा बालमैत्री बनाई सामाजिक सुरक्षा/सामाजिक न्याय सुनिश्चित गर्ने ।
- अभिभावक गुमाएका बालबालिका खास गरी पाँच बर्षको उमेरभन्दा मुनिका बालबालिका तथा किशोरीहरुको पहिचान, दर्ता, तथा स्वास्थ्य सम्बन्धि जाँचका बारेमा सहयोग तथा सहकार्यको बाताबरण सुनिश्चित गर्ने ।
- यौन दुर्व्यबहार तथा हिंसाका बिरुद्ध अनुगमन, प्रतिवेदन तथा पैरवी गर्ने संयन्त्रको स्थापना गरी महिला तथा बालबालिकोयौन दुर्व्यबहार बिरुद्ध शुन्य सहिष्णुता कायम गर्ने ।
- सुरक्षित आमाघरबाट गर्भवती र सुत्केरीहरुले पाउने सेवा सुबिधाहरुबाट आमा र बच्चाको

सुस्वास्थ्य,स्याहारमा सुधार भएको सम्बन्धमा  र उनीहरु स्वयमलाई आफुहरु  सुरक्षित भएको महसुस गराउने ।

- प्रकोपको कारण बालबालिका, अपाङ्गता भएका, एकल महिला र ज्येष्ठ हरुले भोग्न परेको बिषेश समस्याहरुको सम्बधित सरोकारवालाद्धारा  संबोदन तथा सहकार्य गर्ने गराउने ।
- प्रकोपमा परेका जेष्ठ नागरिक र बालबालिकाहरुको सुरक्षित बासस्थानकोलागि सहकार्य गरी संरक्षणको अनुभूति प्रदान गर्ने/गराउने ।

## ८.२.४ अबको रणनीति

- समतामूलक संरक्षण प्रदान गर्ने
- समतामूलक सहयोग तथा संरक्षण
- मापदण्ड अनुसारका सरसफाइकिट वितरण गर्ने
- सामान ढुवानीमा समन्वय
- विषयगत निकाय समन्वय, सुचना र संचारको व्यवस्था
- उपसमितिको क्षमता अभिवृद्धि गरी व्यवस्थापन गर्ने ।
- यौन र लैगिंक शोषण हुन नदिने
- पीडितहरुको जीवीकोपार्जनको उपाय खोजी गर्ने
- आवास, जग्गा र सम्पत्तिको बिनाशलाई रोक्न जनचेतना फैलाउने
- यस कार्यमा सहयोग गर्न सबै सम्बन्धित निकाय को भूमिका स्पष्ट गरी आपसी समझदारी र समन्वय कायम गर्ने  ।



**विपद् प्रतिकार्य योजना**

| विपद पश्चातको अवधि | विपद्‌क्को अवस्थामा गरीने आपतकालीन कार्य (विपद्‌को प्रकृतिमा आधारित) | आपतकालीन अवस्थामा गरीने पूर्वततयारी कार्य | पूर्बतयारी कार्य संववोधन गर्न नपुग श्रोत पहिचान | मुख्य जिम्मेवार निकाय | पूर्वतयारी कार्यका लागि अनुमुमानित लागत पहिलो |
|---|---|---|---|---|---|
| पहिलो दिन | • संरक्षण क्षेत्रको बैठक बोलाउने स्थानीय विपद् व्यवस्थापन समितिको सहयोगमा (तत्काल उद्धार तथा राहतका लागि व्यवस्थापन<br>• तयारी समुहको सदस्य हरुलाई कामको बाडफाड गरी प्रभावित क्षेत्रमा संरक्षणको अबस्था पहिचानको लागी  परिचालन गर्ने ।<br>• संरक्षणको अवस्थाको पहिचानको लागी संबन्धित संस्था तथा निकायमा सम्पर्क र सम्बन्ध स्थापना गर्ने । | • कार्यलय तथा संस्थाका सदस्यहरु लाई संरक्षण अभिमुखीकरण गने प्रभाबित गाबिसहरुमा संरक्षण सम्बन्धि सचेतना कार्यक्रम ।<br>• संरक्षणकोअबस्था पहिचान गर्नको लागी चेकलिष्ट तयार गर्ने<br>• तत्काल परिचालनको लागीतयारी समुह गठन गर्ने<br>• संरक्षण क्षेत्रको सबै निकाय हरुको सम्पर्क ब्यक्तीहरुको नाम,ठेगाना, सम्पर्क नं आदी तयारी अबस्थामा राख्ने | • तयारी समुह गठन नहुनु<br>• विपतमा संरक्षण संबन्धि अभिमुखीकरण गरीने तयारीमा चेक लिस्ट तयारी नहुनु र अभिमुखीकरण नहुनु, अभिमुखीकरण संचालन को लागी आबस्यक स्रोतको अभाब हुनु | शिक्षा विकास तथा समन्वय इकाइ, सहयोगी : वाम सुर्खेत, स्याक नेपाल, नेपाल रेडक्रस सोसाईटी | ४०००००।- |
| दोस्रो दिन | संरक्षण उपसमितिको बैठक बस्ने र संरक्षण समुहका सम्पर्क व्यक्ति तोक्ने र घटना लेखाजोखाका लागि श्रोत साधन र मानवीय स्रोतको ब्यबस्थापन गर्ने । | सबै बिषयगत समुहको सम्पर्क बिबरण तयारी, मिटिङ्ग तालिका तयारी, स्रोत तथा जोखिम नक्शांकन । | मिटिङ्ग तालिका तयार नहुनु, श्रोत साधन र मानबीय श्रोतको पहिंचान तथा नक्शांकन नहुनु | शिक्षा विकास तथा समन्वय इकाइ | |
| पहिलो हप्ता | • प्रभावित क्षेत्रको सर्वेक्षणको लागि क्षेत्रका सदस्यहरुको छनौट गर्ने र चेकलिष्टको वारेमा अभिमुखिकरण संचालन गर्ने ।<br>• दुव्यसनी र लैंगिक हिंसा नियन्त्रण गर्न जिल्ला प्रहरीको सहयोगमा सुरक्षा प्रबन्ध मिलाउने<br>• सर्वेक्षणमा सहभागी हुने र चेकलिष्ट अनुसार अनुगमन गर्ने ।<br>• सर्वेक्षणमा सहभागीहुने सदस्यहरुले चेकलिष्टको आधारमा संरक्षणका मुद्धाहरुलाई समेटी प्रतिवेदन तयार गर्ने ।<br>• प्रतिबेदनको निष्कर्ष सबै क्षेत्रका सदस्यहरू, जिल्ला विपद् उद्धार समिति तथा अन्य सरोकारवालाहरूलाई जानकारीका लागि उपलब्ध गराउने ।<br>• प्रतिवेदनमा उल्लेखित मुद्धाहरुलाई उचित रुपमा समाधानको लागि सम्बन्धित क्षेत्रहरुसँग समन्वय गर्ने । | • प्रारम्भिक लेखाजोखाका लागि व्यक्तिहरूको नामावली तयार पार्नका लागि टोलीका सदस्यहरूको पहिचान गर्ने ।<br>• आधाररेखा (baseline) सम्बन्धी जानकारी<br>• अनुगमनको लागि चेकलिष्ट तयार गर्ने र मुद्‌ण गर्ने र बिपद हुनसक्ने स्थानीय तहसँग सम्बन्धित क्षेत्रगत जानकारी/तथ्याङ्क संकलन गर्ने ।<br>• सङ्कलन गरिएको जानकारीको विश्लेषणका लागि सम्पर्क व्यक्ति तोक्ने<br>• सार्वजनिक सुविधाहरू रहेका ठाउँ देखाउने नक्सा र जिल्ला/गा.पा, न.पाको नक्सा तयार गर्ने । | • प्रभाबित क्षेत्रको सर्वेक्षणका लागि ब्यक्तिहरु तोक्न बाँकी हुनु, र सर्वेक्षण चेकलिष्ट तयार नहुनु छैन  ।<br>• तथ्यांक बिश्लेषण सम्पर्क ब्यक्ति तोकिएको नहुनु, नक्सा तयारी नहुनु | शिक्षा विकास तथा समन्वय इकाइ | ७०००००।- |

| विपद पश्चातको अवधि | विपद्क्को अवस्थामा गरीने आपतकालीन कार्य (विपद्को प्रकृतिमा आधारित) | आपतकालीन अवस्थामा गरीने पूर्वततयारी कार्य | पूर्वतयारी कार्य संववोधन गर्न नपुग श्रोत पहिचान | मुख्य जिम्मेवार निकाय | पूर्वतयारी कार्यका लागि अनुमुमानित लागत पहिलो |
|---|---|---|---|---|---|
| पहिलो महिना | • ५ वर्ष मुनिका वालवालिकाहरुको लागि आवश्यक पोषण युक्त खाना र लत्ता कपडा बितरण गर्ने ।<br>• सुत्केरी भएको बढीमा ३ महिना सम्मका वच्चाका आमाहरु तथा २८ हप्ता पछिका गर्भवती महिलाहरुको लागि आवश्यक पोषण युक्त खाना र लत्ता कपडा बितरणका साथै सुरक्षित आमा घरको ब्यबस्थापन गर्ने ।<br>• परिवार वाट विछोडिएका जेष्ठ नागरीक, अपाङ्गता भएका व्यकतीहरु र वालवालिकाहरुलाई पुनर्स्थापना गृहमा राख्ने व्यवस्था मिलाउने ।<br>• लैगिकतामा आधारित हिंसामा परेका वालवालिका तथा महिलाहरुलाईको संरक्षणको लागी प्रत्येक शिबिरहरुमा लैङ्गीक हिंसा नियन्त्रण लागी लैङ्गीक हिसा बिरुद्ध निगरानी समुह गठन गरी परिचालन गर्ने । हिंसा बाट प्रभावित हरुको लागी पुनर्स्थापना गृहमा राख्ने ब्यबस्था गर्ने । | • विभिन्न सङ्ठनहरूसँग उपलब्ध हुनसक्ने स्रोत साधनको तथ्यांक संकलन गर्ने ।<br>• बाल आश्रय गृहको नक्शांकन गर्ने<br>• महिला पुर्नस्थापनागृहको ब्यबस्था गर्ने<br>• अपांग तथा बृद्ध, बृद्धाको लागि पुर्नस्थापना गृहको ब्यवस्था मिलाउने<br>• परामर्शकताहरुको पहिंचान अपुग सामग्री (gaps) को पहिचान गर्ने ।<br>• बिपत ब्यबस्थापनका लागी सम्पर्क समन्वय र बैठक लाई निरन्तरता दिने । | • उपलब्ध मौज्दातको तथ्यांक संकलनको लागि टिम गठन गरिएको छैन ।<br>• बाल आश्रय गृहको पहिंचान भैसकेको अपांग तथा बृद्ध,बृद्धाहरुको पुर्नस्थापना गृह पहिंचान भैसकेको छ ।<br>• परामर्श कर्ताहरुको पहिंचान गरिएको छ । | शिक्षा विकास तथा समन्वय इकाइ | ४००००० २५००००।- (लैंगिक हिंसामा परेका महिलाहरुका लागि १५,०००० |
| दोस्रो महिना वा बढी | निरन्तर सहयोग, अनुगमन तथा पैरबी गर्ने | निरन्तर अनुगमनका लागि क्षेत्र र अनुगमन चेक लिष्ट पुनराबलोकन गरिनुपर्ने | अनुगमन चेकलिष्ट पुनरावलोकन नहुनु | शिक्षा विकास तथा समन्वय इकाइ | ५०००००।- |
| तेस्रो महीना वा सो भन्दा बढी | सरोकारवाला हरूसंग बैठक, विपद् प्रतिकार्यको समिक्षा, अत्यावश्यकिय संरक्षण प्रदान, सूचना तथा जनचेतनामूलक सन्देशहरु प्रसारण तथा समन्वय । मनोविमर्श गर्ने, मदिरा, | | | | २०४००००।- |



**कार्यान्वयन योजना सहितको प्राथमिकता प्राप्त पूर्वतयारी कार्य**

| प्राथमिकता प्राप्त पूर्वतयारी कार्यकमको सूची | मुख्य जिम्मेवार निकाय | कार्यान्वयन गर्ने तरीका (बैठक, कार्यशाला, तालिम आदि) | कार्यान्वयन गर्ने तरीका बैठक, कार्यशाला, तालिम आदि) |
|---|---|---|---|
| तयारी समूह गठन | शिक्षा विकास तथा समन्वय इकाइ | बैठक | आषाढको पहिलो दोश्रो हप्ता |
| विपदमा संरक्षण संवन्धि अभिमूखिकरण गरिने | जिल्ला तहमा शिक्षा विकास तथा समन्वय इकाइ तथा स्थानीय तहहरु | अभिमूखिकरण | |
| प्रारम्भिक लेखाजोखाका लागि व्यक्तिहरूको नामावली तयार पार्नका लागि टोलीका सदस्यहरूको पहिचान गर्ने । आधाररेखा (baseline) सम्बन्धी जानकारी । अनुगमनको लागि रुजुसूची तयार गर्ने र मुद्रण गर्ने । सङ्कलन गरिएको सूचना विश्लेषणका लागि सम्पर्क व्यक्ति तोक्ने । | शिक्षा विकास तथा समन्वय इकाइ संयोजकत्वमा Cluster Members | लेखाजोखा र तथ्यांक संकलन सम्बन्धि पूर्व तयारी | असारको अन्त्यसम्ममा |
| क. बिपत जोखिममा रहेका गापा नपासँग सम्बन्धित क्षेत्रगत जानकारी/तथ्याङ्क संकलन गर्ने ।<br>ख. सार्वजनिक सुविधाहरू रहेका ठाउँ देखाउने नक्सा तयार गर्ने । ग. जिल्ला/गापा नपा को नक्सा तयार गर्ने । | शिक्षा विकास तथा समन्वय इकाइ Cluster Member | | |
| Cluster member हरुलाइ अनुगमन checklist संवन्धि अभिमुखिकरण । Protection सम्वन्धि तालिमको लागि समन्वय गर्ने । | शिक्षा विकास तथा समन्वय इकाइ cluster member | अभिमुखीकरण तथा समन्वय बैठक | असार २५ सम्ममा |
| विभिन्न सङ्गठनहरूसँग उपलब्ध मौजदातको तथ्यांक संकलन गर्ने । अपुग सामग्री (gaps) को पहिचान गर्ने । पुनर्स्थापना केन्द्रहरुको बन्दोबस्त, यातायातका साधनहरुको बन्दोबस्त । | शिक्षा विकास तथा समन्वय इकाइ क्षेत्रगत कार्यालय cluster member | श्रोत तथा साधनहरुको पहिंचान गरी अभिलेख तयार गर्ने | निरन्तर |
| पूर्वतयारी योजनाको समीक्षा गर्नका लागि समन्वय बैठक, पूर्वतयारी गतिविधिहरूको अनुगमन तथा पैरवी गर्नका लागि कार्य योजना | शिक्षा विकास तथा समन्वय इकाइ cluster member | बैठक तथा अनुगमन | आवश्यकता अनुसार |

### ८.२.५ न्यूनतम कार्यहरु

- जिल्लामा कम्तिमा २०० परिवारकालागि गैह्रखाद्य सामग्री भण्डारण गरिनेछ र २०० परिवारका लागि पहूंच बनाइने छ ।
- गैह्रखाद्य सामग्रीहरु बिशषेगरी पिडीतमैत्री बनाइनेछ ।
- प्रकोपको स्तर कम भएको २४ देखि ७२ घण्टा भित्र गैह्रखाद्य सामग्री आवश्यकता पहिचान गरि आवश्यकताको आधारमा वितरण प्रक्रिया शुरु गरिनेछ ।

- नव सुत्केरी तथा नवजात शिशुका आवश्यकता पूरागर्ने गरी बेग्लै कम्तीमा पनि २५ सेट सामग्री व्यवस्था गरिनेछ ।
- यस जिल्लामा नेपाल रेडक्रस सोसाइटी, सुर्खेतमा १०० सेट गैह्रखाद्य सामग्री तयारी अवस्थामा राखिनेछ ।
- जीवन निर्वाह, परम्परागत सामाजिक मुल्य, मान्यता एवं संस्कृतिलाई विपदका समयमा पनि संरक्षण राख्न, प्रतिकूल मौसमबाट बच्न, व्यक्तिगत स्वाभीमान तथा पारीवारिक गोपनियता राख्न, महिला, बालबालिका, पुरुष, सुत्केरी र शिशुलाई उपयुक्त जीवननिर्वाहका लागि न्यूनतम आधारभुत आवश्यक सामग्रीहरु उपलब्ध गराइने छ । गैह्रखाद्य सामग्री वितरण पीडितहरुको वितरण समिति बनाई प्रकोप प्रभावित क्षेत्र मै वितरण गरिने छ ।
- न्यूनतम आवश्यक गैह्रखाद्य सामग्रीहरु वितरण गर्दा न्यूनतम आवश्यक गैह्रखाद्य सामग्रीहरुको सूचीमा उल्लेख भए वमोजिम वितरण गरिनेछ ।

### ८.२.६ संरक्षणमा मानवीय सहयोगको न्यूनतम मापदण्ड

- अधिकारको उल्लङ्घन, दुर्व्यवहार तथा शोषण अथवा भेदभाव हुन नदिन अनुगमनको व्यवस्था मिलाउने ।
- प्रभावित तथा अति गरिब तथा पछाडि पारिएका वर्गहरुले सेवा सुविधामा समान पहुँच र सहयोग पाए नपाएको अनुगमन गर्ने
- सहयोग संजाल बीचमा अभिलेख रार्ख्ने प्रणालीको विकास गर्ने
- बाल-बालिका तथा महिलाहरूका लागि सुरक्षित शान्त वातावरणको सिर्जना गर्ने
- अभिभावक गुमाएका बाल-बालिका तथा किशोरीहरूको खोजी तथा पुनर्मिलनमा संलग्न साझेदारहरूलाई सहयोग उपलब्ध गराउने
- स्थायी समाधानका बारेमा आन्तरिक रूपमा विस्थापित मानिसहरूलाई नियमित रूपमा सूचनाको प्रवाह गराउने ।
- शिविर तथा पुनर्वासका लागि पैरवी र समन्वय गर्ने
- गैह्रखाद्य सामग्रीहरु बिशषेगरी पिडितमैत्री बनाइने छ ।

### ८.२.७ न्यूनतम आवश्यक गैह्रखाद्य सामग्रीहरुको सूची

**बाल केन्द्रित सामग्रीहरु**

| सि.नं. | सामग्रीको नाम | इकाइ | परिमाण | अनुमानित मूल्य |
|---|---|---|---|---|
| १ | बेबी कम्बल | थान | १ | ६०० |
| २ | रीवन फ्लाटिन कपडा | मिटर | २ | ३०० |
| ३ | भोटो, सुरुवाल, वेवी क्याप | सेट | १ | १००० |
| ४ | डिटोल सावुन | थान | १ | ३५ |
| ५ | कचौरा र चम्चा | सेट | १ | १५० |
| ६ | वेवी मोजा | जोर | २ | १४० |
| | **जम्मा** | | | **२२२५** |

**गर्भवती र सुत्केरी महिलाका लागि आवश्यक सामग्रीहरु**

| सि.नं. | सामग्रीको नाम | इकाइ | परिमाण | अनुमानित मूल्य |
|---|---|---|---|---|
| १ | धोती ६ मिटर | थान | २ | १५०० |
| २ | कम्बल | थान | १ | १५०० |
| ३ | पटुका ४ मिटर | थान | १ | ५०० |
| ४ | प्याड वा सफा गर्ने कपडा | मिटर | २ | २०० |
| ५ | सावुन डिटोल | थान | २ | ७० |
| ६ | कपडा धुने साबन | थान | ४ | ८० |
| ७ | पेटिकोट | थान | २ | ४०० |
| ८ | चोलो कपडा | थान | २ | १००० |
| ९ | मेक्सी | थान | १ | ५०० |
| १० | पछ्यौरा | थान | १ | ६०० |
| ११ | पेन्टी ब्रा | सेट | ४ | ३२० |
| १२ | चप्पल | सेट | १ | २०० |
| १३ | रबर ब्यान्ड | सेट | २ | ५० |

**किशोरीहरुको लागि आवश्यक सामग्रीहरु**

| सि.नं. | सामग्रीको नाम | इकाइ | परिमाण | अनुमानित मूल्य |
|---|---|---|---|---|
| १ | कुर्ता सुरुवाल | थान | १ | १५०० |
| २ | ब्रा पेन्टी | थान | २ | ३२० |
| ३ | सेनीटरी प्याड र कपडा | मीटर | ३ | ३०० |
| ४ | चप्पल | वटा | १ | २०० |
| ५ | लुगाधुने र नुहाने साबन | थान | २ | १०० |
| ६ | रबर ब्यान र काईयो | थान | २ | ५० |
| | **जम्मा** | | | २४७० |

- आवश्यकता अनुसार उपलब्ध गराउन सकिने खाद्य सामग्री (खाद्य तथा जीविकोपार्जन उपसमितिसँग समन्वय गरी)

| सि.नं. | सामग्रीको नाम | इकाइ | परिमाण | अनुमानित मूल्य |
|---|---|---|---|---|
| १ | मसिनो चामल | केजी | ५ | |
| २ | दाल (मुंग, चना, अडहर, सिमी आदि) | केजी | ५ | |
| ३ | सुत्केरी मसला | पाकेट | ५ | |
| ४ | पाकेटको दूध | पाकेट | ५ | |

**अन्य सामग्री**

- जेष्ठ नागरिक, अपाङ्गता भएका व्यक्तिहरुको लागि उनीहरुको आबस्यकता पहिचान गरी संबोधनको लागि सम्बन्धित निकायसँग सम्पर्क र समन्वय गर्ने ।
- मूल्याङ्कनका लागि प्रमुख सूचकहरु
- गैह्रखाद्य सामग्रीको भण्डारणले अनुमान गरिएको संख्यालाई पुगेको हुने ।
- लक्षित वर्ग खाद्य, आश्रय, कपडा को अभाव नहुने अवस्थामा पुगेका र सामाजिक संरक्षण भएको हुने ।
- वितरण गरिने सामग्री स्थानीय संस्कृति अनुसारको हुने र स्थानीय मुल्य,मान्यताको संरक्षण भएको हुने ।
- गैह्रखाद्य सामग्री आवश्यकता भएका प्रभावितहरुको लागी सामग्री वितरणमा समानता कायम भएको हुने ।
- नपुग सामग्रीको पहिचान भएको हुने ।



## परिच्छेद : ९

# भौतिक पूर्वाधार विकास तथा पुनर्निर्माण व्यवस्थापन उपसमिति

**विषयगत क्षेत्रको नाम** : भौतिक पूर्वाधार विकास तथा पुनर्निर्माण व्यवस्थापन उपसमिति
**मुख्य विपद्को किसिम** : बाढी, पहिरो, आगलागी, भूकम्प
**क्षेत्रगत अगुवा** : शहरी विकास तथा भवन निर्माण विभाग, संघीय आयोजना कार्यान्वयन इकाई, सुर्खेत ।

### ९.१ अनुमानित अवस्था

विपदबाट हुन सक्ने प्रभावित संख्या देहाय अनुसार अनुमान गरिएको छ :

भूकम्पबाट १७००० परिवारका ८५,००० जना, आगलागीबाट १५० परिवारका ७५०० जना, बाढी पहिरोबाट १८०० परिवारका ९००० जना र महामारीबाट २०० परिवारका १००० जना प्रभावित हुने मध्य २५ प्रतिशत वालवालिका, ६५ प्रतिशत महिला, १० प्रतिशत जेष्ठ नागरिक, ५ प्रतिशत सुत्केरी तथा गर्भवती महिला, ५ प्रतिशत स्तनपान गराउने महिला हुन सक्ने अनुमान गरिएको छ ।

उल्लेखित विपद् विशेष गरी बाढीपहिरो आएको अवस्थामा जिल्लाका विशेष गरेर भेरी नदी, कर्णाली नदी झुप्रा खोला, इत्राम खोला, सोत खोला, चिङ्गाड खोला, छिन्चु खोला, गोचे खोला, लेखफर्सा खोला, गुमी खोला, गम खोला, बावियाचौर खोला, गुटु खोला, बाङ्गेसीमल खोला र निकास खोला आदि र सो खोला आदिको बहावमा परिवर्तन र त्यस समुदायमा पुग्ने बाटो, पुलपुलेसा, कलभर्ट आदिमा नराम्रो असर पर्ने देखिन्छ । यसका साथै अन्य सार्वजनिक पूर्वाधारहरू सडक, खानेपानी, विद्युत् आपूर्ति, सञ्चार, सिँचाई आदिमा पनि असर पर्ने देखिन्छ ।

### ९.२ उद्देश्य

विपद् प्रभावित समुदायसम्म तत्काल राहत प्रतिकार्यका सहयोगहरूको सहज पँहुचको लागि यथासक्य चाँडो भौतिक पूर्वाधारहरूको पुनर्स्थापना/पुनर्निर्माण गरी सुरक्षित पहूंचको सुनिश्चितता गर्नुका साथै सार्वजनिक सेवालाई सुचारु गर्ने ।

## क्षेत्रगत सदस्यहरूको सूची

| क्र.सं | क्षेत्रगत सदस्यहरुको नाम | सम्पर्क व्यक्ति | सम्पर्क फोन |
|---|---|---|---|
| १ | शहरी विकास तथा भवन निर्माण विभाग, संघीय आयोजना कार्यान्वयन इकाई, सुर्खेत | जगदिश लामिछाने | ९८५८३२०५०३ |
| २ | जिल्ला समन्वय समितिको कार्यालय, सुर्खेत | दुर्गा प्रसाद चालिसे | ९८५८०५९२२२ |
| ३ | सडक डिभिजन कार्यालय, सुर्खेत | खुमबहादुर भण्डारी | ९८४१६१३८१६ |
| ४ | पूर्वाधार विकास कार्यालय | कमलकुमार अधिकारी | ९८५८०७०१५० |
| ५ | जलस्रोत तथा सिँचाइ विकास डिभिजन सुर्खेत | लिलाबहादुर पहाडी | |
| ६ | नेपाल विद्युत प्राधिकरण | सुरज भण्डारी | ९८५८०८४६०० |
| ७ | गैसस महासंघ | घनश्याम केसी | ९८५८०५३०३२ |
| ८ | जिल्ला भु संरक्षण कार्यालय | शिवराम अधिकारी | ९८५८० |
| ९ | रेडकस सोसाइटी | गोविन्द प्रसाद आचार्य | ९८५८०५२३२६ |
| १० | सुन्दर नेपाल संस्था | खिम रेग्मी | ९८५८०५०६६४ |
| ११ | स्याक नेपाल | टीकाराम आचार्य | ९८५८०५१५४६ |



## विपद् प्रतिकार्य योजना

| विपद् पश्चातको अवधि | विपद्को अवस्थामा गरिने आपत्कालिन कार्य (विपद्को प्रकृतिमा आधारित) | आपत्कालीन अवस्थामा गरिने पूर्वतयारी कार्य | पूर्वतयारी कार्य सम्बोधन गर्न नपुग स्रोत पहिचान | मुख्य जिम्मेवार निकाय | पूर्वतयारी कार्यका लागि अनुमानित लागत |
|---|---|---|---|---|---|
| पहिलो दिन | प्रभावित क्षेत्रको पहिचान | • प्रभावित भएका क्षेत्रहरुमा स्थानीय तहसंग समन्वय ।<br>• विपदमा काम गर्ने संघसंस्थाहरुको सम्पर्कमा रहने, विपद कार्यमा संलग्न निकायहरू समावेश भएको कार्यदल गठन गर्ने । | यातायात, संचार, विद्युत् सेवामा अवरोध पुग्न सक्ने । | जिल्ला समन्वय समिति, गापा र नपा, दूरसञ्चार, विद्युत आदि | |
| दोस्रो दिन | कहाँ के कति क्षति छ सोको प्रारम्भिक आँकडा संकलन गर्ने | स्थानीय तह तथा सरोकारावालाहरूको प्रभावकारी समन्वय तथा परिचालन । | यथार्थ विवरण संकलन गर्न समय लाग्ने । | जि.स.स., न.पा., गा.पा. | |
| तेस्रो दिन | यातायात, सञ्चार, विद्युत आदि सेवाहरू सुचारु गर्ने | सम्बन्धित निकायले आवश्यक जनशक्ति र सामग्री तयारी अवस्थामा राख्ने र परिचालन गर्ने | साधन र स्रोतको अभाव, कानुनी र प्रक्रियागत जटिलता | नपा. गा.पा. र पूर्वाधार सम्बन्धित निकाय | पूर्वानुमान गर्न कठिनाइ |
| पहिलो हप्ता | • घटनास्थलमा टोली खटाई क्षतीको विवरण लिने ।<br>• आपतकालिन व्यवस्थापनको व्यवस्था गर्ने । | तथ्यांक विश्लेषणको लागि क्षेत्रगत सदस्यहरूको बैठक | तथ्यंक संकलन तथा विश्लेषणमा ढिलाइ | जि.स.स.को समन्वयकारी भूमिकामा पुर्वाधार विकास उपसमिति । | |
| | क्षति भएका सार्वजनिक संरचनाको लेखाजोखा गर्ने तथा तत्काल मर्मत गर्न पर्ने संरचनाको लागत तयार पारी मर्मत शुरु गर्ने | मौजुदा निर्माण उपकरण, सामाग्री र आर्थिक श्रोतको पहिचान गरी आवश्यक व्यवस्थापन गर्ने । | सीमित स्रोत साधन | जिसस/गापा र नपा र पूर्वाधार सम्बन्धि निकायहरू | |
| पहिलो महिना | जिल्ला दैवीप्रकोप उद्धार समितिको बैठक, प्रकोप उद्धार र प्रतिकार्यको समीक्षा | सबै क्षेत्रगत अगुवा र सरोकारवाला निकायहरूसँग समन्वय र बैठकको योजना गर्ने | | जिल्ला प्रशासन कार्यालय | |
| दोस्रो महिना | भत्किएका भौतिक पूर्वाधार संरचनाहरूको पुनर्निर्माण गर्ने, नियमित रुपमा अनुगमन निरिक्षण गर्ने | स्थानीय तहहरुको परिषदबाट विपद व्यवस्थापन कोषको व्यवस्था गर्ने | अन्तरनिकाय समन्वयमा कठिनाइ | पुर्वाधार व्यवस्थापन उपसमिति र जि.स.स. | |
| सो भन्दा पश्चात | पूर्वाधार सम्बन्धी क्षति भएका संरचनाहरुको पुनस्थापन कार्यहरु निरन्तर रुपमा गर्दै जाने | आवश्यक बजेटको लागि सम्बन्धित निकायमा पहल गर्ने | श्रोत साधान र दक्ष जनशक्ति अपर्याप्तता | पुर्वाधार व्यवस्थापन उपसमिति र जि.स.स.र गापा र नपा | |

| क्र.सं. | पूर्वानुमान जोखिम क्षेत्रको नाम | उपलब्ध श्रोत नगद/जिन्सी | नपुग श्रोत |
|---|---|---|---|
| **जिल्ला समन्वय समितिको कार्यालय/भौतिक पुर्वाधार विकास कार्यालय** | | | |
| १ | भ्हो.पु.मर्मत तथा पुनर्निर्माण | | |
| २ | सडक मर्मत सुधार एवं स्तरोन्नति कार्य | | |
| ३ | खानेपानी मर्मत सुधार एवं पाईप खरिद | | |
| ४ | सिंचाई सम्बन्धी मर्मत एवं पाईप खरिद | | |
| ५ | तटबन्धन सम्बन्धी कार्य | | |
| ६ | नपा, गापा र वडा भवन मर्मत सुधार | | |
| **जलश्रोत तथा सिंचाई विकास डिभिजन कार्यालय** | | | |
| १ | सबै स्थानीय तह (९ वटा) | | दातृ निकायसंग समन्वय गर्ने । |
| २ | विभिन्न खोला, नदी आसपासका प्रभावित बस्तीहरूमा प्रभावकारी नदी नियन्त्रण र क्षति न्यूनीकरणका कार्य | | |

## ९.३ प्रतिकार्य योजना

विपद्को संभावित असरलाई ध्यानमा राखी तत्कालिन समयमा जनजीवन सामान्य अवस्थामा ल्याउन तल उल्लेख भए बमोजिमका गतिबिधिहरू सम्बन्धित निकायहरूबाट सम्पन्न गरिनेछ र बांकी श्रोतको व्यवस्था गर्नु पर्ने देखिन्छ ।

## ९.४ गतिविधि र श्रोत

आकस्मिक अवस्थाका लागि जि.स.स., सडक, दूरसञ्चार, विद्युत आदिबाट हुने उद्धार व्यवस्थापनका लागि तयारीमा रहने । पूर्वाधार सम्बन्धि कार्यको प्राविधिक रेखदेखका लागि शहरी विकास तथा भवन निर्माण विभाग, संघीय आयोजना कार्यान्वयन इकाई, सुर्खेतबबबाटा प्राविधिकहरूलाई परिचालन गर्ने ।



# परिच्छेद : १०
# कार्यान्वयन र पुनरावलोकन रणनीति

## १०.१ विपद् प्रतिकार्य पूर्वतयारी योजना क्रियाशील हुने

यो योजना जिल्लामा मुख्यत बाढी, पहिरो,आगलागि,दुघृटना र भुकम्पको परिस्थिति सृजना हुनासाथ क्रियाशील हुनेछ तर क्षेत्रगत योजनाहरू कुनै पनि विपद्को समयमा क्रियाशील हुनेछ । सुर्खेत जिल्लामा छुट्टै विपद् पूर्वतयारी योजना भएकोले त्यसका सूचनाहरू विपद् कार्यका लागि मार्ग दर्शक हुनेछन् ।

## १०.२ विपद् प्रतिकार्य पूर्वतयारी योजनाको कार्यान्वयन

यस प्रतिकार्य योजनाको कार्यान्वयन हरेक विषयगत क्षेत्रले तय गरेका प्रतिकार्य तथा पूर्व तयारी योजना वमोजिम हुनेछ ।

## १०.३ विपद् प्रतिकार्य पूर्वतयारी योजनाको नियमित समीक्षा तथा अद्यावधि

विपद् पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजनाको समीक्षा वार्षिक रुपमा नियमित अद्यावधिक गरिनेछ । यस योजनाको समिक्षा तथा अद्यावधिक गर्ने अवधीमा विपद परेको खण्डमा विपदको प्रतिकार्य पश्चात गरिने छ ।

## १०.४ सहयोग र समन्वय

यसका लागि प्रत्येक विषयगत अगुवा कार्यालय तथा उपसमितिले आ-आफ्नो क्षेत्रसंग छलफल तथा समन्वय गरि विस्तृत समिक्षा सल्लाह, सुझावसहित प्रभावकारीता कार्यान्वयनका लागि अद्यावधिक गर्न सहयोग गर्नुपर्नेछ ।

## परिच्छेद : ११

# प्रतिवेदन तथा अभिलेखन

### ११.१ प्रतिवेदन तथा सञ्चार

विपद प्रतिकार्यको प्रतिवेदन तथा सञ्चार विपद् पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजना तर्जुमा मार्गदर्शन २०६७ मा उल्लेख भएको अनुसूचि १६ एवं गृह मन्त्रालयबाट प्राप्त निर्देशन अनुसार गरिनेछ । प्रतिवेदनको जानकारी सबै विषयगत क्षेत्रका अगुवाहरुलाई जिल्लामा स्थापित जिल्ला दैवीप्रकोप उद्धार समिति (DDMC) बाट उपलब्ध गराईनेछ । आ-आफ्नो कार्यालयको लागि संस्थागत रुपले अभिलेख तयार गरेको भए पनि आपत्कालिन समयमा जिल्ला दैवीप्रकोप उद्धार समितिको प्रत्यक्ष निर्देशनमा एकद्धार पद्धती मार्फत समुदायमा राहत उपलब्ध गराउने र घटना विवरण तयार गर्ने र त्यसलाई स्थानीय तथा केन्दीय तहमा प्रवाह गर्न सकिनेछ ।

### ११.२ संस्थागत व्यवस्था

नेपालमा विपद् व्यवस्थापनको कानूनी संरचनाको शुरुवात २०३९ सालमा जारी भएको दैवीप्रकोप उद्धार ऐन, २०३९ वाट भएको हो । यो ऐनले सरकारलाई विपद्को सामना गर्न तयार हुने र विपद्को समयमा प्रतिकार्य गर्ने जिम्मेवारी प्रदान गरेको छ । यो ऐनले मुलुकको इतिहासमै पहिलो पटक विपद् व्यवस्थापनको लागि संस्थागत संरचनाको व्यवस्था गरेको छ । सोही अनुरुप विषयगत क्षेत्रको व्यवस्था गरिने भए पनि जिल्ला दैवीप्रकोप उद्धार समितिको मातहतमा रहि त्यस्ता उपसमितिले काम गर्नु पर्नेछ ।

### ११.३ अभिलेखीकरण

जिल्ला दैवीप्रकोप उद्धारसमितिले यो योजना वनाउदा सरोकारवालाहरुसंग अन्तरक्रिया गरी निर्माण गरेको छ । सुन्दर नेपाल संस्थाले सञ्चालन गरिरहेको अनुकूलन परियोजना र पहल कार्यक्रमले हाल अद्यावधि गर्न सहजीकरण गरेकाले यस योजना निर्माण तथा अद्यावधि गर्न सहयोग पुगेको छ । आगामी दिनमा यस योजनालाई अद्यावधिक गर्दै लगिने छ ।

### ११.४ अनुमोदन प्रक्रिया

मिति २०७५ असार २४ गते जिल्ला विपद् पूर्व तयारी तथा प्रतिकार्य योजना अनुमोदनको लागि जिल्ला स्तरीय कार्यशाला गोष्ठीको आयोजना गरियो । गोष्ठीमा सहभागी जिल्ला विपद व्यवस्थापन समितिका पदाधिकारी/सदस्यहरू लगायत सरोकारवाला निकायहरूबाट प्राप्त सल्लाह सुझावहरूलाई योजनामा समावेश गरी सुर्खेत जिल्लाको विपद् पूर्व तयारी तथा प्रतिकार्य पूर्वतयारी योजना स्वीकृत गरिएको छ ।



# सन्दर्भ सामाग्री पुनरावलोकन

| क्र सं. | सन्दर्भ सामाग्री | मुख्य सिकाई | कुनै सुझाव भए |
|---|---|---|---|
| १ | सुर्खेते जिल्ला विपद् प्रतिकार्य योजना, २०६८ तथा हालसम्मका अध्यावधिक योजना | विपद् प्रतिकार्य योजना क्रियाशिल भई कार्यान्वय भएको छ । | |
| २. | जिल्ला जनसंख्या पार्श्व चित्र, सुर्खेत, ०६८/०६९ | जनगणनाको अद्यावधि तथ्यांक समावेश गरिएको । | |
| ३ | जिल्लामा विगतमा गरिएका विपद् प्रतिकार्यको अभिलेख । | विगतका कामहरूको अभ्यासले विपद् प्रतिकार्य योजनाको लागि सहज गराएको । | |
| ४ | विपद् पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजना तर्जुमा मार्गदर्शन २०६७ | विषयगत एवं एकिकृत विपद् प्रतिकार्य योजना बनाउन सहज । | |
| ५ | विपद् जोखिम न्यूनीकरणका लागि राष्ट्रिय रणनीति, २०६६ | राष्ट्रिय स्तरमा तयार नीतीबारे जानकारी र जिल्ला स्तरमा समायोजन गर्ने प्रक्रियाबारे स्पष्टता । | |
| ६ | विपद् जोखिम न्युनिकरण तथा व्यवस्थापन ऐन २०७४ | ऐनले व्यवस्था गरेको मापदण्ड वमोजिम विपद व्यवस्थापन गर्न मार्गदर्शन | |
| ७ | स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ | विपद् जोखिम न्यूनीकरणमा स्थानीय निकायको भुमिकाबारे जानकारी । | |
| ८ | स्फेयर स्टेण्डर्ड | राहत मापदण्ड र आवश्यकताबारे जानकारी । | |
| ९ | विभिन्न विषयगत कार्यालयका प्रतिवेदनहरु | विपद् जोखिममा पर्न सक्ने संख्याको अनुमान गर्न | |

# अनुसुचीहरू

## अनुसूची–१

अस्थायी आवास तथा ग्रैहखाद्य प्रयोजन

## नेपाल रेडक्रस सोसाइटी

...................... उपशाखा, सुर्खेत

### स्थानीय स्तरीय विपद् दुत सर्वेक्षण फाराम

फारम नं. १ (० देखि २४ घण्टा)

गा.पा./न.पा.

विपद् परेको मिति :

(क) विपद्बाट प्रभावित क्षेत्रमा घर परिवारमा भएको क्षति र आवश्यकता पहिचान गर्ने फारामको नमूना

| क्र.सं. | वडा नं. | टोल | जनसङ्ख्या | | | प्रभावित परिवार | | | जम्मा | विस्थापित परिवार | | क्षति भएका घरधुरी | | आवश्यकता कुन कुन क्षेत्रमा देखिएको छ | कै. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | मृत्यु | हराएका | घाइते | घरधुरी | जनसङ्ख्या | | | घरधुरी | जनसङ्ख्या | पूर्ण | आंशिक | | |
| | | | | | | | पुरुष | महिला | | | | | | | |
| १ | | | | | | | | | | | | | | | |
| २ | | | | | | | | | | | | | | | |
| ३ | | | | | | | | | | | | | | | |
| ४ | | | | | | | | | | | | | | | |
| ५ | | | | | | | | | | | | | | | |
| ६ | | | | | | | | | | | | | | | |
| ७ | | | | | | | | | | | | | | | |
| ८ | | | | | | | | | | | | | | | |
| ९ | | | | | | | | | | | | | | | |



(ख) विपद्बाट क्षति भएको प्रभावित क्षेत्रमा आधारभूत संरचना तथा सेवाको अवस्था मापन गर्ने फारामको नमूना

| क्र.स. | क्षतिको विवरण | सङ्ख्या | जनसङ्ख्या | जम्मा अनुमानित क्षति (मूल्यमा) | सूचना सङ्कलनको लागि अपनाएको प्रक्रिया | कैफियत |
|---|---|---|---|---|---|---|
| १ | विद्यालय भवन | | | | | |
| २ | पुल तथा सडक | | | | | |
| ३ | हेल्थपोष्ट/स्वास्थ्य चौकी | | | | | |
| ४ | सामुदायिक स्रोत केन्द्र (गा.वि.स., सुरक्षित बासस्थान) | | | | | |
| ५ | अन्य वाली (विघा/रोपनी) | | | | | |
| ६ | खेतीयोग्य जमीन (विघा/रोपनी) | | | | | |
| ७ | घरपालुवा पशु | | | | | |
| ८ | साना पसल | | | | | |
| ९ | माछा पोखरी | | | | | |
| १० | सञ्चार | | | | | |
| ११ | विद्युत | | | | | |
| १२ | अन्य | | | | | |

ग) स्थानीयस्तरमा उद्धार तथा राहत कार्यमा संलग्न निकाय तथा संस्थाहरू

| कामको विवरण | संस्थाको नाम | | |
|---|---|---|---|
| | सुरक्षा निकाय | नेपाल रेडक्रस सोसाइटी | गा.पा./न.पा. |
| | | | |
| | | | |

तयार गर्नेको हस्ताक्षर
नाम :
पद :
कार्यालयको छाप :

स्वीकृत गर्नेको हस्ताक्षर
नाम :
पद :
कार्यालयको छाप :

# अनुसूची-२

नेपाल सरकार

## विपद् प्रारम्भिक द्रुत लेखाजोखा फाराम

**फारम भर्दा ध्यान दिनु पर्ने कुराहरु :**

१. एउटा वडाको लागि एउटा लेखाजोखा फारमको प्रयोग गरिने छ ।
२. विपद् भएको ० देखि २४ घण्टा भित्र गाउँ तथा नगरपालीकाको कर्मचारी, नेपाल प्रहरी तथा स्थानीय रेडक्रस प्रतिनिधिको संलग्नतामा फारम भरिने छ ।
३. लेखाजोखा टोलीबाट विभिन्न सुचनादाताहरुसंगको अन्तरवार्ता तथा प्रभावित क्षेत्रको अवलोकन गरी फारम भरिने छ ।
४. यदि अस्पष्ट सुचनाहरु प्राप्त भएको खण्डमा लेखाजोखा टोलीले उपयुक्त विचारका आधारमा फारम भरिने छ ।
५. आवश्यक सेवाहरुको लेखाजोखा गर्न प्रभावित संख्या अनुमान गरिने छ ।
६. तल दिइएका विकल्पहरु नभएमा अन्यमा उल्लेख गरिने छ ।

| १. स्थान र पहुँच सम्वन्धि सूचनाको जानकारी | | |
|---|---|---|
| १.१ प्रदेशको नाम : | १.२ जिल्लाको नामः | १.३ गाउँ/नगरपालिकाको नाम : |
| १.४ वार्ड नम्बर | १.५ मितिः | गते /महिना/सालः |
| १.६ सूचना संकलन गर्ने व्यक्तिको विवरण : | | |

| नाम : | पद /संस्था : | सम्पर्क नम्बर : | टोलि नेताको नामः |
|---|---|---|---|
| १<br>२<br>३ | | | |
| १.७ अहिले जिल्ला सदरमुकामबाट प्रभावित वडा सम्म आवत जावतको अवस्था | ☐ पहिलाको जस्तै सामान्य<br>☐ कठिन (मुस्किल छ )<br>☐ धेरै कठिन | १.८ प्रभावित वडासम्म पुग्ने साधन | ☐ पैदल<br>☐ गाडी<br>☐ अन्य (उल्लेख गर्ने) |
| १.९ अहिले जिल्ला सदरमुकामबाट प्रभावित क्षेत्र सम्म पुग्ने साधनको आधारमा लाग्ने समय | ☐ १ घण्टा भन्दा कम<br>☐ १ देखि २ घण्टा<br>☐ २ देखि ४ घण्टा<br>☐ ४ देखि ८ घण्टा<br>☐ १ दिन भन्दा बढि<br>☐ अन्य (उल्लेख गर्ने) | | |



| २. विपद् सम्वन्धि विवरण | | | |
|---|---|---|---|
| २.१ घटना घटेको मिति | | २.२ घटना घटेको समय | |
| २.३ विपद्को प्रकार | ☐ बाढी<br>☐ पहिरो<br>☐ आगलागी | ☐ भूकम्प<br>☐ महामारी<br>☐ शित लहर | ☐ खडेरी<br>☐ अन्य (उल्लेख गर्ने) |
| २.४ विपद् पश्चातको अवस्था | | | |
| २.४.१ मृतक | २.४.२ बेपत्ता | २.४.३ घाइते | २.४.४ विस्थापित |
| ☐ छ<br>☐ छैन<br>☐ थाहा छैन | ☐ छ<br>☐ छैन<br>☐ थाहा छैन | ☐ छ<br>☐ छैन<br>☐ थाहा छैन | ☐ छ<br>☐ छैन<br>☐ थाहा छैन |
| अनुमानित संख्याः | अनुमानित संख्याः | अनुमानित संख्याः होलान ? | अनुमानित संख्याः |
| | | | |
| २.५ प्रभावित क्षेत्रमा संचारको अवस्था कस्तो छ ? (मोबाइल, टेलिफोन) | | ☐ ठिक छ<br>☐ अवरुद्ध | ☐ आंशिक ठिक छ |
| २.६ प्रभावित क्षेत्रमा विपद्को कारणले अन्य कुन कुन सेवाहरु अवरुद्ध भएका छन ? चिन्ह लगाउनुहोस । | | ☐ विद्युत<br>☐ विमानस्थल<br>☐ स्वास्थ्य सेवा<br>☐ पुलहरु<br>☐ मुख्य सडक | ☐ बजार/पसल<br>☐ विद्यालय<br>☐ खानेपानीकोआपूर्ति<br>☐ अन्य (उल्लेख गर्ने) |

| ३. प्रभावित व्यक्ति तथा सेवाहरु | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| ३.१ प्रभावित क्षेत्रका मुख्य सेवा तथा कार्यालयहरु संचालनको अवस्था कस्तो छ ? | जम्मा संख्या | सञ्चालनमा छ | आंसिक क्षति तथा सञ्चालन | पूर्ण क्षति | थाहा छैन |
| ३.१.१ विद्यालय | | | | | |
| ३.१.२ प्रहरी कार्यालय | | | | | |
| ३.१.३ स्वास्थ्य केन्द्र | | | | | |
| ३.१.४ वडा कार्यालय | | | | | |
| ३.१.५ अन्य सरकारी कार्यालयहरु | | | | | |
| ३.१.६ सामुदायिक भवनहरु | | | | | |
| ३.१.७ रेडक्रसको कार्यालय | | | | | |
| ३.१.८ अन्य (उल्लेख गर्ने) | | | | | |
| ३.२ विपद्का कारणले कुन समुहका मानिसहरु बढि जोखिममा रहेका छन ? | ☐ गर्भवती तथा स्तनपान गराइरहेका महिलाहरु<br>☐ ५ बर्ष मुनिका बालबालिकाहरु<br>☐ अपाङ्गता भएका व्यक्तिहरु<br>☐ किशोरी तथा प्रजनन उमेरका महिलाहरु<br>☐ ६० वर्ष भन्दा माथिका व्यक्तिहरु | | | | |
| ३.३ प्रभावित क्षेत्रमा माथि उल्लेख नभएका समुहहरु छन भने उल्लेख गर्नुहोस । जस्तैः घरवार विहिन | | | | | |

### ४. खानेपानी, सरसफाई र स्वच्छता

| | |
|---|---|
| ४.१ पिउने पानीको श्रोतको अवस्था कस्तो छ ? (यदि क्षति भएको छैन भने ४.३ मा जाने ।) | ☐ पुर्ण क्षतिग्रस्त ☐ आंसिक क्षति<br>☐ क्षति भएको छैन |
| ४.२ पिउने पानीको बैकल्पिक श्रोतको अवस्था कस्तो छ ? | ☐ छ, सुरक्षित श्रोतको रुपमा प्रयोग भएको छ<br>☐ छ, तर सुरक्षित छैन<br>☐ छ, सुरक्षित/असुरक्षित थाहा छैन तर प्रयोग भएको छ<br>☐ बैकल्पिक श्रोतको प्रयोग भएको छैन |
| ४.३ फोहोर मैला व्यवस्थापनको अवस्था कस्तो छ ? | ☐ व्यवस्थित छ<br>☐ व्यवस्थित छैन |
| ४.४ शौचालयको व्यवस्था छ ? | ☐ छ ☐ छैन |

### ५. अस्थाई आवास र अन्य अनिवार्य गैर–खाद्य सामग्रीहरु

| | |
|---|---|
| ५.१ के विपद्का कारण आवास सम्वन्धी कुनै समस्या भएको छ ? (यदि छैन भने ६.१ मा जानुहोस्) | ☐ छ ☐ छैन |
| ५.२ तत्कालको लागि कति घरपरिवारलाई अस्थाई आवासको आवश्यकता छ ? | संख्या उल्लेख गर्ने |
| ५.३ अहिले विस्थापितहरु कहाँ बसेका छन् ? | ☐ विद्यालय<br>☐ अन्य सार्वजनिक भवन<br>☐ सडक छेउमा शिविर बनाएर<br>☐ जंगल छेउमा शिविर बनाएर<br>☐ अन्य (उल्लेख गर्ने) |
| ५.५ विस्थापितहरुका लागि कति समयका लागि अस्थायी आवास आवश्यक छ ? | ☐ १ हप्ता ☐ २ हप्ता<br>☐ १ महिना ☐ ३ महिना भन्दा बढी |

### ६. खाद्यान्न तथा बजार

| | |
|---|---|
| ६.१ प्रभावित क्षेत्रका बासिन्दाले सञ्चित गरेर राखेको खाद्यान्न क्षतिको अवस्था कस्तो छ ? | ☐ पूर्ण क्षति ☐ आंसिक क्षति<br>☐ क्षति छैन |
| ६.२ प्रभावित क्षेत्रको बजार संचालनको अवस्था कस्तो छ ? | ☐ पूर्ण संचालन ☐ आंशिक संचालन<br>☐ संचालन छैन ☐ थाहा छैन |
| ६.३ कृषि तथा पशुबालीको क्षतिको अबस्था कस्तो छ ? | ☐ पूर्ण क्षति ☐ आंसिक क्षति ☐ क्षति छैन |
| ६.४ कुन कृषि तथा पशुबालीको क्षति भएको छ ? | ☐ पशुपालन ☐ बालीनाली ☐ माछापालन<br>☐ अन्य (उल्लेख गर्नुहोस) |

### ७. स्वास्थ्य

| | |
|---|---|
| ७.१ प्रभावित क्षेत्रमा विपद् पश्चात स्वास्थ्य सम्वन्धी कुनै समस्याहरु उत्पन्न भएका छन् ? (यदि छैन भने ७.३ मा जानुहोस् ।) | ☐ छ ☐ छैन ☐ थाहा छैन |
| ७.२ यदि छ भने कस्ता खालका समस्याहरु देखा परेका छन् ? | ☐ घाइते<br>☐ सरुवा रोग<br>☐ प्रजनन स्वास्थ्य सेवामा समस्या<br>☐ अपर्याप्त औषधि आपुर्ति<br>☐ अपर्याप्त जनशक्ति<br>☐ अन्य (उल्लेख गर्ने) |
| ७.३ के प्रभावित क्षेत्रका मानिसहरुले स्वास्थ्य सेवा पाईरहेका छन् ? | ☐ छन् ☐ छैनन्<br>☐ आंशिक, केहीलाई मात्र स्वास्थ्य सेवाको पहुँच भएको |

### ८. संरक्षण

| | |
|---|---|
| ८.१ प्रभावित क्षेत्रमा बालबालिकाहरु हराइरहेका वा परिवारसंग छुटेका छन् ? | ☐ छन् ☐ छैनन् |
| ८.२ प्रभावित क्षेत्रमा कुनै लैगिक हिंसा भएको बारेमा जानकारी छ ? | ☐ छन् ☐ छैनन् |
| ८.३ प्रभावित क्षेत्रका मानिसहरुमा डर तथा चासोका विषयहरु के के छन् ? | ☐ बत्तिको अभाव<br>☐ गोपनियताको अभाव<br>☐ मानव बेचविखन<br>☐ लैङ्गिकतामा आधारित हिंसा बढ्नु<br>☐ अन्य (उल्लेख गर्ने) |

### ९. विपद् पश्चात्को मौसमको अबस्था

| | |
|---|---|
| ९.१ मौसमको वर्तमान अवस्था कस्तो छ ? | ☐ मौसम सामान्य छ ☐ अत्याधिक गर्मी<br>☐ भारी वर्षा ☐ हिमपात<br>☐ अत्याधिक चिसो ☐ हावाहुरी<br>☐ अन्य (उल्लेख गर्ने) |

### १०. उपलब्ध श्रोत साधन, समस्याको सामना गर्ने रणनीतिहरु र आवश्यक सहयोग

**मुख्य सूचनादाताको सूचना र लेखाजोखा टोलीको अवलोकनका आधारमा उक्त क्षेत्रमा देखिएका थप आवश्यक सहयोग**

| क्षेत्र | अतिरिक्त सहयोगको आवश्यकता | आवश्यक सहयोग |
|---|---|---|
| १०.१ खोज तथा उद्धार | ☐ छ ☐ छैन | |
| १०.२ आकस्मिक प्राथमिक उपचार | ☐ छ ☐ छैन | |
| १०.३ खानेपानी, सरसफाई तथा स्वच्छता | ☐ छ ☐ छैन | |
| १०.४ आवास तथा गैर खाद्य सामग्रीहरु | ☐ छ ☐ छैन | |
| १०.५ संरक्षण | ☐ छ ☐ छैन | |
| १०.६ खाद्यान्न | ☐ छ ☐ छैन | |
| १०.७ शिक्षा | ☐ छ ☐ छैन | |
| १०.८ संचार | ☐ छ ☐ छैन | |

| | | |
|---|---|---|
| १०.९ प्रभावित वडामा तत्काल आवश्यक सहयोग सम्वन्धमा लेखाजोखा टोलीको बुझाई कस्तो छ ? | ☐ स्थानीय क्षेत्रमा उपलब्ध श्रोतबाट आवश्कता पुर्ति गर्न सकिने<br>☐ केहि मात्रामा सहयोगको आवश्यकता रहेको<br>☐ सहयोगको अति आवश्यकता रहेको | |
| १०.१० तत्काल सहयोगका लागि सबैभन्दा उच्च प्राथमिकतामा के परेको छ ? प्राथमिकता निर्धारण गर्दा नम्बरमा उल्लेख गर्नुहोस । | ☐ खोज तथा उद्धार | ☐ खाद्यान्न |
| | ☐ आकस्मिक प्राथमिक उपचार | ☐ शिक्षा |
| | ☐ खानेपानी, सरसफाई र स्वच्छता | ☐ संचार |
| | ☐ आवास तथा गैर खाद्य | ☐ संरक्षण |
| | ☐ अन्य (उल्लेख गर्ने) | |
| **केही थप टिप्पणी भएमा उल्लेख गर्ने:** | | |



# अनुसूची–३

## नेपाल रेडक्रस सोसाइटी

### विस्तृत सर्वेक्षण (घरधुरी सर्वेक्षण) फाराम

**फाराम नं. ३ (४ देखि १० दिनभित्र भरिसक्नु पर्ने)**

जिल्ला : उपशाखा :

गा.पा./न.पा.: वार्ड नं. टोल :

**१. विपद्को प्रकार :** **२. विपद् परेको मिति :** **३. समय :**

**४. घरमूलीको नाम :** पेशा : जाति/जनजाति :

**५. परिवार संख्या :** महिला संख्या : पुरुष संख्या : जम्मा संख्या :

| नाम | उमेर | लिङ्ग | अपाङ्गता भएका व्यक्ति (PWD) | गर्भवती | कैफियत |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | |
| | | | | | |
| | | | | | |
| | | | | | |

**६. उमेर समूह अनुसारको परिवार सङ्ख्या :**

| उमेर समूह | महिला | पुरुष | जम्मा |
|---|---|---|---|
| ५ बर्ष सम्म | | | |
| ६ -१८ बर्ष | | | |
| १९ -५९ बर्ष | | | |
| ६० बर्षभन्दा माथि | | | |
| कुल जम्मा | | | |

**७. परिवारको किसिम :** (क) महिला घरमुली भएको परिवार (ख) अन्य

**८. सङ्कटासन्न व्यक्ति :**

| भर्खर जन्मेका बच्चाहरू | | वृद्ध/वृद्धा | | अशक्तता भएका व्यक्तिहरू (PWD) | | गर्भवती | सुत्केरी | विशेष विरामीहरू (HIV/AIDS,TB, र अन्य रोगीहरू) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| महिला | पुरुष | महिला | पुरुष | महिला | पुरुष | | | |
| | | | | | | | | |

## ९. क्षतिको विस्तृत विवरण :

- मानवीय क्षति

| विवरण | क्षति | संख्या | | जम्मा संख्या |
|---|---|---|---|---|
| | | महिला | पुरुष | |
| मानवीय क्षति | मृत्यु | | | |
| | हराएको | | | |
| | घाइते | | | |

- वासस्थान क्षति

| क्षतिको अवस्था | | | जम्मा क्षतिको अनुमानित मुल्य रु.मा | कैफियत |
|---|---|---|---|---|
| पूर्ण क्षति तथा प्रयोग गर्न नसकिने अवस्था | आंसिक क्षति तथा मर्मत गरी प्रयोग गर्न सकिने | घरायसी सामग्री क्षति | | |
| | | | | |
| | | | | |

- जीविकोपार्जनको क्षेत्रहरूमा भएको क्षति

| जीविकोपार्जनका क्षेत्रहरू | जीविको पार्जनका सम्पत्तिहरू | | क्षतिको अवस्था | जम्मा क्षतिको अनुमानित मुल्य रू.मा |
|---|---|---|---|---|
| | सम्पत्तिहरू | परिमाण तथा एकाई | | |
| कृषि | जमिन | | | |
| पशुपालन | भैंसी | | | |
| | | | | |
| भण्डारीत खाद्यन्न | धान | | | |
| | मकै | | | |
| | | | | |
| व्यापार | | | | |
| | | | | |
| अन्य | | | | |
| | | | | |

- स्वास्थ्य तथा सरसफाइको क्षेत्रमा भएको क्षति

| विवरण | क्षतिको अवस्था | जम्मा क्षतिको अनुमानित मुल्य रू. मा | कैफियत |
|---|---|---|---|
| खानेपानी तथा सरसफाई | | | |
| धारा | | | |
| ईनार | | | |
| ट्यूव वेल | | | |
| रिजरभाएर ट्याङ्की | | | |
| शौचालय | | | |
| अन्य | | | |



## १०. यस अघि कुनै निकायबाट सहयोग प्राप्त भएको भए :

| क्र.सं. | राहत सहयोगको प्रकार | परिमाण | वितरण गर्ने संस्था | कैफियत |
|---|---|---|---|---|
| १ | तयारी खाना | | | |
| | | | | |
| २ | नियमित खाना | | | |
| | चामल | | | |
| | दाल | | | |
| | तेल | | | |
| | नून | | | |
| ३ | गैर खाद्य सामग्री | | | |
| | नेरेसो राहत सामग्री सेट | | | |
| | थप त्रिपाल | | | |
| | पानी शुद्धीकरण गर्ने औषधी | | | |
| ५ | अन्य | | | |
| | | | | |

## ११. आवश्यकता पहिचान

| क्र.सं. | राहत सहयोगको प्रकार | परिमाण | वितरण गर्ने संस्था | कैफियत |
|---|---|---|---|---|
| १ | तयारी खाना | | | |
| | | | | |
| २ | नियमित खाना | | | |
| | चामल | | | |
| | दाल | | | |
| | तेल | | | |
| | नून | | | |
| ३ | गैर खाद्य सामग्री | | | |
| | नेरेसो राहत सामग्री सेट | | | |
| | थप त्रिपाल | | | |
| ४ | खानेपानी | | | |
| ५ | सरसफाइ सुविधाहरू | | | |
| ६ | शैक्षिक सहयोग | | | |
| ७ | स्वास्थ्य | | | |
| ८ | अन्य | | | |
| | | | | |

**१२. तत्कालको लागि अस्थायी आवास र पुनर्लाभ (Recovery) कार्यक्रम सञ्चालनको लागि सिफारिस :**

| क्र.सं. | गतिविधिहरूको विवरण | | |
|---|---|---|---|
| १ | जीविकोपार्जन | ततकालको लागि | लामो समयका लागि |
| २ | घर निर्माण तथा मर्मत | | |
| ३ | खाद्यन्न तथा बिउ विजन तथा कृषि औजार | | |
| ४ | खानेपानी तथा सरसफाई | | |
| ५ | शिक्षा | | |
| ६ | स्वास्थ्य र सरसफाई | | |

तयार गर्नेको हस्ताक्षर :

नाम :

पद :

कार्यालयको छाप :

प्रमाणित गर्नेको हस्ताक्षर :

नाम :

पद :

कार्यालयको छाप :

सुझाव :



# अनुसूची-४

## स्वास्थ्य तथा पोषण उपसमितिको प्रयोजनका लागि

प्रकोप जोखिम विश्लेषण गा.पा. स्तर :

जिल्ला स्थित प्रकोप जोखिम विश्लेषण :

| जोखिम | पटक (प्रति वर्ष) | प्रभावित व्यक्ति संख्या* | मृत्यु** | जम्मा*** |
|---|---|---|---|---|
| झाडा पखाला हैजा | ३ | ५ | ५ | ४० |
| बाढी डुबान | २ | ५ | ५ | ३५ |
| आगलागी | ७ | ३ | ३ | ३० |
| औलो | १ | ५ | ५ | ३० |
| प्यान्डेमिक इन्फल्यून्जा | १ | ५ | ५ | ३० |
| सडक दुर्घटना | २४ | १ | १ | २५ |
| भाइरल ज्वरो | २ | ३ | ३ | १५ |

* प्रभावित मानिसको संख्या निम्न संख्याहरूलाई १ देखि ५ सम्मको अंकले नाप्न राम्रो हुन्छ ।

जस्तै :-

०–५०=१, ५१–१००=२, १०१–५०० = ३, ५०१-१००० = ४, १००० भन्दा माथि = ५

** मृत्यु पनि १ देखि ५ सम्मको अंकले नाप्नुपर्छ, जसमा ५ सबभन्दा उच्च आयतन हुन्छ ।

*** कूल (जम्मा) यसरी नापिन्छ :- (पटक + प्रभावित मानिसको संख्या) × आयतन ।

# अनुसूची–५

## स्वास्थ्य तथा पोषण उपसमितिको प्रयोजनका लागि

सहयोगी संस्था र सहयोग गर्ने क्षेत्र :

| सि.नं. | निकाय | क्षेत्र |
|---|---|---|
| 1 | MWRH | Human Resource/ Medicine |
| 2 | DAO/DDMC | Coordination/monitoring /assessment |
| 3 | Nursing Home | Human Resource/Medicine |
| 4 | Army, police | Human Resource |
| 5 | INF | HR/Medicine/Transpo/Bednet |
| 6 | UNICEF | Water Guard/Pius/Nutrition/Bed Net/ORS/Hygiene Kits/ Safe delivery kits/ new born baby clothes |
| 7 | GIZ | Vehicles/awareness (FCHV mobilization) /Equipments/ hygiene kits/HR (non Medical) |
| 8 | WHO | Assessment, Medicine |
| 9 | NRCS | HR/Assessment/ Ambulance |
| 10 | EDCD, RHD,RMS | Medicine/HR/Assessment |
| 11 | H4L | Vehicle/ IEC/ Awareness |
| 12 | EDCU | Advocacy/Coordination |
| 13 | DWSSDO | Advocacy/Coordination / piyush /Aqua tabs |
| 14 | AgDD | Coordination/monitoring |
| 15 | DCC | Transportation/Medicine |
| 16 | Rural/Municipalities | HR/Advocacy/Finacial /Medicines |
| 17 | NRCS-Eye Hospital | Technical HR/ Medicines |
| 18 | EDS | Technical HR/ Medicines |
| 19 | WAM/AWAJ | Technical HR/ Medicines |
| 20 | KIRDAC | Technical HR/ Medicines |
| 21 | SAC | Technical HR/ Medicines |
| 22 | Sundar Nepal Sanstha | Technical HR/ Medicines |



# अनुसूची–६

स्वास्थ्य तथा पोषण उपसमितिको प्रयोजनका लागि

## आपत्कालीन अवस्था र महामारीको व्यवस्थापनका लागि चाहिने औषधीहरू

| सि. नं. | सामग्रीको नाम (औषधी उपकरण) | इकाई | आबस्यक परिमाण | हाल मौजुदा (उपलब्धता) |
|---|---|---|---|---|
| 1 | Oral Rehydration Salt 20.5 gm/lt (low osm) | Pkt | 8000 | 3000 |
| 2 | Ringer Lactate (500 ml ) | Bottle | 1500 | 500 |
| 4 | Tab. Metronidazole- 400mg | Tab | 25000 | 10000 |
| 5 | Inj. Metronidazole - 100 ml | Bottle | 1000 | 300 |
| 6 | Tab. Ciprofloxacin- 500mg | Tab | 15000 | 5000 |
| 7 | Tab. Ciprofloxacin- 250 mg | Tab | 5000 | 1000 |
| 8 | Tab. Cotrim- DS 960 mg | Tab | 200000 | 5000 |
| 9 | Tab. Cotrim- SS 480 mg | Tab | 10000 | 3000 |
| 14 | Syrup Cotrimoxazole Paed. 200+40mg/5ml pwd for susp. (100 ml) | Bottle | 500 | 100 |
| 10 | Cap. Tetracycline- 500mg | Cab | 10000 | 500 |
| 11 | Cap. Amoxycillin-500 mg | Cap | 20000 | 10000 |
| 12 | Cap. Amoxycillin-250 mg | Cap | 10000 | 5000 |
| 13 | Syrup. Chloramphenicol | Bottle | 500 | 0 |
| 15 | Tab. Paracetamol- 500 mg | Tab | 25000 | 10000 |
| 16 | Syrup Paracetamol | Bottle | 600 | 100 |
| 17 | Tab. Perinorm -10 mg | Tab | 5000 | 500 |
| 18 | Inj. Dexamethasone | Inj | 100 | 50 |
| 19 | Tab. Dexamethasone | Tab | 500 | 0 |
| 20 | IV Set | pcs | 5000 | 200 |
| 21 | Butterfly needle , sterile, disposable, 21 G | pcs | 200 | 20 |
| 22 | Buterfly needle , sterile, disposable, 23 G | pcs | 200 | 30 |
| 23 | Butterfly needle , sterile, disposable, 25 G | pcs | 100 | 0 |
| 24 | I. V. Canula (various gauzes) | pcs | 5000 | 100 |
| 25 | Tongue Depressor, wood, disposable | pcs | 100 | 0 |
| 26 | IV Catheter, Sterile, 16 G | pcs | 20 | 0 |
| 27 | IV Catheter, Sterile, 18 G | pcs | 20 | 0 |
| 28 | IV Catheter, Sterile, 20 G | pcs | 20 | 0 |
| 29 | Sterile Disposable Syringe 2ml | pcs | 500 | 50 |

| सि. नं. | सामग्रीको नाम (औषधी उपकरण) | इकाई | आबस्यक परिमाण | हाल मौजुदा (उपलब्धता) |
|---|---|---|---|---|
| 30 | Sterile disposable Syringe 5ml | pcs | 300 | 50 |
| 31 | Glove latex sterile, large size | pcs | 500 | 500 |
| 32 | Glove latex sterile, medium size | pcs | 500 | 300 |
| 33 | Glove latex sterile, small size | pcs | 50 | 50 |
| 34 | Zinc oxide adhesive tape 5m x 5 cm | pcs | 100 | 10 |
| 35 | Nasogastric PVC sterile cathetor CH 8 | pcs | 50 | 0 |
| 36 | Nasogastric PVC sterile cathetor CH 10 | pcs | 50 | 0 |
| 37 | Nagogastrict PVC sterile catheror CH 12 | Pcs | 50 | 0 |
| 38 | Cotton wool absorbant, 500 g | Roll | 20 | 5 |
| 39 | Gauze bandage cotton absorbant 10cmx4 m | Roll | 20 | 5 |
| 40 | Gauze bandage cotton absorbant 6cmx4 m | Roll | 10 | 5 |
| 41 | Applicator, Cotton, sterile disposable for culture test | pcs | 50 | 0 |
| 42 | Sphygmomomanometer | pcs | 5 | 1 |
| 43 | Stethoscope | pcs | 5 | 1 |
| 44 | Thermometer | pcs | 5 | 3 |
| 45 | Chlorine tablets/sachet | pcs | 100000 | 0 |
| 46 | Bleaching Powder (450 gm) | Pkt | 100 | 50 |
| 47 | Soap bar 100 g | pcs | 100 | 0 |
| 48 | Small size Towel | pcs | 10 | 0 |
| 49 | Tab. Iron | Tab | 5000 | 5000 |
| 50 | Cap.Vitamin A | Cap | 5000 | 5000 |
| 51 | Tab.Zinc Sulphate | Tab | 5000 | 5000 |
| 52 | Condom | | 5000 | 5000 |
| 53 | Pills | | 2000 | 2000 |
| 54 | Inj. Depo | Inj. | 500 | 500 |



## अनुसूची–७

### स्वास्थ्य तथा पोषण उपसमितिको प्रयोजनका लागि

### आपत्कालीन अवस्था र महामारीको व्यवस्थापन लागि आवश्यक पर्ने जनशक्तिहरू

| क्र.सं. | विवरण (जनशक्तिको किसिम) | चाहिने संख्या | प्रति इकाईको लागत मुल्य | जम्मा मुल्य (जम्मा इकाइ×प्रति युनिटको मुल्य) | कैफियत |
|---|---|---|---|---|---|
| १ | चिकित्सक | ६ | ९००।- | ३५,०००।- | ६ स्थानका लागि |
| २ | हे.अ., सि.अ.हे.ब. | ६ | ९००।- | ३५,०००।- | |
| ३ | ल्या.टे | ४ | ७००।- | १०,०००।- | |
| ४ | अ.हे.ब. | ६ | ७००।- | २०,०००।- | |
| ५ | स्टाफ नर्स, अ.न.मी | ६ | ७००।- | २०,०००।- | |
| ६ | भे.क.स, म.ई. | २ | ९००।- | ५,०००।- | |
| ७ | सहयोगी | ६ | ७००।- | १०,०००।- | |
| ८ | व्यवस्थापन | १० | ९००।- | ५०,०००।- | |
| जम्मा | | ४६ | | १,८५,०००।- | ११,१०,०००। |

## अनुसूची–८

### आपत्कालीन अवस्था र महामारीको व्यवस्थापनमा चाहिने बजेट

| क्र. सं. | विवरण | चाहिने बजेट रू. | हाल उपलब्ध बजेट रू. | नपुग बजेट रू. | कैफियत |
|---|---|---|---|---|---|
| १ | चिकित्सक र स्वास्थ्यकर्मी परिचालन | ११,१०,०००। | ३,००,०००। | ८,१०,०००। | |
| २ | औषधी उपकरण | १५,००,०००। | ५,००,०००। | १०,००,०००। | |
| ३ | जन चेतनामुलक कार्यक्रम संचालन | ६,००,०००। | १,५०,०००। | ४,५०,०००। | |
| ४ | यातायात तथा ढुवानी | ४,००,०००। | १,००,०००। | ३,००,०००। | |
| ८ | क्षमता अभिबृद्धि कार्यक्रम | १०,००,०००। | ० | १०,००,०००। | |
| जम्मा | | ४६,१०,०००। | १०,५०,०००। | ३५,६०,०००। | |

# अनुसूची–९

## शिक्षा उपसमितिको प्रयोजनका लागि
## (मस्यौदा) हावाहुरी प्रभावित विद्यालयको क्षति मूल्याङ्कन
(प्रत्येक विद्यालय/बाल विकास केन्द्रको लागि छुट्टाछुटै फारम भर्नुहोस्)

**१. क्षति विवरण :** जिल्ला :

मूल्याङ्कन मिति : हावाहुरीआएको मिति :

गा.पा.को नाम: वडा नं.

विद्यालय/ वाल विकास केन्द्रको नाम: इ.एम.आइ.एस. विद्यालय संकेत नं.

| जम्मा भवन संख्या | हावाहुरीले छाना क्षति पुऱ्याएको भवन संख्या | हावाहुरी आउनु भन्दा अगाडीको विद्यार्थी उपस्थिति | | | हालको विद्यार्थी उपस्थिति | | | हावाहुरीले विद्यालय वा वाल विकास केन्दलाई पुऱ्याएको क्षति | | | टिप्पणी |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | केटी | केटा | जम्मा | केटी | केटा | जम्मा | पुर्ण रूपमा छाना उडाएपछि विद्यालयमा कुनै पनि कक्षा संचालन नगरिएको | आंशिक रूपमा छाना उडाएपछि विद्यालयमा ........वटा कक्षा मात्र संचालन गरिएको | छाना उडाए पछि विद्यालयमा कक्षा संचालनका लागि गरिएका अन्य बैकल्पिक व्यवस्था | |
| | | | | | | | | | | | |

**२. आवश्यक स्रोत साधनको अनुमान**

| हावाहुरीले छाना क्षति पुऱ्याएको भवन संख्या | क्षति भएको छानाको जस्तापाताको परिमाण | | क्षति भएको छानाको काठ र अन्य सामग्रीको परिमाण | | स्थानीय बजारमा क्षति भएको जस्तापाता, काठ र अन्य सामग्रीको स्थानीय बजार मूल्य रु | स्रोत पहिचान | | टिप्पणी |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | परिमाण (बण्डल) | स्थानीय बजारमा क्षति भएको जस्तापाताको मूल्य रु | परिमाण | स्थानीय बजारमा क्षति भएको सामग्रीको मूल्य रु | | विद्यालको आफ्नो स्रोतबाट मर्मतका लागि उपलब्ध हुनसक्ने रु | जि.शि.का. स्रोतबाट मर्मतका लागि अपेक्षा गरिएको रु | |
| | | | | | | | | |



**३. सर्भेक्षण गर्नेको विवरण**

| सर्भेक्षण गर्ने संस्थाको नाम : | | |
|---|---|---|
| टोली सदस्यहरू | सही | मिति |
| १. गणकको नाम ...................................................... | | |
| २. गणकको नाम ...................................................... | | |
| | | |
| प्रधानाध्यापक/प्रमुखको नाम ......................................... | | |
| विद्यालय सुपरिवेक्षक/स्रोतव्यक्तिको नाम ........................... | | |
| | | |
| तथ्याङ्क राख्ने व्यक्तिको नाम ......................................... | | |

*(प्रत्येक विद्यालय/बाल विकास केन्द्रका लागि भरिएका फारमहरूलाई जोडेर जिल्लाको समग्र प्रतिवेदन तयार गर्नुहोस् ।)*

# आपतकालमा शिक्षा (Education in Emergency) सम्बन्धी अनुगमन फाराम

जिल्ला : [ ]

१. आपतकालिन अवस्थामा शिक्षा व्यवस्थापनका लागि शिक्षा विकास तथा समन्वय इकाई प्रमुखको अध्यक्षतामा Education Cluster गठन भएको- छ [ ] छैन [ ]

२. गठन भएको भए :

- कहिले भयो (मिति उल्लेख गर्ने) ?

  ..........................................................................................................

- यो वर्ष कतिपटक बैठक सञ्चालन भयो ?

  ..........................................................................................................

- पछिल्लो पटक बैठक कहिले भएको थियो ?

  ..........................................................................................................

- उक्त बैठकका एजेण्डा के थिए ?

  ..........................................................................................................

  ..........................................................................................................

  ..........................................................................................................

- जिल्ला विपद् व्यवस्थापन समितिसँगको समन्वयको अवस्था :

  ..........................................................................................................

  ..........................................................................................................

  ..........................................................................................................

३. जिल्ला/स्थानीय तहमा EIE फोकल पर्सन तोकिएको छ वा छैन ?

..........................................................................................................

४. जिल्ला/स्थानीय तह/विद्यालयमा आउन सक्ने आपतकालिन अवस्थाका लागि योजना (Contigency Plan) निर्माण भएको- छ [ ] छैन [ ]

- योजना निर्माण भएको भए यसले समेटेका मुख्य क्षेत्रहरू उल्लेख गर्नुहोस् ।

  *(जस्तैः- बढी जोखिमका क्षेत्र पहिचान, जिम्मेवारी/कार्य विभाजन, आवस्यक सामग्री व्यवस्थापन, सुरक्षित स्थान पहिचान, विभिन्न निकाय, पदाधिकारीसँगको समन्वय, अल्पकालिन बैकल्पिक व्यवस्थापन ...........आदि)*

  (क) (ख)

  (ग) (घ)

  (ङ) (च)



५. आपतकालिन अवस्था सम्बन्धमा सचेतना कार्यक्रम सञ्चालन भएको- छ [ ] छैन [ ]

- सञ्चालन भएको भए कुन स्तरमा

  जिल्ला स्तर [ ] पालिका स्तर [ ] विद्यालय स्तर [ ]

  अन्य केही भए [ ]

६. स्थानीय तह/विद्यालय तहमा आपतकालिन अवस्थाका लागि Cell गठन भएको- छ [ ] छैन [ ]

**गठन भएको भए :**

- स्थानीय तहमा योजना निर्माण भएको- छ [ ] छैन [ ]
- उक्त योजनामा स्पष्ट कार्ययोजना र जिम्मेवारी बाँडफाँड सम्बन्धमा जिल्ला (Education Cluster)/Focal Person लाई सञ्चार गरिएको- छ [ ] छैन [ ]
- सञ्चार वृक्ष निर्माण भएको- छ [ ] छैन [ ]

७. (Education Cluster)/Focal Person र स्थानीय तह/विद्यालय (Cell) बीचको समन्वयको अवस्था :

..........................................................................................................

..........................................................................................................

८. कार्यालय/स्थानीय तह/विद्यालयहरुको भौतिक पक्षको जोखिमको अवस्था आँकलन गरिएको- छ [ ] छैन [ ]

जोखिमको आँकलन कसरी गरियो ?

..........................................................................................................

..........................................................................................................

९. अभिलेख व्यवस्थापन/प्रतिवेदनको व्यवस्था- छ [ ] छैन [ ]

***{यो फारम आपतकालीन अवस्था सुरु भएको सामान्यतया ७२ घण्टा पछिबाट प्रयोग गरिन्छ । विद्यालय मूल्याङ्कन फाराम खण्ड (ख) पछि खण्ड (क) फारम भरिन्छ ।}***

# (क) द्रुत शिक्षा समग्र लेखाजोखा फारम

(प्रभावित क्षेत्रको समग्र लेखाजोखा फारम)

आपतकालीन अवस्था शुरुभएको मिति : ....................................................

आपतकालीन अवस्थाको प्रकृति : ........................................................................................

प्रतिवेदन मिति : ....................................................

प्रतिवेदन तयार गर्ने : .............................................. संस्था : ...........................................

ठेगाना : ........................................................... टेलिफोन नं : ...................................

## शिक्षा सेवा

**उपस्थिति :**

बाल विकास केन्द्र/पूर्व प्राथमिक/प्राथमिक/माध्यमिक विद्यालयका बालबालिकाको उपस्थितिमा मुख्यतया के कस्तो प्रभाव परेको छ ? तलको सूचीको मिल्दो उत्तरमा |_✓_| चिन्ह लगाउनुहोस् ।

| | |
|---|---|
| १. अहिले कोही उपस्थित छैनन्<br>२. केही उपस्थित छन्<br>३. सुरुमा सवै अनुपस्थित थिए तर अहिले आंशिक रूपमा उपस्थित हुन थालेका छन् । | ४. सुरुमा सवै अनुपस्थित थिए, तर हाल पूर्ण रूपमा उपस्थिति भएको छ ।<br>५. बाल विकास केन्द्र/पूर्व/प्राथमिक/माध्यमिक विद्यालयको उपस्थितिमा कुनै असर परेको छैन ।<br>६. अन्य, उल्लेख गर्ने ........ |

**बालबालिकाको उपस्थितिमा मुख्य बाधक के के हुन् ?**

| विवरण | १. छ<br>२. छैन | विवरण | १. छ<br>२. छैन |
|---|---|---|---|
| विद्यालय भत्किएको/क्षतिपुगेको | | **बाल विकास केन्द्र**/पूर्व/प्राथमिक तथा माध्यमिक विद्यालयको उपलब्धता । | |
| शैक्षिक सामग्रीहरू विग्रिएको/लुटिएको । | | विस्थापित वा शरणार्थीहरूकोस्थानीय विद्यालयमा पहुँच । | |
| शिक्षकहरूको उपस्थिति । | | बालबालिकार शिक्षकको सुरक्षा । | |
| शिक्षकको लागि स्रोतहरू र आपूर्ति । | | परिवारलाई मदत गर्न बालबालिकाघरमा वस्नु पर्ने अवस्था । | |
| फि तीर्न पैसा । | | बालबालिकामजदुरीमा वा अन्य कार्यमा संलग्न । | |
| शैक्षिक गतिविधिको लागि उपलब्ध स्थान/विद्यालय । | | पुल वाटो बिग्रेका कारणले विद्यालयसम्मको पहुंच । | |
| शैक्षिक गतिबिधिमा सहभागिता सम्वन्धी निर्देशन । | | अपाङ्गबालबालिकाको विद्यालयमा पहुंच । | |
| धार्मिक आस्थाअनुसार शैक्षिक गतिविधिको व्यवस्था । | | एचआइभी एडस तथा अन्य | |
| बालबालिकार शिक्षकहरू मानसिक तनाबमा । | | अन्य, उल्लेख गर्ने ...................... | |



**शिक्षाका प्राथमिकता**

**प्रभावित क्षेत्रमा तत्काल शैक्षिक आवश्यकता के के छन् ?**

| विवरण | १. छ<br>२. छैन | विवरण | १. छ<br>२. छैन |
|---|---|---|---|
| कक्षाहरूको लागि स्थान पहिचान | | **बाल विकास केन्द्र**/पूर्व/प्राथमिक विद्यालयहरू | |
| क्षतिपुगेको विद्यालयलाई आवश्यक मर्मत | | माध्यामिक विद्यालयहरू | |
| विद्यालय क्षेत्रमा खानेपानी, सरसफाइ र शौचालय | | बालबालिकार शिक्षकको सुरक्षा | |
| शिक्षकको उपलब्धता | | सुरक्षित आवगमनको लागि पुल र वाटोहरूको पुर्ननिर्माण/मर्मत आवश्यक । | |
| शिक्षकको तलबको स्रोत | | मानसिक तनाबबाट प्रभावितका लागि परामर्श सेवा । | |
| स्थानीय भाषा, धर्मको ज्ञान भएका शिक्षकको उपलब्धता | | बालबालिकाहरूलाई विद्यालयमा फर्काउन स्थापित समुदायसंग कार्यगत सहभागिता । | |
| शैक्षिक सामग्रीको आपूर्ति । | | अनौपचारिक शिक्षा कक्षाहरू/अतिरिक्त क्रियाकलाप | |
| प्रभावित बालबालिकाको स्थापित समुदायका विद्यालयमा समावेश । | | अन्य, उल्लेख गर्ने .......................... | |

## सुरक्षित र संरक्षित सिकाइ स्थान

सुरक्षित एवं संरक्षित सिकाइ स्थानलाई के कस्ता वाधाहरु छन् (बाल विकास सिकाइ स्थान/केन्द्र समेत नछुट्नेगरी प्राथमिकताका आधारमा तलका नम्वर छानेर कोठामा लेख्नुहोस्) ।

**सुरक्षित र संरक्षित सिकाइको लागि बाधाहरू**

१. आधारभूत सरसफाइ/शौचालय/खानेपानीको अवस्था । ☐
२. भवनहरू असुरक्षित अवस्थामा (जस्तै- भूकम्प पछि, आदि) । ☐
३. विद्यालयहरूमा पुग्न नदी, भूक्षय आदिको खतरा । ☐
४. शिशु स्याहार तथा शिक्षकको अनुपलब्धता । ☐

**सिकाइ स्थान विद्यार्थी तथा शिक्षकहरूको लागि कसरी सुरक्षित गर्न सकिन्छ ?**

| |
|---|
| |

## शिक्षा प्रणालीको क्षमता

समुदायमा हाल विद्यमान रहेको शिक्षक मानव संशाधन (अप्रत्यक्ष स्रोतको रुपमा शिक्षा मन्त्रालय, फ्लास डाटा र स्थानीय सूचक प्रयोग गर्नुहोस्)

तालिम प्राप्त प्रभावित शिक्षकको संख्या :

| किसिम | अहिले कति उपलब्ध छन् ? | तलबी/स्वयंसेवी | मुख्य कारण |
|---|---|---|---|
| १. चोटपटक/तनाव | | | |
| २. मृत्यु | | | |
| ३. परिवारका सदस्यको क्षति | | | |
| ४. परिवारको विरामी सदस्य | | | |
| ५. सम्पतिको नास | | | |
| ६. तलब नदिएको | | | |
| ७. पूर्व प्राथमिक सहजकर्ताहरू | | | |
| ८. प्राथमिक शिक्षकहरू | | | |
| ९. माध्यामिक शिक्षकहरू | | | |
| १०. स्वयंसेवकशिक्षकहरू/सहजकर्ताहरू | | | |
| ११. अन्य, उल्लेख गर्ने | | | |

## शैक्षिक सामग्रीको उपलब्धता

| शैक्षिक सामग्रीहरू | उपलब्ध छ/छैन | छैन भने किन ? |
|---|---|---|
| लेख्ने सामग्रीहरू (कापी, कलम आदि) | | |
| पढ्ने सामग्रीहरू (पाठ्य पुस्तक/सिकाइ सामग्री आदि) | | |
| आधारभूत शैक्षिक सामग्रीहरू (कालोपाटी, चक, आदि) | | |
| अतिरिक्त क्रियाकलाप सामग्रीहरू । | | |
| जिशिकामा पाठ्यपुस्तकको अतिरिक्त प्रति र तहको आधारमा उपलब्ध परिमाण । | | |

**यदि छैन भने समाधानका उपायहरू :**

१. स्थानीय छापानाखाको अवस्था (प्रतिलिपि छाप्ने, अफसेटको क्षमता आदि)

२. केन्द्रीय, क्षेत्रिय, शिक्षा निर्देशनालयले वा नीजि क्षेत्रबाट खरीद गरिएका सामग्रीहरूको उपलब्धता ।

३. पाठ्यपुस्तक तथा थप शैक्षिक सामग्रीहरूको लागि स्थानीय गोदामको व्यवस्था र वितरणक्षमता

४. अन्य, उल्लेख गर्ने __________

## संयोजन

**प्रभावित क्षेत्रमा कार्यरत संस्था, सञ्जाल तथा स्थानीय समुदायहरू**

| क्र.सं. | संस्था | सञ्चालित क्रियाकलापहरू | सम्पर्क व्यक्ति | सम्पर्क फोन/इमेल |
|---|---|---|---|---|
| १ | | | | |
| २ | | | | |
| ३ | | | | |



# (ख) विद्यालय मूल्याङ्कन फारम

सर्भेक्षण मिति : ............/...../२०        इ.एम.आइ.एस. विद्यालय संकेत नं. ☐

**१. स्थान**        संकेत        संकेत

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| जिल्ला | | | गा.पा./न.पा. | | |
| वार्ड नं. | | | शिविर : | | |

**२. बाल विकास केन्द्र/पूर्व प्राथमिक/प्राथमिक/निम्न/माध्यमिक/उच्च माध्यमिक विद्यालयको विवरण**

<table>
<tr><td colspan="3">क. बाल विकास केन्द्र/पूर्व प्राथमिक/विद्यालय :</td></tr>
<tr><td colspan="2">ख. विद्यालय/बाल विकास केन्द्र/पूर्व प्राथमिक विद्यालयको अवस्था</td><td>पठन पाठन भइरहेको ☐<br>राम्ररी पठन पाठन नभइरहेको ☐ पूर्ण बन्द ☐</td></tr>
<tr><td rowspan="2">ग. विद्यालयको ठेगाना</td><td>१) बाढी/भूकम्प अगाडि</td><td></td></tr>
<tr><td>२) बाढी/भूकम्प पछाडि</td><td></td></tr>
<tr><td colspan="2">घ. विद्यालयको टेलिफोन नं.</td><td></td></tr>
<tr><td colspan="2">ङ. सहजकर्ताहरू/प्रधानाध्यापक/प्रमुख/प्रिन्सिपलको नाम :</td><td></td></tr>
<tr><td colspan="3">च. कक्षा सञ्चालन गरेको स्थान : पाल ☐ खुल्ला स्थान ☐ विद्यालयको भवन ☐</td></tr>
<tr><td rowspan="3">विद्यालयको किसिम</td><td colspan="2">छ. स्वामित्व सरकारी ☐ निजी ☐</td></tr>
<tr><td colspan="2">ज. क्षेत्र सहरी ☐ ग्रामीण ☐</td></tr>
<tr><td colspan="2">झ. किसिम बाल विकास केन्द्र/पूर्व-प्राथमिक ☐ प्राथमिक ☐ निम्न माध्यमिक ☐<br>माध्यमिक ☐ उच्च माध्यमिक ☐ अन्य ☐</td></tr>
<tr><td rowspan="5">पहुँच</td><td colspan="2">ञ. पहुँच जीपको पहुँच ☐ ट्रकको पहुँच ☐ पैदल पहुँच ☐</td></tr>
<tr><td colspan="2">ट. बालबालिकाहरूलाई विद्यालय पुग्न लाग्ने एक तर्फी बाटोको दुरी ........ किलोमिटर ........ मिनेट</td></tr>
<tr><td colspan="2">ठ. सवारी साधानबाट जान सकिन्छ भने मुख्य बाटोबाट लाग्ने दुरी र समय ........ किलोमिटर ........ मिनेट</td></tr>
<tr><td colspan="2">ड. नजिकको सडकबाट पैदल हिड्दा लाग्ने समय ........ घण्टा ....... मिनेट</td></tr>
<tr><td colspan="2">ढ. पहाडी वा हिमाली जिल्लामा भए, नजिकको हवाई मैदानबाट हिड्दा लाग्ने समय ...... घण्टा ...... मिनेट</td></tr>
<tr><td rowspan="2">क्षेत्र</td><td colspan="2">ण. खेल्ने चउर सहित विद्यालयको जम्मा क्षेत्रफल : .........................</td></tr>
<tr><td colspan="2">त. पाल राख्नको लागि ठाउं छ ? छ ☐ छैन ☐</td></tr>
</table>

३. **भर्ना** (आपतकालीन अवस्था ................. अगाडि .................. पछाडि)

| **कक्षा/भर्ना** | **क. आपतकालीन अवस्था अगाडि** | | **ख. आपतकालीन अवस्था पछाडि** | |
|---|---|---|---|---|
| | बालिका | बालक | बालिका | बालक |
| भर्ना नभएका | | | | |
| बाल विकास केन्द्र/पूर्व प्राथमिक | | | | |
| कक्षा १ | | | | |
| कक्षा २ | | | | |
| कक्षा ३ | | | | |
| कक्षा ४ | | | | |
| कक्षा ५ | | | | |
| कक्षा ६ | | | | |
| कक्षा ७ | | | | |
| कक्षा ८ | | | | |
| कक्षा ९ | | | | |
| कक्षा १० | | | | |
| कक्षा ११ | | | | |
| कक्षा १२ | | | | |
| **जम्मा** | | | | |

## ४. विपतबाट भएको क्षति/चोट पकट

### ४.१ शिक्षक/सहजकर्ता :

| शिक्षक/सहजकर्ता | पुरुष | महिला |
|---|---|---|
| क. स्वीकृत पदहरू | | |
| ख. हाल उपस्थित | | |
| ग. क्षति/चोट पकट : | | |
| घ. सामान्य चोटपटक लागे पनि विद्यालयमा उपस्थित : | | |
| ङ. देहायको कारणले विद्यालय अनुपस्थित | | |
| ङ.१. ठूलो चोटपटक | | |
| ङ.२. आपतकालीन अवस्थाको कारणबाट अवरोध/तनावमा रहेको | | |
| ङ.३. अन्य (उल्लेख गर्ने) ...................... | | |

### ४.२ विद्यार्थीहरू

| **विद्यार्थीहरू** | **बालिका** | **बालक** |
|---|---|---|
| क. क्षति/चोटपकट : | | |
| ख. सानो चोटपटकका वावजुद विद्यालयमा उपस्थित | | |
| ग. देहायको कारणबाट विद्यालय अनुपस्थित | | |
| ग.१. ठूलो चोटपटक | | |
| ग.२. आपतकालीन अवस्थाको कारणबाट अवरोध/तनावमा रहेको | | |
| ग.३. असमाहित समूह (दलित, जनजाति, सिमान्तकृत आदि) | | |
| ग.४. अन्य (उल्लेख गर्ने) .................. | | |



### ४.३ विद्यार्थीको अवस्था

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| क. विद्यार्थीहरूसँग कापी/स्टेशनरी सामान छ ? | सबैसँग छ ☐ | अधिकांशसँग छ ☐ | केहीसँग छ ☐ | कसैसँग छैन ☐ |
| ख. विद्यार्थीहरूसंग विद्यालय पोशाक छ ? | सबैसँग छ ☐ | अधिकांशसँग छ ☐ | केहीसँग छ ☐ | कसैसँग छैन ☐ |
| ग. विद्यार्थीहरूसंग मौसमअनुसार लुगा छ ? | सबैसँग छ ☐ | अधिकांशसँग छ ☐ | केहीसँग छ ☐ | कसैसँग छैन ☐ |
| घ. विद्यार्थीहरूसंग जुत्ता छ ? | सबैसँग छ ☐ | अधिकांशसँग छ ☐ | केहीसँग छ ☐ | कसैसँग छैन ☐ |
| ङ. वैकल्पिक खाना/खाजाको व्यवस्था छ ? | सबैसँग छ ☐ | अधिकांशसँग छ ☐ | केहीसँग छ ☐ | कसैसँग छैन ☐ |

## ५. विद्यालयको अवस्था

| आपतकालीन अवस्था **अगाडि** | | आपतकालीन अवस्था **पछाडि** | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| विवरण | जम्मा संख्या | पुनः निर्माण गर्नु पर्ने | | ठूलो मर्मत | | सानो मर्मत | | राम्रो अवस्था | कै. |
| | | छैन | मर्मत गर्नुपर्ने छ भनेसंख्या | छैन | मर्मत गर्नुपर्ने छ भने संख्या | छैन | मर्मत गर्नुपर्ने छ भने संख्या | | |
| कक्षा कोठाहरू | | | | | | | | | |
| कार्यालय कोठा | | | | | | | | | |
| कर्मचारी कोठा | | | | | | | | | |
| भण्डार कोठा | | | | | | | | | |
| पुस्तकालय | | | | | | | | | |
| कम्प्युटर प्रयोगशाला | | | | | | | | | |
| विज्ञान प्रयोगशाला | | | | | | | | | |
| सभाकोठा | | | | | | | | | |
| छात्रावास/चमेना गृह | | | | | | | | | |
| खेल मैदान | | | | | | | | | |
| सिमाङ्कन पर्खाल | | | | | | | | | |
| शौचालय | | | | | | | | | |
| विजुली आइरहने | | | | | | | | | |
| अन्य (उल्लेख गर्ने) | | | | | | | | | |

### ५.१ विद्यालयलाई पुगेको हानी नोक्सानी स्तर *(एउटा उत्तरमा मात्र गोलाकार चिन्ह लगाउने)*

| **क.सं.** | **नोक्सानी स्तर** | **कै.** |
|---|---|---|
| १ | सानातीना मर्मत मात्र, नसकिएको भवन (भित्तामा पेन्टिङ्ग, प्लास्टर गर्नु पर्ने र झ्यालको लागि ऐना आवश्यक) | |
| २ | सामान्य नोक्सानी मात्र, छाना चुहिने, पेन्टिङ्ग गर्न आवश्यक, नयां ढोकाहरू र झ्याल मर्मत गर्न आवश्यक) | |
| ३ | आंशिक रूपमा भत्किएको भवन (ढोकाहरू र झ्यालहरू नभएको छानाको टायल वा फलाम नभएको) | |
| ४ | अधिकांश रूपमा भत्किएको भवन (छाना नभएको, झ्याल ढोका नभएको, भित्ता (पर्खाल) छ तर यसको स्वरूप वलियो नभएको । | |
| ५ | पूर्ण रूपमा भत्किएको । (भग्नावशेष हटाउन र पुर्ननिर्माण कार्य गर्नु पर्ने) | |

### ५.२ विद्यालय सुविधा

| उपलब्ध सुविधा | आपतकालीन अवस्था अगाडि (संख्या) | आपतकालीन अवस्था पछि (संख्या) |
|---|---|---|
| क. विद्यालय फर्निचर | | |
| क.१. कक्षामा मेच/वेन्च/गुन्द्री | | |
| क.२. कक्षामा डेस्क | | |
| क.३. शिक्षक डेस्क | | |
| क.४. कालोपाटी | | |
| क.५. कक्षामा दराजहरू | | |
| क.६. कर्मचारीको लागि फर्निचर | | |
| क.७. अतिरिक्त क्रियाकलापका साधन | | |
| क.८. अन्य (उल्लेख गर्ने) ............ | | |

### ६. पानी र वातावरणीय सरसफाइ

| | |
|---|---|
| क. खानेपानीको सुविधा ? | छ ☐ छैन ☐ |
| ख. यदि छ भने खानेपानीको स्रोत कुन हो ? | धारा ☐ इनार ☐ वोरिङ्ग ☐ हाते कल ☐ अन्य ☐ |
| ग. उपलब्ध पानीको स्रोतको दुरी | ............. कि.मी. .............. मिनेट |
| घ. विद्यार्थीहरूको लागि कस्तो किसिमको शौचालय सुविधा छ ? | खाडले चर्पी ☐ कमोट चर्पी ☐ अन्य ☐ |
| ङ. विद्यार्थीहरूको लागि चर्पी उपलब्ध छ भने कतिवटा चर्पी सन्चालनमा छन् ? | |
| च. विद्यार्थीहरूको लागि चर्पी उपलब्ध छ भने कतिवटा चर्पी सन्चालनमा छन् ? | |
| छ. शिक्षकहरूका लागि कस्तो किसिमको शौचालय सुविधा उपलब्ध छ ? | खाडले चर्पी ☐ कमोट चर्पी ☐ अन्य ☐ |
| ज. शिक्षकहरूका लागि चर्पी सुविधा छ भने कतिवटा सन्चालनमा रहेको छ ? | |

### ७. आपतकालीन आपूर्ति

| आपतकालीन आपूर्ति | छ/छैन | यदि छ भने उपलब्ध परिमाण | कस्ले उपलब्ध गराएको | आवश्यक परिमाण |
|---|---|---|---|---|
| क. विद्यालयले कुनै पाल पाएको छ ? | ☐ ☐ | ☐☐☐ | | ☐☐☐ |
| ख. विद्यार्थीको लागि सिकाइ सामग्री र अन्य सामग्री प्राप्त गरेको छ ? उदाहरण -पुस्तक, कापी, सिसाकलम, पोशाक आदि । | ☐ ☐ | ☐☐☐ | | ☐☐☐ |
| | ☐ ☐ | ☐☐☐ | | ☐☐☐ |
| | ☐ ☐ | ☐☐☐ | | ☐☐☐ |
| ग. विद्यालयले बाल विकास, कक्षा तथा शिक्षकको लागि सामग्री प्राप्त गरेको छ ? उदाहरण- चक, हाजिरीकापी, पुस्तक आदि । | ☐ ☐ | ☐☐☐ | | ☐☐☐ |
| | ☐ ☐ | ☐☐☐ | | ☐☐☐ |
| | ☐ ☐ | ☐☐☐ | | ☐☐☐ |
| घ. विद्यालयमा आपतकालीन अवस्थाका लागि "सिकाइ वाकस" तथा बाल विकास बाकस उपलब्ध छ ? | ☐ ☐ | ☐☐☐ | | ☐☐☐ |



### ८. पाठ्य पुस्तक

(क) तह र विषयको आधारमा आवश्यक पाठ्य पुस्तकको संख्या उल्लेख गर्नुहोस्

| तह | नेपाली | सामाजिक शिक्षा | विज्ञान | गणित | अंग्रेजी | स्वास्थ्य र वातावरण | कम्प्युटर | .......... | .......... | .......... |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| पूर्व प्राथमिक | इसिडी बाकस (ECD Kit) | | | | | | | | | |
| १ | | | | | | | | | | |
| २ | | | | | | | | | | |
| ३ | | | | | | | | | | |
| ४ | | | | | | | | | | |
| ५ | | | | | | | | | | |
| ६ | | | | | | | | | | |
| ७ | | | | | | | | | | |
| ८ | | | | | | | | | | |
| ९ | | | | | | | | | | |
| १० | | | | | | | | | | |
| ११ | | | | | | | | | | |
| १२ | | | | | | | | | | |

### ९. अन्य

क. कुनै नागरिक समाज/गैर सरकारी संस्था विद्यालयमा कार्यरत छ ? छ ☐ छैन ☐

ख. यदि छ भने त्यस्तो संस्थाको नाम र क्रियाकलाप उल्लेख गर्ने ☐

ग. के विद्यालय व्यवस्थापन समिति कार्यरत छ ? छ ☐ छैन ☐

घ. के अभिभावक शिक्षक संगठन क्रियाशिल छ ? छ ☐ छैन ☐

ङ. नजिकको स्वास्थ्य सेवा कति टाढा छ ? .................... मिनेट

च. स्वास्थ्य सुविधाको नाम ☐

छ. दातृ संस्था/गैरसरकारी संस्थाबाट विद्यालयले कुनै किसिमको सहायता प्राप्त गरेको छ ?
छ ☐ छैन ☐

ज. संस्थाको नाम र प्राप्त सहायताको उल्लेख गर्नुहोस : संस्थाको नाम : ...............................

**सहायताको किसिम**

१. ........................................................................................................

२. ........................................................................................................

३. ........................................................................................................

| सर्भेक्षण गर्ने संस्थाको नाम : | | |
|---|---|---|
| **टोली सदस्यहरू** | **सही** | **मिति** |
| १. गणकको नाम ........................................................ | | |
| २. गणकको नाम ........................................................ | | |
| प्रधानाध्यापक/प्रमुखको नाम ...................................... | | |
| विद्यालय सुपरिवेक्षक/स्रोतव्यक्तिको नाम ....................... | | |
| तथ्याङ्क राख्ने व्यक्तिको नाम ....................................... | | |

## १०. शिक्षक

**(शिक्षक/कर्मचारी सदस्यहरुको सूची बनाउँदा आपतकालीन अवस्थाबाट मृत्यु भएकाहरूको समेत समावेश गरिनु पर्ने ।)**

| क्र. सं. | नाम | पद | लिङ्ग (१. पुरुष, २. महिला) | उच्चतम् शैक्षिक योग्यता | उच्चतम् व्यावसायिक योग्यता | नोकरीको स्थिति (१. स्थायी सरकारी, २. अस्थायी सरकारी, ३. सामुदायिक करार, ४. अन्य) | आपतकालीन अवस्थाबाट मृत्युभएको (१. हो, २. होइन) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| क | | | | | | | |
| ख | | | | | | | |
| ग | | | | | | | |
| घ | | | | | | | |
| ङ | | | | | | | |
| च | | | | | | | |
| छ | | | | | | | |
| ज | | | | | | | |

## ११. टिप्पणी/कैफियत/घटना अध्ययन

## १२. सर्भेक्षण गर्नेको विवरण



# आपतकालमा शिक्षा (Education in Emergency)

## विद्यालय अनुगमन फाराम

**जिल्ला :**

**विद्यालयको नाम :**

**ठेगाना :**

१. आपतकालिन अवस्थाका लागि यस विद्यालयमा Cell गठन भएको- छ ☐ छैन ☐

**गठन भएको भए**

- कहिले गठन भयो ? (मिति उल्लेख गर्ने) : ..........................................................
- यो वर्ष कतिपटक बैठक सञ्चालन भयो ? ..........................................................
- पछिल्लो पटक बैठक कहिले भएको थियो ? ..........................................................
- उक्त बैठकमा छलफल भएका विषयहरू केके थिए ?
  (१) ..........................................................................................
  (२) ..........................................................................................
  (३) ..........................................................................................

२. विद्यालयमा आपतकालिन शिक्षा व्यवस्थापनका लागि Focal Person तोकिएको- छ ☐ छैन ☐

३. विद्यालयमा विभिन्न प्राकृतिक प्रकोप/दैवी विपदाबाट हुन सक्ने जोखिमका अवस्थाका लागि स्थानीय तहमा योजना (Contigency Plan) निर्माण भएको- छ ☐ छैन ☐

४. योजना निर्माण भएको भए यसले समेटेका मुख्य क्षेत्रहरू उल्लेख गर्नुहोस् ।

*(जस्तै :- जोखिमको प्रकृति र समय/अवधि पहिचान, जिम्मेवारी/कार्य विभाजन, आवस्यक सामग्री व्यवस्थापन, सुरक्षित स्थान पहिचान, EducationCluster सँगको समन्वय, अल्पकालिन बैकल्पिक व्यवस्थापन ...........आदि)*

(क) (ख)
(ग) (घ)
(ङ) (च)

- उक्त योजनामा स्पष्ट कार्ययोजना र जिम्मेवारी बाँडफाँड भएको- छ ☐ छैन ☐
- उक्त योजनाका सम्बन्धमा जिल्ला (Education Cluster)/ Focal Person) लाई सञ्चार गरिएको- छ ☐ छैन ☐
- सञ्चार बृक्ष निर्माण भएको- छ ☐ छैन ☐

➤ जिल्ला तहमा रहेको Education Cluster वा जिल्ला शिक्षा कार्यालयका Focal Person आपतकालीन अवस्थाका सम्बन्धमा केकस्ता विषयमा निर्देशन पाउनु भएको छ ?

(१) ..........................................................................................................

(२) ..........................................................................................................

(३) ..........................................................................................................

(४) ..........................................................................................................

(५) ..........................................................................................................

५. आपतकालिन अवस्थाका सम्बन्धमा विद्यालयमा सचेतना कार्यक्रम सञ्चालन भएको- छ ☐ छैन ☐

➤ सचेतना कार्यक्रम सञ्चालन भएको भए उक्त कार्यक्रममा कस-कसलाई सहभागी गराइयो ।

..........................................................................................................

..........................................................................................................

..........................................................................................................

अन्य केही भए

..........................................................................................................

..........................................................................................................

..........................................................................................................

८. विद्यालयको भौतिक पक्षको जोखिमको अवस्था आँकलन गरिएको- छ ☐ छैन ☐

जोखिमको आँकलन कसरी गरियो ?

..........................................................................................................

..........................................................................................................

..........................................................................................................

९. अभिलेख ज्यवस्थापन/प्रतिवेदनको व्यवस्था- छ ☐ छैन ☐



# आपतकालीन अवस्थामा शिक्षा कार्यक्रम

## अस्थायी सिकाइ केन्द्र आवश्यकता सर्भे फारम

१. शिविर ठेगाना :

२. जिल्ला : ............................ म.न.पा./उ.प.म.न.पा/न.पा./गा.पा.: ........................................

३. वडा : .................. टोल : ................................

४. शिविर नं. (कोड भए उल्लेख गर्ने) : ☐

---

**५. विस्थापित जनसंख्या विवरण :**

| क्र.सं. | उमेर समूह | जम्मा | पुरुष | महिला |
|---|---|---|---|---|
| १.१ | शिविरमा रहेको कुल जनसंख्या | | | |
| १.२ | ३ देखि ५ वर्षसम्मकाबालबालिका (बा.वि.के.) | | | |
| १.३ | ६ वर्ष देखि १४ वर्ष सम्मकाबालबालिका (प्राथमिक) | | | |
| १.४ | १५ वर्ष देखि १८ वर्षकाबालबालिका (माध्यमिक) | | | |
| १.५ | १९वर्ष देखि २५ वर्षकायूवाहरू (युवाशिक्षा/अतिरिक्त) | | | |
| १.६ | २६ वर्ष देखि माथिका (अनौपचारिक प्रौढ शिक्षा) | | | |

**६. शिविरका बालबालिकाको अपाङ्गताको किसिम र संख्या :**

| क्र.सं. | तह/अपङ्गताको किसिम | ३ देखि १८ वर्ष सम्मको बालबालिकाको संख्या | | |
|---|---|---|---|---|
| | | कुल | बालक | बालिका |
| १. | शारीरिक अपाङ्गता | | | |
| २. | बौद्धिक अपाङ्गता | | | |
| ३. | दृष्टिसम्बन्धि अपाङ्गता | | | |
| ४. | सुनाई सम्बन्धीअपाङ्गता | | | |
| ५. | श्रवणदृष्टिसम्बन्धीअपाङ्गता | | | |
| | **जम्मा** | | | |

**७. खानेपानीको व्यवस्था :**

| | |
|---|---|
| **आवश्यक धारा संख्या** | |

**८. शौचालयको व्यवस्था :**

| | |
|---|---|
| **आवश्यक शौचालय संख्या** | |

९. शिक्षक/सहजकर्ता उपलब्धता :

| क.सं. | तह | शिक्षक/सहजकर्ता संख्या | | |
|---|---|---|---|---|
| | | कुल | पुरुष | महिला |
| १ | पूर्व प्राथमिक/बा.वि.के. | | | |
| २ | आधारभूततह | | | |
| ३ | माध्यामिकतह | | | |
| ४ | यूवाशिक्षा | | | |
| ५ | प्रौढ शिक्षा | | | |
| | जम्मा | | | |

१०. सर्भेक्षण गर्नेको विवरण

| सर्भेक्षण गर्ने संस्थाको नाम : ................................................................... | | |
|---|---|---|
| टोली सदस्यहरू | सही | मिति |
| गणकको नाम (१) .................................................... | | |
| गणकको नाम (२) ..................................................... | | |
| शिविरप्रमुखको नाम : ........................................ | | |
| सम्बन्धित क्षेत्रकाविद्यालय सुपरिवेक्षक/स्रोतव्यक्तिको नाम : ............................................................................... | | |
| तथ्याङ्क राख्ने व्यक्तिको नाम : ......................................... | | |

**विपद् पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजना तर्जुमाका लागि गरीएको सन्दर्भ सामग्री पुनरावलोकनको नतिजा**

| सि.नं. | प्रतिवेदनको नाम | पूर्व असल अभ्यासहरू | मुख्य सिकाई |
|---|---|---|---|
| १. | आकस्मिक प्रकोप व्यवस्थापन योजना, २०६८ | २ | • २०६८ सालमा झाडापखला तथा हैंजाका पछिको महामारीमा प्रयोग<br>• २०६९ सालमा बाढी तथा डुबान पछिको महामारीमा प्रयोग |
| २ | आकस्मिक प्रकोप व्यवस्थापन योजना, २०७० | ३ | • २०७१ सालमा बाढि, पहिरो, डुबान र महामारीमा प्रयोग |
| | | | • बिभिन्न समयमा हुदै आएका बिभिन्न किसिमका महामारीमा प्रयोग |

* उपयोगिता १ देखि ३ सम्म गरी तीनवटा नाप लिनुपर्छ।

१ = अनुपयोगी, २ = केही उपयोगी, ३ = धेरै उपयोगी